उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : माईक्रोइरिगेशन

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

:

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2023–24

कक्षा–11वीं

विषय –माईक्रो इरिगेशन

इस विषय में एक प्रपत्र पत्र सैद्धान्तिक एवं एक प्रायोगिक परीक्षा होगी। परीक्षार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनों परीक्षाओं में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र–एक	3.15	30	100
प्रायोगिक	4.00	50	
सत्रांक	–	20	

भाग–1

1- Employability Skills **10**

इकाई–1 20

1. **भारतीय कृषि का इतिहास, शाखाएं, महत्व एवं क्षेत्र**
2. **मौसम एवं जलवायु**– परिभाषा, तत्व, फसलों पर प्रभाव, मौसम संबंधी उपकरणों की सामान्य जानकारी, तापमापी, वर्षामापी, उच्चतम एवं न्यूनतम तापमापी, शुष्क एवं आद्रतामापी, हाइग्रोमीटर, वायु दिशासूचक यंत्र, वायु वेगमापी।
3. **मृदा**– परिभाषा, संघटन, संरचना, गठन, मृदा जल, मृदा वायु, मृदा ताप, मृदा रन्ध्रावकाश एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक, अम्लीय एवं लवण प्रभावित मृदाओं का प्रबन्धन, राजस्थान की मृदायें।
4. **पोषक तत्व एवं उर्वरक**–पौधों के आवश्यक तत्व, महत्व एवं कमी के मुख्य लक्षण, उर्वरकों का महत्व, प्रकार (एन.पी.के. युक्त) एवं प्रयोग की विधियां
5. **सिंचाई एवं जल निकास**– सिंचाई का महत्व, स्त्रोत, साधन एवं फसलों की जल मांग, जल निकास– परिभाषा, आवश्यकता, महत्व एवं जलाक्रांत (अतिरिक्त जल) से हानियां, जल संरक्षण की आवश्यकता एवं विधियां (कुंआ जल पुनर्भरण, वाटर हार्वेस्टिंग)
6. **कृषि यंत्रों की सामान्य जानकारी**– देशी हल, मिट्टी पलटने वाला हल, हेरो, कल्टीवेटर, कम्बाइन, हार्वेस्टर, फर्टी सीड ड्रील, प्लान्टर।

इकाई–2

फल एवं सब्जियों का मानव आहार में महत्व

1. **सब्जियों का वर्गीकरण**, ऋतु, वानस्पतिक उपयोगी भाग के आधार पर सब्जियों की खेती के प्रकार– गृह वाटिका, व्यावसायिक।
2. **पौधशाला**– परिभाषा, महत्व, मृदा की तैयारी एवं रेखांकन, बुवाई, देखभाल एवं प्रतिरोपण।
3. **सब्जियों की खेती**
4. **अलकृत बागवानी**
5. **फूलों की खती**(1) गुलाब, (2) गेंदा, (3) गुलदाउदी, (4) ग्लेडियोलस।

6. **औषधीय पौधों की सामान्य जानकारी एवं उपयोगिता**–

इकाई–3

1. **भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्व।**
2. **पशुओं की आयु एवं भार ज्ञात करना।**
3. सामान्य प्रबन्धन–
4. **पशुपोषण**
5. **पशु स्वास्थ्य**–
6. **पशुओं के लिए सामान्य औषधियां एवं उपयोग**–
7. **मुर्गीपालन**–

नमूना प्रश्न पत्र 2023–24

विषयः माइक्रोइरिगेशन

कक्षा – 11

समय 3:15 घंटे | पूर्णांकः 30

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प की चुने– (10 x 1= 10)

1. भारत में कृषि का इतिहास नामक पुस्तक के लेखक कौन थे?

(अ)डॉ. पी. पी. पाल (ब) डॉ.M.S. स्वामीनाथन

(स डॉ. रंधावा (द) डॉ. वर्गीस कुरियन

2. फिप्स प्रयोगशाला की स्थापना किस वर्ष हुयी ?

(अ) 1905 (ब) 1911

(ब) 1936 (द) 1929

3. विश्व में दूध उत्पादनमें भारत का कौनसा स्थान है ?

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय

(स) तृतीय (द) चतुर्थ

4. गाय का शारीरिक तापक्रम है–

(अ) 100°F (ब) 101.5 °F

(स) 103°F (द) 107 °F

5. जलवायु शब्द किस भाषा का है ?

(आ ग्रीक (ब) लैटिन

(स) अरेबिक (द) कोई नही

6. सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते है ?

(अ) दो (ब) चार

(स) तीन (द) कोई नहीं

7. वेबपेज के समूह को क्या कहते है ?

(अ) वेबग्रुप (ब) वेबमीनू

(स) वेबसाइट (द) वेबलॉग

8. निम्न में से कौनसी एक आउटपुट डिवाइस है ?

(अ) मॉनिटर (ब) माउस

(स) की–बोर्ड (द) यू.पी.एस

9. ICT का पूरा नाम क्या है ?

(अ) Indian Care Technology

(ब) International Care Technology

(स) Information Communication Technology

(द) Indian Customer Time

10. प्राथमिक संग्रहण माध्यम है ?

(अ) हार्ड डिस्क (ब) मेमोरी

(स) सी.डी. (द) चुम्बकीय टेप

''खण्ड–ब''

2. एक से दो शब्दीय प्रश्न– (5 x1 = 5)

1. कोहरा कितने प्रकार के होते हैं ?

2. सर्वाधिक रेतीला जिला कौनसा है ?

3. कम्बाइनका कार्य है ?

4. किस फसल मे सर्वाधिक विटामिन C पाई जाती है ?

5. ICAR का पूरा नाम लिखो।

''खण्ड–स''

3. प्रश्नों का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिये– **(5 × 2 = 10)**

12. शस्य विज्ञान किसे कहते है ?

13. नींबू वर्गीय फलों के नाम लिखो।

14. कृषि विज्ञान की परिभाषा लिखिये ?

15. हैरो क्या है ?

16. हरित क्रांति के जनक कौन थे ?

''खण्ड–द''

4. प्रश्नों के उत्तर आधे पृष्ठ मे दीजिए–(कोई एक) (1x 5= 5)

17. मानवअहार मे फल व सब्जियो का महत्व लिखो।

18. औषधिय पौधे क्या है ? स्पष्ट कीजिये।

Part-1

Employability Skills

सही विकलप चुने–

1. मौखिक संचार का सही उदाहरण चुने–

   (अ) रिपोर्ट (ब) समाचार पत्र

   (स) आमने–सामने की बातचीत (द) टिप्पणियां

2. What are the different types of sounds we use in English pronounciation ?

   (a) Vowel sounds (b) Dipthong sound

   (c) Consonant Sounds (d) All of the above

3. Which of these sentences is capitalise correctly ?

   (a) I am hungry (b) Divya & Sunil are reading

   (c) The bucket is full of water (d) She lives in del

4. इनमें से कौनसा प्रेरणा का प्रकार है ?

   (अ) आंतरिक (ब) इंटरमीडियट

   (स) बाह्य (द) अ एवं स दोनों

5. किस मेन्यू ऑप्शन में कमाण्ड सेव, प्रिंट और .... है ?

   (अ) इंसर्ट (ब) फाइल

   (स) टूल (द) फॉर्मेट

6. देश में हरित अर्थव्यवस्था के लिए कौन ?

   (अ) सरकार (ब) सामाजिक कार्यकर्ता

   (स) व्यक्तिगत नागरिक (द) सभी

एक पंक्ति में उतर दीजिए–

7. हरित व्यवस्था की सफलता में सरकार की भूमिका बताए।
8. व्यापार योजना का क्या अर्थ है ?
9. एक न्यू वर्ड डॉक्यूमेंट को सेव करने के लिए चरण बताए।
10. एक टीम में कार्य करने के क्या फायदें है?
11. दो से तीन पंक्तियां लिखिए जिनका उपयोग आप अपना परिचय देने के लिए करेंगे।

एक पृष्ठ में उतर दीजिए–

12. अपनी स्वंय की एक व्यापार योजना बनाए।

Contents

अध्याय – प्रथम सस्य विज्ञान (**AGONOMY**) (10 अंक)

ईकाई (1) भारतीय कृषि का इतिहास शाखाऐ, महत्व एवं क्षेत्र

ईकाई (2) मौसम एवं जलवायु

ईकाई (3) मृदा

ईकाई (4) पोषक तत्व एवं उर्वरक

ईकाई (5) सिंचाई व जल विकास

ईकाई (6) कृषि यंत्रों की सामान्य जानकारी

अध्याय द्वितीय (उद्यान विज्ञान–**Horticulture**) (10 अंक)

ईकाई (1) फूल व सब्जियों का मानव आहार में महत्व

ईकाई (2) सब्जियों का वर्गीकरण

ईकाई (3) पौधशाला

ईकाई (4) सब्जियों की खेती

ईकाई (5) अलंकृत बागवानी

ईकाई (6) फूलों की खेती

ईकाई (7) औषधीय पौधों की सामान्य जानकारी व उपयोगिता

अध्याय तृतीय (पशुपालन –**Animal Husbandry**)(10 अंक)

ईकाई (1) भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्व

ईकाई (2) पशुओं की आयु व भार ज्ञात करना

ईकाई (3) सामान्य प्रबंध

ईकाई (4) पशुपोषण

ईकाई (5) पशुस्वास्थ्य

ईकाई (6) पशुओं के लिये समान औषधियां व उपयोग

ईकाई (7) मुर्गीपालन

इकाई प्रथम

शस्य विज्ञान

अध्याय 1

भारतीय कृषि का इतिहास, शाखायें, महत्व एवं क्षेत्र

निम्न प्रश्नों के उत्तर वस्तुनिष्ठता के आधार पर दीजिये–

1. भारत की कितनी प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है?
   (अ) 80% (ब) 70%
   (स) 65% (द) 90%
2. अथर्ववेद में जानकारी दी गयी है–
   (अ) पादप अंकुरण (ब) पादप वृद्धि
   (स) सिंचाई (द) पादप सुरक्षा
3. भारत में कृषि का इतिहास पुस्क के लेखक कौन थे?
   (अ) डॉ. बीपी. पाल (ब) एम.एस. स्वामीनाथन
   (स) डॉ. रंधावा (द) डॉ. वर्गीस कुरियन
4. फिप्स प्रयोगशाला की स्थापना कब हुयी?
   (अ) 1905 (ब) 1911
   (स) 1936 (द) 1929
5. जलवायु शब्द किस भाषा का है?
   (अ) ग्रीक (ब) लैटिन
   (स) अरेविक (द) इनमें से कोई नहीं
6. विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) का कार्यालय कहाँ है?
   (अ) जेनेवा (ब) नीदरलैण्ड
   (स) भारत (द) अमेरिका
7. मध्यवर्ती प्रदीप्ति कालिक पौधे का उदाहरण है–
   (अ) गन्ना (ब) मक्का
   (स) गेहूँ (द) चावल
8. बाजरे की कम अवधि व शीघ्र पकने वाली किस्म कौन सी है?
   (अ) RHB-171 (ब) GHB-538
   (स) HHB-67 (द) RHB-173

9. पौधे का कितने प्रतिशित भाग जल से निर्मित होता है?

(अ) लगभग 50% (ब) लगभग 70से 95%

(स) लगभग 5% (द) लगभग 100%

10. मृतिका के कणों का व्यास होता है?

(अ) 0.002 MMसे कम (ब) 0.002 MMसे अधिक

(स) 0.001MMसे 1.20 MM (द) 0. 25 MMसे 0.5 MM तक

एक से दो शब्दीय प्रश्न

11. शीतकालीन फसलों के लिये इस्टतम तापमान कितना है?
12. बौछार क्या होती है?
13. कोहरा कितने प्रकार के होते है?
14. वर्षा मापी कितने प्रकार के होते है?
15. ग्रीष्मकालीन फसलों के लिये आवश्यक–न्यूनतम तापमान कितना होना चाहिए?
16. सर्वाधिक रेतीला जिला कौनसा है?
17. मृदा कितने प्रकार की होती है?
18. राजस्थान में सर्वाधिक सिंचाई किनके माध्यम से होती है?
19. जिन नहरों में हमेशा पानी बहता है, उन्हें क्या कहते है?
20. अनावश्यक जल को खेत से बाहर निकालने की क्रिया क्या कहलाती है?
21. ऐसा जल स्रोत जिसमें सीढ़ियाँ बनी होती हैं, को क्या कहते है?
22. भू–परिस्करण कितने प्रकार का होता है?
23. केन्द्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान की स्थापना किस वर्ष की गयी?
24. कम्बाइन का क्या कार्य है?
25. ट्रेक्टर चलित हैरो में कितने डिस्क होते हैं?
26. किस फल में सर्वाधिक विटामिन सी पाया जाता है?
27. विटामिन बी की कमी से कौनसा रोग होता है?
28. हरित क्रांति कब शुरू हुयी?
29. बौने गेहूँ का जनक किसे कहा जाता है?
30. ICAR का पूरा नाम लिखें।

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिये–

31. कृषि द्वारा किन दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है?
32. भारत में हरित क्रांति के जनक कौन थे?
33. कृषि विज्ञान की परिभाषा लिखिये।
34. शस्य विज्ञान किसे कहते है?
35. कीट विज्ञान से आप क्या समझते हैं?
36. चार वायु रोधी वृक्षों के नाम लिखिये।
37. आधार तापमान क्या होता है?
38. बादल कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो।
39. ओला वृष्टि क्या होती है?
40. पाला फसल को कैसे नुकसान पहुंचाता है?
41. मृदा की परिभाषा लिखिये।
42. जिप्सम में कैल्शियम की कितने प्रतिशत मात्रा पायी जाती है?
43. हैरो क्या है?
44. मृदा अम्लीयता के प्रकार लिखिये।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आधे पृष्ठ में दीजिये–

45. मोल्ड बोर्ड हल का चित्र बनाइये

अथवा

पशु चलित हैरो पर चार लाईन लिखिये।

46. कृषि यंत्रीकरण के लाभ लिखिये।

अथवा

देशी हल का चित्र बनाइये।

47. सिंगल एक्शन तवा हैरो का चित्र बनाइये।

अथवा

पौधों में गंधक के क्या कार्य हैं?

अध्याय 2

फूलोत्पादन

बागवानी(HORTICULTURE)

निम्न प्रश्नों के उत्तर वस्तुनिष्ठता के आधार पर दीजिये–

1. निम्न में से फल वाली सब्जी है–

   (अ) आलू (ब) प्याज

   (स) भिण्डी (द) फूलगोभी

2. फूल गोभी का वानस्पतिक कुल है–

   (अ) लीलीऐसी (ब) ब्रेसीकेसी

   (स) कुकरविटेसी (द) मालवेसी

3. मार्केट गाईनिंग के फार्म की बाजार से अधिकतम दूरी होती है–

   (अ) 0-5 Km (ब) 50-70 m

   (स) 100-150 Km (द) 20-25 Km

4. गृहवाटिका का उद्देश्य होता है–

   (अ) पारिवार के सदस्यों को निरन्तर ताजा सब्जियां उपलब्ध कराना

   (ब) अधिक धन कमाना

   (स) परिवार के सदस्यों को व्यस्त रखना

   (द) सब्जी उत्पादकों से प्रतियोगिता करना।

5. पौध क्यारियों की सामान्यतयाः चौड़ाई रखनी चाहिये?

   (अ) 1 मीटर से कम (ब) 1–1.5 मीटर

   (स) 1.5 मीटर से अधिक (द) 2–2.5 मीटर

6. दीपक व भूमिगत कीटों से बचाव हेतु क्या मिलाते हैं?

   (अ) 2,4D (ब) क्लोरोपायरी क्रॉस

   (स) गंधक का चूर्ण (द) मैलाथियान 50%

7. टमाटर की बीज दर कितनी है?

   (अ) 400-500 gm/है (ब) 800-900 gm/है

   (स) 1.5-2.0 gm/है (द) 5 kg./है.

8. बुल्मोज किसकी किस्म है?

   (अ) लौकी (ब) शिमला मिर्च

(स) गाजर (द) पत्तागोभी

9. सुन्दर फूल वाली बेल है–

(अ) सतावर (ब) मनीप्लांट

(स) रंगूनलता (द) बोगनविलिया

10. अनौपचारिक शैली उद्यानों में रास्ते बनाये जाते हैं?

(अ) समतल (ब) सीधे

(स) चौड़े–सुव्यवस्थित (द) टेडे–मेडे, ऊंचे–नीचे

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक से दो शब्दों में दीजिए।

11. मानव आहार में सब्जियों की मात्रा कितनी होनी चाहिये?
12. हमारे दांत व हड्डियाँ किसे बने होते हैं?
13. फल व सब्जियों से कौन–कौन से पौषक तत्व मिलते हैं?
14. कन्द वाली किन्ही 2 सब्जियों के नाम लिखिये?
15. लौकी व करेला किस कुल की सब्जियां है?
16. जायद ऋतु की सब्जियां कब बोयी जाती है?
17. सामान्यतः किस आयु में वार्षिक पौधों की पौध रोपाई करनी चाहिए।
18. पौध घर से पौधे निकालने के बाद उनकी पैकिंग क्यों की जाती है?
19. पौधशाला क्या है?
20. हरभजन किस सब्जी की किस्म है?
21. कौनसी शाक राजस्थान में वर्षभर उगायी जा सकती है?
22. टमाटर में लगने वाली कीट कौन–कौनसे है?
23. सुन्दर फूल वाले 2 वृक्षों के नाम लिखो।
24. पुष्पराज किस पुष्प को कहा गया?
25. गेंदा का प्रवर्धन किस विधि से होता है?
26. गुलदाउदी की उत्पत्ति किस देश में हुयी?
27. हिन्दू धर्म में किस पौधे की पूजा की जाती है?
28. किस औषधीय पौधे का उपयोग दस्ताबर के रूप में करते है?
29. भारत से सर्वाधिक निर्यात की जाने वाली औषधिय फसल है?

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिये–

30. मानव आहार में रेशे का महत्व लिखें।
31. विटामिन B_2 कीकमी से होने वाले रोगों के नाम लिखो।
32. नींबू वर्गीय फलों के नाम लिखो।
33. गृह वाटिका किसे कहते है?
34. सब्जियों की खेती के प्रकारों के नाम लिखो।
35. निराई–गुडाई क्या है?
36. टमाटर की बुवाई का समय लिखें।
37. प्याज किस माह में सर्वाधिक बोयी जाती है?
38. पुष्पीय परिबंध क्या है?
39. झाड़ी किसे कहते है?
40. राजस्थन में गुलाब मंडी कहाँ स्थित है?
41. गुलाब से बनने वाली वस्तुओं के नाम लिखो।
42. तुलसी के पौधे की उपयोगिता लिखो।
43. तुलसी किस पौधे में कौन–कौनसे औषधिय गुण पाये जाते हैं?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आधे पृष्ठ में दीजिये–

44. मानव आहार में फल व सब्जियों का महत्व लिखो।

अथवा

कैल्शियम पर चार पंक्तियां लिखो।

45. गृह वाटिका के लाभ लिखिये।

अथवा

ट्रक गार्डनिंग की विशेषतायें लिखो।

46. मूली का चित्र बनायें एवं उसके बाने–कटने का समय भी स्पष्ट करें।

अथवा

पालक की खेती का वर्णन करें।

47. झाडियों के सामान्य उपयोग लिखें।

अथवा

'भूमि का चयन' किस प्रकार करना चाहये?

48. गेंदा की पौध तैयारकरने की विधि लिखिये।

अथवा

औषधिय पौधे क्या हैं? स्पष्ट कीजिये।

इकाईतृतीय

अध्याय 3

पशुपालन व डेयरी प्रबंधन

निम्न प्रश्नों के उत्तर वस्तुनिष्ठता के आधार पर दीजिये–

1. विश्व में दूध उत्पादन में भारत का कौनसा स्थान है?

   (अ) प्रथम (ब) द्वितीय

   (स) तृतीय (द) चतुर्थ

2. राजस्थान में कुल पशुधन कितना है?

   (अ) 577.32 लाख (ब) 621.42 लाख

   (स) 534.49 लाख (द) सभी

3. पशु की आयु ज्ञात करने का सबसे उत्तम तरीका कौनसा है?

   (अ) शारीरिक दशा देखकर (ब) खुर देखकर

   (स) सींग द्वारा (द) दांतों द्वारा

4. भारतीय गायों में यौवनावस्था होती है?

   (अ) 8 माह (ब) 16 माह

   (स) 24 माह (द) 32 माह

5. गाय को ब्याने के कितने दिन पश्चात गर्भधारण कर लेना चाहिये?

   (अ) 40–50 दिन (ब) 50–60 दिन

   (स) 60–90 दिन (द) 100–110 दिन

6. हाथों द्वारा दूध दोहन की सर्वोत्तम विधि है–

   (अ) चुटकी द्वारा (ब) पूर्ण हस्त दोहन

   (स) अंगूठा दबाकर (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

7. साइलेज के लिये उपयुक्त फसल है–

   (अ) मटर (ब) ज्वार

   (स) लोबिया (द) बरसीमा

8. हरे चारे में होती है–

   (अ) सुपाच्यता (ब) विरेचकता

   (स) स्वादिष्टता (द) सभी

9. गाय का शारीरिक तापक्रम है–

(अ) 100^0 F (ब) 101.5^0 F

(स) 103^0 F (द) 107^0 F

10. लडाई हेतु मुर्गी की कौनसी नस्ल पाली जाती थी?

(अ) व्हाइट लैगहार्न (ब) कडकनाथ

(स) असील (द) रोड आयलैण्ड रैड

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक से दो शब्दों में दीजिए।

11. यातायात में उपयोगी पशुओं के नाम लिखिये।
12. कुल राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में पशुधन का हिस्सा कितना है?
13. गाय–भैस की औसत आयु कितनी होती है?
14. कील दाँत किन पशुओं में पाये जो हैं?
15. पशुओं को गर्भित कराने की सर्वोत्तम विधि कौनसी है?
16. भारतीय गायों का गर्भकाल कितने दिनों का होता है?
17. गर्भवती गाय को कितना आहार देना चाहिये?
18. साइलेज में शुष्क पदार्थ कितने प्रतिशत होता है?
19. मोच का इलाज बताइये।
20. रोगी पशु किये कहते है?
21. भेड की श्वसन गति प्रति मिनट कितनी होती है?
22. ज्वर में ताप कम करने वाली औषधियों को क्या कहते हैं?
23. उत्तेजक के रूप में किसे प्रयोग में लिया जाता है?
24. एक रोगाणुनाशक का नाम लिखिये।
25. पशुओं का सर्वाधिक प्रचलित रोग कौनसा है?
26. केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान कहां पर है?
27. भारत में प्रति व्यक्ति अण्डों की उपलब्धता कितनी है?
28. रानीखेत बीमारी का दूसरा नाम क्या है?
29. दो भारतीय मुर्गियों के नाम लिखो।
30. मुर्गियों के चेचक रोग का कारक लिखिये।

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिये–

31. सर्वाधिक पशु संख्या व सबसे कम पशु संख्या वाले जिलों के नाम लिखिये।
32. कार्बनिक खाद क्या है?
33. मदकाल से आप क्या समझते हैं?
34. कृत्रिम गर्भाधान क्या है।
35. आहार के मुख्य अवयव कौन–कौन से हैं?
36. जीवन निर्वाह आहार क्या होता है?
37. मिश्रित 'हे' का महत्व लिखिये।
38. महामारी किसे कहते है?
39. घाव कितने प्रकार के होते हैं?
40. फिनाइल के दो उपयोग लिखो।
41. लाल दवा क्या है?
42. अण्डे में पाये जाने वाले अवयवों के नाम लिखो।
43. पक्षियों को ग्रिट खिलाने का क्या उद्देश्य है?
44. चेचक रोग मुर्गियों में किस उम्र में होता है?
45. सर्वाधिक अण्डा उत्पादक मुर्गियों के नाम बताइये।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आधे पृष्ठ में दीजिये–

46. रेड कॉर्निस मुर्गी का विस्तृत वर्णन करें।
47. अण्डे का सचित्र वर्णन कीजिये।
48. फिटकरी को स्पष्ट करें।
49. हे बनाने की कोई एक विधि स्पष्ट करें।
50. गाय के गर्भाशय का सचित्र वर्णनकरें।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : चित्रकला

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2023—24

कक्षा—11वीं

विषय : चित्रकला

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है—

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	30	100
प्रायोगिक	3+3 = 6.00	25+25+20 = 70	

कुल अंक 30

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

1. **प्रागैतिहासिक शैल चित्र** **2.5**

परिचय

भीमबेटका गुफा

परिचय, खोज, प्रमुख चित्र, शैली, तकनीक

पुरापाषाण कालीन युग

मध्यपाषाण कालीन युग

उतरपाषाण युग

2. **सिंधु घाटी की कलाएं** **3.5**

सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थान—हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल धोलावीरा (गुजरात), राखीगढ़ (हरियाणा) रोपड़ (पंजाब), कालीबंगा (राजस्थान)

पत्थर के मूर्तिशिल्प

दाढ़ी वाले पुजारी की प्रतिमा, पुरूष धड़

कांसे की ढलाई, नर्तकी की मूर्ति, वृषभ प्रतिमा

मृण्मूर्तियां (टेराकोटा)

मुद्राऐं (मुहरे)

3. **मौर्य कालीन कला** **3**

मौर्यकालीन खंभे, मूर्तियां और शैलकृत वास्तुकला

सारनाथ सिंह शीर्ष लाट (स्तम्भ)

दीदारगंज की यक्षिणी

4. भारतीय कला और स्थापत्य में मौर्येत्तर कालीन प्रवृत्तियाँ **5.5**

भरहूत (मध्यप्रदेश)

सांची स्तूप (मध्यप्रदेश)

मथुरा, सारनाथ एवं गांधार से प्राप्त मूर्तियां

दक्षिण भारतीय बौद्ध स्मारक

पश्चिम भारतीय गुफाएं

अजन्ता के गुफा चित्र

एलोरा गुफा मंदिर

एलिफेन्टा एवं अन्य स्थल

पूर्वी भारत की गुफा परम्परा

पदमासन में बुद्ध, कटरा टीला, मथुरा, बुद्धमुख की प्रतिमा, तक्षशिला, आसनस्थ बुद्ध–सारनाथ, पदॅपाणि बोधिसत्व अजंता, गुफा संख्या 1, मार विजय–अजन्ता, गुफा संख्या 26

5. परवर्ती भित्ति चित्रण परम्पराएं **3**

बादामी (कर्नाटक)

पल्लव, पांड्य और चोल कालीन भित्तिचित्र

विजयनगर के भित्तिचित्र

केरल के भित्तिचित्र

6. मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला **5.5**

प्राचीन मंदिर शिल्प–शिव मंदिर, नचना कुठार (मध्यप्रदेश), मूर्तिकला, मूर्तिविद्या और अलंकरण नागर व उत्तर भारतीय मंदिर शैली

मध्यभारत के मंदिर

विश्वनाथ मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर

लक्ष्मण मंदिर (खजुराहो)

पश्चिमी भारत के मंदिर

सूर्य मंदिर (गुजरात)

पूर्वी भारत के मंदिर

शिव सागर मंदिर (असम), टेराकोटा मंदिर (विष्णुपुर)

जगन्नाथ मंदिर (पुरी), सूर्य मंदिर (कोणार्क) उड़ीसा

पहाड़ी क्षेत्र के मंदिर

द्रविड या दक्षिण भारतीय मंदिर

मीनाक्षी मंदिर, मदुरै

गंगैडोचोलपुरम मंदिर

तट मंदिर, महाबल्लीपुरम

बृहदेश्वर मंदिर, तंजापुर

पांच रथ, महाबल्लीपुरम

दक्कन की वास्तुकला

कैलाशनाथ मंदिर, एलोरा

बादामी मंदिर, विरूपाक्ष मंदिर (पट्टकल)

दुर्गा मंदिर (ऐहोल), सोमनाथपुरम मंदिर

बौद्ध और जैन वास्तुकला

बाहुबली गोमेटेश्वर (कर्नाटक)

दिलवाडा मंदिर (माउंट आबू)

महाबलीपुरम् कैलाश पर्वत को हिलाते ुए रावण, लक्ष्मण मंदिर, खजुराहो

7. भारतीय कांस्य प्रतिमाएँ **3.5**

लुप्त मोम प्रक्रिया (लास्ट–वैक्स प्रोसेस)

नटराज की मूर्तिशिल्प

8. इण्डो, इस्लामिक वास्तुकला के कुछ कलात्मक पहू **3.5**

संरचना व शैलियों के प्रकार

अन्य सज्जात्मक रू^

भवन–निर्माण की सामग्री

किला, मिनारें, मकबरें, सरायें

मांडु, ताजमहल, गोल गुम्बद, जामा मस्जिद

पाठयक्रम परीक्षा 2023–24

विषय चित्रकला (प्रायोगिक)

खण्ड–अ वस्तु चित्रण (अंकन) **25**

1. दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं का (फल, सब्जी, फूल, वस्तु अथवा ज्यामितीय रूपाकार का) यथार्थवादी चित्रण कराया जाये। वस्तु चित्रण में बांयी ओर से जाते हुए प्रकाश दर्शाते हुए, छाया प्रकाश से पूर्ण किया जावे। (न्यूनतमतीन वस्तुओं में एक घनाकार वस्तु का समावेश हो) माध्यम–पेन्सिल, आकार–1 / 4 इम्पीरियल (15" x 11")

खण्ड–ब चित्र संयोजन (अनुर्अकन) **25**

1. विद्यार्थियों द्वारा पूर्व अध्ययन खण्ड–अ वस्तु चित्रण में ली गई वस्तुओं का संयोजनात्मक पक्ष द्वारा अनुर्अंकन करना है।

   वर्ण नियोजन सिद्धान्त के आधार पर सृजन करने को कहा जाये। (माध्यम व रंग)

खण्ड–स सत्रीय कार्य **20**

पांच वस्तु चित्र यथार्थंकन (त्रिआयामी) व पांच द्विआयामी अनुर्अंकन

50 रेखाचित्र (पेन्सिल, रंग) और राजस्थान की लोक कला शली से सम्बद्ध दो चित्र अनुकृतिया।

1. स्केचिंग (रेखांकन) के लिए सप्ताह में दो बार विद्यालय परिसर अथवा बाहर बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, सब्जी मण्डी, स्थानीय मेले, सार्वजनिक स्थलों, मंदिर व ऐतिहासिक स्थलों आदि पर शिक्षक द्वारा ले जाकर छात्रों को रेखांकन अभ्यास कराया जाये।
2. प्रायोगिक कार्य उपयुक्त सुविधायुक्त चित्रकला कक्ष में ही संपन्न कराया जावें।
3. प्रायोगिक कार्य में ट्रेसिंग पेपर का उपयोग निषेध है।
4. खण्ड–अ एवं खण्ड ब की प्रायोगिक परीक्षा एक ही दिन में आयोजित की जावे।

नोट :–

1. सत्र पर्यन्त समय सारिणी इस प्रकार बनाई जाए कि विद्यार्थियों को एक बार में कम से कम दो कालांशों तक निरन्तर प्रायोगिक कार्य करने का अवसर मिल सके।
2. खण्ड अ व खण्ड ब की प्रायोगिक परीक्षा के मध्य 30 मिनिट का अन्तराल रखें।

मॉडल प्रश्न पत्र सत्र 2023–24

विषय – चित्रकला

कक्षा–11

समय : 4:15 घंटे पूर्णांक : 30

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न– (1 x 5 = 5)

1. भीम बेटका कहाँ स्थित है ?

(अ) राजस्थान में (ब) उत्तरप्रदेश में

(स) मध्यप्रदेश में (द) गुजरात में

2. मृद भाण्ड का क्या तात्पर्य है ?

(अ) पकी मिट्टी के बर्तन (ब) कांच के बर्तन

(स) तांबे के बर्तन (द) लोहे के बर्तन

3. मूर्तिकला का परम्परागत केन्द्र कौनसा है ?

(अ) बिहार (ब) गुजरात

(स) दिल्ली (द) मथुरा

4. यक्षिणी दीदारगंज से प्राप्त चामर ग्रहिणी की मूर्ति अब कहाँ है ?

(अ) आगरा में (ब) दिल्ली में

(स) जयपुर में (द) पटना में

5. कांसे की नृतकी की मूर्ति कहाँ से प्राप्त हुई ?

(अ) नेपाल (ब) भारत

(स) श्रीलंका (द) मोहनजोदड़ो

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– (1 x 5 = 5)

1. भारतीय राष्ट्र चिन्ह मौर्यकला के .... से लिया गया है। (सारनाथ / लोरिया नंदगांव)
2. राजस्थान की प्रमुख लोककला .... है। (माण्डना / अल्पना)
2. राजा महेन्द्रवर्मन प्रथम ने तमिलनाडु में .... का निर्माण करवाया। (मंदिर / महलों)
4. बादामी गुफा .... में स्थित है। (कर्नाटक / महाराष्ट्र)
5. महाराष्ट्र की लोककला .... है। (माण्डना / वर्ली)

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न– (1 x 8=8 अंक)

1. भीम बेटका की गुफाओं की खोज कब और किसने की ?
2. टेराकोटा से क्या अभिप्राय है ?
3. अजन्ता में कुल कितनी गुफाए है ?
4. बौद्ध धर्म के तीन सम्प्रदायों के नाम लिखिए।
5. गणेश लेनी गुफा कहाँ स्थित है ?
6. मन्दिरों के पूजा गृह कितने प्रकार के होते थे ?
7. अर्द्धनारीश्वर मूर्ति में क्या वर्णित है ?
8. ग्वालियर किले को देखकर कौन भयभीत हो गया ?

4. लघूत्तरात्मक प्रश्न– (2 x2 = 4 अंक)

1. अजन्ता के भित्ति चित्र क्यों विख्यात है ?

   अथवा

   एलोरा में किस तरह की गुफाएं है ?
2. खजुराहो के लक्ष्मण मंदिर का वर्णन कीजिए।

   अथवा

   भारत में प्रचलित भिन्न–भिन्न मंदिरों की शैलियों की तुलना करें।

5. निबंधात्मक प्रश्न– (4x2 = 8अंक)

1. लुप्त मोम प्रक्रिया (लॉस्ट वैक्स प्रोसस) का वर्णन कीजिए।

   अथवा

   नटराज प्रतिमा का वर्णन कीजिए।
2. इण्डो–इस्लामिक वास्तुकला के प्रादुभावों के बारे में वर्णन कीजिए।

   अथवा

   ग्वालियर का किला अजेय था, सिद्ध कीजिए।

अनुक्रमणिका

विषयः चित्रकला

अध्याय	अध्याय का नाम
अध्याय 1	प्रागैतिहासिक शैल चित्र
	(i) उत्तर पुरापाषाण युग
	(ii) मध्य पाषाण युग
अध्याय 2	सिन्धुघाटी की कलाएँ
	(i) पत्थर की मूर्तियाँ
	(ii) कॉसे की ढलाई
	(iii) मृण्मूर्तियाँ
	(iv) मुद्राएँ
	(v) मृद्भाण्ड
	(vi) आभूषण
अध्याय 3	मौर्य कालीन कला
	(i) खंभे, मूर्तियाँ और शैलकृत वास्तुकला
	(ii) सिंह शीर्ष सारनाथ, याक्षिणी–दीदारगंज
अध्याय4	भारतीय कला और स्थापत्य में मौर्योत्तर कालीन प्रवृत्तियाँ
	(i) भरहुत स्तूप एवं सॉची स्तूप
	(ii) मथुरा, सारनाथ व गांधार दक्षिण भारतीय बौद्ध स्मारक
	(iii) पश्चिम भारतीय गुफाए– अजन्ता, एलोरा, एलिफेन्टा व अन्य स्थल
	(iv) पूर्वी भारत की गुफा परम्परा
अध्याय 5	परवर्ती भित्तिचित्रण परम्पराएँ
	(i) पल्लव, पाण्डव और चोल राजाओं के शासन काल में भित्ति–चित्र
	(ii) विजय नगर के भित्ति चित्र
	(iii) केरल के भित्ति चित्र
अध्याय 6	मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला
	(i) प्राचीन मंदिर, हिन्दू मंदिरों का मूलरूप, मूर्तिकला, मूर्तिविद्या और

अलंकरण

(ii) नागर या उत्तर भारतीय मंदिर शैली

(iii) द्रविड़ या दक्षिण भारतीय मंदिर शैली

(iv) दक्कन की वास्तुकला

(v) बौद्ध एवं जैन वास्तुकला की प्रगति

अध्याय 7 **भारतीय कॉस्य प्रतिमाएँ**

(i) लुप्त मोम प्रक्रिया (लॉस्ट–वैक्स प्रोसेस)

(ii) नटराज प्रतिमा

अध्याय 8 **इण्डो–इस्लामिक वास्तुकला के कुछ कलात्मक पहलू**

(i) संरचनाओं के रूपाकार

(ii) शैलियों के प्रकार प्रभाव व सज्जात्मक रूप

(iii) निर्माण सामग्री, दुर्ग, मीनार, मकबरे, सराय

भारतीय कला का परिचय

अध्याय–1

प्रागैतिहासिक शैल–चित्र

पाठ का सारांश :

अत्यंत प्राचीनकाल जिसके लिए न तो कोई पुस्तक और न ही कोई लिखित दस्तावेज उपलब्ध है, उसे प्राक् इतिहास (Pre History) कहा जाता है। ऐसे काल को प्रागैतिहासिक काल अथवा पाषाण काल कहते है। पाषाण काल को तीन भागो में विभक्त कर सकते है–

1. पूर्व पाषाण काल – (30,000 ई.पू. से 25,000 ई.पू.)
2. मध्य पाषाण काल – (25,000 ई. पू. से 10,000 ई.पू.)
3. उत्तर पाषाण अथवा नवपाषाण काल (10,000 ई. पू. से 5,000 ई.पू.)

उपरोक्त काल मानव के आरम्भिक विकास का काल रहा जहाँ प्रागैतिहासिक काल के आदि मानव गुफाओं में निवास करते थे। ऐसे स्थलों की खोज, खुदाई से पुराने औजार, मिट्टी के बर्तनों, आवास स्थलों और उस समय के मानव तथा जानवरों की हडिडयों के अवशेष मिले है। इन चीजों से प्राप्त जानकारियों को और आदिमानव द्वारा गुफाओं की दीवारों पर खीची गई आकृतियों को एक साथ जोड़ कर जो विवरण तैयार किया उससे प्रागैतिहासिक कालीन मानव के रहन सहन की जानकारी मिलती है। उत्तर पाषाण काल के आते–आते मनुष्य के कलात्मक क्रियाकलापों में भारी वृद्धी हो गई थी। दुनियाभर में इस काल की ऐसी अनेक गुफाएँ पाई गई जिनकी दीवारे उन जानवरों एवं मानव के सुन्दर चित्रों से गरी पड़ी है। जहाँ प्रागैतिहासिक मानव ने अपने विचारों को अभिव्यक्त करना शुरू किया।

भारत में शैलचित्रों की सर्वप्रथम खोज 1867–68 में पुराविद आर्किबोल्ड कर्लाइल ने की थी।काकबर्न, एंडरसन, मित्र और घोष पहले अनुसंधानकर्ता थे। भारत में उत्तर पाषाण काल के गुफाचित्र (शैलचित्र) के अवशेष मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश तथा बिहार के कई जिलों में मिले है।

चित्रित विषयों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की ज्यामितीय आकृतियां जिनमें वृत, वर्ग, आयत व त्रिभुज आदि है। शिकार या आखेट दृश्यों से गुफाओं की दीवारें भरी पड़ी है। प्रागैतिहासिक कालीन मानव जानवरों का शिकार करके अपने उदर पूर्ति (पेट भरने) में करता था और उसकी खाल का प्रयोग तन ढकने के लिये करता था। अतः अधिकांश चित्रों में जंगली जानवरों जैसे हाथी, भैंसा बैल, सुअर, हिरण, गैंडा, बकरी, घोड़ा आदि को चित्रित किया गया है। समूह बनाकर शिकार के दृश्यों के अतिरिक्त सामाजिक जीवन के दृश्य, मधू निकालते हुये, नृत्य और उल्लास व्यक्त करते हुये दृश्यों को भी चित्रित किया गया है।

प्रागैतिहासिक मानव द्वारा सहज उपलब्ध खनिज रंगो का प्रयोग किया गया है, जिसमें गेरू व खडिया का प्रयोग पेड़ की पतली रेशेदार टहनियों से बनी ब्रुश का प्रयोग करके चित्र बनाये गये है।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

1. शैल चित्र कहाँ चित्रित हुए है?

   (अ) गुफाओं में (ब) महलो में

   (स) घरों में (द) झोपड़ियो में

2. शैल चित्रों की आकृतियाँ किस प्रकार की है ?

   (अ) लयात्मक (ब) ज्यामितीय

   (स) कलात्मक (4) अमूर्त

3. भीमबैटका कहाँ स्थित है ?

   (अ) राजस्थान (ब) उत्तरप्रदेश

   (स) मध्य प्रदेश (द) गुजरात

4. सबसे अधिक शैल चित्र किस प्रदेश में बने है ?

   (अ) उत्तर प्रदेश (ब) राजस्थान

   (स) महाराष्ट्र (द) मध्य प्रदेश

5. भीमबेटका गुफा चित्रों की खोज किसने की ?

   (अ) डॉ. वी.एस. बाकणकर (ब) दयाराम साहनी

   (स) आनन्द स्वामी (द) राखल दास

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. भीमबेटका की खोज वर्ष ....हैं। (1957––58 / 1967–68)
2. शैल चित्रों में सर्वाधिक चित्र ....के बने हैं। (प्रवास / शिकार)
3. जंगली भैसे का शिकार चित्र .... में है। (होशगाबाद / किशनगढ़)
4. कराहता हुआ सुअर..................... गुफा में बना है।(मणिपुर / मिर्जापुर)
5. प्रागैतिहासिक चित्रों में कौनसे .... रंगों प्रयोग किया गया है।(प्राकृतिक / कृतिम)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

3. प्रागैतिहासिक काल को आमतौर पर क्या कहा जाता है?
4. भारत में शैल चित्रो की सर्वप्रथम खोज कब हुई?
5. उत्तर पुरापाषाण युग के चित्र कैसे बनाए गए?
6. भीमबेटका के कलाकारों के अधिक पसंदीदा रंग कौनसे थे?
7. मध्यपाषाण काल में जानवरों को किस अवस्था में चित्रित किया?

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

8. प्राक्इतिहास (Pre History) किसे कहा जाता है?
9. भीमबेटका की गुफाओं की खोज कब और किसने की?
10. मध्यपाषाण काल के चित्रकारों की पसंदीदा चित्रकारी लिखो?
11. प्राक्ऐतिहासिक चित्रों से हमें क्या जानकारी मिलती है?
12. आदिम जाति के लोग आज भी कैसा व्यवहार करते है?

निबन्धात्मक प्रश्न –

13. प्रागैतिहासिक काल के लोग अपने चित्रों के लिए विषयों का चयन किस प्रकार करत थे?
14. गुफा चित्रों में मानव आकृतियों की अपेक्षा, जानवरों की आकृतियाँ अधिक होने के क्या कारण रहे होंगे?
15 भीमबेटका के अलावा और कौन से प्रमुख स्थल है जहाँ से प्रागैतिहासिक चित्र पाए गये? वर्णन कीजिए।

अध्याय–2

सिन्धुघाटी की कलाएँ

पाठ का सारांश :

सिन्धु नदी की घाटी में कला का उद्भव 3000 ईसा पूर्व के उत्तरार्द्ध मे हुआ था। इस सभ्यता के विभिन्न स्थलों के उत्खनन से कला के जो रूप प्राप्त हुए हैं, उनमें प्रतिमाएँ, मुहरे, मिट्टी के बर्तन व खिलोने, आभूषण, पकी हुई मिट्टी की मूर्तिया, धातु की मूर्ति एवं पत्थर से बनाई गई मूर्तियाँ शामिल है। उस समय के कलाकारों में निश्चित रूप से उच्च कोटि की कलात्मक सूझबूझ और कल्पनाशक्ति विद्यमान थी। उनके द्वारा बनाई गई मनुष्यों तथा पशुओं की मूर्तियाँ अत्यन्त स्वाभाविक है। मिट्टी की मूर्तियों मे जानवरों को सहज व सावधानी के साथ निर्माण किया है।

सिंधुघाटी सभ्यता के दो प्रमुख स्थल हड़प्पा और मोहनजोदड़ो नामक दो नगर थे जिसमें हड़प्पा उत्तर में और मोहनजोदड़ों दक्षिण में सिंधु नदी के तट पर, बसे हुये थे। ये दोनो नगर सुन्दर नगर नियोजन की कला के प्राचीनतम उदाहरण थे। इन नगरों मे रहने के मकान, बाजार, भण्डार घर, कार्यालय, सार्वजनिक स्नानगार आदि सभी अत्यन्त व्यवस्थित रूप से यथा स्थान बनायें गये थे। इन नगरों में जलनिकासी की व्यवस्था भी काफी विकसित थी। हड़प्पा व मोहनजोदड़ों इस समय पाकिस्तान में स्थित है। कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थलो से भी हमें कला वस्तुओं के नमूने मिले है, जिनमें लोथल और धोलावीरा (गुजरात), राखीगडी (हरियाणा), रोपड़ (पंजाब) तथा कालीबंगा (राजस्थान) मे है।

सिन्धुघाटी सभ्यता से प्राप्त कलावशेषों मेंमोहनजोदड़ों की मूर्तियों में काँसे की नृतकी व ध्यानावस्थित साधु सफेद चुनार पत्थर से बनाया गया मुख्य है। हड़प्ता से प्राप्त मूर्तियों में बलुए पत्थर मे नृतक का धड़ व एक अन्य पुरुष का धड़ मुख्य है। इसके अतिरिक्त अनेक धातुओं तथा मिट्टी के पके हुए मूर्तिशिल्प मिले है। इसके अतिरिक्त सिलखड़ी पत्थर से बनी मोहरे, तांबे की गोल व चौकोर आकृतियों की मोहरे मिली है। इनमें सपाट अग्र भाग पर कलात्मक आकृतियां व अपठित लिपि अंकित है। कुछ विख्यात मोहरों में पशुपति, पीपल वृक्ष, वृषभ, दो बाघ व मानव आकृति, हाथी, नीलगाय, गैंडा, मैसा, बारहसिंगा बकरी आदि है। खिलोनों के अन्तर्गत बैलगाड़ी, विभिन्न पक्षियों की आकृतियाँ है।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

    1. हड़प्पा कहाँ पर स्थित है ?

        (अ) पाकिस्तान में (ब) भारत में

        (स) बांग्लादेश में (द) श्रीलंका में

    2. मृदभाण्ड का क्या तात्पर्य है ?

        (अ) पकी मिट्टी के बर्तन (ब) काँच के बर्तन

        (स) तांबे के बर्तन (स) लोहे के बर्तन

3. सिन्धुघाटी सभ्यता की मोहर बनाते थे ?

(अ) धातु से (ब) सेलखड़ी से

(स) सीमेंट से (4) मिट्टी से

4. काँसे की नृतकी की मूर्ति कहाँ से प्राप्त हुई ?

(झ) नेपाल (ब) भारत

(स) श्रीलंका (द) मोहनजोदड़ो

5. टेराकोटा से अर्थ है–

(अ) धातु से (ब) पत्थर से

(स) सीमेंट से (द) पकी हुई मिट्टी से

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. पकाई मिट्टी की ईटों की सभ्यता .... कहते है। (सिन्धु घाटी सभ्यता/हडप्पा)
2. ध्यानावस्थित साधु मूर्ति .... से प्राप्त हुई हैं। (सिन्धु घाटी सभ्यता/मोहन जोदड़ो)
3. टेराकोटा को अर्थ .... से है। (पकाई हुई मिट्टी/सीमेंट)
4. पुरुष घड़ की मूर्ति .... की बनी है। (कालापत्थर/लालबलुबवा पत्थर)
5. मुद्राएं (मुहरें) का आकार .... है। (आयताकार/गोल)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

3. सिन्धुघाटी सभ्यता के दो प्रमुख स्थलों के नाम लिखिए?
4. हडप्पा के लोग कौनसी धातु की ढ़लाई बड़े पैमाने पर करते थे?
5. मृद्भाण्ड का तात्पर्य किससे है?
6. हडप्पा के लोग विशेष रूप से किन पशुओं के नमूने बनाते थे?
7. धौलावीरा में किसके अवशेष मिले है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

8. हडप्पाई स्थलों परपाई गयी मूर्तियों की विशेषता बताइये?
9. टेराकोटा से क्या अभिप्राय है?
10. सिन्धुघाटी कालीन मुद्राएं किससे बनी है?
11. मृद्भाण्डों से क्या पता चलता है?
12. हरियाणा के पुरास्थल फरमाना में क्या पाया गया?
13. सिन्धुघाटी के कलाकार एवं शिल्पकार किसमें पारंगत थे?

निबन्धात्मक प्रश्न–

14. सिन्धु सभ्यता के लोग कलाप्रेमी थे, वर्णन कीजिए।
15. हडप्पाई मृण्मूर्तिकला और आज प्रचलित मृणमूर्ति कला में आप क्या समानताएँ और विभिन्नताएं पाते हैं?
16. सिन्धु सभ्यता से प्राप्त कला सम्बन्धि वस्तुओं से हमें उनके जीवन के विषयमें क्या पता चलता है?

अध्याय–3

मौर्य कालीन कला

पाठ का सारांश :

नंदवंश के पश्चात चन्द्रगुप्त ने चाणक्य की सहायता से मोर्य साम्रराज्य की स्थापना की। सम्राट अशोक इस वंश का सर्वाधिक प्रतापी राजा था। प्रायः इतिहासकार 320 ई. पू. से 185 ई. पू. तक मोर्य काल मानते है यहां गंगा की घाटी में बौद्ध एवं जैन धर्मो के रूप में नए धार्मिक एवं सामाजिक युग की शुरुआत हुई। सम्राट अशोक कलिंग युद्ध के पश्चात बौद्ध धर्मानुयायी हो गया था। उसने बौद्ध धर्म के प्रचार व प्रसार के लिये स्तंभों, स्तूपो एक शिलालेखों का निर्माण करवाया, कहा जाता है कि उसके समय 84000 स्तूप बने थे।

इस समय मठ के सम्बंध में स्तूपों और विहार का निर्माण इस श्रमण परम्परा का एक अंग हो गया था। मौर्यकालीन कला के इस अध्याय में मोर्य कालीन स्तूप, स्थापत्य, मूतियाँ व स्तम्भों की जानकार प्राप्त करेंगे।

मोर्यकालीन स्तंभों को दो भागों में विभक्त कर कानाया गया है, जिसें लाट (सम्पूर्ण खंभा) एवं परगहा (जो लाट के शीर्ष पर रखा जाता है) है। ये स्तंभ 30 से 40 फीट ऊंचे है। परगहे पर सिंह, हाथी, वृषभ, अश्व आदि के साथ धर्म चक्र बने हुये है। सारनाथ के शीर्ष पर चार सिंह चारो दिशाओं मे मुख किये हुये पीठ जोड़े हुये बैठे है। चौकी पर चार धर्मचक्र के साथ वृषभ घोड़ा, हाथी और शेर की आकृतियाँ सुन्दरता के साथ उकेरी गई है यह विश्व की श्रेष्ठ पशु मूर्ति है एवं भारत का राष्ट्रीय चिन्ह है। इसके अतिरिक्त दीदारगंज की यक्षिणी या चामरग्रहिणी की मूर्ति जो कि बलुआ पत्थर से बनी है, कुशलता के साथा बनायी गयी है। इन सभी मूर्तियों पर एक विशेष ओप (पालिश) की गयी है जो कि मौर्यकालीनमूर्तियों की विशेषता है। पटना, विदिशा और मथुरा जैसे अनेक स्थलों पर यक्षों तथा यक्षिणियों की बड़ी बड़ी मूर्तियां पाई गई है।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न –.**

   1. मूर्तिकला का परम्परागत केन्द्र कौनसा है ?

      (अ) बिहार (ब) गुजरात

      (स) दिल्ली (द) मथुरा

   2. गणेशलेनी गुफा कहाँ स्थित है ?

      (अ) महाराष्ट्र (ब) आगरा

      (स) दिल्ली (2) जयपुर

   3. अशोक स्तम्भ के कितने भाग है ?

      (अ) चार (ब) दो

      (स) पांच (द) तीन

4. जातक कथाओं का किस धर्म से सम्बंध है ?

(अ) जैन (ब) हिन्दू

(स) बौद्ध (द) ईसाई

5. यक्षिणी दीदारगंज से प्राप्त चामर ग्रहिणी की मूर्ति अब कहाँ है ?

(अ) आगरा (ब) दिल्ली

(स) जयपुर (द) पटना

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. जातक कथाओं का सम्बंध .... से है। (बौद्ध धर्म / जैन धर्म)
2. मोर्यवंश का सर्वाधिक कला प्रेमी सम्राट ....था। (हर्षवर्धन / अशोक)
3. राजस्थान में बौद्ध स्तूप ....में स्थित है।(विराटनगर / अहमद नगर)
4. अशोक कालीन प्रसिद्ध स्तम्भ .... का है।(डोरिया / सारनाथ)
5. भारतीय राष्ट्रचिन्ह मौर्यकला के .... से लिया है।सारनाथ स्तम्भ / विजय स्तम्भ)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

3. मौर्य कालीन स्तंभ शीर्ष कहाँ पाया गया?
4. साँची स्तूप किसके शासन मे बनाया गया?
5. भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में किसे अपनाया गया है?
6. याक्षिणी की मूर्ति कहॉ से प्राप्त हुई?
7. बौद्ध स्मारकों की मुख्य विषय वस्तु क्या थी?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

8. मौर्यकाल में कौन से आन्दोलनों की शुरूआत हुई?
9. मौर्य कालीन स्तम्भ कैसे बनाए गये।
10. सारनाथ 'सिंह शीर्ष' की विशेषता बताइये?
11. लोमष ऋर्षि की गुफा कहां स्थित है?
12. स्तूप एवं स्तंभों का निर्माण बैड़े पैमाने पर क्यों शुरू हुआ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

13. भारत में मूर्तियाँ बनाने की कला मौर्य काल से शुरू हो गई, उदाहरण सहित लिखे।
14. स्तूप का क्या महत्व है, तथा स्तूप वास्तुकला का विकास कैसे हुआ।
15. जातक कथा क्या है? जातक कथा का बौद्ध धर्म से क्या सम्बन्ध है? बताइये।

अध्याय–4

भारतीय कला और स्थापत्य में मौयोंत्तर कालीन प्रवृतियाँ

पाठ का सारांश :

ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के बाद बौद्ध सम्राटअशोक ने बौद्ध स्तूपों के निर्माण की जो परम्परा डाली वह शुंग काल में और अधिक विकसित हुई। शुंगकाल 188 ई.पू. से 30 ई.पू. तक माना गया है। मौर्य वंश के बाद शुंग वंश की स्थापना हुई। इस समय बौद्ध, जैन तथा हिन्दू धर्म से सम्बंधित कला का रूप दृ ष्टिगोचर होता है। इस समय स्तूप, तोरण द्वार, गुफा तथा मंदिरों का

निर्माण हुआ। इन धर्म स्थलों में प्रयुक्त पाषाण की कलात्मक अभिव्यक्ति के द्वारा गौरवपूर्ण बनाया गया है।शुंगकालीन काल के साँची तथा भरहुत कला के अद्वितीयउदाहरण है।

उत्तर भारत व मध्य भारत के कुछ हिस्सों में शुंग, कण्व, कुषाण औरगुप्त शासको ने अपना आधिपत्य जमा लिया तो दक्षिण तथा पश्चिम भारत में सातवाहनो और वाकाटकों ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया। उस समय के कुछ उत्कृष्ट उदाहरण विदिशा, भरहुत, बौद्ध गया, मथुरा, उदयगिरि, मजपावनी महाराष्ट्र से प्राप्त हुए मौर्योत्तर स्थापत्य की जानकारी इस अध्याय मे प्राप्त करेंगे।

भरहुत स्तूप के शिल्पों में अर्द्ध उभार लिये कलात्मक चित्रात्मक भाषा के माध्यम से दर्शाया गया है। जिनमें माया देवी का स्वप्न एवं जातक कथाएँ उत्कीर्ण की गयी है। साथ ही रिक्त स्थानों पर फुल्लों का प्रयोग किया गया है।

साँची का स्तूप में दो प्रदक्षिणा पथ एवं इसके चार तोरण द्वार है जो सुंदरता से सजे हुए है। इन तोरणों पर बुद्ध के जीवन की घटनाओं और जातक कथाओं के अनेक प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया है। प्रतिमाओं कासंयोजन अधिक उभारदार है और सम्पूर्ण अन्तराल से भरा हुआ है। हाव भाव और शारीरिक मुद्राओं का प्रस्तुतिकरण स्वाभाविक है।

आन्ध्रदेश के वेंगी क्षेत्र में अनेक स्तूप स्थल है, जिनमें जगय्यपेट, अमरावती, मट्टीप्रोलुरो, नागार्जुनकोंडा आदि स्थानों पर बुद्ध के जीवन एवं जातक कथाओं को सुन्दरता के साथ उत्कीर्ण किया गया है।

गुफाओं के अन्तर्गत पश्चिम भारत में चैत्य (पूजागृह का निमार्ण किया गया है। गुफाओं मे पीछे की तरफ स्तूप का निर्माण आम बात थी। साथ ही विहारों (निवास स्थल) का निर्माण भी चैत्यों के साथ ही किया गया है।

अजंता की गुफायें इस परम्परा के श्रेष्ठ उदाहरण है।यहाँ 26 गुफाएँ है, जिनमें गुफा संख्या 9, 10, 19 व 26 चैत्य शेष विहार है। जहां शिल्प कलाएँ एवं चित्रकला के श्रेष्ठ उदाहरण देखने को मिलते हैं। शिल्पों के अन्तर्गत बुद्ध मूर्तिया, जातक कथाए एवं स्तूप को उत्कीर्ण किया गया है। अजंता की सम्पूर्ण गुफाएँ छत, स्तंभ एवं दीवारे सुन्दर अलंकरण एवं बुद्ध के जीवन की घटनाओं व जातक कथाओं से भरी पड़ी है। गुफा संख्या 17 में 'राहुल समर्पण' अप्सरा, गुफा संख्या 1 में बौद्धिसत्व पद्मपाणी, बौदिसत्व

वज्रपाणी, मारविजय, महाजनक जातक, प्रेमी युगल आदि कुछ श्रेष्ठ उदाहरण है। जानवरों में हाथी का अंकन प्रचुरता से किया गया है। पुष्पों में कमल के पुष्प की प्रधानता है।

इसके अतिरिक्त एलौरा के अन्तर्गत बौद्ध, जैन एवं हिन्दू धर्म से जुड़ी गुफाओं का निर्माण किया गया जो कि मूर्तिकला के श्रेष्ठ उदाहरण है। कैलाशनाथ मंदिर मूर्तिकला का श्रेष्ठ उदाहरण है।

महाराष्ट्र में मुंबई के निकट ऐलिफेंटा गुफा भगवान शिव को समर्पित है। तीन मुख वाली महेश मूर्ति छठी शताब्दी में निर्मित श्रेष्ठ उदाहरण है।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

1. साँची स्तूप कहाँ पर स्थित है ?

   (अ) मध्यप्रदेश (न) हरियाणा

   (स) राजस्थान (6) पंजाब

2. अमरावती स्तूप के अवशेष कहाँ संग्रहित है ?

   (अ) चैन्नई (ब) दिल्ली

   (स) मुम्बई (द) आगरा

3. अजंता की गुफाएं कहाँ स्थित है ?

   (अ) आन्ध्रप्रदेश (ब) महाराष्ट्र

   (स) गुजरात (द) राजस्थान

4. राहुल समर्पण था चित्र किस गुप्ता संख्या में अंकित है ?

   (अ) गुफा सरया 10 (ब) गुणा संख्या 12

   (स) गुफा संख्या 14 (द) गुफ संख्या 1

5. अमरावती स्तूप कहाँ पर स्थित है ?

   (अ) उत्तर प्रदेश (ब) बिहार

   (स) मध्यप्रदेश (द) आन्ध्रप्रदेश

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. ऐलोरा गुप्पा स्थल ....जिले में स्थित है। (औरंगाबाद/होशंगाबाद)
2. साँची स्तूप चारों दिशाओं में .... बने है। (स्वागत द्वार/तोरण द्वार)
3. भगवान बुद्ध के देहावसान की घटना को .... कहा जाता है। (महानिर्वाण/महायान)
4. अमरावती स्तूप में .... का पत्थर प्रयोग गया है।(संगमरमर/काले)
5. साँची स्तूप की खोज का श्रेय .... को जाता है।राखल दासव/जनरल टेलर)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

3. वैष्णव धर्म और शैव धर्म का उदय कब हुआ?
4. भरहुत की मूतियाँ कहाँ देखी जा सकती है?
5. मूर्तिकला का परम्परागत केन्द्र कौनसा था?
6. गणेशलेनी गुफा कहाँ स्थित है?
7. अजन्ता में कुल कितनी गुफाएँ है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

8. मूर्तिकला के उत्कृष्ठ उदाहरण कहाँ पाए गये है?
9. कला के उत्पादन के मथुरा के अलावा अन्य केन्द्र कौनसे उभरे?
10. अमरावती के महाचैत्य की प्रतिमाएँ कहां सुरक्षित है?
11. अजन्ता की गुफाएँ कहाँ स्थित है?
12. एलोरा में किस तरह की गुफाएँ है?
13. गुंटापल्ली के विष्य में आप क्या जानते है? लिखे।

निबन्धात्मक प्रश्न–

14. सॉची के स्तूप की भौतिक एवं सौन्दर्य विशिष्टताओं का वर्णन करें।
15. पॉचवी एवं छठी शताब्दी ईसवी में उत्तर भारत मूर्तिकला की शैलीगत प्रवृत्तियों का विश्लेषण करें।
16 अजन्ता के भित्ति चित्र क्यों विख्यात है?

अध्याय–5

परवर्ती भित्ति चित्रण परम्पराएँ

पाठ का सारांश :

परवर्ती भित्ति–चित्रण परम्पराओं में अजंता के बाद भी चित्रकला के बहुत कम पुरास्थल बचे है, जो चित्रकला की परम्परा की गुफा निर्माण की परम्परा भी अनेक स्थानों पर चलती रही, जहाँ मूर्तिकला और चित्रकला दोनों का एक समान उपयोग होता रहा है, जिसमें बादामी गुफा है। कर्नाटक राज्य में स्थित है। चालुक्य वंश के आरम्भिक राजाओं, नरेश मंगलेश ने बादामी गुफाओं की खुदाई व संरक्षण दिया।

यह गुफा विष्णु की प्रतिमा को समर्पित की गई थी। बहुत सुंदर गुफा बनी है। कहते है कि इसका संरक्षक राजा मंगलेश वैष्णव धर्म का अनुयायी था। इस गुफा की मंडप और मेहराबदार छत पर चित्रकारी के कुछ अंश बचे है। इस गुफा में राजमहल का दृश्य चित्रित किया गया है। दक्षिण भारत में अजंता से लेकर बादामी तक की भित्ति चित्र परम्परा का विस्तार है। इसमें लयबद्ध रेखाएं, धाराप्रवाह रूप। चुस्त संयोजन कला की कुशलता और परिवक्ता के सुन्दर उदाहरण है। चेहरे के अलग–अलग हिस्सों की बाहरी रेखाएँ सुस्पष्ट है और संपूर्ण चेहरे को सुन्दरता प्रदान करती है।

चित्रकला परम्परा पूर्ववर्ती शताब्दियों में पल्लव, पांडय और चोल वंशीय राजाओं के शासन काल में दक्षिण भारत में तमिलनाडु तक फैल चुकी थी। महेन्द्र वर्मन प्रथम बड़ा कलाप्रेमी और कलाओं का संरक्षक थे। ये अनेक उपाधियों से विभूषित था। जैसे विचित्र चित्र, चित्रकार पुलि, चैत्यकारी इन उपाधियों से पता चलता है।

विजयनगर के भित्तिचित्र विजयनगर के राजवंश (चौदहवीं से सोलहवीं शताब्दी) में अपना अधिपत्य जमा लिया और हम्पी को अपने राज्य की राजधानी बनाया। अनेक मंदिर, अनेक चित्र आज भी मौजूद है। आधुनिक आंध्रप्रदेश में हिन्दूपूर के पास लेपाक्षी में वहाँ शिव मंदिर की दीवारों पर विजय नगरीय चित्रकला के शानदार नमूने देख सकते है। आरम्भिक चित्रों में वर्द्धमान महावीर के जीवन के संदर्भ का चित्रण है। नायक कालीन चित्रों में महाभारत–रामायण के प्रसंग और कृष्ण लीला के दृश्य चित्रित किए गए है।

तिरूवरूर में एक चित्रफलक में मुचुकंद की कथा चित्रित है। चिदम्बरम, तमिलनाडु में अनेक फलों में शिव और विष्णु की कथाए चित्रित है।

केरल के भित्ति चित्र (सोलहवीं से अठारहवीं शताब्दी के दौरान) केरल के चित्रकार ने एक चित्रात्मक भाषा तथा तकनीक का विकास कर लिया था। इसमें नायक व विजयनगर शैली के तत्व का प्रभाव था। मानव आकृतियों को त्रिआयामी रूप में प्रस्तुत किया जा सके। चित्र पूजागृह की दीवारों और मंदिरों की मेहराबदार दीवारों पर और कुछ राजमलों के भीतर भी देखे जा सकते है। अधिकांश चित्र पौराणिक आख्यान हिन्दुओं के धार्मिक कथा पर आधारित है। केरल के भित्ति चित्र 60 से भी अधिक स्थानों पर मिले है।

भित्ति चित्रों की कुछ परम्परागत उदाहरण है। राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग, पिठोरो, उत्तर बिहार में मिथिला क्षेत्र में मिथिला भितिचित्र, महाराष्ट्र में वर्ली अथवा ओडिया, बंगाल, मध्यप्रदेश या छत्तीसगढ़ के कुछ गाँवों की दीवारों का अध्ययन हम करेंगे।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

1. बादामी गुफा कहाँ स्थित है ?

   (अ) कर्नाटक (न) गुजरात

   (स) महाराष्ट्र (द) उत्तर प्रदेश

2. नटराज की प्रतिमा कहाँ स्थित है ?

   (अ) मध्य प्रदेश (ब) तामिलनाडू

   (स) महाराष्ट्र (द) आन्ध्रप्रदेश

3. सित्तनवासल गुफाऐ किस धर्म से सम्बंध रखती है ?

   (अ) बौद्ध धर्म (ब) जैन धर्म

   (स) हिन्दू धर्म (द) मुस्लिम धर्म

9. नायक कालीन चित्रों में किसका प्रसंग है ?

   (अ) रामायण / गीता (ब) गीता / कल्याण

   (स) बाइबल / कुरनि (ब) रामायण / महाभारत

5. केरल के भित्ति चित्र कितने स्थानों मिले हैं ?

   (अ) 50 स्थानों पर (ब) 60 स्थानों पर

   (सं) 70 स्थानों पर (द) 80 स्थानों पर

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–**

1. महाराष्ट्र की लोक कला .... है। (वर्ली / मॉडना)
2. राजस्थान की प्रमुख लोककला .... है। (मॉडना / अल्पना)
3. राजा महेन्द्रवर्मन प्रथम ने तामिलनाडू में ....का निर्माण करवाया। (किले / महल)
4. दक्षिण भारत में अजंता से लेकर बादामी तक .... परम्परा का विस्तार है। (भित्तिचित्र / मूर्ति शिल्पि)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

3. बादामी कहॉ स्थित है?
4. 'विचित्रचित्र' उपाधि से विभूषित कौन था?
5. चौल वंश के पतन के बाद किसका शासन आया?

6. नटराज का चित्र कहां चित्रित है?

7. केरल के भित्ति चित्रों में से कौनसे महल चित्रित है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

8. महेनद्रवर्मन प्रथम ने मंदिरों का निर्माण कहॉ किया?

9. पांड्य सत्ता में कला को संरक्षण के उदाहरण कहां मिलते है?

10. विजयनगरीय चित्रकला के नमूने कहॉ देखने को मिलते है।

11. केरल में कलाकारों के चित्रण विषय क्या था?

12. भित्ति चित्रों के कुछ परम्परागत उदाहरण बताइये?

निबन्धात्मक प्रश्न–

13. बादामी के गुफा भित्ति–चित्रों की क्या विशेषताऍ है?

14. विजयनगर के चित्रों पर एक निबन्ध लिखिए?

15. केरल एवं तमिलनाडू की भित्ति चित्र परम्पराओं का वर्णन कीजिए।

अध्याय–6

मन्दिर स्थापत्य और मूर्तिकला

पाठ का सार :

मूर्तिकला वस्तुतः स्थापत्य में जो भावना और कल्पना है, वही मूर्तिकला है। मूर्तिकला देश की सांस्कृतिक प्रगति, मानव जीवन, धार्मिक चिन्तन और आदि का प्रतिबिम्ब है। मन्दिर धार्मिक और सामाजिक परम्परा का महत्वपूर्ण हिस्सा हो गये। इन शिलालेखों पर राजाओं द्वारा दिए गए संरक्षण व बनाने का उल्लेख मिलता है। ऐसे मंदिरों में कालान्तर में आवश्यकताओं के अनुसार अनेक मण्डप जैसे कि अर्द्धमण्डप, महामण्डप, नाट्य या रंग मण्डप और जोड़ दिये। निश्चित रूप से कह सकते है। दसवीं शताब्दी तक आते–आते भू–प्रशासन में मन्दिर की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी थी।

जहाँ एक तरफ स्तूप और स्तम्भों का निर्माण कार्य जारी रहा, वहीं दूसरी ओर सनातन हिन्दू धर्म के मन्दिर और देवी देवताओं की प्रतिमाएं भी बनने लगी थी। हर मन्दिर में एक मुख्य देवता होता था। प्रधान देवता की प्रतिमा मन्दिर में स्थापित करते थे। मन्दिरों में पूजागृह तीन प्रकार के होते है– (1) संघर (जिसमें प्रदक्षिणा पथ होता है।, (2) निरंधन किस्म (जिसमें प्रदक्षिणा पथ नहीं होता है। और (3) सर्वतोमद (जिसमें सब तरफ से प्रवेश किया जा सकता है। हिन्दू मंदिरों के मूल रूप– (1) गर्भगृह, (2) मण्डप, (3) शिखर, (4) वाहन आदि की जानकारी इस अध्याय में करेंगे।

भारत में मन्दिरों की दो श्रेणियों के है। उत्तर भारत में नागर शैली और दक्षिण भारत में द्रविड शैली मन्दिर परम्परा रही है।

मध्यप्रदेश के चन्देलवंशीय शासकों ने खजुराहो में अनेक मन्दिर बनवाये, जिनमें कन्दरिया महादेव, विश्वनाथ मन्दिर, चौसठ योगिनी मछिर तथा जैन मन्दिरों में पार्श्वनाथ मन्दिर उल्लेखनीय है। वे सभी मन्दिर अपने विन्यास तथा मूर्तिकला के सुन्दर सजीव उदाहरण है। उत्तर भारत में राजस्थान में भी अनेक मन्दिरों का निर्माण हुआ, जिसमें औंसिया (जोधपुर) दुर्गा मन्दिर किराडू (बाड़मेर) माउंट आबू और रणकपुर जैन मन्दिर महत्वपूर्ण है।

गुजरात में शामला जी मन्दिर, मोटेरा (गुजरात) का सूर्य मंदिर पूर्वी भारत, असम, बंगाल, ओडिशा का सूर्य मंदिर, कोणार्क महत्वपूर्ण है। पहाड़ी क्षेत्र कुमायु, गठवाल, हिमाचल, कश्मीर वास्तुकला अनोखी रूप से विकसित हुई।

द्रविड या दक्षिण भारतीय मन्दिर शैली में मीनाक्षी मन्दिर तट मन्दिर महाबलीराम (महाबलीपुरम) दक्कन की वास्तुकला, कैलाश मन्दिर, विरूपाल मन्दिर, नालन्दा विश्वविद्यालय के साथ बौद्ध और जैनवास्तुकला का अध्ययन करेंगे।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

1. प्राचीन मंदिरों में पूजागृह कितने प्रकार के होते थे ?

   (अ) दो (ब) पाँच

   (स) तीन (4) चार

2. उत्तर भारत में कौनसी शैली के मंदिरों का निर्माण हुआ ?

   (अ) द्रविड़ शैली (ब) नागर शैली

   (स) बौद्ध शैली (द) जैन शैली

3. दक्षिण भारत में कौनसी शैली में मंदिरों का निर्माण हुआ ?

   (अं) नागर शैली (ब) बौद्ध शैली

   (स) जैन शैली (द) द्रविड़ शैली

4. शेषशायी विष्णु दशावतार मंदिर कहाँ स्थित है ?

   (अ) कोणार्क (ब) देवगढ़

   (सं) एलोरा (द) महाबलीपुरम

5. मीनाक्षी मंदिर मदुरै मंदिर किस शैली में बना है ?

   (अ) द्रविड़ शैली (ब) नागर शैली

   (स) जैन शैली (द) बौद्ध शैली

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–**

1. विश्वनाथ मंदिर .... में स्थित है। (खुराहो / अमरावती)
2. कोणार्क का .... विश्व प्रसिद्ध है। (लक्ष्मण मंदिर / सूर्य मंदिर)
3. कैलाशनाथ मंदिर .... स्थित है। (एलोरा / अजन्ता)
4. खुजराहों था लक्ष्मण मंदिर चंदेल वंश के राजा ....द्वारा बनवाया गया था। (यशोवर्धन / हर्षवर्धन)
5. कैलाश पर्वत को हिलाते हुए रावण का शिल्प ....में स्थित है। (अजन्ता / एलोरा)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

3. हिन्दू मंदिर कितने भागों में निर्मित होता है?
4. देवगढ़ (ऊ.प.) का मंदिर कब बनाया गया था?
5. 'शेषशयन' से क्या तात्पर्य है?
6. मोढ़ेरा सूर्य मंदिर का निर्माण किसने किया?
7. 'किरातार्जुनीयम' किसकी रचना थी?

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

8. मंदिरों के पूजा गृह कितने प्रकार के होते थे?
9. भारत में मंदिरों की कितनी श्रेणियों को जाना जाता है?
10. अंग्रेजी के 'टेम्पल' शब्द का सामान्य अर्थ लिखिए।
11. मूर्तिविद्या किसे कहते हैं?
12. नालन्दा शैली किसे कहा जा सकता है?
13. बौद्ध धर्म के तीन सम्प्रदायों के नाम लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न –

14. दक्षिण भारत में मंदिर स्थापत्य/वास्तुकला और मूर्ति कला के विकास के बारे में लिखे।
15. भारत में प्रचलित भिन्न भिन्न मंदिर शैलियों की तुलना करे।
16. बौद्ध कला के विकास को स्पष्ट करे।
17. खुजराहों के लक्ष्मण मंदिर का वर्णन कीजिए।

अध्याय–7

भारतीय कॉस्य प्रतिमाएँ

पाठ का सारांश :

भारतीय मूर्तिकला की शाश्वत भावनाओं का मूर्त रूप है तथा परम्पराओं का विकासवादी दृष्टिकोण भी है। सिन्धु सभ्यता से प्रारम्भ होकर मध्य युग से गुजरते हुए आधुनिक काल तक अगणित मूर्ति शिल्प इसके प्रमाण है।

भारतीय मूर्तिकारों ने पकी मिट्टी की मूर्तियाँ बनाने और पत्थर तराशने–उकेरने में जितनी कुशलता प्राप्त की, उतनी ही काँसे को पिघलाने, ढालने और मूर्तियां बनाने में कुशलता प्राप्त की है।

उन्होंने सिंधु घाटी की सभ्यता के अति प्राचीन काल से ढलाई के लिए (लुप्त मोम) प्रक्रिया सीख ली थी। इसमें उन्होंने तांबा, जस्ता और टिन जैसी धातुओं को मिलाकर मिश्र धातु की खोज की। इस मिश्र धातु को कांस्य (कांसा) कहते है।

संभवतः मोहनजोदड़ो से प्राप्त नाचती हुई लककी यानी नर्तकी की प्रतिमा सबसे प्राचीन कांस्य मूर्ति है, जिसका काल 2500 ई.पू. माना जाता है। बौद्ध, हिन्दू और जैन धर्म के देवी–देवताओं की कांस्य प्रतिमाएँ भारत के अनेक क्षेत्रों में पाई जाती है।

बिहार के चौसा स्थल से जैन–तीर्थकरों की अनेक प्रतिमाएँ मिली है। गुजरात और राजस्थान प्राचीनकाल से ही जैन धर्म का गढ़ रहा है। बडोदरा के निकट अबोटा में जैन कांस्य मूर्तियां बड़ी संख्या में मिली है। बुद्ध की अनेक मूर्तियां मिली है। धानेसर खेडार (उत्तर प्रदेश) से प्राप्त विशिष्ट कांस्य प्रतिमा, मथुरा शैली जैसी बनी है, जिसका विशिष्ट उदाहरण सुल्तानगंज बिहार से प्राप्त प्रतिमा है। फोफनाट महाराष्ट्र से प्राप्त बुद्ध की वाकाटक कालीन प्रतिमाएं गुप्त कालीन प्रतिमाए आदि लुप्त मोम प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

कुछ प्रसिद्ध मूर्तियां, जैसे नटराज की हिन्दू धर्म में शिव को परमात्मा और सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का कर्ता–धर्त्ता और संहर्त्ता भी माना है। यह प्रतीकात्मक रूप में नटराज की सुप्रसिद्ध प्रतिमा है। बौद्ध हिन्दू जैन धर्म प्रतिमाओं के बारे में अध्ययन करेंगे।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

   1. काँसे की सबसे प्राचीन मूर्ति है ?

      (अ) नटराज (ब) मोहनजोदड़ों की नर्तकी

      (स) गणेश (द) शिव

   2. काँस्य प्रतिमाओं में धातु होती है–

      (अ) ताँबा (ब) जस्ता

      (स) टिन (द) उपरोक्त सभी

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. कॉस्य (कॉसा) किसे कहते है?
4. कांस्य प्रतिमाओं का काल बताइये?
5. नर्तकी की कॉस्य प्रतिमा कहॉ मिली थी?
6. किसके शासन काल में उत्कृष्ट कांस्य प्रतिमाएँ बनी?
7. पल्लव कालीन विशेष उल्लेखनीय प्रतिमा कौनसी है?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

8. अकोटा से प्राप्त कांस्य मूर्तियों से क्या सिद्ध होता है?
9. फोफनार से प्राप्त बुद्ध प्रतिमा किसके समकालीन है?
10. हिन्दू धर्म में शिव को क्या माना जाता है?
11. मध्यकाल के दौरान, दक्षिण भारत में विकास के उच्च स्तर पर क्या पहुँचा?
12. अर्द्धनारीश्वर मूर्ति में क्या वर्णित है?

निबन्धात्मक प्रश्न–

13. लुप्त मोम प्रक्रिया (लॉस्ट वैक्स प्रोसेस) का वर्णन कीजिए।
14. चोल कालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत क्यों माना जाता है?
15. नटराज प्रतिमा का वर्णन कीजिए।

अध्याय–8

इण्डो–स्लामिक वास्तुकला कला के कुछ कलात्मक पहलू

पाठ का सरांश :

ईसा की सातवीं तथा आठवीं शताब्दी में इस्लाम धर्म भारत की और फैला। भारत में इस्लाम विशेष रूप से मुस्लिम सौदागरों, व्यापारियों, धर्मगुरूओं और विजेताओं के साथ आये। दिल्ली में सल्तनत की स्थापना के बाद भारत में भव्य परिवेश में विशाल भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

इन देशांतरणों और विजयों पर एक ध्यान देने योग्य पहलू यह रहा कि मुस्लिम शासकों ने स्थानीय सामग्रियों, संस्कृतियों और परम्पराओं को अपने साथ लाये। इस प्रकार वास्तुकला के क्षेत्र में अनेक संरचनात्मक तकनीकों, शैलियो, रूपों और साज–सज्जाओं का मिश्रण तैयार हो गयचा। इसके कलास्वरूप भवन निर्माण की जो तकनीकें अस्तित्व में आई उन्हें सामूहिक रूप से इण्डो–इस्लामिक, इंडोसारसैनिक वास्तुकला कहा जाता है।

भारत में मुस्लिम आगमन से यहां धार्मिक धर्म निरपेक्ष वास्तुकला के कारण, छोटे–बड़े भवन, रोजमर्रा की इबारत के मस्जिदें और जामा मस्जिद, मकबरे, दरगाहें, मीनारे, हमाम, बाग बगीचे, मदरसे, सराये, कोस व मीनारे बनायी।

इण्डो इस्लामिक वास्तुकला को परम्पराओं के विभिन्न शैलियों में बांटा जा सकता है, जिसमें शाही शैली (दिल्ली सल्तनत) प्रान्तीय शैली (मांडू, गुजरात, बंगाल और जौनपुर) मुगल शैली (दिल्ली, आगरा और लाहौर) दक्कनी शैली (बीजापुर, गोलकोंडा) जो अपनी वास्तुकलात्मकता रखती है।

इस अध्याय में किले, महलों, दुर्गों के साथ मीनारों की संरचना, ताजमहल, मांडू, गोल गुम्बद, जामा मस्जिद, दिल्ली के वास्तु सौंदर्य की जानकारी लेंगे। जाली झरोखों में संगमरमर की बारीक नक्काशी, ज्यामितीय डिजाइनों के साथ सुन्दर लिखावट का प्रयोग, संपूर्ण वास्तुकला की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न–**

    1. इण्डो–इस्लामिक वास्तुकला को पारम्परिक दृष्टि से वास्तुकला कितने भागो में बाँटा गया है ?

        (अ) एक   (ब) दो

        (स) तीन   (द) चार

    2. कुतुब मीनार स्थित है।

        (अ) आगरा   (ब) दिल्ली

        (स) जयपुर   (द) ग्वालियर

3. ताजमहल स्थित है ?

(अ) दिल्ली (ब) जयपुर

(स) आगरा (द) मुम्बई

4. गोल गुम्बद कहाँ स्थित है ?

(अ) ग्वालियर (ब) बीजापुर

(स) दौलताबाद (द) आमेर

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

2. भारत में इस्लाम किनके साथ आया?
3. इण्डो–इस्लामिक वास्तुकलापर किसका प्रभाव पड़ा?
4. ग्वालियर किले को देखकर कौन भयभीत हो गया?
5. जल महल इमारत को किसने बनवाया?
6. ताजमहल निर्माण में कितने कामगारों ने कार्य किया?

निबन्धात्मक प्रश्न –

7. इण्डो–इस्लामिक वास्तुकला क प्रादुर्भाव के बारे में वर्णन कीजिए।
8. इण्डो–इस्लामिक वास्तुकला संरचनाओं के रूपाकारों पर लेख लिखिए।
9. ग्वालियर का किला अजेय था, सिद्ध कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडलप्रश्नपत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : अंग्रेजी

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

:

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

Syllabus 2023-24

Class-XI

Subject – English

Time : 4:15 Hr. **Marks : 100**

Areas of Learning	Marks
Reading	20
Writing	18
Grammar	16
Textual Questions (i) Text Book : Hornbill (ii) Supp. Book : Snapshots	46 32 14

1	Reading Two unseen passage (around 350 words for both) (i) Unseen Passage-1 (ii) Unseen Passage-2	20 10 10
2	Writing (i) Application (ii) Paragraph (iii) Letter	18 6 6 6
3	Grammar (i) Number (ii) Gender (iii) Opposite	16 5 5 6
4	Text Book Hornbill-Prose 1.word meaning 2. True/False 3. choose the correct alternative 4. Question-answers. Hornbill-Poetry 1.word meaning 2. True/False 3. choose the correct alternative 4. Question-answers	46 20 12
	Supplementary Reader – Snapshots 1.word meaning 2. True/False 3. choose the correct alternative 4. Question-answers.	14

Model Paper 2023-24

Subject: English

Class: XI

Time: 4:15 Hours Marks: 100

Section-A (Reading)

Read the following passages carefully and give the answer of the questions given below: -

Passage-1 10

India is one of the seven biodiverse countries of the world and has a rich culture heritage. It has a vast potential of eco-tourism that needs to be taped for economic benefits as well as for healthy conservation and preservation of nature. In the international year of eco-tourism some important decisions were taken by the government and private sectors to promote eco-tourism.

It is becoming evident that increased tourism to sensitive natural areas in the absence of appropriate planning and management can become a threat to the integrity of both eco-systems and local cultures, local communities and indigenous cultures can be harmed in numerous ways by an influx of foreing visitors and wealth.

1. Which country is one of the seven biodiverse countries?
2. For what should inida tap eco-tourism?
3. Why were some important decisions taken?
4. When can increased tourism become a threat?
5. How can local communities and indigenous cultures be harmed?

Passage-2 **10**

Human ear is meant for receiving sound of normal range of decibles. Sound received beyond that measure would not only be jarring but also damaging to our hearing sense organs. How many of us take care of this? It may be a TV programme or a radio broadcast, playing a tap recorder or any other instrument, even a gossip or a chit-chat in a company, all are heard at a very high pitch. We may be used to it but what about those living around us. Our neighbour may be a serious student, a sick person or a peace loving being. Have we ever thought of him? How much agony do we cause to

him/her? The neighbour being a person of cool temperament do not quarrel with us and suffers in silence. The poor fellow shuts the windows and doors and put cotton in his ears to reduce the impact of high-pitched noises. When shall we learn the simple civic sense?

6. How can the sound beyond the normal range of decibles harm us?
7. How do we cause agony to our neighbour?
8. What does human ear meant for?
9. What does the poor fellow do to reduce the impact of high-pitched noises?
10. Which types of noises are heard at very high-pitch?

Section-B (Writing)

Q.11. Write an application to your principal requesting him to issue you transfer certificate (T.C.). 6

OR

Write an application to your principal requesting him to arrange extra teaching for the subjects.

Q.12. Write a paragraph on the topic "Morning Walk". 6

OR

Write a paragraph on the topic "Importance of Trees".

Q.13 Write a letter to the sub-divisional officer (food's supply) of your area to ask information about the process of new ration card. 6

OR

Write a letter to the collector of your district to ban the use of loudspeaker.

Section-C

Q.14. Write the opposite of the following words. 6

(i) Up	(ii) Difficult
(iii) Young	(iv) Good
(v) Black	(vi) Come

Q.15 Write the plural of the following words- 5

(i) Book (ii) Fruit

(iii) Student (iv) Tree

(v) Day

Q.16 Write the gender of the following words- 5

(i) King (ii) Dog

(iii) Horse (iv) Mother

(v) Prince

Section-D

Q.17 Write the meaning of the words given below – 5

(i) Dream (ii) Family

(iii) Silent (iv) Thought

(v) Open

Q.18 Fill in the blanks of the following words- 5

(i) Gr__ __n (ii) S__y

(iii) S__ng (iv) D__e (v) L__ve

Q.19 Write 'T' for true and 'F' for the false statement- 10

(i) The narrator's wife's name was Mary. [ ]

(ii) Man is the world's most dangerous animal. [ ]

(iii) The road was named Silk road largely because of the silk tradewith China. [ ]

(iv) Grandfather looks like a hundred years old. [ ]

(v) The sea washed their terribly transient feet. [ ]

(vi) The engine is compared to a deer. [ ]

(vii) The loss of childhood is involved in the process of growing up. [ ]

(viii) Mrs. Pearson devotes all her time and energy to serve her husband, son and daughter. [ ]

(ix) The young doctor Andrew Manson had done a commendable work. [ ]

(x) The workmen said that the bricks were made of right size. [ ]

Q.20 Tick the correct alternative:- 10

(i) Where did the author go for higher studies?

(a) Lucknow (b) Delhi

(c) Abroad (d) Calcutta ( )

(ii) Laws are neither respected nor enforced in ____________

(a) India (b) US

(c) UK (d) Africa ( )

(iii) According to Gangadharpant there are ________ types of India.

(a) One (b) Two

(c) Three (d) Four ( )

(iv) The author was disappointed with ___________

(a) Darchen (b) Silk Road

(c) Mansarover (d) Lhasa ( )

(v) There are _____________ voices in the poem.

(a) One (b) Two

(c) Three (d) Four ( )

(vi) ______________ is an essential stage in the process of growing up.

(b) Old (b) Infant

(c) Young (d) Childhood ( )

(vii) She would laugh at ____________

(c) Snapshot (b) Sea

(c) Cardboard (d) Two girls ( )

(viii) The story revolves around two poor boys _____________

(d) Indian (b) German

(c) Armenian (d) None ( )

(ix) Cyril Pearson is annoyed with mother because she did not make.

(e) Tea (b) Coffee

(c) Food (d) Milk ( )

(x) The chief of builders lay the blame on_____________

(f) Bricks (b) Workmen

(c) Masons (d) Architect ( )

Q.21 Answer the following questions- (4 x 4=16)

(i) What were the results of CT scan ?

(ii) Why did the grandmother take to feeding sparrows in the city?

(iii) What are the poet's feelings towards childhood?

(iv) Who was held responsible for the disgrace? How did he react to it?

INDEX

Text Books-I :Hornkill

Chapter 1: The porprait of a lady

Chapter 2: A photograph (Poem)

Chapter 3: We are not afraid to die .... if we can all be together.

Chapter 4: Discovering tut: The saga continues

Chapter 5: The Laburnum top (Poem)

Chapter 6: Voice of the rain (Poem)

Chapter 7: The ailing planet: The Green movements role

Chapter 8: Childhood (Poem)

Chapter 9: The adventure

Chapter 10: Silk road

Chapter 11: Father to son (Poem)

Text Book-II: Snapshots

Snapshots:

Chapter-1: The summer of the beautiful white horse.

Chapter-2: The address

Chapter 3: Mother's day

Chapter 4: Birth

Chapter 5: The tale of the Melon city

Writing : (i) Application
(ii) Paragraph
(iii) Letter

Grammer: (i) Opposite
(ii) Numbers
(iii) Gender

Reading : : 2 passages

(I) Reading

Passage - 1

India is one of the seven biodiverse countries of the world and has a rich culture heritage. It has a vast potential of eco-tourism that needs to be taped for economic benefits as well as for healthy conservation and preservation of nature. In the international year of eco-tourism some important decisions were taken by the government and private sectors to promote eco-tourism.

It is becoming evidenet that increased tourism to sensitive natural areas in the absence of appropriate planning and management can become a threat to the integrity of both eco-systems and local cultures, local communities and indigenous cultures can be harmed in numerous ways by an influx of foreing visitors and wealth.

(i) Which country is one of the seven biodiverse countries?

(ii) For what should inida tap eco-tourism?

(iii) Why were some important decisions taken?

(iv) When can increased tourism become a threat?

(v) How can local communities and indigenous cultures be harmed?

Passage - 2

The extent to which modern technology has taken over the work of human hands may be illustrated as follows. We may ask how much of total social time- that is to say, the time all of us have together twenty-four hours a day each-is actually engaged in real production. Rather less than one-half of the total population of this country is, as they say, gainfully occupied, and about one-third of these are actually producers in agriculture, mining, construction and industry. I do mean actual producers, not people who tell other people what to do or account for the past, or plan for the future, not people who tell other what to do, or account for the past, or plan for the future, or distribute what other people have produced. In other words' rather less than one-sixth of the total population is engaged in actual production.

(i) What has modern technology taken over?

(ii) What does the writer mean by total social time?

(iii) How much population is gainfully occupied?

(iv) Mention the fields of actual producers?

(v) How much population is engaged in actual production?

Passage - 3

As Orr's story suggests, people think together best when they have something important in common. Networking technology can often be used to create a space for communitiesof practice! Like the photocopier technicians, to think together in their own ways. This is perhaps the most common use of the Internet: discussion groups organized by people who wish to pool their information and ideas about a topic of shared interest. At the same time, we should not consider the internet in isolation. Regardless of whether they are located in the same geographic region or distributed around the world, a community's members will typically think together using several media, such as the telephone, electronic mail, printed publications, and face-to-face meetings and the Internet is best conceived as simply one component of this larger ecology of media.

(i) When do people think together best?

(ii) What is the most common use of Internet?

(iii) Is Internet the only medium to think together?

(iv) Which other media are available to the people for exchanging ideas?

(v) What is Internet at the best?

Passage - 4

Human ear is meant for receiving sound of normal range of decibles. Sound received beyond that measure would not only be jarring but also damaging to our hearing sense organs. How many of us take care of this? It may be a TV programme or a radio broadcast, playing a tap recorder or any other instrument, even a gossip or a chit-chat in a company, all are heard at a very high pitch. We may be used to it but what about those living around us. Our neighbour may be a serious student, a sick person or a peace loving being. Have we ever thought of him? How much agony do we cause to him/her? The neighbour being a person of cool temperament do not quarrel with us and suffers in silence. The poor fellow shuts the windows and doors and put cotton in

his ears to reduce the impact of high-pitched noises. When shall we learn the simple civic sense?

(i) How can the sound beyond the normal range of decibles harm us?

(ii) How do we cause agony to our neighbour?

(iii) What does human ear meant for?

(iv) What does the poor fellow do to reduce the impact of high-pitched noises?

(v) Which types of noises are heard at very high-pitch?

Passage - 5

Some people are fond of chewing betels with tobacco. They spit and spit frequently all around showing no respect for public property. They forget that they have paid for journey and not for spoiling bus/train. They throw all rubbish and leftovers wherever they so desire. Our public transport, our roads and streets, our public places and buildings are seen littered with all sorts of stinking refuse that tells upon our health and vigour.

In spite of the statutory warning "Smoking is injurious to health" we do not notice any slump in the sale of cigarettes and bidis.

The pity is the smokers in their own enjoyment do not think of the people around them. Sometimes the surroundings become unfit for breathing. Passive smoking causes more harm.

(i) What do the people chewing betels with tobaccodo?

(ii) What are our public palces and facilities littered with?

(iii) How do the smokers behave?

(iv) What statutory warning is written on cigarettes and bidi packs?

(v) What causes more harm?

Passage - 6

All of us have read thrilling stories in which the hero had only a limited and specified time to live. Sometimes it was as long as a year; Sometimes as short as twenty four hours. But always we were interested in discovering just how the doomed man chose to spend his last days or his last hours. I speak, of course of free man who have a choice, not condemned criminals whose sphere of activities is strictly delimited. Such an attitude whould emphasize sharply the values of life. We should live each day with gentlenessavigour, and a keenness of appreciation which are often lost when time stretches before us in the constant panorama of more days and months and years to come.

(i) What have we read?

(ii) In discovering what were we interested?

(iii) What do the free men have?

(iv) On what would such an attitude emphasize?

(v) How should we live each day?

Passage - 7

It seems to be essential to the mental health and happiness of every individual that he should have something to which he can assert exclusive possession something, as we say that he can call his own. Delight in owning things usually shows itself as early as the second year of life. When the words "my" and "mine" are among the first that the child learns to utter.

Parents and teachers can make use of this characteristic of human nature in many ways. In the home a child can be led to aquire orderly habits by being encouraged to arrange his own possessions tidily; and this valuable training can be continued at school, where he can be helped to keep carefully arranged samples of his own handiwork such as drawing, paintings, specimens of his hadwriting, well done arithmetic exercises and the like.

(i) What is essential to the mental health and happiness of every individual?

(ii) When does the delight in owning things show itself?

(iii) How can a child be led to acquire orderly habits?

(iv) Who can make use of human nature in many ways?

(v) Which valuable training can be continued at school?

(II) Writing Application

(i) Write an application to your Principal requesting him issue books from the library.

Ans.

144, Mahavir Nagar

Jaipur

20July 2020

The Principal

Govt. Seth AnandiLalPoddar Deaf

Sr. Sec. School, Jaipur

Sub: To issue books from library.

Sir,

Most respectfully I beg to say that I am a student of class XI-A. My father is dead. There is no other earning member in the family. I am a poor student. I cannot buy books. Kindly, issue me the books from the library. I will return the books in time.

Thanking you

Yours obediently

Ramesh Kumar

Class XI-A

(ii) Write an application to your Principal with a request to issue you a character certificate.

Ans.

52, Shyam Nagar

Jaipur

25June 2020

The Principal

Govt. Seth AnandiLalPoddar Deaf

Sr. Sec. School, Jaipur

Sub: To issue character certificate.

Sir,

Most respectfully I beg to say that I was a student of your school form 2011 to 2016. I passed class XI 15 days back. I stood first in the school with 520 marks. I also took part in debets and other co-curricular activities. I won several prizes. I was also the captain of the school cricket team.

Kindly, issue me a character certificate. I need it to produce at an interview on 10 July 2020.

Thanking you

Yours obediently

Indra Kumar

(iii) Write an application to your school Principal requesting him to issue you transfer certificate (T.C.).

Ans.

15, Kanakpuri

Jaipur

22June 2020

The Principal

Govt. Seth AnandiLalPoddar Deaf

Sr. Sec. School, Jaipur

Sub: To issue T.C.

Sir,

Most respectfully I beg to say that I am a student of your school. My father is a clerk. He has been transferred to Jaisalmer. Our family will go to Jaisalmer with him. I shall take admission there in some school. So, I need my transfer certificate.

Kindly, issue me the transfer certificate.

Thanking you

Yours obediently

Raj Kumar

Class XI-C

(iv) Write an application to your Principal for changing your class section.

Ans.

514, Nehru Nagar

Jaipur

20July 2020

The Principal

Govt. Seth AnandiLalPoddar Deaf

Sr. Sec. School, Jaipur

Sub: For changing section from XI-C to XI-A.

Sir,

Most respectfully I beg to say that I am a student of class XI-C. My younger brother, Anil is a student of class XI-A. I have four sisters. My father is a clerk. He has purchased only one set of books for us. He cannot purchase second set of books.

Kindly, change my section from XI-C to XI-A.

Thanking you

Yours obediently

Mukesh Gupta

Class XI-C

(v) Write an application to your Principal, requesting him to arrange extra-teaching for the subjects.

Ans.

48, Nehru Bazar

Jaipur

12 December 2020

The Principal

Govt. Seth AnandiLalPoddar Deaf

Sr. Sec. School, Jaipur

Sub: To arrange extra-teaching class.

Sir,

Respectfully I beg to say that our studies suffered much in English and mathematics. The teachers in the subjects joined late. There was teacher's strike also. Our examinations are near. We need extra-teaching in these two subjects.

Please arrange extra-teaching for the subjects.

Thanking you

Yours obediently

Babita

Monitor Class XI

2. Paragraph

(i) Teacher's Day

As light can remove darkness and show us the right path. In the same way a teacher shows us upstairs with the help of which we reach to the goal. Only teacher can make us great and valuable in life. A teacher makes a man perfect. He/Shemoulds the minds in right direction.He/She makes human being rational. He/She can keep our mind and heart open to joys and bliss in life.

Thus, we should always respect our teachers.

(ii) Joys of playing outdoor Games

As we all know a healthy mind dewells in a healthy body. Health is the first need for education and all other things. We can keep our body and health fit by playing outdoor games. Outdoor games give good exercise to every part of our body. These rejoice us.

These days most of us prefer computer games and videos to outdoor games. It makes us unhealthy and weaken our eyesight.

So we should play more and more outdoor games and keep ourselves joyful.

(iii) Importance of Trees

Trees are very important for human beings, birds, beast, insects and the earth. Trees give oxygen to human beings. They provide firewood. They cause rain. We get timber for furniture. Books, notebooks and clothes are indirectly received from trees. They help in checking flood and soil erosion. They help in maintain ground water level.

Thus, trees are very important.

(iv) Village Life

Village life is peaceful. To live in village is to live near to nature. There are green fields outside the villages. In villages we get fresh air, water, milk, ghee and vegetables. Villagers live a very simple life. They are always ready to help one-another. They work hard in fields. India lives in villages.

Now the condition of villages has changed. Many villages have electricity and water taps. Now there are many brick or stone houses.

Thus, village life is a good life.

(v) Morning Walk

A morning walk is the best exercise. It is a natural tonic. It is a light exercise. It is equally good for old and the yound. It refreshes our mind. We get the habit of early rising. We come into close with nature. The air is cool and pleasant. We see birds are singing. We are not in a hurry and walk slowly. We get free fresh air. It makes our lungs and heart strong and keeps illness away.

Looking at the rising sun improves our eye-sight. We can say that morning walk is aboon.

3. Letters

(i) Write a letter to the collector of your district to ban the use of loudspeaker.

Ans.

50, P.G. Road

Jaipur

02 July 2020

The Hon'ble Collector,

District of Jaipur,

Jaipur

Sub: To ban the use of loudspeaker.

Sir,

The injudicious use of loudspeaker is adding troubles to the citizens of the district. Students find themselves unable to concentrate upon studies. Patients can't have peaceful sleep and rest. The cases of deafness have been growing.

Thus, you are requested to ban the unwise use of loudspeaker.

Thanking you

Yours faithfully

Vivek

(ii) Write a letter to the Secretary Board of Secondary Education, Ajmer asking information about getting a Migration Certificate.

Ans.

15, Janta Colony

Jaipur

14June 2020

The Secretary,

Board of Secondary Education,

Ajmer

Sub: Information about getting a Migration Certificate.

Sir,

Most respectfully I want to say that I have passed class X under your board in 2019-20. My father is an employee of central Govt. he has transferred to other state. So, I am to study out of Rajasthan in 2020-21. There would be need of Migration Certificate.

Please send the information related to this.

Thanking you

Yours faithfully

Sonia

Class-XI-A

(iii) Write a letter to the chairman, Municipal Board of your town complaining about poor lighting in your locality.

Ans.

137, Adarsh Nagar

Jaipur

10 March 2020

The Chairman,

Municipal Board,

Jaipur

Sub: Poor lighting.

Sir,

Respectfully I beg to say that there is poor lighting in our locality. There are electric poles but no electricity. There is complete darkness at night. There had been many accidents. There may be cases of theft. Our life is in danger.

Please look into the matter immediately and do the needful.

Thanking you

Yours faithfully

Vishnu Purohit

(iv) Write a letter to the sub-divisional officer (food's supply) of your area to ask information abut the process of new ration card.

Ans.

15, Ganesh Colony

Jaipur

14 May 2020

The Sub-divisional Officer (Food Supply)

Sanganer

Jaipur

Sub: Information about the process of a new ration card.

Sir,

I am a student of class XI. I am the resident of the above cited address. I am to get issued a new ration card.

Please give me information about its process.

Thanking you

Yours faithfully

Parvati

(v) You have not received your roll number card for class XII exam. Write a letter to the Registrar, Examination Branch, BSER asking about it.

Ans.

21,Pratap Nagar

Jaipur

23February 2020

The Registrar,

Examination Branch

Board of Secondary Education,

Ajmer

Sub: No-receipt of Roll number card for the class XII exam.

Sir,

I, Hari Ram Bairwa S/o Sh. Ram KishanBairwa, resident of 21, Pratap Nagar, G-T. Road, Jaipur have not received the Roll number card for the class XII exams.

I have enclosed a photocopy of the board exam form and of the fee receipt for your kind consideration.

Please send it to me immediately.

Thanking you

Yours faithfully

Hari Ram Bairwa

(III) Grammar

(i) Opposite:-

Near	Far	Good	Bad
This	That	These	Those
Black	White	Day	Night
Light	Dark	Young	Old
Come	Go	Old	New
Laugh	Weep	Love	Hate
Up	Down	Use	Misuse
Friend	Enemy	Possible	Impossible
Kind	Cruel	Find	Lost
Honest	Dishonest	many	some
able	unable	difficult	easy
hell	heaven	poor	rich
here	there		

(ii) Numbers:-

Singular	Plural	Singular	Plural
Brother	Brothers	School	Schools
Letter	Letters	Student	Students
Subject	Subjects	Teacher	Teachers
Car	Cars	Tree	Trees
Book	Books	Fruit	Fruits
Door	Doors	Vegetable	Vegetables
Table	Tables	List	Lists
Year	Years	Joy	Joys
Step	Steps	Game	Games
Week	Weeks	Day	Days

(iii) Gender:-

Boy	Girl	His	Her
He	She	Prince	Princess
Cow	Ox	King	Queen

Brother	Sister	Dong	Bitch
Husband	Wife	Lion	Lioness
Sir	Madam	Tiger	Tigress
Uncle	Aunt	Horse	Mare
Mother	Father	God	Goddess
Cock	Hen	Peacock	Peahen
Male	Female	Grandmother	Grandfather

Text Books(I) Hornbill

Lesson-1

The portrait of a lady

Summary

In this lesson the author told about the relationship between a child and his grandmother. There was a portrait of his grandfather in the drawing room. As a child, the author emjoyed his grandmother's friendship.Shewoke him up in the morning, helped him to get ready for school.

She took stale chapattis with her for village dogs while going to school with the writer. When the author joined university he was given a room of his own. Thus the link of friendship was snapped. The grandmother isolated herself completely. She busied herself in spinning and reciting prayers and feeding sparrows.

When the grandmother died, thousands of sparrows came and sat scattered on the floor. There was no chirruping. His mother threw them some bread crumbs but they even did not look at the crumbs.

When we carried the grandmother's corpse off, the sparrows flew away quietly . The sparrows paid their silent tribute to the grandmother.

1. Word-meanings:-

Grandmother	-	दादीजी
Woman	-	महिला
Wrinkle	-	झुर्रियां
Portrait	-	हस्तनिर्माणचित्र
Turban	-	पगड़ी

2. Write 'T' for true and 'F' for false:-

   (i) Grandfather's portrait hung in the bedroom. ()

   (ii) Grandfather looks like a hundred years old. ( )

3. Tick the correct alternative:-

   (i) The grandmother fed the dogs with ....

   (a) rice (b) stale chapattis

   (c) sugar (d) bread ()

(ii) Where did the author go for higher studies?

(a) Lucknow . (b) Delhi

(c)Abroad (d) Calcutta ()

4. Answer the following questions:-

(i) How did grandfather look?

(ii) Why did the grandmother take to feeding sparrows in the city?

5. **Match the following table with hindi meaning –**

Column-I	**Column-II**
Grandmother	महिला
Woman	हस्तनिर्मितचित्र
Wrinkle	पगडी
Portrait	दादीजी
Turban	झुरियां

Lesson-2

A Photograph (Poem)

Summary

In the poem the poetess remembers her mother's memories Here the poetess describes a photograph of her mother's childhood.

The photograph shows three little girls standing in shallow water paddling on sea beach. The oldest of the three is poetess's mother. She is nearly 12 years old. The other two are her mother's girl cousins. Each girl is holding onehand of poetess's mother. They are smiling through their hair at the uncle who was taking the photograph.This shows that her mother had a sweet face.

It is the photograph of time when she went for a sea holiday with her two girl cousins. The sea washed their terribly transient feet. The sea has not changed over the years, but the people who walked on its beach have changed terribly. Some of them are already deed. This suggests that human life is transient and short lived whereas the sea is unchanged and permament

The poetess's mother has been dead for 12 years. The mother had lost the joy of her childhood whereas the poetess had lost the laughter of her motherwho is now dead. They tried hard to forget their loses and to get relief with great difficulty.

1. **Word-meanings:-**

Show	-	दिखाना
Cousin	-	चचेराभाई / चचेरीबहिन
Paddling	-	पानीमेंपैरमारना
Hold	-	पकड़ना
Hair	-	बाल

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) Each girl was holding mother's hand. ()

(ii) The sea washed their terribly transient feet. ()

3. Tick the correct alternative:-

(i) She would laugh at ....

(a) Snopshot (b) Sea

(c) Cardboard (d) Two girls ()

(ii) The .... cousins went paddling.

(a) One (b) Two

(c) Three (d) Four ()

4. Answer the following questions:-

(i) What has the camera captured?

(ii) What has not changed over the years?

5. **Match the following tables :-**

Column-I	Column-II
Show	पकड़ना
Cousin	बाल
Paddling	दिखाना
Hold	चचेराभाई / चचेरीबहिन
Hair	पानीमेंपैरमारना

.

Lesson-3

"We're Not Afraid ToDie ...... If We Can All Be Together"

Summary

In July 1976, the author Gordon cook, a 37 years old businessman, his wife Mary, son Jonathan – 6 year old, daughter – Suzanne 7 years old set sail from Plymouth, England to duplicate the round – the world voyage made 200 years earlier by captain James Cook. They had dreamt of sailing and had been preparing for the voyage for the last sixteen years.

Their boat Wave Walker, a 23 metre, 30 ton wooden hulled beauty, had been professionally built. Before heading east, they took on two crew men American Larry Vigil and Swiss Herb Seigler to help them. Suddenly the weather changed for the worse. At dawn on January 2, the waves were gigantic. A tremendous explosion shook the deck. A torrent of green and white water broke over the ship. He felt sinking below the waves. He accepted his approachingdeath, but fortunately his head popped out of the water. Suddenly the front hatch was thrownopenand his wife Mary appeared.

She screamed, "We are sinking". Anyhow, he reached into the children's cabin and asked," Are you all right"? They answered "Yes". On January 4, the voyagers felt relieved after 36 hours of continuous pumping out water. They had their first meal in almost two days. On January 5, their situation was again desperate when his son Jonthan asked him, "Daddy, are we going to die" ? The author assured him that they could make it but Jonathan said, "We are not afraid todieif we canall be together you and Mummy, SueandI".On January 6, they reached an Island IIeAmsterdam safely.

1. **Word-meanings:-**

Afraid	-	डरना
Die	-	मरना
Captain	-	कप्तान
Famous	-	प्रसिद्ध
Dream	-	सपना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) The narrator's wife's name was Mary. ()

(ii) The narrator is 35 years of old business man. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) In .... 1976 the narrator set sail from Plymouth England.

(a) July (b) August

(b) June (d) April ()

(ii) Our boat .... a 23 metre, 30 ton wooden beauty had been professionally built.-

(a) Wave walker (b) Jonathan

(c) James (d) Wave killer ()

4. **Answer the following questions:-**

(i) What difference did you notice between the reaction of the adults and the children when faced with danger?

(ii) Describe the mental condition of the voyagers on 4 January.

5. **Write missing letter in the following words :-**

(i) A ___r ___id

(ii) D __e

(iii) Ca___t___in

(iv) F__ __ ous

(v) R __ __m

Lesson-4

Discovering Tut: The Saga Continues

Summary

In "Discovering Tut : The Saga continues" Tut, who later changed his name to Tutankhamun was the last heir of the powerful family. Heruled in Egypt and its empire for several years. He was a teenager when he died and his death was a mystery. In 1922 his tomb was discovered by Howard Carter, an archaeologist. Carter found that the tomb was the richest royal collection ever found. When Tut's mummified body was discovered, he was laid with lots of gold, wealth and everyday items like games, cases offoodandwine, because Egyptians believe that there is life after death & they could take away some of their riches after death. On January 5, Tut was taken for CT scan. Astonishing images of Tut were seen on a computer screen. A grey head, neck vertebrae, images of a hand and ribcage were seen. A transection of the skull was also viewed. It was found that nothing had gone seriously wrong.

1. **Word-meanings:-**

Teenager	-	किशोर
Heir	-	उत्तराधिकारी
Family	-	परिवार
Empire	-	साम्राज्य
Gold	-	सोना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

   (i) The mummy of king Tutankhamun has earned world wide fame for riches it was buried with. ()

   (ii) Howard carter's investigation was not resented. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

   (i) Howard carter's investigation was focusing more on ......

   (a) cultural aspects (b) Historical aspects

   (b) treasure (d) Social aspects ()

(ii) The mummy of king Tut is from-

(a) Iran (b) Pakistan

(c) Egypt (d) China ()

4. Answer the following questions:-

(i) What were the results of CT scan?

(ii) Why was the Tut's body buried with gilded treasures?

5. Word-meanings:-

Teenager	-	परिवार
Heir	-	साम्राज्य
Family	-	किशोर
Empire	-	सोना
Gold	-	उत्तराधिकार

Lesson-5

The Laburnum Top (Poem)

Summary

In this poem the poet is describing a Laburnum tree. Its top is quite silent. Its leaves had turned yellow and seeds had fallen down. It is standing in the yellow sunlight of a September afternoon.

The lifeless becomes alive tree by the arrival of the goldfinch bird. She came to feed her youngones. Here the poet has evoked the image of the engine to bring out the role of the goldfinch.

Just as the engine is a source of energy for the whole machinesoalso the goldfinch is the source of energy for the youngones.The tree is her shelter. Shearrives at the end of the branch with the chirruping sound. She further moves to the other side of the branch with rapid and carefully movement like a lizard. As soon as she arrives, her youngones start chirruping.Thewhole tree starts resounding and vibrating with a thrill of joy. After feeding them, sheflewawayin the skyleaving the tree death like again.

1. **Word-meanings :-**

Silent	-	चुपचाप
Afternoon	-	दोपहर
Sun	-	सूर्य
Leaf	-	पत्ती
Seed	-	बीज

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) The goldfinch's movement is compared to that of a lizard. ()

(ii) The engine is compared to a deer ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) In our language laburnum is called:

(a) Gulab (b) Marigold

(c)Amaltas (d) Sunflower ()

(ii) In the beginning of the poem the tree was .....

(a) calm (b) empty

(c) motionless (d) aggressive ()

4. Answer the following questions:-

(i) To what is the bird's movement compared?

(ii) Why is the image of the engine evoked by the poet?

5. Write the meaning of following words in English.

चुपचाप–

दोपहर–

सूर्य–

पत्ती–

बीज–

Lesson-6

Voice of the rain (Poem)

Summary

In this poem the poet asks the soft-falling shower. "Who are you?" to which she replies that she is the poem of the earth. The rain told the poet that she can not be touched as she rises up in the form of water vapours in the sky from the land and bottomless sea. The vapour changes into clouds due to condensation. II falls back on the surface of the earth in the form of rain to beautiful and purify the earth.

It provides life to the seeds inside the earth and helps them in growing. Thepoet also compares the rain to a song as they both share a common journey.

A song orginates from the heart of the singer. When the song is complete it wonders fromone place toanother. Butoneday, It returns to the singerwith all due love of the listeners.

1. **Word-meanings :-**

   Tell - बताना

   Answer - जवाब / उत्तर

   Earth - पृथ्वी

   Heaven - स्वर्ग

   Rain - वर्षा

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

   (i) The first two lines of the poem are the voice of the poet. ()

   (ii) Lines three to nine in the poem are spoken by the rain. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

   (i) There are .... voices in the poem-

   (a) One (b) Two

   (c) Three (d) Four ()

   (ii) In the poem there is a comparison between -

   (a) Poet and god (b) rain and music

   (c) rain and poet (d) poet and music ()

4. Answer the following questions:-

(i) How is the cyclic movement of rain brought out in the poem?

(ii) Why did the poet compare between rain and music?

5. Match the following table with their meaning :-

Tell	-	स्वर्ग
Answer	-	वर्षा
Earth	-	बताना
Heaven	-	पृथ्वी
Rain	-	जवाब / उत्तर

Lesson-7

The Ailing Planet : The Green Movements Role

Summary

In this chapter, the writer raises an issue towards the deteriorating health of the earth. As human being have been exploiting natural resources from decades, presently the condition has made the environment critical. In 1972, the Green movement helped environmentalists to raise awarenessabout the harmful condition of the earth. Earth is like a patient whose health is declining and it is our duty to iprove it.

A zoo in Lukasa, Zambia has a café in which a sign reads, "The World's most dangerous animal"andinsidethere is a mirror.It gives a message that human beings are the most dangerous animal.

There are four biological systems of the earth- fisheries, forests, Grasslands and croplands. They form the foundation of the global economic system. They supply food, raw materials for industries. The demand for these system is increasing due to increasing population.

The world's forests, fisheries, grasslands and croplands have beendepleted alarmingly. Unless determined steps are taken to check the increase of population, our earth will soon become unlivable for human society.

Article 48A of constitution of India provides that the state shall endeavour to protect and improve the environment andto safeguard the forests and wildlife of the country; but laws are never respected nor enforced in India. We need to preserve it forour future generation.

1. **Word-meanings :-**

   World – विश्व

   Entire – समस्त

   History – इतिहास

   Human – मानव

   Green – हरा

2. Write 'T' for true and 'F' for false:-

(i) Man is the world's most dangerous animal. ()

(ii) The earth's biological systems are being depleted by excessive use. ()

3. Tick the correct alternative:-

(i) According to the author world ...... is one of the strongest factor in distorting the human future.

(a) poor (b) unemployment

(c) Population (d) inequility ()

(ii) Laws are neither respected nor enforced in ....

(a) India (b) US.

(b) UK. (d) Africa ()

4. Answer the following questions:-

(i) Why do people take for granted the earth?

(ii) Which type of earth do we leave for our successors?

5. Fill in the blanks of following words -

W_r_d

En_ _re

_is_ory

H_m_n

Gr_ _n

Leason-8

Childhood (poem)

Part-1Summary

Summary

In this poem, the poet thinks deeply over the question of his lost childhood. Childhood is a stage of innocence in which the child believes others and loves unconditionally.

The poet wonders when he lost his childhood. He reflects that perhaps it was theday when he crossed the age of eleven. May be it was the stage when he realized that the concepts of Hell or Heaven did not exist in reality.

The Geography text book or Atlas did not give the location of any such places.

In the Innocence of childhood, he believed that adults were true to their words.

The adults talked of love and advised to love but they never acted lovingly. It was the hypocrisy of adults that made him grow out of childhood.

Then the poet thinks, perhaps it was the day when he realized that he was the master of his own mind. Now he could think independently, forming his own opinions and being ableto take his own decisions. In last, the poet says that childhood can be found in the innocent face of a child. With the disappearance of innocence, childhood too ends.

1. **Word-meanings :-**

Childhood	–	बचपन
Love	–	प्रेम
Mind	–	बुद्धि यामन
Reallly	–	वास्तवमें
Thought	–	विचार

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

   (i) The loss of childhood is involved in the process of growing up. ()

   (ii) Hell or Heaven could not be found in Geography books or Atlas. ()

3. Tick the correct alternative:-

(i) The .... talked of love and advised to love but they never acted lovingly.

(a) adults (b) children

(c) old (d) woman and man

(ii) .... is an essential stage in the process of growing up-

(a) old (b) infant

(c) young (d) Childhood

4. Answer the following questions:-

(i) How did the realization of being the master of his own mind helped him?

(ii) What are the poet's feelings towards childhood?

5. Fill in the blanks of following words :-

Chi_dh_ _d L_ve M_nd

R_ _lly Th_ _ ght

Lesson-9

The Adventure

Summary

This lesson 'The Adventure' is a science fiction. It is a story of a historian named GangadharpantGaitonde. He has undergone a strange experience. He was hit by a truck and lost consciousness.

Before the accident he was thinking about the Panipat Battle between the Marathas and Abdali. His mind continued working through he was unconscious after the accident. He finds himself in the city of Mumbai that he never witnessed. The Mumbai he is presently in is very different from it actually is. Upon getting off the station, Gaitonde saw the East India company Headquarters.

His son's workplace of Forbes was not even there. Then he went to the library land read out the Battle of Panipat. He reads that the Marathas chased away Abdali. he also perceived that British could not conquer India.

India remained independent, selfconfident and proud. His mind also takes him to the Azad Madan Where a seminar is going on and he occupies tha chair of the president. Gaitonde feels the difference between the world he knows and the world he experienced for two days.

RajendraDeshpande explained to him that Gaitonde neither travelled to the past nor to future. He only experienced another world. He told him that it happened because of two theories-catastrophe theory and the lack of determinism in quantum theory. Catastrophy theory states that a small change in any situation can result shift in behaviour.

According to quantum theory, a man can experience different world at different moments. Hence the professor was in two different worlds at the present time professor wanted to know why he was the one to make the transition.

Rajendra told that at the time of collision with the truck, the professor was thinking about catastrophe theory and its role in wars. He was wondering about the Battle of Panipat. Perhaps the neutrons in his brain acted as a trigger and made the transition.

1. **Word-meanings:-**

Different	-	अलग
Stop	-	रूकना
Speed	-	गति
Arrive	-	पहुंचना
return	-	वापसआना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) The places mentioned in the story are all imaginary. ()

(ii) The story tries to relate history to science. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) The story is an account of .... events.

(a) Real (b) Unreal

(c) Imaginary (d) Dream ( )

(ii) According to Gangadharpant there are ....types of India.

(a) One (b) Two

(c) Three (d) Four ()

4. **Answer the following questions:-**

(i) "You neither travelled to the past nor the future". Who said this to whom?

(ii) How does Gangadharpant compare the two types of countries about India?

Leason-10
Silk Road

Summary

"Silk Road" is about author's Journey from Ravu to Mount Kailash. This was to complete the Kora. The Silk Road connected China with Europe and West Asia in ancient times. India was also connected with it.

The Silk Road was the main trade route between Kashmir to China. Silk was one of the main commodities that were traded in these areas. While travelling from Lhasa to Kailash Mount, the writer follows this ancient track. He, therefore, gives the title "Silk Road" to this article.

It was early morning when the author left Ravu with his companions Daniel and Tsetan. The driver of his vehicle, knew the short cut route to Mount Kailash. On the way they noticed dark tants of nomads. Giant Tibetan mastiff would chase the author's car for hundred metres or so. They could see snow capped mountains far away. Finally they reached a small town 'Hor' from where Daniel took lift to Lhasa.

Hor seemed a grim place even though it was on theshore of Lake Mansarover.

The writer knew that Darchen was a place from where the pilgrimage began. When the author came toDarchan he found no pilgrims.

He was in need of companions. He did not know the route to Kailash. The author was sitting in a café one afternoon. He met Norbu in the cafe.

Norbu after introducing himself told the author that he had come to do the kora. The author was happy to find his company. He decided that Norbu would turn out to be the ideal companion.

1. **Word-meanings :-**

Sky	–	आसमान
Complete	–	पूरा
Cloth	–	कपड़ा
Short	–	छोटा
Ask	–	पूछना

2. Write 'T' for true and 'F' for false:-

(i) In the chapter the author travels to Mount Kailash ()

(ii) The road was named Silk Road largely because of the silk trade with China. ()

3. Tick the correct alternative:-

(i) The author was disappointed with ....

(a) Darchen (b) Silk road

(c) Mansarover (d) Lhasa ( )

(ii) .... had left for Lhasa.

(a) Tsetan (b) The author

(c) Norbu (d) Lhamo ( )

4. Answer the following questions:-

(i) Why did the author disappoint with Darchan?

(ii) Why has the article been named Silk Road?

5. Fill in the blanks of following words :-

S_y

C_mp_ete

Clo_h

Sh_rt

A_k

Leason-11

Father to son (Poem)

Summary

The poem describes the troubled relationship between a Father and his son.

His son is now grown up and is busy in his life. Father and his son have lived together in the same house for years. Yet the father knows nothing about him.

There is a silence between Father and his son. They do not speak to each other.

There is no understanding between them. Father plans to build up the broken relationship again.

He wants their relationship to be just like when son was a child. He prepared to accept him with all his faults. Son also had a feeling of sadness about the distance between them. Moreover, the son explains this anger is due to sadness.

This shows that both Father and son want to forgive each other. However they are failing to find a solution to their problem.

Here the poetess says that fathers and sons all over the world should learn to live on the same globe and same land.

The poem talks about the universal problem- lack of communication and understanding.

1. **Word-meanings:-**

   Understand - समझना

   Small - छोटा

   Together - साथ–साथ

   Stranger - अजनबी

   Try - कोशिशकरना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

   (i) The poem is autobiographical in nature. ()

   (ii) The poem describe the relationship between a father and his daughter ( )

3. Tick the correct alternative:-

(i) "................ around us" would have.

(a) noise (b) Silence

(b) Music (d) None ()

(ii) "I don't understand this .... "

(a) Man (b) Woman

(c) Child (d) None ()

4. Answer the following questions:-

(i) What does the speaker say about father son relationship?

(ii) How is the father's helplessness brought out in the poem?

5. Match the following words with their meaning :-

I		II
1.	Understand	अजनबी
2.	Small	साथ–साथ
3.	Together	कोशिशकरना
4.	Stranger	समझना
5.	Try	छोटा

Test Book-IISnapshots

Leason-1

The Summer of the Beautiful White Horse

Summary

This story is about two poor Armenian boys who belong to the Garoghlanaian family. Their tribe is known for their honesty.

They are poor and can hardly earn money for food. Aram is 9 years old and his cousin Mourad is 13 years old. Both of them love horse riding but as they were poor, they cannot afford a horse. One summer morning Mourad came to Aram's house and woke him up by tapping on the room window.

Aram saw that his cousin was sitting on a beautiful white horse and inviting him to ride. He felt as if he were dreaming. He could not believe how a poor boy could have a horse. Aram asked his cousin from where he had stolen that horse but did not get reply.

Mourad asked him to leap out of the window if he wanted to ride. Aram is also tempted to ride. He justified the act to himself that stealing a horse for horse riding and stealing some one's money are two different things.

They could be accused of theft only when they sold the horse.Aram put on his clothes and sat behind the brother on the hourse. The house stated running and Mourad started singing aloud. When Aram got his chance of ride, the horse took him to the vineyard and threw him off and ran away.

The two boys kept the hourse with them for two weeks. Every morning they would take the hourse for a ride and then hide it again.

One day John Byro came to Aram's house to talk to his uncle Khosrove. Byro told him about his missing horse and Aram finds out that Mourad stole the horse from the farmer John Byro.

One day John Byro sees the boys with white beautiful horse. However, as his family was known for their honesty, John did not accuse them of stealing. On the other hand, his belief was so strong, he just said that their horse resembles his horse a lot. Aram and Mourad never liked to defame their family for stealing horse, so both of them took the horse back to John Byro's vineyard and put it in the Barn.

1. **Word-meanings:-**

Dream- सपना

Believe - विश्वास

Summer - गर्मी

Horse - घोड़ा

Rub - रगड़ना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) "The summer of beautiful white horse" is a tale told from the viewpoint of a nine year old boy. ()

(ii) Mourad did not offer the boy to ride on the horse's back. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) Mourad's cousin name is -

(a) Aram (b)John Byro

(c) Aslam (d) Abram ()

(ii) The story revolves around two poor boys ....

(a) Indian (b) German

(c) Armenian (d) None ()

4. **Answer the following questions:-**

(i) How did the narrator react on seeing the horse and Mourad?

(ii) How did Aram ride on the horse?

5. **Write the meanings of following words in English :-**

(अ)ढूंढना (ब)चुपचाप

(स) खोलना (द)बुनना

(च)चाहना

Leason-2

The address

Summary

The story is divided into pre-war and post-war times when the war in Holland was not in its fully fury. Mrs Dorling visited to Mrs S's house frequently. Mrs Dorling was greedy in nature.

Everytime she found any precious things she took it home with her. All her precious silver cutlery antique plates and vasses were taken away by Mrs. Dorling. The precious things of Mrs S were taken away by Mrs Dorling, because she wanted to save all her nice things.

She suggested that they would lose everything if they had to leave the place. The narrator was Mrs. S's daughter Holland for their safety.Mrs S trusted Mrs Dorling but the narrator hadno faith in her they had to leave leave Holland for their safety.

The war was over. Mrs S the narrator's mother was dead. She had told earlier the address of Mrs Dorling. The address was 46, Marconystreet.

The narrator went on the given address. She went there to get her mother's belongings. Mrs Dorling opened the door. He was wearing the green knitted cardigan of the narrator's mother. She saw that the narrator was looking at the cardigan. She half hid herself behind the door.

Her reaction convinced the narrator that she was at right place. Mrs Dorling did not allow her to come inside. Her behavior was unfriendly. She asked her to come at another time. On her second visit, Mrs Dorling was not at home. Her daughter welcomed the narrator.

She showed her teapot with golden border, the antique plate and silver cutlery with pride. She knew nothing about Mrs S and how her mother got these nice things. If she knew it, she would not have shown them to her.

The narrator understood that Mrs Dorling did not want to retun them. The things had been lying in strange surroundings for years. So they had lost all their emotional value for the narrator. So she decided to forget the address and moved on.

1. **Word-meanings:-**

Search	-	ढूँढना
Open	-	खोलना
Want	-	चाहना
Silence	-	चुपचाप
Knit	-	बुनना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) The story is divided into pre-war and post war times. ()

(ii) The narrator's mother was not afraid of losing all valuable belongings ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) Mrs. Dorling wanted to save all important belongings of in her house

(a) Mrs. S. (b) Mrs. R
(c) Mrs. O (d) Mrs. P ()

(ii) In this lesson we see the nature of Mrs. Dorling.-

(a) Greedy (b) Humble
(c) Helping (d) Supportive ()

4. **Answer the following questions:-**

(i) How did the narrator conclude that she was at right place?

(ii) Why did Mrs. Dorling suggest Mrs. S. to shift all her valuable things?

5. **Write the meanings of following words in English-**

1. ढूँढना
2. चुपचाप
3. खोलना
4. बुनना
5. चाहना

Leason-3

Mother's day

Summary

The play 'Mother's day' has five major characters in all. Mrs Annie Pearson, her husband George, their son Cyril, their daughter Doris and her neighbour-MrsFitzgerald.

This chapter portrays the practical experience of a mother, Mrs Pearson. Her kids disrespect her daily. In her own home, she is treated as a slave. Mrs Pearson devotes all her time and energy to serve her husband, son and daughter. She feels ignored everyday not only from her kids but also from her husband too.

Mrs Pearson's life turns when she meets MrsFitzgerald, a fortune teller and discusses about her family members and their behavior. MrsFitzgerald wants to help her. She makes a plan to change personality with Mrs Pearson. At first, Mrs Pearson did not agree but after some time, she agrees to switch bodies.

MrsFitzgerlad casts a spell and swaps her personality with Mrs Pearson. Now Mrs Pearson is bold and dominating andMrsFitzgerald is nervous. Mrs Pearson with her neighbour's personality is ready to deal with her family. Mrs. Pearson is in her home and Doris enters home.

She gives her mother a yellow silk dress to iron. Mrs. Pearson replies very harshly and advises her to do her work herself. Doris starts crying. After this, her son Cryil enters. He asks his mother if his tea is ready. Mrs Pearson refuses and advises him to prepare it himself.

After looking his mother reaction and his sister crying he raises his voice, but Mrs Pearson instructs him to mind his language. She makes it very clear to both of them that they all will work equally from the day onwards.

At that point, Mr Pearson enters the house and is surprised to see his wife drinking stout. He asks the reason for drinking. She replies that she likes drinking for a change. She also countinues to smoke.

She also realizes him that instead of spending his time with his wife, he is spending his time with people who are making fun of him behind his back.

She even calls him by his name. There is a sharp knocking on the door. Mrs Pearson welcomes her neighbor warmly.

The neighbor who has undergone a personality change is, in fact, Mrs Pearson herself. She is curious to know how things are goingon in her house.

Mrs Pearson on seeing her family insult asks MrsFitzgerald to stop all this, MrsFitzgerald advises her not to go soft on them again. Secondly, she must not give any explanation or sorry for drama. A tone of being touch would work. Soon after they regain their original personalities.And after that, the son, the daughter and husband learnt their lesson and started supporting their mother and wife.

1. **Word-meanings:-**

   Stairs - सीढ़ियां

   Kitchen - रसोई

   window - खिड़की

   early - जल्दी

   speak - बोलना

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

   (i) Mrs. Pearson devotes all her time and energy to serve her husband, son and daughter. ()

   (ii) Mrs. Fitzgerald tells Mrs. Pearson to decide firmly. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

   (i) Doris is annoyed that her mother has not ironed.

   (a) Yellow silk dress (b) White dress

   (c) Pink dress (d) Blue dress ()

   (ii) Cyril Pearson is annoyed with mother because she did not make

   (a) Tea (b) Coffee

   (c) Food (d) Milk ()

4. **Answer the following questions:-**

   (i) How does Mrs. Fitzgerald plan to deal with the family of Mrs. Pearson.?

   (ii) What are the two reasons that annoy Doris Pearson?

Leason-4

Birth

Summary

Andrew Manson, newly out of medical school, has just begun his medical practice as an assistant to Dr Edward Page in the small Welsh mining town of Blaenelly.

He is returning from a disappointing evening with Christine. He reached Bryngower. He found Joe Morgan wating for him. He is there to take the doctor to his house to attend his wire. Joe Morgan and his wife have been married nearly twenty years, are expecting their first child.

Andrew and Joe Morgan set out for Number 12 Blaina Terrance. At Joe Morgan's house, he saw Mrs Morgan's mother and midwife attending the patient. Andrew saw Mrs Morgan and took a pause as he could understand that it would take some time. While sitting, his mind starts thinking about Bramwell.

Bramwell has been foolishly devoted to a woman who deceived him. Another friend Denny was living unhappily alone, separated from his wife.

All these marriages were dismal failures. Meanwhile, Andrew had to go back to attend the patient. After an hour-long struggle a child was born, but it was lifeless. Andrew was now in a dilemma-whether to save the mother or the child.

Instinctively, he gave the child to the nurse and turned his attention to Susan Morgan who now lay collapsed, almost, pulseless.

He gave her an injection and her heart was strengthened. Andrew now turned round to handle the baby. But the midwife had already placed it under the bed. In a flash Andrew knelt down and pulled out the child. He was a boy in a perfect shape.

The limp, warm body was white and soft. The head lolled on thin neck. The whiteness meant only one thing-unconsciousness caused by lack of oxygen. He asked the nurse to bring hot water and cold water. he put the child on a blanket and gave him artificial respiration.

Then he dispped the child alternately in hot and cold water after that he rubbed the child with a rough towel.He pressed and released his chest till it began to breathe. he gave the child to the nurse. He thanked God for having done something real at last.

1. **Word-meanings:-**

Reach	-	पहुँचना
Wait	-	इंतजारकरना
Walk	-	चलना
Glad	-	खुशी
Entrance	-	प्रवेश

2. **Write 'T' for true and 'F' for false:-**

(i) The young doctor Andrew Mansonhad done a commendable work.()

(ii) Susan Morgan's strength was ebbing after the delivery. ()

3. **Tick the correct alternative:-**

(i) Andrew helped the middle aged lady in safe delivery of a .... child.

(a) Male (b) female

(c) Transgender (d) None ()

(ii) Andrew rubbed the child with ....

(a) Soft cloth (b) rough cloth

(c) rough towel (d) soft towel ()

4. **Answer the following questions:-**

(i) How did Andrew help Susan in safe delivery?

(ii) How did Andrew save the child?

5. **Match the following words-**

(a) Reach	चलना
(b) Wait	प्रवेश
(c) Walk	खुशी
(d) Glad	इंतजारकरना
(e) Entrance	पहुंचना

Leason-5

The tale of the Melon City

Summary

Once there was a just and placid king. He ordered an arch to be constructed. The arch was built too low. The king rode down the thoroughfare to edify spectators there. Since the arch was built too low, he lost his crown uner it.

A frown appeared on his mild faceand he called it a disgrace. He ordered that the chief of the builders would be hanged for that discharge. The chief of builders pleaded that it was workman's fault. But the workmen blamed the wrong size of the bricks for this mishap.

Mason requested that it was the fault of architect. The architect said that the king himself had made some changes in the plan of the arch. The king was confused to solve the tricky issue. He called for the wisest man. An old wisest manin the city suggested that the arch itself was guilty.

Therefore it must be hanged. The arch was taken towards the gallows. But suddenly a countier spoke in favour of arch saying that they could not hang the arch because it had touched the sacred head of the king. The king agreed with his courtier. But by now, the people wanted someone to be hanged.

And to please the public theking said that somebody should be hanged whether he was guilty or not. So, a noose was set up. Everyone was measured one by one. Only one man was so tall whose neck was fitted in the noose. He was the king-himself.

So the king was hanged by a royal Decree. The ministers proclaimed that the next to pass the city gate would choose the new king.

An idiot passed first by the city gate. He declared that a melon would be the next king of the city. The melon was crowned as the next king.

1. **Word-meanings:-**

Sing	-	गाना
King	-	राजा
Construct	-	निर्माण
Under	-	नीचे
Crown	-	ताज

2. Write 'T' for true and 'F' for false:-

(i) As the king passed under the low arch it stuck his head. ()

(ii) The workmen said that the bricks were made of right size. ()

3. Tick the correct alternative:-

(i) The chief of builders lay the blame on ....

(a) Bricks (b) Workmen

(c) Masons (d) Architect ()

(ii) In the last a .... was crowned as the next King.

(a) a Melon (b) a banana

(c) a mango (d) a water melon ()

4. Answer the following questions:-

(i) Why did the king ride down the thoroughfare and what was the result?

(ii) Who was held responsible for the disgrace? How did he react to it?

5. Fill in the blanks of following words-

(a) S_ng

(b) Cr__wn

(c) Un__er

(d) K__ng

(e) C__nst__uct

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : भूगोल

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

परीक्षा पाठ्यक्रम 2023–24

विषय : भूगोल

कक्षा–11

इस विषय में एक प्रश्न पत्र– सैद्वान्तिक एवं एक प्रायोगिक की परीक्षा होगी । परीक्षार्थी को सैद्वान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अध्ययनार्थ सैद्वान्तिक पत्रों एवं प्रायोगिक कार्य के लिए प्रति सप्ताह क्रमश : 6 एवं 4 घण्टे देय होंगे। विषय की परीक्षायोजना निम्नानुसार है–

परीक्षा	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्वान्तिक	4:15	70 (35+35)	100
प्रायोगकि	4:00	30	

विषय : भूगोल : पाठ्यक्रम : खण्ड–अ

भौतिक भूगोल के मूल सिद्वान्त कुल अंक =35

क्र.सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	भूगोल एक विषय के रूप में	पाठ–1 भूगोल एक विषय के रूप में	4	4
2	पृथ्वी	पाठ–2 पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास	2	4
		पाठ–3 पृथ्वी की आंतरिक संरचना	1	
		पाठ–4 महासागरों और महाद्वीपों का वितरण	1	
3	भू–आकृतियाँ	पाठ–5 भू–आकृतिक प्रक्रियाएँ	4	8
		पाठ–6 भू–आकृतियाँ तथा उनका विकास	4	
4	जलवायु	पाठ–7 वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना	1	8
		पाठ–8 सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान	2	
		पाठ–9 वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ	2	
		पाठ–10 वायुमंडल में जल	2	
		पाठ–11 विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन	1	
5	जल (महासागर)	पाठ–12 महासागरीय जल	3	6
		पाठ–13 महासागरीय जल संचलन	3	
6	प्रथ्वी पर जीवन	पाठ–14 जैव विविधता एवं संरक्षण	5	5
		कुल अंक		35

खण्ड–ब
भारत : भौतिक पर्यावरण

कुल अंक : 35

क्र. सं.	इकाई का नाम	अध्याय का नाम	अंक भार	इकाई के कुल अंक
1	प्रस्तावना	पाठ–1 :भारत – स्थिति	2	2
2	भू–आकति विज्ञान	पाठ–2 : संरचना तथा भू–आकृति विज्ञान	6	12
		पाठ–3 : अपवाह तंत्र	6	
3	जलवायु,वनस्पति एवं मृदा	पाठ–4 जलवायु	6	12
		पाठ–5 प्राकृतिक वनस्पति	6	
4	प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ, कारण परिणाम तथा प्रबंध	पाठ–6 : प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ	5	5
5	मानचित्रण कार्य	भारत के मानचित्र में ऊपर खण्ड (ब) में दिंये गये पाठ्यवस्तु पर आधारित मानचित्र कार्य ।	4	4
		कुल अंक		35

प्रायोगिक कार्य

समय : 4 घण्टे कुल अंक : 30

प्रायोगिक प्रश्न पत्र	20 अंक (कुल 5 प्रश्न, 4 अंक प्रति प्रश्न)
प्रायोगिक अभिलेख एवं मौखिक परीक्षा	10 अंक (अभिलेख–8 अंक, मौखिक–2 अंक)

	प्रायोगिक कार्य	
अध्याय क्रमांक	विषय वस्तु	अंक भार
01	मानचित्रों का परिचय	2
02	मानचित्र, मापनी ।	4
03	अक्षांश,देशान्तर और समय ।	4
04	मानचित्र प्रक्षेप।	4
05	स्थलाकृत्तिक मानचित्र।	2
06	वायव फोटो का परिचय	1
07	सुदूर संवेदन का परिचय	1
08	मौसम यंत्र, मानचित्र तथा चार्ट।	2
09	प्रायोगिक अभिलेख एवं मौखिक परीक्षा	10 (8+2)
नोट : विद्यार्थी सत्र पर्यन्त प्रायोगिक कार्य का अभिलेख (प्रैक्टिकल फाईल) तैयाार कर संधारित करेगा।		
	निर्धारित पुस्तकें :	
(1)	भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य भाग–1 एन सी ई आर टी से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित	

मॉडल प्रश्न पत्र : 2023–24
विषय : भूगोल
कक्षा – 11

समय : 4:15 **पूर्णांक:35**

1. **परीक्षार्थी अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अवश्य लिखे ।**
2. **सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।**
3. **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखे ।**

खण्ड–अ

प्रश्न–1 बहुचयनात्मक प्रश्न ½ X 8 = 4 **अंक)**

1 विषय वस्तु उपागम **का प्रवर्तन निम्न में से किस भूगोलवेन्ता ने किया ?**
अ) रियथोफेन ब) हम्बोल्ट स) कार्ल रिटर द) हैटनर ( )

2 वर्तमान समय में ग्रहों की संख्या मानी जाती है।
अ) 9 ब) 10 स) 8 द) 11 ( )

3 हिमालय पर्वत का संबंध निम्न में से किससे है ?
अ) टेथिस सागर ब) आर्कटिक सागर से
स) अरब सागर द) भूमध्य सागर ( )

4 निम्न में से कितनी ऊँचाई पर ऑक्सीजन की मात्रा नगण्य हो जाती है ?
अ) 90 कि,मी ब) 100 कि,मी
स) 120 कि,मी द) 150कि,मी ( )

5 पृथ्वी सूर्य के सबसे नजदीक कब होती है ?
अ) 1 जनवरी ब) 4 जुलाई
स) 16 सितम्बर द) 12 नवम्बर ( )

6 निम्न में से किस ग्रह को नीला ग्रह कहा जाता है ?
अ) बुध ब) शुक्र
स) पृथ्वी द) मंगल ( )

7 निम्नलिखित में से कौन–सा देश क्षेत्रफल मे भारत से बड़ा है ?
अ) चीन ब) फ्रांस स) मिस्र द) ईरान ( )

8 डोडाबेटा चोटी निम्न में से कौन–सी पहाडी श्रृंखला में स्थित है ?
अ) नीलीगिरी ब) काडमिम
स) अन्नामलाई द) नल्लामाला ( )

प्रश्न–2 निम्न लिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए । **½ x 10 = 5**

(1) हमें भूगोल क्यों पढ़ना चाहिए अथवा भूगोल का अध्ययन क्यों आवश्यकता है ?

(2) पृथ्वी के वायुमण्डल को निर्मित करने वाली प्रारम्भिक गैसे कौन–सी थी ?

(3) भूकम्पीय आपदा से होने वाले प्रकोप कौन–कौन से है ?

(4) पैंजिया क्या है ?

(5) वायुदाब मापने की इकाई क्या है ?

(6) वर्षा के तीन प्रकारों के नाम लिखिए।

(7) किस प्रकार की जलवायु में तापान्तर बहुत कम होता है ?

(8) हम पृथ्वी को नीला ग्रह क्यों कहते है ?

(9) महासागरीय तंरगे ऊर्जा कहॉ से प्राप्त करती है ?

(10) हॉट– स्पॉट से आप क्या समझते है ?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों मे दे । **2X 5 = 10**

(1) अन्तर्जात व बहिर्जात बलों में क्या अन्तर है ?

(2) नदी घाटीयों तथा हिमन्द घाटियों में आधारभूत अन्तर क्या है ?

(3) भाभर क्षेत्र क्या होते है ?

(4) कोसी नदी को बिहार का शोक क्यों कहा जाता है ?

(5) भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के सामाजिक आर्थिक लाभ क्या है ?

प्रश्न–4 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर 100 शब्दो मे लिखे । **4 X3 = 12**

(1) प्रकृति को बनाये रखने में जैव– विविधता की भूमिका का वर्णन करें।

(2) भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारको का वर्णन कीजिए।

(3) वन संरक्षण के लिए क्या कदम उठाये गए है ?

(4) सूनामी क्या है ? सूनामी जनित प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–5 भारत के रेखामानचित्र में निम्नलिखित राज्यों को दर्शाइए। **1X 4 = 4**

(1) दिल्ली

(2) भोपाल

(3) कोलकता

(4) मुंबई

पाठ्यक्रम
विषय : भूगोल : खण्ड–अ
इकाई–1
अध्याय–1ः भूगोल एक विषय के रूप में
पाठ सारांश

- भूगोल शब्द की उत्पत्त ग्रीक भाषा के दो मूल शब्दों ळमव (पृथ्वी) एवं ळतंचीवे (वर्णन) से हुई जिसका अर्थ होता है पृथ्वी का वर्णन करना ।
- सर्वप्रथम भूगोल शब्द का प्रयोग यूनानी विद्वान इरेटॉस्थेनीज ने किया था।
- भूगोल विषय के अन्तर्गत प्राकृतिक विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता है।
- भूगोल को दो भागों में बाँटा जा सकता है – भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल ।
- भूगोल के अध्ययन के दो प्रमुख उपागम है –
  1. विषय वस्तुगत उपागम एवं 2. प्रादेशिक उपागम
- भूगोल को दो प्रमुख शाखाओं भौमिक भूगोल व मानव भूगोल में बाँटा जा सकता है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्नलिखित में से किस विद्वान ने भूगोल शब्द का प्रयोग किया ?
अ)हेरोडट्स ब)गैलीलीयो स)इरेटॉस्थेनीज द)अरस्तू ( )

2 निम्नलिखित में से किस लक्षण को भौमिक लक्षण कहा जा सकता है?
अ) पत्तन ब)मैदान स)सड़क द)जल उद्यान ( )

3 निम्न में से कौन–सा विषय भौतिक/प्राकृतिक भूगोल से संबंधित है?
अ)मानव शास्त्र ब)अर्थ शास्त्रस) मृदा शास्त्र द) जनांकिकी ( )

4 विषय वस्तुगत उपागम का प्रवर्तन निम्न में से किस भूगोलवेत्ता ने किया?
अ) रियथोफेन ब) हम्बोल्टस) कार्ल रिटर द) हैटनर ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 आप विद्यालय जाते समय किन महत्वपूर्ण सांस्कृतिक लक्षणों का पर्यवेक्षण करते हैं? क्यों वे सभी समान है अथवा असमान है? यदि हाँ तो क्यों?

2 आपने एक टेनिस गेंद, क्रिकेट ग्रेद, संतरा एवं लौकी देखी होगी। इनमें से कौनसी वस्तु की आकृति पृथ्वी की आकृति से मिलती–जुलती है । आपने इस विशेष वस्तु को पृथ्वी की आकृति का वर्णन करने के लिए क्यों चुना ?

3 क्या आपने विद्यालय में वन महोत्सव समारोह का आयोजन करते हैं? हम इतने पौधारोपण क्यों करते है? वृक्ष किस तरह पारिस्थितिक सन्तुलन बनाए रखते है?

4 आपने हाथी, हिरण, केचुँए, वृक्ष एवं घास को देखा है? वे कहाँ रहते एवं बढते है? उस मण्डल को क्या नाम दिया गया है? आप इस मण्डल के कुछ लक्षणें का वर्णन करे।

5 हमें भूगोल क्यों पढ़ना चाहिए अथवा भूगोल का अध्ययन क्यों आवश्यक है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 भूगोल की प्रमुख शाखाओं का उल्लेख करते हुए उनके विषय में संक्षेप में बताइए।

इकाई–2 : पृथ्वी

अध्याय–2: पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास

पाठ सारांश

- पृथ्वी की उत्पत्ति के विषय में जानकारी प्राप्मत करनके के लिए मानव एक लम्बे समय से प्रयत्नशील रहा है।
- वर्तमान समय में ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के सम्बध में सर्वमान्य सिद्वान्त ”बिग बैंग सिद्वान्त” इसे विस्तारित ब्रह्माण्ड परिकल्पना के नाम से भी जाना जाता है।
- आकाश गंगा असंख्या तारों का समूह होती है।
- ग्रहों के विकास की तीन अवस्थाएँ मानी जाती है।
- हमारा सौरमण्डल सूर्य, 8 ग्रहों, 63 उपग्रहों, लाखो छोटे पिण्डों, धूमकेतू एवं वृहत् मात्रा में धूलिकण एवं गैसो से निर्मित है।
- चन्द्रमा पृत्वी का एक मात्र प्राकृतिक उपग्रह है।
- पृथ्वी के सतह से इसके भीतरी भाग तक अनेक मण्डल है।
- पृथ्वी की उत्पत्ति का अन्तिम चरण जीवन की उत्पत्ति एवं विकास से संबंधित है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्नलिखित में से कौन–सी संख्या पृथ्वी की आयु को प्रदर्शित करती है?
अ) 46 लाख वर्ष ब) 4600 करोड़ वर्ष
स) 13.7 अरब वर्ष द) 13.7 खरब वर्ष ( )

2 निम्न में कौन–सी अवधि सबसे लम्बी है?
अ) इओन ब) गैस उज्सर्जन स) कल्प द) युग ( )

3 ”प्रकाश वर्ष” निम्न में से किसकी इकाई है?
अ) दूरी की ब) समय की स) तापमान की द) ऊँचाई की ( )

4 ”वायुमण्डल” के विकास की कितनी श्शाखाएँ है?
अ) दो ब) तीन स) चार द) पांच ( )

5 वर्तमान समय में ग्रहों की संख्या मानी जाती है।
अ) 9 ब) 10 स) 8 द)11 ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 पार्थिव ग्रह चट्टानी क्यों है?
2 ”विभेदन” प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं?
3 प्रारम्भिक काल में पृत्वी के धरातल का स्वरूप क्या था?
4 पृथ्वी के वायुमण्डल को निर्मित करने वाली प्रारम्भिक गैसे कौन–सी थी?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 ”बिग बैंग” सिद्वान्त का विस्तार से वर्णन करे।

अध्याय–3 : पृथ्वी की आंतरिक संरचना

पाठ सारांश

- पृथ्वी की उत्पत्ति की भाँति पृथ्वी की आन्तरिक संरचना भी मानव के लिए एक पहेली बनी हुई है । क्योंकि पृथ्वी के आन्तरिक भाग में न तो कोई पहुँच सकहा है और न हीं पहुँचने की सम्भावना है।
- पृथ्वी के केन्द्र से दूरी के कारण गुरूत्वाकर्षण बल पर अधिक व भूमध्यम रेखा पर कम होता है ।
- भूकम्प एक प्राकृतिक घटना है। पृथ्वी के आंतरकि भाग से ऊर्जा के निकलने के कारण तंरगे उत्पन्न होती है जो समस्त दिशाओ में फैलकर भूकम्प लाती है।
- भूकम्पीय तरंगो का अभिलेखन भूकम्पमापी यंत्र द्वारा किया जाता है जिसे "सीसमोग्राम" कहते है।
- भूकम्प से जन–धन की बहुत अधिक हानि होती है।
- पृथ्वी की संरचना के तीन भाग है।
  1. भू–पर्पटी 2. मैंटल 3. क्रोड

  ज्वालामुखी वह स्थान है जहाँ से निकलकर गैंसे, राख तथा तरल चट्टानी पदार्थ व लावा धरातल तक पहुॅचता है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्नलिखित में से कौन भूगर्भ की जानकारी का प्रत्यक्ष साधन है?
अ) भूकम्पीय तरंगे ब) गुरूत्वाकर्षण बल
स) ज्वालामुखी द) पृथ्वी का चुम्बकत्व ( )

2 दक्कन ट्रेप की शैल समूह किस प्रकार के ज्वालामुखी उद्गार का परिणाम है?
अ) शील्ड ब) मिश्र स) प्रवाह द) कुंड ( )

3 निम्न में से कौन–सी भूकम्प तरंगे चट्टानों में संकुचन व फैलाव लाती है?
अ)'P' तरंगे ब)'S' तरंगें
स) धरातलीय तरंगे द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

4 पृथ्वी की त्रिज्या है?
अ) 6.370 किमी ब) 5.630 किमी
स) 7.950 किमी द) 4.27 किमी ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 भूगर्भीय तरंगे क्या है?
2 भूगर्भ की जानकारी के लिए प्रत्यक्ष साधनों के नाम बताइए ।
3 भूकम्पीय तरंगे छाया क्षेत्र कैसे बनाती है?
4 भूकम्पीय आपदा से होने वाले प्रकोप कौन–कौन से है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 पृथ्वी की आन्तरिक संरचना का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

अध्याय–4 : महासागरों और महाद्वीपों का वितरण

पाठ सारांश

- धरातल पर महाद्वीप एवं महासागर ऐसी भू–आकृतियाँ है जिसका निर्माण सबसे पहले हुआ।
- पृथ्वी के 29 प्रतिशत भाग पर महाद्वीप एवं शेष 71 प्रतिशत भाग पर महासागर फैले हुए है।
- ध्रुवीय बल पृथ्वी के धूर्णन से जबकि ज्वारीयबल सूर्य व चन्द्रमा की गुरूत्वाकर्षण शक्ति से संबंधित
- महाद्वीपों की भॉति ही महासागरीय तल पर भी विभिन्न उच्चावच पाए जाते है।
- प्रशांत महासागर के किनारों पर सक्रिय ज्वालामुखी का क्षेत्र स्थित है।
- भारतीय प्लेट में प्रायद्वीपीय भारत व आस्ट्रेलिया महाद्वीपय भाग शामिल है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 पोलर फ्लीइंग बल निम्न में से किससे संबंधित है–
अ) पृथ्वी का परिक्रमण ब) पृथ्वी का घूर्णन
स) गुरूत्वाकर्षण द) ज्वारीय बल ( )

2 इसमें से कौन–सी लघु प्लेट नहीं है?
अ) नजका ब) फिलीपीन स) अरल द) अण्टार्कटिक ( )

3 संवहन धारा सिद्वान्त का सम्बन्ध निम्न में से किस भूगोलवेता से है?
अ) वेगनर ब) आर्थर होम्स स) बुलार्ड द) जेम्स जीन्स ( )

4 हिमालय पर्वत का संबंध निम्न में से किससे है?
अ) टेथिस सागर से ब) आर्कटिक सागर से
स) अरब सागर से द) भुमध्य सागर से ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 मैंटल में संवहन धाराओं के आरम्भ होने और बने रहने के क्या कारण है?

2 प्लेट की रूपान्तर सीमा अभिसरण सीमा और अपसारी सीमा में मुख्य अन्तर क्या है?

3 पैंजिया क्या है?

4 टिलाइट चट्टाने क्या है? ये कहाँ मिलती है?

5 संवहन प्रवाह क्या है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 महाद्वीपीय विस्थापन सिद्वान्त एवं प्लेट विवर्तनिकी सिद्वान्त में अन्तर बताइए।

इकाई –3 : भू–आकृतियाँ

अध्याय–5 : भू–आकृतिक प्रक्रियाएँ

पाठ सारांश

- भूपर्पटी गतिशील है।
- धरातल सूर्य से प्राप्त ऊजो द्वारा प्रेरित बाह्य बलों से लगातार प्रभावित होता रहता है।
- धरातल पर अपरदन के माध्यम से उच्चावच के मध्य अन्तर के कम होने को तल संतुलन कहते है।
- सभी बहिजर्निक प्रक्रियाओं को अनाच्छादन के रूप में जाना जाता है।
- अपक्षय पर जलवायु का सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है।
- मृदा एक गतिशील माध्यम है। मृदा निर्माण के पाँच मूल कारक है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्नलिखित में से कौन–सी एक अनुक्रमिक प्रक्रिया है?
अ) निक्षेप ब) ज्वालामुखीयता स) पटल निरूपण द) अपरदन ( )

2 निम्न में से कौन–सा अपरदन का कार्य नहीं परिणाम है?
अ) अपरदन ब) परिवहन स) विस्थापन द) निक्षेपण ( )

3 मृदा निर्माण में निम्न में से कौन–सा महत्वपूर्ण सक्रिय कारक है?
अ) मूल चट्टान ब) जलवायु
स) उच्चावच द) कालावधि ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 अपक्षय पृथ्वी पर जैव विविधता के लिए उत्तरदायी है कैसे?

2 क्या मृदा निर्माण में अपक्षय एक आवश्यक अनिवार्यता है?

3 मृदा निर्माण के प्रमुख कारक कौन–कौन से है?

4 अन्तर्जात व बहिर्जात बलों में क्या अन्तर है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 हमारी पृथ्वी भू–आकृतिक प्रक्रियाओं के दो विरोधात्मक वर्गो के खेल का मैदान हैं, विवेचना कीजिए।

अध्याय–6 : भू–आकृतियाँ तथा उनका विकास

पाठ सारांश

- अपक्षय की प्रक्रिया द्वारा चट्टाने अपने ही स्थान पर टूटती–फूटती रहती है?
- धरातलल पर अपरदन की प्रक्रिया से भू–आकृतियाँ परिवर्तित होती रहती है।
- भू–आकृति विज्ञान भूतल के इतिहास का पुर्नअध्ययन है।
- भू–आकृतियाँ अपरदन व निक्षेपण का परिणाम होती है।
- ज्ञप्रवाहित जल सबसे महत्वपूर्ण भू–आकृतिक कारक है जो धरातल के निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी है।
- भौमजल अर्थात भूमिगत जल से है।
- पवनों का कार्य उष्ण मरूस्थलीय क्षेत्रों में अधिक प्रभावकारी होता है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 स्थलरूप विकास की किस अवस्था में अधोमुख कटाव प्रमुख होता है?
अ) तरूणावस्था ब) प्रथम प्रौढावस्था
स) अन्तिम प्रौढावस्था द) वृद्वावस्था ( )

2 एक गहरी घाटी जिसकी विशेषता सीढीनुमा खड़े बल होते हैं, किस नाम से जानी जाती है?
अ)॰ आकर की घाटी ब) अंधी घाटी स) गार्ज द) कैनियन( )

3 गोखुर झीलों का निर्माण होता है?
अ) नदी द्वारा ब) हिमनदी द्वारा स) भूमिगत जल द्वारा
द) हिमानी द्वारा ( )

4 डोलाइन का निर्माण किसके द्वारा होता है?
अ) नदी जल ब) भूमिगत जल स) हिमानी द) पवन ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 नदी घाटियों तथा हिमनद घाटियों में आधारभूत अन्तर क्या है?

2 मरूस्थली क्षेत्रों में पवन कैसे अपना कार्य करती है? क्या मरूस्थलों में यही एक कारक अपरदित स्थल रूपों का निर्माण करता है?

3 भू–आकृतियों के विकास से क्या तात्पर्य है

4 मोनाडनोक क्या है? स्पष्ट करे।

5 नदी विसर्प कया है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 आर्द व शुष्क जलवायु प्रदेशों में प्रवाहित जल ही सबसे महत्वपूर्ण भू–आकृतिक कारक है, विस्तार से बताइए।

इकाई–4 जलवायु

अध्याय–7 : वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना

पाठ सारांश

- हमारे चारों ओर फैले आवरण को वायुमण्डल कहा जाता है।
- वयुमण्डल की वायु रंगहीन, गंधहीन तथा स्वाहीन है।
- वयुमण्ल का संघटन गैसो, जलवाष्प तथा धूलिकणों से हुआ है।
- ओजोन परत सूर्यसे निकलने वाली पराबैंगनी किरणो का अवशोषण करके उन्हें पृथ्वी की सतह तक पहुँचने से रोकती है।
- जलवाष्प पृथ्वी के तापमान को सन्तुलित बनाये रखने में अपना योगदान देती है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्न में से कौन–सी गैस वायुमण्डल में सबसे अधिक मात्रा में मौजूद है?
अ) ऑक्सीजन ब) आर्गन स) नाइट्रोजन द) कार्बन ( )

2 वह वायुमण्डलीय परत जो मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है?
अ) समतापमण्डल ब) क्षोभमण्डल
स) मध्य मण्डल द) आयन मण्डल ( )

3 समुद्री नमक पराग, राख, धुएँ की कालिमा, महीन मिट्टी किससे संबंधित है?
अ) गैस ब) जलवाष्प स) धूलिकण द) उल्कापात ( )

4 निम्न में से कितनी ऊँचाई पर ऑक्सीजन की मात्रा नगण्य हो जाती है?
अ) 90 ब ब) 100 किमी स) 120 किमी द) 150 किमी ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 वायुमण्डल से आप क्या समझते है?
2 मौसम एवं जलवायु के तत्व कौनसे है?
3 जलवाष्पर्किस तरह पृत्वी पर एक कम्बल की भॉति कार्य करती है?
4 ओजोन गैस के महत्व को समझाइए

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 वायुमण्डल के संघटन की व्याख्या करें ।

अध्याय–8 : सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान

पाठ सारांश

- पृथ्वी अपनी ऊर्जा का लगभग सम्पूर्ण भाग सूर्य से प्राप्त करती है।
- पृथ्वी को होने वाली ऊर्जा को सूर्यातप कहते है।
- घरातल पर सबसे अधिक सूर्यातप उपोष्ण कटिबंधीय मरूस्तीलों में प्राप्त किया जाता है।
- वायुमण्डल के लम्बवत् तापन की प्रक्रिया संवहन कहलाती है।
- किसी स्तीन के ठण्डा एवं गर्म होने को तापमान कहते है।
- जुलाई माह में समताप रेखाएँ प्रायः अंक्षाक्षों के समानान्तर चलती है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्न में से किस अक्षांश पर 21 जून को दोपहर में सूर्य की किरणे सीधी पड़ती है?
अ) विषुवत वृत पर ब) $23^{0}5$ उत्तर
स) $66^{0}5$ दक्षिण द) $66^{0}5$ उत्तर ( )

2 निम्न में से किन शहरो में दिन ज्यादा लम्बा होता है?
अ) तिरूवनन्तपुरूम ब) हैदराबाद स) चण्डीगढ द) नागपूर ( )

3 पृथ्वी सूर्य के सबसे नजदीक कब होती है?
अ) 1 जनवरी ब) 4 जुलाई स) 16 सितम्बर द) 12 नवम्बर ( )

4 वायुमण्डल के लम्बवत्तापन की प्रक्रिया कहलाती है–
अ) परिचालन ब) संवहन स) अभिवहन द) अवशोषण ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 पृत्वी पर तापमान का असमान वितरण किस प्रकार जलवायु व मौसम को प्रभावित करता है?

2 वे कौन से कारक है जो पृथ्वी पर तापमान के वितरण को प्रभावित करते है?

3 क्या कारण है कि पृथ्वी न तो अधिक समय के लिए गर्म होती है और न ही अधिक ठण्डी?

4 प्लैंक का नियम क्या है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 धरातल पर तापमान के वितरण को प्रभावित करने वाले कारको का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अध्याय–9 : वायुमण्डलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ

पाठ सारांश

- वायु के गर्म होकर फैलने एवं ठंडी होकर सिकुड़ने से वायुमंडलीय दाब में भिन्नता उत्पन्न होतीं है।?
- ऊर्ध्वाधर वितरण गुरूत्वाकर्षण द्वारा नियंत्रित होता है।
- समान वायुदाब वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखा समदाब रेखा कहलातीं है।
- वें पवनें जो मौसम के अनुसार अपनी दिशाओं में परिवर्तन कर देतीं हैं, उन्हें मौसमी पवनें कहा जाता है।
- वायुराशि वायु मण्डल के उस विस्तृत क्षेत्र को कहते है, जिससे विभिन्न ऊँचाइयों पर क्षैतिज अवस्था में जलवायु संबंधी विशेषताओं अर्थात तापक्रम एवं आर्द्रता में समानता मिलतीं है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 यदि धारतल पर वायुदाब 1000 मिलीबार है तो धरातल से 1 किमी की ऊँचाई पर वायुदाब कितना होगा?
अ) 700 मिलीबार ब) 900 मिलीबार
स) 1100 मिलीबार द) 1300 मिलीबार ( )

2 समुद्र तल पर औसत वायुदाब कितना मिलता है?
अ) 1013.2 ब) 1000
स) 990 द) 985.25 ( )

3 वायुदाब के वितरण हेतु मुख्यतः: किन महिनों को चुना गया है?
अ) फरवरी व अप्रेल ब) मार्च व अगस्त
स) मई व सितम्बर द) जनवरी व जुलाई ( )

4 पश्चिमी पवनें कहलातीं है–
अ) व्यापारिक पवनें ब) पछुआ पवनें
स) ध्रुवीय पवने द) मानसूनी पवने ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।
1 वायुदाब मापने की इकाई क्या है?
2 "भू–विक्षेपी" पवनें क्या है?
3 समुद्र व स्थल समीर का वर्णन करें ।
4 जनवरी में वायुदाब की स्थिति कैसी होतीं है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।
1 पवनों की दिशा व वेग को प्रभावित करने वाले कारको को बताइए।

अध्याय–10 : वायुमण्डल में जल

पाठ सारांश

- वायुमण्डल में जल तीन अवस्थाओं गैस द्रव व ठोस के रूप में उपस्थित रहता है।
- वायुमण्डल में आर्द्रता, जलाशयों से वाष्पीकरण एवं पौधो से वाष्पोत्सर्जन से प्राप्त होती है।
- हवा में मौजूद जलवाष्प को आर्द्रता कहत है।
- जिस ताप पर संतृप्तता आती है उसे आंसांक कहते हैं।
- वाष्पीकरण वह क्रिया है जिसके द्वारा जल द्रव से गैसीय अवस्था में परिवर्तित होता है।
- जलवाष्पक I जल के रूप में बदलना संघनन कहलाता है।
- विषुवतीय पट्‌टी व ठंडे समशीतोष्ण भागो में वर्षभर वर्षा होती रहती है।
-

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 • मानव के लिए वायुमण्डल का सबसे महत्वपूर्ण घटक निम्नलिखित में से कौन–सा है?
अ) जलवाष्प ब) धूलकण स) नाइट्रोजन द) ऑक्सीजन ( )

2 निम्न में से वह प्रक्रिया कौन–सी है जिसके द्वारा जल, द्रव से गैस में बदल जाता है?
अ) संघनन ब) वाष्पीकरण स) वाष्पोत्सर्जन द) अवक्षेषण( )

3 निम्न प्रकार के बादलों में से आकाश में सबसे ऊँचा बादल कौन–सा है?
अ) पक्षाभ ब) वर्षा मेघ स) स्तरी द) कपासी ( )

4 वायु में उपस्थित जलवाष्प को कहा जाता है?
अ) आर्द्रता ब) तापमान स) निरपेक्ष आर्द्रता द) वर्षण ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 वर्षा के तीन प्रकारों के नाम लिखिए।
2 बादल कैसे बनते है?
3 सपेक्ष आर्द्रता की व्याख्या करे।
4 संघनन केन्द्रक क्या होते हैं?
5 धूम्र कोहरा किसे कहते है?
6 ओस क्या है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 विश्व में वर्षण वितरण के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

अध्याय–11 : विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन

पाठ सारांश

- दीर्घ अवधि के संदर्भ में मौसमी दशाओं का अध्ययन जलवायु के नाम से जाना जाता है।
- पृथ्वी पर औसत मौसमीय दशाओं में परिवर्तन को जलवायु परिवर्तन कहते है।
- सौर कलंक का चक्रीय ढंग मिलेकोविच दोलन ज्वालामुखी उद्भेदन तथा मानव द्वारा वृहत स्तर पर ग्रीन हाउस गैस का उद्भेदन जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारण है
- समताप मण्डल मे ओजोन के सांद्रण का हृास ओजान छिद्र कहलाता है।
-

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 जलवायु के वर्गीकरण से संबंधित कोपेन की पद्वति को व्यक्त किया जा सकता है?
अ) अनुप्रयुक्त ब) व्यवस्थित स) जननिक द) आनुभविक( )

2 निम्न में से कौन सा साल विश्व का सबसे गर्मसाल माना गया है?
अ) 1990 ब) 1998 स) 1885 द) 1950 ( )

3 कोपेन ने अपने जलवायु वर्गीकरण को प्रथम बार कब प्रस्तुत किया ?
अ) 1916 में ब) 1918 में स) 1920 में द) 1923 में( )

4 वायुमण्डल में उपस्थित ग्रीन हाउस गैसों में सबसे अधिक सान्द्रण किस गैस का है?
अ) क्लोरा–फ्लोरा कार्बन ब) मीथेन
स)नाइट्स ऑक्साइड द) कार्बन डाईऑक्साइड ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 जलवायु के वर्गीकरण के लिये कोपेन के द्वारा किन दो जलवायविक चरों का प्रयोग किया गया है?

2 किस प्रकार की जलवायु में तापान्तर बहुत कम होता है?

3 जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारण लिखे।

4 हरित ग्रह प्रभाव से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 हरित गृह प्रभाव को स्पष्ट करें । इसमें मिलने वाली गैसो के संगठन व इसके दुपरिणामों का वर्णन करे।

इकाई–5 : जल (महासागर)

अध्याय–12 : महासागरीय जल

पाठ सारांश

- जल ही जीवन है । जल के बिना पृथ्वी पर जीवन जी कल्पना करना असम्भव है।
- जल एक चक्रीय संसाधन है।
- महासागर पृथ्वी की बाहरी परत में वृहत गतों में स्थित है
- महासागरीय अधःस्तल का प्रमुख आग समुद्र तल के नीचे 3 से 6 किमी के मध्य मिलता है।
- समुद्री टीले ज्वालामुखी के द्वारा उत्पन्न होते है।
- हडसन कैनियन विश्व का सबसे प्रसिद्व कैनियन है।
- उत्तरी गोलार्द्व के महासागरों का तापमान दक्षिणी गोलार्द्व की तुलना में अधिक रहता है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 उस तत्व की पहचान करें जो जलीय चक्र का भाग नहीं है?
अ) वाष्पीकरण ब) वर्षण स) जलयोजन द) संघनन ( )

2 निम्न में से कौन–सा सबसे छोटा महासागर है?
अ) हिन्द महासागर ब) अटलांटिक महासागर
स) आर्कटिक महासागर द) प्रशान्त महासागर ( )

3 निम्न में से किस ग्रह को नीला ग्रह कहा जाता है?
अ) बुध ब) शुक्र स) पृथ्वी द) मंगल ( )

4 पृथ्वी के कितने भाग पर जल पाया जाता है?
अ) 69 प्रतिशत ब) 70 प्रतिशत
स) 71 प्रतिशत द) 73 प्रतिशत ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 हम पृथ्वी को नीला ग्रह क्यों कहते है?
2 महाद्वीपीय सीमान्त क्या होता है?
3 ताप प्रवणता क्या है?
4 समुद्री जल की लवणता क्या है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 म्हासागरों के तापमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।

अध्याय–13 : महासागरीय जल संचलन

पाठ सारांश

- महासागरीय जल स्थिर न होकर गतिमान होता है।
- तरंगे वास्तव में ऊजो है, जल नहीं, । तरंगों में जल कण छोटे वृत्ताकार रूप में गति करते है।
- बड़ी तरंगे खुले महासागरों में पायी जाती है।
- एक तरंग का आकार एवं आकृति उसकी उत्पत्ति को दर्शाता है।
- महासागरीय जल के ऊपर उठने को ज्वार तथा नीचे गिरने को भाटा कहते है।
- ज्वारभाटा मौ संचालको व मछुआरों को उनके कार्य में सहायता करता है।
- महासागर के सतह पर बहने वाली वायु जल को गतिमान करती है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 महासागरीय जल की ऊपर एवं नीचे की गति किससे संबंधित है?
अ) ज्वार ब) तरंग स) धाराएँ द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

2 पृथ्वी तथा चन्द्रमा की न्यूनतम दूरी कब होती है?
अ) आपसौर ब) उपसौर स) उपभू द) अपभू ( )

3 पृथ्वी उपसौर की स्थिति कब होती है?
अ) अक्टूबर ब) जुलाई स) सितम्बर द) जनवरी ( )

4 फाकलैंड धारा किस महासागर से संबंधित है?
अ) हिन्द ब) अंध स) प्रशांत द) आर्कटिक ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 तरंगे क्या है?
2 महासागरीय तरंगे ऊर्जा कहाँ से प्राप्त करती है?
3 ज्वार भाटा क्या है?
4 ज्वार–भाटा उत्पन्न होने के क्या कारण है?
5 तरंगे से क्या आशय है? स्पष्ट करे।

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

इकाई–6 : पृथ्वी पर जीवन
अध्याय–14 : जैव विविधता एंव संरक्षण

पाठ सारांश

- उष्ण कटिबंधीय वनों से जैव–विविधता की अधिकता मिलती है।
- जैव विविधता सजीव संपदा है।
- जैव विविधता को तीन स्तरों पर समझा जा सकता है।
- जैव विविधता ने मानव संस्कृति के विकासमें बहुत सहयोग प्रदान किया है।
- फसलों की विविधता की कृषि जैव विविधता भी कहते है।
- मानव के अस्तित्व के लिए जैव–विविधता अति आवश्यक है।
- विश्व संरक्षण कार्य–योजना द्वारा जैव विविधता के संरक्षण के लिए अनेक तरीके सुझाए गए है।
-

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 जैव विविधता का संरक्षण निम्न में से किसके लिए महत्वपूर्ण है?
अ) जन्तु ब) पौधे स) पौधे और प्राणी द) सभी जीवधारी ( )

2 नेशनल पार्क और पशु विहार निम्न में से किस उद्देश्य के लिए बनाये गये है?
अ) मनोरंजन ब) पालतु जीवों के लिए स) शिकार के लिए
द) संरक्षण के लिए ( )

3 निम्न में से किस देश में पृथ्वी सम्मेलन हुआ था?
अ) यू.के. ब) ब्राजील स) मैक्सिको द) चीन ( )

4 भारत में निम्न में से कौन–सा तप्त स्थल है?
अ) पूर्वीघाट ब) पश्चिमी घाट
स) पश्चिमी हिमालय द) अरावली श्रेणी ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 जैव–विविधता क्या है?
2 हॉट–स्पॉट से आप क्या समझते है?
3 मानव जाति के लिए जन्तुओं के महत्व का वर्णन संक्षेप में कीजिए।
4 विदेशज प्रजातियों से आप क्या समझते है?
5 जैव–विविधता के विभिन्न स्तर क्या है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1 प्रकृति को बनाये रखने में जैव–विविधता की भूमिका का वर्णन करें।

खण्ड–ब : इकाई–1

अध्याय–1 : भारत – स्थिति

पाठ सारांश

- भारत विविधताओं से युक्त उत्कृष्ट सांस्कृतिक विरासत एवं सभ्यता वाला प्राचीनतम राष्ट्र है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवाँ स्थान है।
- जनसंख्या की दृष्टि से भारत का दूसरा स्थान है।
- भारत की आकृति त्रिभुजाकार न होकर चतुष्कोणीय है।
- भारत का मानक समय ग्रीनविच माध्य समय से 5 घंटे 30 मिनट आगे है।
- भारत में 28 राज्य व 9 केन्द्र शासित क्षेत्र है।
- भारत भौतिक दृष्टि से एक विविधतापूर्ण देश है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्नलिखित में से कौन–सा देश क्षेत्रफल में भारत से बड़ा है?
अ) चीन ब) फ्रांस स) मिस्र द) ईरान ( )

2 एक समुद्री झील में होते है लगभग–
अ) 1.2 कि.मी. ब) 1.4 कि.मी.
स) 1.6 कि.मी. द) 1.8 कि.मी ( )

3 भारतीय मानक समय ग्रीनविच माध्य से कितना आगे है–
अ) 7 घंटे 50 मिनट ब) 5 घंटे 30 मिनट
स) 6 घंटे 30 मिनट द) 8 घंटे 10 मिनट ( )

4 भारत की पूर्व से पश्चिम चौड़ाई है–
अ) 3214 कि.मी. ब) 2933 कि.मी.
स) 3000 कि.मी. द) 289 कि.मी. ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 भारत की लम्बी तट रेखा के क्या प्रभाव है?
2 क्या भारत को एक से अधिक मानक समय की आवश्यकता है यदि हाँ तो आप ऐसा क्यों सोचते है?
3 भारत की मुख्य भूमि का विस्तार लिखिए।
4 स्पष्ट करे कि भारत एक वृहत्त भौगोलिक इकाई हैं।
5 भारत एवं उसके पड़ौसी देशों का उल्लेख करे।

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. भारत को एक उपमहाद्वीप क्यों कहा जाता है?

इकाई – 2 : भू–आकृति विज्ञान

अध्याय–2 : संरचना तथा भू–आकृति विज्ञान

पाठ सारांश

- पृथ्वी सौरमण्डल का एक अंग है।
- वर्तमान अनुमान के अनुसार पृथ्वी की आयु लगभग 46 करोड़ वर्ष है।
- प्रायद्वीपीय खण्ड मुख्यतया प्राचीन नाइस व ग्रेनाइट चट्टानों से बना हुआ है।
- सिन्धु–गंगा–ब्रह्मपुत्र की औसत गहराई 1000 से 2000 मीटर है।
- भारत धरातलीय दृष्टि से विभिन्नताओं वाला देश है।
- कश्मीर हिमालय का उत्तरी–पूर्वी भाग एक ठंडा मरूस्थल है।
- बैरन भारत का एकमात्र जीवंत ज्वालामुखी है, जो निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।
-

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 करेवा भू–आकृति कहाँ पाई जाती है–
अ) उत्तरी पूर्वी हिमालय ब) पूर्वी हिमालय
स) हिमाचल–उत्तराखण्ड हिमालय द) कश्मीर हिमालय ( )

2 निम्न में से किस राज्य में "लोकताक" झील स्थित है–
अ) केरल ब) मणिपुर स) उत्तराखण्ड द) राजस्थान ( )

3 अण्डमान और निकोबार को कौन–सा जल क्षेत्र अलग करता है?
अ) 11 चैनल ब) 10 चैनल
स) मन्नार की खाड़ी द) अण्डमान सागर ( )

4 डोडाबेटा चोटी निम्न में से कौन–सी पहाड़ी श्रृंखला में स्थित है?
अ) नीलगिरी ब) काडमिम स) अन्नामलाई द) नल्लामाला ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 यदि एक व्यक्ति को लक्षद्वीप जाना हो तो वो कौन से तटीय मैदान से होकर जाएगा और क्यों ?

2 भारत में ठण्डा मरूस्थल कहाँ स्थित है?

3 पश्चिमी तटीय मैदानों पर कोई डेल्टा क्यों नहीं है?

4 भाभर क्षेत्र क्या होते है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. यदि आप बद्रीनाथ से सुन्दरवन डेल्टा तक गंगा नदी के साथ–साथ चलते है। तो आपके रास्ते में कौन–सी प्रमुख स्थलाकृतियाँ आयेगी ।

अध्याय–3 : अपवाह तंत्र

पाठ सारांश

- भारतीय अपवाह तंत्र को जल विसर्जन के आधार पर दो समूहों में विभक्त किया गया है–
- जल संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को तीन भागों में बाँटा गया है।
- हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ प्रवाह की दृष्टि से बारहमासी है।
- भारत में वर्षकाल में अधिकांश नदियों का जल बाढ़ में व्यर्थ होकर सागर में चला जाता है।
- भारत में नदी जल का प्रदूषण एक बड़ी समस्या बन गया है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 निम्न में से कौन–सी नदी "बंगाल का शोक" के नाम से जानी जाती थी–
अ)गंडक ब) कोसी स) सोन द) दामोदर ( )

2 निम्न में से किस नदी को द्रोणी भारत में सबसे बड़ी है।
अ) सिन्धु ब) ब्रह्मपुत्र स) गंगा द) कृष्णा ( )

3 निम्न में से कौन–सी नदी भ्रंश घाटी में बहती है–
अ) सोन ब) यमुना स) नर्मदा द) लूनी ( )

4 निम्न में से कौन–सा स्थान अलकनन्दा व भागीरथी का संगम स्थल हे?
अ) विष्णु प्रयाग ब) यमुना स) कर्ण प्रयास द) देव प्रयाग( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के सामाजिक आर्थिक लाभ क्या है?
2 प्रायद्वीपिय नदी के तीन लक्षण लिखें।
3 कोसी नदी को बिहार का शोक क्यों कहा जाता है?
4 पंचानंद क्या है? इसकी प्रमुख नदियों के नाम बताइए।

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. सिंधु नदी तंत्र के बारें में आप क्या जानते है?

इकाई –3 : जलवायु, वनस्पति एवं मृदा

अध्याय–4 : जलवायु

पाठ सारांश

- भारत की जलवायु उष्ण मानसूनी है।
- पूर्वी भारत अधिक वर्षा जबकि पश्चिमी भारत न्यून वर्षा प्राप्त करता है।
- पूर्वी जेट प्रवाह को भारत में मानसून के प्रस्फोट के लिए उत्तरदायी माना जाता है।
- मानसून का पीछे हटना, मानसून निवर्तन कहलाता है
- उत्तरी भारत में अप्रेल से मध्य जून तक की अवधि ग्रीष्मकाल की होती है
- भारत को परम्परागत रूप से छः ऋतुओं में बाँटा गया है।
- मानसुन जनता के भरण–पोषण का आधार है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 भारत के कितने भू–भाग पर 7.5 सेंटीमीटर से कम औसत वार्षिक वर्षा होती है।
अ) आधा ब) दो–तिहाई स) एक–तिहाई द) तीन–चौथाई ( )

2 वायुमण्डल की क्षणिक अवस्था कहलाती है–
अ) मौसम ब) वायुदाब स) जलवायु द) वर्षा ( )

3 भारत के लगभग मध्य से कौन–सी रेखा गुजरती है?
अ) कर्क रेखा ब) मकर रेखा
स) भूमध्य रेखा द) ग्रीनविच रेखा ( )

4 भारत में सर्वाधिक वर्षा कहाँ होती है?
अ) लद्दाख में ब) देहरादून में स) मौसिनराम में द) कोच्चि में ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 भारतीय मौसम तत्व को प्रभावित करने वाले तीन महत्वपूर्ण कारक कौन से है?
2 जलवायु प्रदेश क्या होता है?
3 मानसून प्रस्फोट से आपका क्या अभिप्राय है?
4 भारत की जलवायु में विविधता कैसे मिलती है?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए ।

अध्याय–5 : प्राकृतिक वनस्पति

पाठ सारांश

- प्राकृतिक वनस्पति पदप समुदाय का वह योग है जिसमें विभिन्न पादम प्रजातियाँ मिलती है।
- भारत में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती है ।
- भारत के कुल क्षेत्रफल के 23.28 प्रतिशत भाग पर वास्तविक वन आवरण है।
- भारत सरकार ने सम्पूर्ण देश के लिए वन संरक्षण नीति 1952 में लागू की।
- भारत में वन्य प्राणियों के बचाव के लिए वन्य प्राणी अधिनियम 1972 में पारित हुआ।
- भारत में 18 जीवमण्डल निचय है।

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 चन्दन वन किस तरह के वन के उदाहरण है?
अ) सदाबहार वन ब) डेल्टाई वन स) पर्णपाती वन द) कांटेदार वन ( )

2 नन्दादेवीं जीवनमण्डल निचय में से किस प्रान्त में स्थित है?
अ) बिहार ब) उत्तराखण्ड स) उत्तर प्रदेश द) उड़ीसा ( )

3 रोजवुड किस प्रकार का वन है?
अ) सदाबहार ब) पर्णपाती स) मरूस्थली द) ज्वारीय ( )

4 भारत में कितने प्रतिशत भाग पर वन है?
अ) 20 प्रतिशत ब) 22 प्रतिशत
स) 23.28 प्रतिशत द) 25 प्रतिशत ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 प्राकृतिक वनस्पति क्या है?
2 सामाजिक वानिकी से आपका क्या अभिप्राय है।?
3 भारत में ज्वारीय वनों का विस्तार कहाँ मिलता है?
4 पर्वतीय वनों की विशेषता बताइए।

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. वन संरक्षण के लिए क्या कदम उठाये गए है?

इकाई – 4 : प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ : कारण, परिणाम तथा प्रबंध

अध्याय–6 : प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ

पाठ सारांश

- परिवर्तन प्रकृति का नियम है।
- आपदा प्रायः एक अनपेक्षित घटना होती है।
- आपदाएँ मुख्यतः प्राकृतिक होती है।
- प्राकृतिक संकट की तुलना में प्राकृतिक आपदाएँ अपेक्षाकृत तीव्रता से घटित होती है।
- प्राकृतिक आपदाओं को प्रमुख रूप से चार प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।
- आपदा प्रबंध अधिनियम 2005 में आपदा को एक गंभीर, संकट, दुर्घटना व विपत्ति बताया गया है।
-

प्रश्न–1 बहुविकल्पीय प्रश्न

1 इनमें से भारत के किस राज्य में बाढ अधिक आती है?
अ) बिहारी ब) पश्चिमी बंगाल स) असम द) उत्तर प्रदेश ( )

2 इनमें से किस नदी में मजौली नदीय द्वीप स्थित है?
अ) गंगा ब) ब्रह्मपुत्र स) गोदावरी द) सिन्धु ( )

3 निम्न में से जो मानवकृत आपदा है–
अ) भूकम्प ब) भूस्खलन स) सूखाद) नाभिकीय त्रासदी ( )

4 भारत में भूकम्प किस क्षेत्र में अधिक आते है ?
अ) अरावली ब) हिमालय`स) मध्य भारत द) तटीय भारत ( )

प्रश्न–2 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में दें।

1 संकट किस दशा में आपदा बन जाता है?
2 पश्चिमी और मध्य भारत में सूखे ज्यादा क्यों पाए जाते है।
3 प्राकृतिक आपदा क्या है।
4 सूनामी से प्रभावित क्षेत्र कौन–कौन से?

प्रश्न–3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखे ।

1. सूनामी क्या है? सूनामी जनित प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

मानचित्र कार्य

प्रश्न–1 भारत के रेखामानचित्र में निम्नलिखित राज्यों को दर्शाइए ।
(1) दिल्ली (2) भोपाल (3) कोलकाता (4) मुंबई

प्रश्न–2 भारत के रेखामानचित्र में निम्नलिखित जीवमण्डल नियमों को प्रदशित कीजिए ।
(1)नंदा देवी (2) पंचमठी (3) सुंदरवन (4) कंचनजुगा

प्रश्न–3 भारत के रेखामानचित्र में निम्नलिखित को पहचान कर चिह्नित करें–
(1) मैंग्रोव वन वाले क्षेत्र
(2) नंदा देवी, सुंदरवन, मन्नार की खाडी व नीलगिरी जीवमंडल निचय।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : हिन्दी साहित्य

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

परीक्षा पाठ्यक्रम 2023–24

विषय– हिन्दी साहित्य

कक्षा – 11

इस विषय का एक प्रश्न पत्र 4:15 घण्टे की अवधि का होगा जिसके पूर्णांक 100 होंगे ।

समय : 4: 15 घण्टे पूर्णांक– 100

अधिगम क्षेत्र	अंक
व्यावहारिक लेखन, पत्र लेखन,निबंध,कवि परिचय	20
पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग–1	40
पूरक पुस्तक अंतराल भाग–1	24
अपठित गद्यांश	8
अपठित पद्यांश	8

क्र.स	इकाई का नाम	अंक भार
	खण्ड– अ	20 अंक
01	व्यावहारिक लेखन, पत्र लेखन,निबन्ध, कवि परिचय	
02	खण्ड – ब	
	पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग – I	40
1	पठित गद्यांश	4 X 2 = 8
2	पठित काव्यांश	4 X 2 = 8
3	बहुविकल्पीय प्रश्न	10 X 1 = 10
4	अतिलघुरात्मक प्रश्न	4 X 2 = 8
5	लघुरात्मक प्रश्न	2 X 3 = 6
	खण्ड – स	
	पाठ्यपुस्तक अंतराल – भाग – I	24
1	अतिलघुरात्मक प्रश्न	2 X 6 = 12
2	लघुरात्मक प्रश्न	4 X 3 = 12
	खण्ड – द	
	अपठित अंश	16
	अपठित गद्यांश	2 X 4 = 8
	अपठित काव्यांश	2 X 4 = 8

मॉडल प्रश्न पत्र 2023–2024
विषयः–हिन्दी साहित्य
कक्षा – 11 वी

पूर्णांक– 100

अनुक्रमांक								

समय : 4 घंटे 15 मिनट

सामान्य निर्देश :–

1 सभी प्रश्न करने अनिवार्य है ।

2 प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मुख अंकित है।

खण्ड– अ

20 अंक

प्रश्न– 1 अपने विद्यालय मे आयोजित 26 जनवरी के समारोह पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए — 4 अंक

प्रश्न– 2 "राधिका विहार" के निवासियो द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का कार्यवृत तैयार कीजिए। — 4 अंक

प्रश्न– 3 निबंध लिखिए (किसी एक पर) — 6 अंक

(i) स्वच्छ भारत (ii) पर्यावरण संरक्षण

(iii) कम्प्यूटर की उपयोगिता (iv) राजस्थान और पर्यटन

प्रश्न–4 कवि परिचय लिखिए। (कोई एक) — 6 अंक

(i) पद्माकर (ii) महादेवी वर्मा

(iii) कबीर (iv) सुरदास

खण्ड– ब

पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग– 1

प्रश्न–5 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नो के उत्तर लिखिए – **4 X 2 = 8** अंक

गँगा इस स्वर की, इस सबकी उपेक्षा नहीं कर सकता। वह हँस पडा। अगर उसका रोना एक अजीब दर्दनाक आवाज थी तो वह हँसना और कुछ नही– एक अचानक गुर्राहट–सी चमेली के कानों में बज उठी । उस अमानवीय स्वर को सुनकर वह भीतर–ही–भीतर काँप उठी। यह उसने क्या किया था ? उसने एक पशु पाला था। जिसके हृदय में मनुष्यों की– सी वेदना थी ।

(1) गुंगे के रोने की आवाज कैसाी थी ।

(2) चमेली क्यो कॉप उठी थी ?

(3) चमेली को गुँगे को पालना कैसा लग रहा था ?

(4) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

प्रश्न–6 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्न प्रश्नो के उत्तर दीजिए– **4 X 2 = 8** अंक

बालम आवो हमारे गेह रे ।
तुम बिन दुखिया देह रे।
सब कोई कहै तुम्हारी नारी, मोकों लगत लाज रे।
दिल से नही लगाया, तब लग कैसा स्नेह रे।
अन्न न भावै नींद न आवै, गृह–बन धरै न धीर रे।
कामिन को है बालम प्यारा, ज्यों प्यासे को नीर रे ।

(1) कबीरदास जी ने पद में "बालम" शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है ?

(2) कबीर ने किसकी देह को "दुखिया" बताया है ?

(3) लोग कबीर की आत्मा को क्या मानते है ?

(4) तिरहणी आत्मा को किस बात पर लज्जा आती है और क्यो ?

प्रश्न–7 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर कोष्ठक मे दीजिए–

(i) रामचन्द्र दैनिक समाचार पत्र में क्या कार्य सीखता था ?

(अ) संपादक का (ब) प्रिन्टग का
(स) प्रूफ रीडिंग का (द) पैकिंग का ( )
(ii) टार्च विक्रेता कौन–सा नया धंधा करने जा रहा था –
(अ) कपडे बेचने का (ब) गाइड बनने का
(स) प्रवचन करने का (द) जादू दिखाने का ( )
(iii) ज्योतिबा ने किस उपाधि को अस्वीकार किया –
(अ) महंत की उपाधि (ब) महात्मा की उपाधि
(स) नेता की उपाधि (द) जन सेवक की उपाधि ( )
(iv) किसनी पर नजर पड गई–
(अ) मुखतार सिंह की (ब) सुकिया की
(स) असगर की (द) सूबेसिंह की ( )
(v) मेजिनी की पुस्तक पर हस्ताक्षर थे–
(अ) जमींदार चाचा के (ब) लाल के
(स) रामनाथ के (द) अज्ञात व्यक्ति के ( )
(vi) सुरदास का सबसे प्रमुख ग्रन्थ है–
(अ) पद्मावत (ब) सुजान–रसखान
(स) सुरसागर (द) गीता ( )
(vii) "दरबार" छंद में कवि ने अंधा बताया है–
(अ) नट को (ब) सभा को
(स) स्वयं को (द) राजा को ( )
(viii) पापों की जननी है–
(अ) अशिक्षा (ब) शोषण मुक्त
(स) सुशिक्षित (द) संघर्षशील ( )
(ix) कवियित्री के अनुसार दूर जाना है–
(अ) यात्री को (ब) स्वतंत्रता सेनानियों को
(स) स्वयं कवयित्री को (द) किसी पक्षी को ( )
(x) "हस्तक्षेप" कविता में "मगध" प्रतीक है–
(अ) राजतंत्रीय शासन का (ब) स्वेच्छाचारी शासन का
(स) गमध साम्रज्य का (द) देश की वर्तमान शासन का ( )

अतिलघूरात्मक प्रश्न –

प्रश्न–8 हामिर कौन है ? उसकी दादी का क्या नाम है ? 2 अंक
प्रश्न–9 ज्योतिबा ने किनको एक दूसरे का पूरक बताया ? 2 अंक
प्रश्न–10 पहले कवि ने किस ऋतु का वर्णन किया है ? 2 अंक
प्रश्न 11 मगध के माध्यम से "हस्तक्षेप" कविता किस व्यवस्था की ओर इशारा कर रही है ?
2 अक

लघुरात्मक प्रश्नो के उत्तर दीजिए (कोई दो) 6 अंक

प्रश्न–12 लेखक ने टार्च बेचने वाली कम्पनी का नाम "सुराज छाप" क्यों रखा ?
प्रश्न–13 लाल और उसके साथियो से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?
प्रश्न–14 "जाग तुझको दूर जाना" गीत का प्रेरणा–स्त्रोत क्या है ?
प्रश्न–15 कस्तुरी मृग के अपने पर ही चिढ़ने के क्या कारण है ?

खण्ड स

पाठ्यपुस्तक अंतराल– भाग – 1 24 अंक

प्रश्न–16 हिन्दुस्तानी आर्ट का पहला क्रांतिकारी कदम कौन–सा था ? 3 अंक
प्रश्न–17 स्कुल की आधी छुट्टी होने पर शरत् ने क्या किया ? 3 अंक
प्रश्न–18 भागलपुर में शरत् की शिक्षा किस प्रकार हुई । 3 अंक
प्रश्न–19 मकबुल ने बोडिंग स्कुल के बारे में क्या लिखा है ? 3 अंक

निम्न प्रश्नो के उत्तर दीजिए (कोई तीन) 12

प्रश्न–20 बडौदा के बोडिंग स्कुल मे लडको की वेशभुषा क्या थी और क्यों ? 4 अंक

प्रश्न–21 मकबुल ने आत्मकथा में बडौदा शहर की क्या विशेषताएँ बताई ? 4 अंक

प्रश्न–22 शरत् के पिता मोतीलाल का व्यक्तित्व किस प्रकार का था ? 4 अंक

प्रश्न–23 शरत् को किन बातो का शौक था ? 4 अंक

खण्ड– द अपठित अंश

प्रश्न–24 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 8 अंक

भारतीय धर्मनीति के प्रणेता नैतिक मूल्यो के प्रति अधिक जागरूक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यो का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नही हो सकती । इन्होंने उच्चकोटी की जीवन– प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन–प्रणाली मनुष्य की विवके–बुद्वि से तभी निर्मित होनी संभव है, जब सब लोगों के संकल्प,निश्चय, अभिप्रय समान हो ।

(i) भारतीय धर्मनीति के प्रणेता किस विषय में जागरूक थे ?

(ii) मनुष्य की विवके–बुद्वि से किसका निर्माण होना सम्भव है ?

(iii) उत्कृष्ट जीवन–प्रणाली कैसे निर्मित हो सकती है ?

(iv) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्रश्न–25 निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 8 अंक

मेरा वेतन ऐसे रानी
जैसे गरम तवे पर पानी
एक कसेली कैन्टीन से
थकन उदासी का नाता है
वेतन के दिन–सा निश्चित ही
पहला बिल इसका आता है
हर उधार की रीत उम्र–सी
जो पाई है सो लौटानी ।

(i) किसी कर्मचारी का वेतन किस प्रकार का होता है ?

(ii) कर्मचारी को पहला बिल किसको चुकाना पडता है ?

(iii) उधार लेने के संबंध में क्या नियम प्रचलित है ?

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

कक्षा–11वीं
पाठ्यक्रम
विषय – हिन्दी साहित्य

	खण्ड–अ व्यावहारिक लेखन, पत्र लेखन, निबंध
प्रश्न–1	अपने विद्यालय में आयोजित 26 जनवरी के समारोह पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।
प्रश्न–2	नगर में आयोजित कवि सम्मेलन पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।
प्रश्न–3	विद्यालय में आयोजित "खेलकुद" प्रतियोगिताओं पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।
प्रश्न–4	"राधिका विहार" के निवासियों द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का एक कार्यवृत तैयार कीजिए।
प्रश्न–5	लल बहादुर शास्त्री राजकीय विद्यालय खेतड़ी में सम्पन्न हुए पुरस्कार वितरण समारोह का कार्यवृत तैयार कीजिए ।
प्रश्न–6	मनमोहन महन्त आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय नगर अलवर की प्रबन्ध–समिति की बैठक दिनांक 28 अप्रेल को विद्यालय भवन में होनी है । इस बैठक की कार्यसूची तैयार कीजिए।
प्रश्न–7	निबंध 1. मेरे प्रिय कवि 2. कम्पयूटर की उपयोगिता 3. साहित्य समाज का दर्पण है। 4. राजस्थान और पर्यटन 1. स्वच्छ भारत 6. पर्यावरण संरक्षण
प्रश्न–8	कवि परिचय – 1 हरिशंकर परसाई 2. प्रेमचन्द्र 3. कबीर 4. पद्माकर 5. महादेवी वर्मा 6. धूमिल 7. नागार्जुन 8. सुरदास

खण्ड–ब पाठ्यपुस्तक : अंतरा भाग–1
अध्याय –1 ईदगाह (प्रेमचन्द)

पाठ–परिचय :

ईदगाह "प्रेमचंद" द्वारा रचित बाल मनोविज्ञान पर केन्द्रित कहानी है। इस कहानी में प्रमचंद जी ने ग्रामीण मुस्लिम जीवन को बहुत ही सरल तथा सुरूचिपूर्ण ढंग से रेखाकिंत किया है । एक छोटे बच्चे पर आधारित कथा है जो ईद के समय ईदगाह जाता है। उसकी दादी उसे कुछ पैसे देती है जिससे ह उनसे मिले में कुछ खा–पी सके । परन्तु वह उन पैसो से खाने के स्थान पर अपनी दादी के लिए एक चिमटा खरीद लेता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन और उसके घर में दाना नहीं ! आज आबिद होता तो क्या इसी तरह ईद आती और चली जाती ! इस अंधकार और निराशा में डुबी जा रही है। किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को? इस घर में उसका काम नहीं, लेकिन हामिद! उसे किसी के मरने–जीने का क्या मतलब? उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा । विपत्ति अपना सारा दलबल लेकर आए, हामिद की आनंद भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी । 1. लेखक ने अभागिन किसे कहा है? 2. ईद के दिन किसके घर में दाना नहीं था? 3. आबिद कौन था? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – उसे खयाल आया, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती है, तो हाथ जल जाता है, अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को दे–दे, तो वह कितनी प्रसन्न होगी! फिर उनकी उँगलिया कभी नहीं जलेंगी । घर में एक काम की चीज हो जाएगी। खिलौने से क्या फायदा । व्यर्थ में पैसे खराब होते है। जरा देर ही तो खुशी होती है फिर तो खिलौने को कोई आँख उठाकर नहीं देखता । या तो घर पहुँचते–पहॅुचते टुट–फूटकर बराबर हो जाएंगे। चिमटा कितने काम की चीज है । रोटियाँ तवे से उतार लो, चुल्हे में सेंक लो । कोई आग मांगने आए तो चटपट चूल्हे से आग निकालकर उसे दे दो। 1. हामिद ने दादी के लिए क्या खरीदा? 2. हामिद ने चिमटा क्यों खरीदा? 3. हामिद ने खिलौना क्यों नहीं खरीदा? 4. चिमटा क्या काम आता है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखे बदल लें, तो यह सारी ईद मुहर्र हो जाए"। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–4	हामिद कौन है? उसकी दादी का क्या नाम है?
प्रश्न–5	बच्चे ईदगाह जाने के लिए क्यों उत्साहित है?
प्रश्न–6	हामिद के चरित्र की प्रमुख विशेषता लिखिए ।
प्रश्न–7	हामिद ने मेले से चिमटा ही क्यों खरीदा ?

अध्याय –2 : दोपहर का भोजन (अमरकान्त)

पाठ–परिचय :

"दोपहर का भोजन" गरीब परिवार की कहानी है । सिद्वेश्वरी खाना बनाकर घुटनों के बीच सिर रखकर बैठ गई । फिर पानी पीकर लेट गई । उठने पर अपने प्रमोद की ओर देखा जो अध–टुटे खटोले पर सो रहा था। दरवाजे पर खड़े होकर उसने बाहर देखा। बड़े बेटे रामचन्द्र को आता देखकर वह अन्दर आ गई । रामचन्द्र और मँझले बेटे मोहन को खाना खिलाया। रामचन्द्र ने नौकर के बारें में पूछा। चन्द्रिका प्रसार के आने पर उन्हें खाना खिलाया, रामचन्द्र की प्रशंसा की। चन्द्रिका प्रसाद ने तीनों पुत्रों की तारीफ की। अन्त में सिद्वेश्वरी ने आधी रोटी खाकर पानी पी लिया ।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – सिद्वेश्वरी चुप रही। धूप और तेज हो गई थी । छोटे आँगन के ऊपर आसमान में बादल के एक–दो टुकड़े पाल की नावों की तरह तैर रहे थे । बाहर की गली से गुजरते हुए खडरवडिया इक्के की आवाज आ रही थी और खटोले पर सोए बालक की साँस का खर–खर शब्द सुनाई दे रहा था। 1. आसमान में क्या दिख रहा था? 2. गली से किसकी आवाज आ रही थी? 3. खटोले पर किसकी आवाज आ रही थी? 4. लेखक के अनुसार मौसम कैसा था?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – सिद्वेश्वरी की पहले हिम्मत नहीं हुई कि उसके पास जाए और वह वही से भयभीत हिरनी की भाँति सिर उचका–घुमाकर बेटे को व्यग्रता से निहारती रही। किंतु लगभग दस मिनट बीतने के पश्चात् भी जब रामचंद नहीं उठा, तो वह घबरा गई। पास जाकर पुकारा "बड़कू–बड़कू! लेकिन उसके कुछ उत्तर न देने पर डर गई और लड़के की नाक के पास हाथ रख दिया। साँस ठीक स`चल रही थी । फिर सिर पर हाथ रखकर देखा, बुखार नहीं था । हाथ के स्पर्श से रामचंद्र ने आँखे खोली । 1. सिदेश्वरी के लड़के के क्या नाम थे ? 2. सिदेश्वरी बेटे को कैसे निहार रही थी? 3. रामचंद की आँखे क्यों खुल गई थी? 4. "बड़कू–बडकू" शब्द का अर्थ लिखिए।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	सिद्वेश्वरी ने अपने बड़े बेटे रामचंद्र से मँझले बेटे मोहन के बारें में झूठ क्यों बोला?
प्रश्न–4	सिद्वेश्वरी की जगह आप होते तो क्या करते ?
प्रश्न–5	रसोई संभालना बहुत जिम्मेदारी का काम है? सिद्व कीजिए।
प्रश्न–6	सिद्वेश्वरी चंद्रिका प्रसाद से खुलकर बात क्यों नहीं कर पाती है?
प्रश्न–7	रामचन्द्र दैनिक समाचार पत्र में क्या कार्य सीखता था? अ) संपादक का ब) प्रिन्टिं का स) प्रूफ रीडिंग का द) पैकिंग का ( )

अध्याय –3 : टार्च बेचने वाले (हरिशंकर परसाई)

पाठ–परिचय :

एक टार्च बेचने वाले ने टार्च बेचना छोड़कर संत का वेश धारण कर लिया था। वह सूरज छाप टॉर्च बेचना बंद कर चुका था । उसने लेखक को एक घटना सुनाई। हम दो मित्र थे दोनो ने पैसा कमाने के लिए नया धन्ध करने का निश्चय किया । टार्च बेचने वाले ने पाँच साल तक सूरज छाप टार्च बेची और उसका मित्र संत बनकर प्रवचन करने लगा । उसने खुब धन कमाया । एक दिन दोनो मित्रों की अचानक मुलाकात हो गई ।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – भाइयों और बहनो, डरो मत। जहाँ अँधकार है, वहीं प्रकाश है। अंधकार में प्रकाश की किरण है, जैसे प्रकाश में अंधकार की किंचित कालिमा है। प्रकाश भी है । प्रकाश बाहर नहीं है, उसे अंतर में खोजो । अंतर में बुझी उस ज्योति को जगाओ। मैं तुम सबको उस ज्योति को जगाने के लिए आह्वान करता हुँ। मैं तुम्हारे भीतर वही शाश्वत ज्योति को जगाना चाहता हूॅ। हमारे "साधना मन्दिर" में आकर उस ज्योति को अपने भीतर जगाओ। 1. लेखक ने प्रकाश कहाँ बताया है? 2. प्रकाश मे ंकिसकी कालिमा है? 3. प्रकाश को कहाँ खोजने के लिए कहा है? 4. "शाश्वत" शब्द का अर्थ लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – आजकल सब जगह अँधेरा छाया रहता है। राते बेहद काली होती है। अपना ही हाथ नहीं सूझता । आदमी को रास्ता नहीं दिखता । वह भटक जाता है । उसके पाँव काँटों से बिंध जाते है, वह गिरता है और उसके घुटने लहुलुहान हो जाते है। उसके आस–पास भयानक अँधेरा है । शेर और चीते चारो तरफ घूम रहे है, साँप जमीन पर रेंग रहें है। अँधेरा सबको निगल रहा है। 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए। 2. राते कैसी होती है? 3. साँप कहाँ पर रैंगते हैं? 4. व्यक्ति रास्ता क्यों भटक रहा है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	लेखक ने टार्च बेचने वाली कम्पनी का नाम "सूरज छाप" क्यों रखा?
प्रश्न–4	पाँच साल बाद दोनो दोस्तों की मुलाकात किन परिस्थितियों में और कहाँ होती है?
प्रश्न–5	भव्य पुरूष ने कहा – जहाँ अन्धकार है वहीं प्रकाश है। इसका क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–6	दोनों मित्रों ने पैसा कमाने के लिए क्या निश्चय किया?
प्रश्न–7	लेखक ने हरामखोरी बताया है– अ) काम न करने को ब) सन्यास लेने को स) परिश्रम से बचने को द) ठगी करने को ( )

अध्याय –4 : गूँगे (रांगेय राघव)

पाठ–परिचय :

"गूँगे" एक गूँगे किशोर के जीवन पर आधारित कहानी है । इस कहानी में लेखक ने समाज में दिव्योंगो के प्रति चली आ रही संवेदनहीनता को प्रस्तुत किया है। गूँगा न बोल सकता था न सुन सकता था किन्तु बुद्धि का तेज और स्वाभिमानी था। चमेली ने उस पर दयाकर अपने यहाँ नोकर रख लिया । वह बीच–बीच में भाग जाता था । चमेली को उस पर बहुत क्रोध आता था । एक बार क्रोध में आकर उसने गूँगे को धक्का देकर घर से निकाल दिया । फिर उसके हृदय में गूँगे के प्रति अपार करूणा उमड़ रही थी ।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – कही उसका भी बेटा गूँगा होता तो वह भी ऐसे ही दुःख उठाता। वह कुछ भी नहीं सोच सकी। एक बार फिर गूँगे के प्रति हृदय में ममता भर आई । वह लौटकर चूल्हे पर जा बैठी, जिसमें अंदर आग थी, लेकिन उसी आग से वह सब पक रहा था, जिससे सबसे भयानक आग बुझती है – पेट की आग, जिसके कारण आदमी गुलाम हो जाता है। 1. "गूँगे" कहानी में चमेली क्या सोचती है? 2. आदमी किसका गुलाम हो जाता है? 3. भयानक आग किसको बुझाती है? 4. गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – गूँगा इस स्वर की, इस सबकी उपेक्षा नहीं कर सकता । वह हँस पड़ा । अगर उसका रोना एक अजीब दर्दनाक आवाज थी तो यह हँसना और कुछ नहीं – एक अचानक गुर्राहट–सी, चमेली के कानों में बज उठी । उस अमानवीय स्वर को सुनकर वह भीतर–ही–भीतर काँप उठी । यह उसने क्या किया था? उसने एक पशु पाला था। जिसके हृदय में मनुष्यों की–सी वेदना थी। 1. गूंगे के रोने की आवाज कैसी थी? 2. चमेली क्यों काँप उठी थी? 3. चमेली को गूँगे को पालना कैसा लग रहा था? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	गूँगे ने अपने स्वाभिमानी होने का परिचय किस प्रकार दिया ।
प्रश्न–4	यदि बसंता गूँगा होता तो आपकी दृष्टि में चमेली का व्यवहार उसके प्रति कैसा होता?
प्रश्न–5	" गूँगे" कहानी पढ़कर आपके मन में कौन–से भाव उत्पन्न होते हैं? और क्यों?
प्रश्न–6	गूँगे ने चमेली का हाथ क्यों पकड़ा?
प्रश्न–7	गूँगे कहानी में "मंदिर की पूर्ति" की तरह बताया गया है–
	अ) शंकुतला ब) गूँगे को स) चमेली को द) चमेली के पति को

अध्याय –5 : ज्योतिबा फुले (सुधा अरोड़ा)

पाठ–परिचय :

सामाजिक विकास के पाँच समाज सुधारको में ज्योतिबा फुले का नाम नहीं है। वे ब्राम्हण वर्चस्व और सामाजिक मूल्यों को कायम रखने वाली शिक्षा के विरोधी थे । उन्होंने वर्ण व्यवस्था और शोषण प्रक्रिया को एक दूसरे का पूरक बताया । "सत्य शोधक समाज" नाम संस्था से पूँजीवादी और पुरोहितवादी मानसिकता का विरोध किया । आदर्श परिवार का रूप सामने रखा ।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – "महात्मा ज्योतिबा फुले ने वर्ण, जाति और वर्ग–व्यवस्था मे निहित शोषण–प्रक्रिया को एक–दुसरे का पूरक बताया । उनका कहना था कि राजसता और ब्राह्मण आधिपत्य के तहत धर्मवादी सत्ता आपस में साँठ–गाँठ कर इस सामाजिक व्यवस्था और मशीनरी का उपयोग करती है। उनका कहना था कि इस शोषण व्यवस्था के खिलाफ दलितो के अलावा स्त्रियों को भी आंदोलन करना चाहिए। 1. ज्योतिबा फुले ने शोषण का मुख्य कारण किसे माना था? 2. समाजिक व्यवस्था का उपयोग कौन करते हैं? 3. शोषण व्यवस्था के खिलाफ किसको आंदोलन करना चाहिए? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – "स्वतंत्रता का अनुभव हम स्त्रियों को है ही नहीं । इस बात की आज शपथ लो कि स्त्री को उसका अधिकार दोगे और उसे अपनी स्वतंत्रता का अनुभव करने दोगे। यह आकांक्षा सिर्फ वधु की ही नहीं, गुलामी से मुक्ति चाहने वाली हर स्त्री की थी। स्त्री के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए ज्योतिबा फुले ने हर संभव प्रयत्न किया। 1. स्त्रियों को किसा अनुभव नहीं है? 2. स्त्री को किसकी आकांक्षा है? 3. स्त्री के अधिकार व स्वतंत्रता के लिए किसने प्रयत्न किये ? 4. उपर्युक्त गद्यांश में किस शपथ ही बात की गई है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	शोषण व्यवस्था ने क्या–क्या षड्यंत्र रचे और क्यों?
प्रश्न–4	स्त्री–समानता को प्रतिष्ठित करने के लिए ज्योतिबा फुले के अनुसार क्या–क्या होना चाहिए?
प्रश्न–5	ज्योतिबा ने किनको एक दूसरे का पूरक बताया?
प्रश्न–6	ज्योतिबा फुले ने "सत्य शोधक समाज" की स्थापना क्यों की?
प्रश्न–7	ज्योतिबा फुले ने किस प्रकार की मानसिकता पर प्रहार किया और क्यों?
प्रश्न–8	ज्योतिबा ने किस उपाधि को अस्वीकार किया– अ) महंत की उपाधि ब) महात्मा की उपाधि स) नेता की उपाधि द) जन सेवक की उपाधि ( )

अध्याय –6 : खानाबदोश (ओम प्रकाश वाल्मीकि)

पाठ–परिचय :

मुखतार सिंह के ईंटो के भट्टे पर तीस मजदुर काम करते थे । सुकिया और मानो भी वहीं ईंट पाथते थे । सुकिया और मानो अधिक परिश्रम करके अधिक ईंटे पाथते थे । जसदेव भी उनके साथ काम करने लगा । मुखतार सिंह का बेटा सूबेसिंह भट्टे पर आने लगा। विलासी सूबेसिंह ने किसनी को अपने दफ्तर में रख लिया और अनुचित संबंध सीापित कर लिया। सूबेसिंह ने मानो को भी जाल में फँसाना चाहा पर वह उसके चंगुल मे ंनहीं आई। सूबेसिंह ने सुकिया और मानो को बहुत परेशान किया। आखिर मानो को भट्टा छोड़ना पड़ा और खानाबदोश की तरह भटकना पड़ा।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – महेश गुमसुम–सा अलग–अलग रहने लगा था । साँवले रंग की, भरे–पूरे जिस्म की किसनी का व्यवहार महेश के लिए दुःखदाई हो रहा था। वह दिन भर दफ्तर में धुसी रहती थी । उसकी खिलखिलाहट दफ्तर से बाहर तक सुनाई पड़ने लगी थी। महेश ने उसे समझाने की कोशिश की थी । लेकिन वह जिस राह पर चल पड़ी थी वहाँ से लौटना मुश्किल था। 1. किसनी के पति का क्या नाम था? 2. महेश को किसका व्यवहार दुःखदाई लग रहा था? 3. दिन भर दफ्तर में कौन घुसी रहती थी? 4. महेश किसको समझाने की कोशिश कर रहा था?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – मानो का यकिन था, जसदेव उनका साथ देगा । लेकिन जसदेव को चुप देखकर उसका विश्वास टुकड़े–टुकड़े हो गया था। मानो के सीने में एक टीस उभरी थी। सर्द साँस में बदलकर मानो को छलनी कर गई थी। उसके होंठ फड़फड़ाएँ थे । कुछ कहने के लिए लेकिन शब्द छुटकर रह गए थे। सपनो के काँच उसकी आँखो में किरकिरा रहे थे । वह भारी मन से सुकिया के पीछे–पीछे चल पड़ी थी, अगले पड़ाव की तलाश में, एक दिशाहीन यात्रा पर । 1. मानो को क्या यकीन था? 2. मानो का विश्वास टुकड़े–टुकड़े क्यों हो गया था? 3. किसके होंठ फड़फड़ाए थे ? 4. सुकिया के पीछे कौन चल पड़ा?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	जसदेव की पिटाई के बाद मजदुरों का समुचा दिन कैसा बिता?
प्रश्न–4	मानो अभी तक भट्टे की जिंदगी से तालमेल क्यों नहीं बैठा पाई थी?
प्रश्न–5	जसदेव ने मानो के हाथ का खाना क्यों नहीं खाया?
प्रश्न–6	ईंट पकाने के लिए क्या–क्या कार्य करने पड़ते है?
प्रश्न–7	वह अपने जिंदगी के ढर्रे को बदल लेगा । सुकिया ने ऐसा क्यों कहा?
प्रश्न–8	"बामन नहीं भट्टा मजदुर है वह ...... म्हारे जैसा"। यह कथन है– अ) सुकिया का ब) मानो का स) असगर का द) एक मजदुर का ( )

अध्याय –7 : उसकी माँ (पांडेय बेचन शर्मा "उग्र")

पाठ–परिचय :

उग्र जी की कहानी "उसकी माँ" देश की दुखस्था से चिंतित युवा पीढ़ी के विद्रोह को नए रूप में प्रस्तुत करती है। इन दोनो के बीच खड़ी है एक मॉ, जो अपना बेटा चाहती है । अपना लाल और उसकी खुशहाली । समाज के दो सिरो के बीच खड़ी ममतामयी माँ लाख कोशिशों के बावजूद व्यवस्था की चक्की से अपने बेटे को बचा नहीं पाती । पुरी कथा में व्याप्त तत्कालीन जनमानस, स्वाधीनता आंदोलन तथा माँ की ममता का अजीब चित्रण पाठक को उद्वेलित करता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – माँ! तु तो ठीक भारत माता–सी लगती है। तू बूढ़ी, वह बूढी। उसका उजला हिमालय है, तेरे केश । हाँ, नक्शे से साबित करता हूँ तु भारत माता है। सिर तेरा हिमालय...... माथे की दोनो गहरी बड़ी रेखाएँ गंगा और यमूना, यह नाक विंध्याचल, ठोढ़ी कन्याकुमारी तथा छोटी बड़ी झुर्रियॉ–रेखाएँ भिन्न–भिन्न पहाड़ और नदियाँ है। जरा पास आ मेरे ! तेरे केशो को पीछे से आगे बाएँ कंधे पर लहरा दूँ, वह बर्मा बन जाएगा। बिना उसके भारत माता का श्रृंगार शुद्व न होगा । 1. लेखक ने माँ को किसके समान बताया है? 2. माँ के केशो की तुलना किससे की है? 3. माँ की नाक कैसी बताई है? 4. लेखक ने किन भावनाओं को उजागर किया?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – लोग ज्ञान न पा सके, इसलिए इस सरकार ने हमारे पढ़ने लिखने के साधनों को अज्ञान से भर रखा है । लोग वीर और स्वाधीन न हो सके, इसलिए अपमानजनक और मनुष्यताहीन नीति–मर्दक कानून गढ़े है। गरीबों को चूसकर सेना के नाम पर पले हुए पशुओं को शराब से, कबाब से, मोटा ताजा रखती है यह सरकार। धीरे–धीरे जौक की तरह हमारे धर्म, प्राण और धन चूसती चली जा रही है यह शासन–प्रणाली। 1. अंग्रेज सरकार हमें अशिक्षित क्यों रखना चाहती है? 2. अंग्रेज सरकार ने कैसे कानुन बनाये हैं? 3. सरकार ने गरीबों से धन वसुलकर क्या किया? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	क्या लाल का व्यवहार सरकार के विरूद्व षडयंत्रकारी था?
प्रश्न–4	चाचा ने लाल का पैंसिल–खचित नाम पुस्तक की छाती पर से क्यों मिटा डालना चाहा?
प्रश्न–5	लाल और उसके साथियों से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?
प्रश्न–6	जमींदार चाचा अपने घर के पुस्तकालय में खड़े होकर क्या सोच रहे थे ?
प्रश्न–7	मेजिनी की पुस्तक पर हस्ताक्षर थे– अ) जमींदार चाचा के ब) लाल के स) रामनाथ के द) अज्ञात व्यक्ति के

अध्याय –8 : भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? (भारतेंदु हरिश्चन्द्र)

पाठ–परिचय :
भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? भारतेन्द्र का प्रसिद्व भाषण है इसमें एक ओर ब्रिटिश शासन की मनमानी पर व्यंग्य है तो दूसरी ओर अंग्रेजो के परिश्रमी स्वभाव के प्रति आदर भी है। भारतेंदु ने आलसीपन, समय के अपव्यय आदि कमियों को दूर करने की बात करते हुए भारतीय समाज की रूढ़ियों और गलत जीवन शैली पर भी प्रहार किया है। जनसंख्या नियंत्रण, श्रम की महत्ता, आत्मबल और त्याग–भावना को भारतेन्दु ने उन्नति के लिए अनिवार्य माना है और अत्यंत प्रेरक ढंग से इसे व्यक्त किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – उन लोगो ने धर्मनीति और समाजनीति को दूध–पानी की भॉति मिला दिया है। खराबी जो बीच में आई है वह यह है कि उन लोगों ने ये धर्म क्यों मानने लिखे थे, इसका लोगो ने मतलब नहीं समझा और इन बातों को वास्तविक धर्म मान लिया। भाइयों, वास्तविक धर्म तो केवल परमेश्वर के चरण कमल का भजन है। ये सब तो समाज धर्म है, जो देशकाल के अनुसार शोध और बदले जा सकते है। 1. लेखक ने किसको दूध–पानी की भॉति मिला दिया है? 2. लेखक ने वास्तविक धर्म किसे बताया? 3. कौनसे धर्म देशकाल के अनुसार बदला जा सकता है? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – मीरहसन की "मसनवी और इंदरसभा" पढाकर छोटेपन से ही लड़कों का सत्यानारा मत करो। होश सम्हाला नहीं कि पट्टी पार लो, चुस्त कपड़ा पहना और गजल गुनगनाए। शौक तिफली से मुझे गुल की जो दीदार का थ। न किया हमने गुलिस्तों का सबक याद कभी। भला सोचो कि इस हाल में बडे होने पर वे लड़के क्यों न बिगड़ेंगे। अपने लड़को को ऐसी किताबें छुने भी मत दो । अच्छी से अच्छी उनका तालीम दो। 1. मीरहसन की कौनसी कथाओं को पढकर लड़के सत्यानाश हो रहा है? 2. लेखक किसकी प्रेरण दे रहा है? 3. लड़के बचपन से ही क्या करते है? 4. लड़के क्या गुनगनाते है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	भारतेन्दु जी हिंन्दुस्तानियों को किसके समान बताया है?
प्रश्न–4	उन्नति की घुडदौड़ में भारतेंदुजी ने भारतीयों की क्या स्थिति बताई?
प्रश्न–5	भारतेंदुजी ने देशहित के लिए युवकों को क्या प्रेरणा दी?
प्रश्न–6	लड़के–लड़कियों के संबंध में भारतेंदुजी के क्या विचार थे?
प्रश्न–7	भारतेंदुजी के अनुसार सब उनतियों का मूल है– अ) धर्म ब) धन स) आत्मविश्वास द) एकता ( )

काव्य खण्ड
अध्याय –1 : कबीर

पाठ–परिचय :

पाठ्य पुस्तक में कबीर के दो पद दिए गए है । पहले पद में हिन्दु और मुसलमासन दोनों के धर्माचरण पर प्रहार करते हुए बाहाडम्बरों और कुरीतियों की आलोचना की गई है। दुसरे पद में कबीर ने खुद को विरहणी स्त्री के रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रियतम से घर लौटने की आकांक्षा व्यक्त की है। दाम्पत्य प्रेम और घर की महत्ता इस पद के केन्द्र में है। कबीर के ये दोनों पारसनाथ तिवारी द्वारा संपादित कबीर वाणी से लिए गए है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – अरे इन दोहुन राह न पाई । हिंदु अपनी करे बड़ाई गागर छुवन न देई । बेस्या के पायन–तर सौवे यह देखो हिंदुआई। मुसलमान के पीर–औलिया मुर्गी मुर्गा खाई । खाला केरी बेटी ब्याहै घरहिं में करै सगाई, बाहर से इक मुर्दा लाए धोय–धाय चढ़वाई। 1. कबीरदास किन दोनों की बात कर रहा है? 2. पानी की गागर कौन छुने नहीं देता है? 3. मुर्गी–मुर्गा कौन खाता है? 4. "खाला" शब्द का अर्थ लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – बालम, आवो हमारे गेह रे। तुम बिना दुखिया देह रे। सब कोई कहे तुम्हारी नारी, मौको लगत लाज रे। दिल से नहीं लगाया, तब लग कैसा सनेह रे। अन्न न भावै नींद न आवै, गृह–बन धरै न धीर रे। कामिन को है बालम प्यारा, ज्यों प्सासे को नीर रे । 1. कबीरदास जी ने पद में "बालम" शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है? 2. कबीर ने किसकी देह को "दुखिया" बताया है? 3. लोग कबीर की आत्मा को क्या मानते हैं? 4. तिरहणी आत्मा को किस बात पर लज्जा आती है और क्यों?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"अरे इन दोहुन राह न पाई" से कबीर का क्या आशय है और वे किस राह की बात कर रहे है।?
प्रश्न–4	कबीर ने हिन्दू और मुसरमानों को क्या संदेश दिया है?
प्रश्न–5	"बालम, आवो हमारे गेह रे" में कवि किसका आह्वान कर रहा है और क्यों?
प्रश्न–6	"अन्न न भावे नींद न आवे" का क्या कारण है? ऐसी स्थिति क्यों हुई?
प्रश्न–7	कबीर ने किससे शादी करने पर व्यंग्य किया है– अ) अवधवाओं से ब) मौसी की बैटी से स) कम उम्र की लड़की से द) बड़ी उम्र की महिला से

अध्याय –2 : सूरदास

पाठ–परिचय :

सूरदास के पहले पद में कृष्ण की बाल–लीला का वर्णन है । खेल में हार जाने पर कृष्ण अपनी हार को स्वीकार नहीं करना चाहते है। यहाँ बाल–मनोविज्ञान का सूक्ष्म चित्रण देखा जा सकता है। दूसरे पद में गोपियॉ आपस मं अपनी साखियों से कृष्ण की मुरली के प्रति जो रोष प्रकट करती है उससे कृष्ण के प्रति उनका प्रेम ही प्रकट होता है। मुरली कृष्ण के नजदीक ही नहीं है वह जैसा चाहती है कृष्ण से वैसा ही करवाती है। इस तरह तो वह उनकी आत्मीय बन बैठी है । इस पद में गापियों का मुरली के प्रति ईष्या भाव प्रकट हुआ है

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – खेलन में को कोको गुसैयाँ। हरि–हारे जीते श्रीदामा, बरबस ही कत करत रिसैयाँ। जाति–पाँति हमतैं बड़ नाही, नाही बसत तुम्हारी छैया, अति अधिकार जनावत यातै, जातै अधिक तुम्हारे गैयाँ। रूठहि करै तासौ को खेले, रहे बेठि जहँ–तहँ ग्वैया। सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत, दाऊँ दियौ करि नंद दुहैया। 1. ”खेलन में को काको गुसैयाँ में कवि का क्या आशय है? 2. सखाओं के खेल में कौन जीता और कौन हारा? 3. श्रीकृष्ण के क्रोध करने को ”बरबस” ही क्यों कहा गया है? 4. श्रीकृष्ण द्वारा दाँव न दिए जाने पर खेल का क्या हुआ?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – मुरली तऊ गुपालहिं भावति। सुनि री सखी जदपि नंदलालहिं, नाना भाँति नचावति। राखति एक पाई ठाढ़ौ करि, अति अधिकार जनावति। कोमल तन आज्ञा करवावति, कटि टेढ़ौ है आवति। अति आधीन सुजान कनौड़े, गिरधर नार जवावति। आपुन पौढ़ि अधर सज्जा पर, कर पल्लव पलुहावति। 1. मुरली कृष्ण पर अपना अधिकार किस रूप में जताती है? 2. एक पैर पर खड़ा रखने का आशय क्या है? 3. गेपियों के अनुसार वंशी बजाते समय कृष्ण सिर क्यों झुका लेते हैं? 4. गेपियों ने वंशी की शैया किसे माना है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	”मुरली तऊ गुपालहिं भावति” पद में सौतिया भाव व्यक्त हुआ है क्यों?
प्रश्न–4	सखाओं ने कृष्ण को क्या धमकी दी और क्यों दी?
प्रश्न–5	खेल में रूठने वाले साथी के साथ सब क्यों नहीं खेलना चाहते?
प्रश्न–6	कृष्ण ने नंदबाबा की दुहाई देकर दाँव क्यों दिया?
प्रश्न–7	कृष्ण के अधरों की तुलना सेज से क्यों की गई है?
प्रश्न–8	खेल में अपनी हार कौन नहीं मानता? अ) श्रीकृष्ण ब) श्रीदामा स) सखा द) ग्वाला ( )

अध्याय –3 : देव

पाठ–परिचय :

देव के वित–सवैया में प्रेम और सौन्दर्य के इंद्र धनुषी चित्र मिलते है। संकलित सवैया और कविताओं में एक ओर जहाँ रूप सौन्दर्य का आलंकारिक चित्रण हुआ है । हंसी की चोट विपलंभ श्रृंगार का अच्छा उदाहरण है। कृष्ण के मुँहफेर लेने से गोपियाँ हँसना ही भुल गई है । वे कृष्ण को खोज कर हार गई । अब तो वे कृष्ण के मिलने की आशा पर ही जीवित है। उनके शरीर के पंच तत्वों में से अब केवल आकाश तत्व ही शेष रह गया है। सपना में गोपी स्वप्न में कृण के साथ झूला झूल रही है। तभी उसकी नींद टुट जाती है और उसका स्वप्न खंडित हो जाता है। इसमें संयोग–वियोग का मार्मिक चित्रण हुआ है।

<table>
<tr><td>प्रश्न–1</td><td>निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
साँसनिही सौं समीर गयो अरू, आँसुन ही सब नी गयो ढटि।
तेज गयो गुन लै अपना, अरू भूमि गई तन की तनुता करि।
"देव" जियै मिलिबेही की आस कि, आसहू पास आकास रह्यो भरि।
जो दिनर तै मुख फेरि हरे हँसि, हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि।।

1. नायिका के शरीर से वायुतत्व किस रूप में समाप्त हो गया था?
2. कवि ने नायिका के शरीर का जल तत्व किसे बताया है?
3. नायिका के शरीर से अग्नि तत्व किस रूप में समाप्त हो गया?
4. नायिका तत्वों के निकल जाने पर भी नायिका जीवित कैस बनी हुई थी?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–2</td><td>निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

झहरि–झहरि झीनी बूँद है परति मानो,
घहरि–घहरि घटा घेरी है गगन में।
आनि कह्यो स्याम मो सौ चलौ झूलिबे को आज
फूली न समानी भई ऐसी हों मगन में ।

1. झूलने चलने की बात सुनकर नायिका की क्या प्रतिक्रिया हुई?
2. नायिका ने सपने में क्या देखा?
3. स्पप्न में श्रीकृष्ण ने गोपिका से क्या कहा?
4. नायिका फूली क्यों नहीं समाई?</td></tr>
<tr><td></td><td>लघुत्तरात्मक प्रश्न</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–3</td><td>नायिका सपने में क्यों प्रसन्न थी और वह सपना कैसे टुट गया?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–4</td><td>"हँस की चोट" सवैये में कवि ने श्रृंगार के किस पक्ष को व्यक्त किया है?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–5</td><td>"सपना" कविता का भाव–सौन्दर्य लिखिए।</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–6</td><td>कवि देव ने साहिब, मुसाहिब और सभा को कैसा बताया है?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–7</td><td>दरबार में रातभर नाचा–
अ) एक मुसाहिब   ब) साहिब   स) नट   द) एक नर्तक   (   )</td></tr>
</table>

अध्याय –4 : सुमित्रानन्दन पंत

पाठ–परिचय :

संकलित कविता संध्या के बाद उनके ग्राम्या संकलन से ली गई है। ग्राम्या का मुल स्वर ग्रामीण जन–जीवन के विविध सामाजिक यथार्थ से जुड़ता है। इस कविता में ढलती हुई साँझ के समय गाँव के वातावरण, जन–जीवन और प्रकृति का सुंदर चित्रण हुआ है जिसमें वृद्वाएँ, विधवाएँ, खेत से घर लौटते किसान और पशु–पक्षियों का चित्रण किया है।

<table>
<tr><td>प्रश्न–1</td><td>निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
सिमटा पंख साँझ की लाली, जा बैठी अब तरू सिखरो पर।
ताम्रपर्ण पीपल से, शतमुख, झरते–चंचल स्वर्णिम निर्झर !
ज्योति स्तंभ–सा धँस सरिता में, सूर्य क्षितिज पर होता ओझल।
वृहद् जिस्म विश्लथ केंचुल सा लगता चितकबरा गंगाजल।।

1. सूर्यास्त के समय संध्याकालीन लालिमा कहाँ जा पहुॅची है?
2. कवि पंत ने "स्वर्णिम निर्झर" किन्हें कहा है?
3. सरिता में प्रकाश के स्तम्भ के समान धॅसता हुआ क्या लग रहा है?
4. सूर्यास्त के समय गंगा की रेती फैली कैसी लग रही है?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–2</td><td>निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

टुट गया वह स्वप्न वणिक का, आई जब बुढ़िया बेचारी।
आध–पाव लेने, लो, लाला ने फिर डंडी मारी ।
चीचा उठा धुध्धु डालों में, लोगो ने पट दिए द्वारा पर।
निगल रहा बस्ती को धोरे, गाढ़ अलस निद्रा का अजगर।

1. लाला के मन में संवेदनशीलता कब जागी?
2. लाला सामाजिक व्यवस्था में क्या परिवर्तन चाह रहा था?
3. बुढिया के आधा–पाव आटा लेने पर लाला ने क्या किया?
4. लाला कैसा समाज चाहता था?</td></tr>
<tr><td></td><td>लघुत्तरात्मक प्रश्न</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–3</td><td>पंतजी ने नदी के तट का जो वर्णन किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–4</td><td>बस्ती के छोटे से गाँव के अवसाद को किन–किन उपकरणों द्वारा अभिव्यक्त किया गया है?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–5</td><td>लाला के मन में उठने वाली दुविधा को अपने शब्दों में लिखिए।</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–6</td><td>समाजिक समानता की छवि की कल्पना किस तरह अभिव्यक्त हुई है?</td></tr>
<tr><td>प्रश्न–7</td><td>गंगातट की रेती का रंग है–
अ) नीला   ब) काला   स) धूपछाँही   द) सफेद   (   )</td></tr>
</table>

अध्याय –5 : महादेवी वर्मा

पाठ–परिचय :

पाठ्यपुस्तक में महादेवी वर्मा के दो गीत संकलित है। पहला गीत स्वाधीनता आंदोलन की प्रेरणा से रचित जागरण गीत है । इसमें भीषण कठिनाइयों की चिंता न करते हुए कोमल बंधनों के आकर्षण से युक्त होकर अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर बढते रहने का आह्वान है। मोह माया के बंधन मं जकड़े मानव को जागते हुए महादेवी ने कहा है– जाग तुझको दूर जाना ।

दूसरा गीत सब आँखों के आँसू उजले में प्रकृति के उस स्वरूप की चर्चा हुई है जो सत्य है यथार्थ है और जो लक्ष्य तक पहुॅचने में मनुष्य की मदद करता है । प्रकृति के इस परिवर्तनशील यथार्थ से जुड़कर मनुष्य अपने सपनों को साकार करने की राहे चुन सकता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – चिर सजग आँखे उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना। जाग तुझको दूर जाना । अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कंप हो ले, या प्रलय के आँसुओं में मौन अलासित व्योम रो ले, आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया, जागकर विद्युत–शिखाओं में निठुर तुफान बोले। पर तुझे है नाश–पथ चिह्न अपने छोड़ आना! जाग तुझको दूर जाना 1. "अचल हिमगिरि" से कवयित्री का आशय क्या है? 2. आकाश देशप्रेमियों के मार्ग में क्या बाधा डाल सकता है? 3. "नाश–पथ" से कवयित्री का आशय क्या है? 4. कवयित्री के अनुसार दूर किसको जाना है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – सब आँखो के आँसू उजले सबके सपनों मे सत्य पला ! जिसने उसको ज्वाला सौंपी उसने इसमें मकरंद भरा, आलोक लुटाता वह धुल–धुल देता झर यह सौरभ बिखरा! दोनों संगी, पथ एक किंतु कब दीप खिला कब फूल जला? 1. दीपक को ज्वाला और पुष्प को मकरंद किसने सौंपा है? 2. दीपक और फूल दोनो परोपकार का कार्य किस प्रकार कर रहे है? 3. महादेवी वर्मा ने दीपक का साथी किसे बताया है? 4. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"जाग तुझको दूर जाना" गीत का प्रेरणा–स्त्रोत क्या है?
प्रश्न–4	"मोम के बंधन" और "तितलियों के पर" का प्रयोग कवयित्री ने किस संदर्भ में किया है और क्यों ?
प्रश्न–5	कविता में "अमरता–सुत" का सम्बोधन किसके लिए आया है और क्यों?
प्रश्न–6	"तु न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–7	कवयित्री ने सभी आँखो के आँसुओं को बताया है– अ) शोक सूचक ब) मलिन स) उजले द) हृदयस्पर्शी

अध्याय –6 : नागार्जुन

पाठ–परिचय :

कवि ने प्रकृति को निकट से देखकर उसके कोमल और कठोर दोनो रूपों का चित्रण किया है। हिमालय की हिमाच्छादित चोटियों पर स्थित कैलाश–मानसरोवर के आस–पास घिरते हुए बादलों को कवि ने देखा है उसका मनमोहक वर्णन कवि ने किया है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – अमल धवल गिरि के शिखरों पर, बादल को घिरते देखा है। छोटे–छोटे मोती जैसे, उसके शीतल तुहिन कणो को। मानसरोवर के उन स्वर्णिम, कमलों पर गिरते देखा है बादल को घिरते देखा है। 1. कवि ने बादलों को कहाँ गिरते देखा है? 2. कवि ने बादलों की नन्हीं बुँदों को कहाँ गिरते देखा है? 3. कवि ने मोति के समान किसे बताया है? 4. उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – दुर्गम बरफानी घाटी में शत–सहस्र फुट ऊँचाइ पर अलख नाभि से उठने वाले निज के ही उन्मादक परिमल के पीछे धावित हो–होकर तरल–तरूण कस्तुरी मृग को अपने पर चिढ़ते देखा है बादल को घिरते देखा है 1. कवि ने घाटियों की ऊँचाई कितनी बताई है? 2. घाटिया किससे ढ़की हुई है? 3. कस्तुरी कहाँ मिलती है? 4. मृग इधर–उधर क्यों भाग रहे हैं?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	प्रणय–कलह से कवि का क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–4	कस्तुरी मृग के अपने पर ही चिढ़ने के क्या कारण है?
प्रश्न–5	बादलों का वर्णन करते हुए कवि को कालिदास की याद क्यो आती है?
प्रश्न–6	कवि ने ”महामेघ को झंझानिल से गरज–गरज भिड़ते देखा है” क्यों और कहाँ?

अध्याय –7 :   श्रीकान्त वर्मा

पाठ–परिचय :

पाठ्यपुस्तक में संकलित कविता हस्तक्षेप में सता की क्रुरता और उसके कारण पैदा होने वाले प्रतिरोध को दिखाया गया है। व्यवस्था को जनतांत्रिक बनाने के लिए समय–समय पर उसमें हस्तक्षेप की जरूरत होती है वरना व्यवस्था निरंकुश हो जाती है। इस कविता में ऐसे ही तंत्र का वर्णन है जहाँ किसी भी प्रकार के विरोध के लिए गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है। कवि सवाल खड़ा करता है कि जहाँ मुर्दे का भी हस्तक्षेप करना संभव है उस समाज में जीता जागता मनुष्य चुप क्यों?

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – कोई छींकता तक नहीं इस डर से कि मगघ की शांति भंग न हो जाये, म्गध को बनाए रखना है, तो म्गध में शांति, रहनी ही चाहिए मगध है, तो शांति है। 1. ”हस्तक्षेप” कविता में ”मगध” किसका प्रतीक है? 2. ”छीकता तक नहीं” में छीकने का क्या आशय है? 3. मगध में लोग छीकते हुए भी क्यों डरते है? 4. मगध को बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक माना गया है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – लोगों का क्या? लोग तो यह भी कहते है, मगध अब कहने को मगध है, रहने को नहीं कोई टोकता तक नहीं, इस डर से कि मगध मे, टोकने का रिवाज न बन जाये। 1. लोग क्या कहते हैं? 2. ”मगध कहने को है, रहने को नहीं” कवि ने ऐसा क्यों कहा है? 3. लोग टोकने लग जायेंगे तो क्या होगा? 4. जनतंत्रीय व्यवस्था बनी रहे इसके लिए क्या आवश्यक है?
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	मगध के माध्यम से ”हस्तक्षेप” कविता किस व्यवस्था की ओर इशारा कर रही है?
प्रश्न–4	मगध निवासी किसी भी प्रकार से शासन–व्यवस्था में हस्तक्षेप करने से क्यों कतराते है?
प्रश्न–5	”मगध को बनाए रखना है, तो मगध मे शान्ति रहनी चाहिए” भाव स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–6	”हस्तक्षेप” कविता में व्यक्त कवि की पीड़ा को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय –8 : धूमिल

पाठ–परिचय :

पाठ्यपुस्तक में उनकी कविता घर में तापसी दी गई है। यह धूमिल की एक प्रमूख कविता है जिसमें गरीबी से संघर्षरत परिवार की व्यथा–कथा है । कविता में एक ऐसे घर की आकांक्षा है जहाँ गरीबी दीवार की तरह बाधक न हो । माँ–पिता, बेटी, पत्नी आदि का स्नेहिल वातावरण हो ताकि जीवन–संघर्ष में घर का सुख प्राप्त हो सके।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – मेरे घर में पाँच जोड़ी आँखे है माँ की आँखे पड़ाव से पहले ही तीर्थ यात्रा की बस के दो पंचर पहिए है। पिता की आँखे लोहसाँच की ठंडी शलाखे है। 1. लोहसाँच की ठंडी शलाखे किसे बताया गया है? 2. माँ की आँखों को क्या बताया गया है? 3. "पाँच जोड़ी आँखे" से कवि का क्या आशय है? 4. उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	"घर की वापसी" कविता का भाव–सौंदर्य पर विचार कीजिए।
प्रश्न–3	"धूमिल की घर की वापसी" कविता का संदेश क्या है?
प्रश्न–4	कवि परिवार के सदस्यों से क्या अपेक्षा करता है?
प्रश्न–5	गरीबी ने परिवार के संबंधो पर क्या प्रभाव डाला है?
प्रश्न–6	परिवारीजन किस ताले को खोल पाने में असमर्थ है?

द्वितीय पुस्तक – अंतराल भाग–1

अध्याय –1 : हुसैन की कहानी अपनी जबानी

पाठ–परिचय :

प्रस्तुत आत्मकथा "हुसैन की कहानी अपनी जबानी" में मकबूल फिदा हुसैन ने अपने जीवन के दो विशिष्ट पक्षो को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया है । इस आत्मकथा के दो भाग है । प्रथम भाग में बड़ौदा के बोर्डिंग स्कुल में उनके प्रारम्भिक विद्यार्थी जीवन की झलक मिलती है । दुसरे भाग "रानीपुर बाजार" में उस स्थिति का वर्णन है, जहाँ उन्हें व्यापार की ओर मोड़े जाने का प्रयास किया जा रहा था।

	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–1	बड़ौदा शहर में स्थापित मूर्ति का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।
प्रश्न–2	बड़ौदा के बोर्डिंग स्कुल में लड़को की वेशभुषा क्या थी और क्यों?
प्रश्न–3	मकबूल के मित्र मोहम्मत इब्राहीम गौहर अली के बारें में लिखिए।
प्रश्न–4	क्या मकबूल गणित विषय में दक्ष थे ? कारण सहित उत्तर लिखे।
प्रश्न–5	हिन्दुस्तानी आर्ट का पहला क्रांतिकारी कदम कौन–सा था?
प्रश्न–6	मकबूल ने आत्मकथा में बड़ौदा शहर की क्या विशेषताएँ बताई?
प्रश्न–7	मकबूल ने बोर्डिंग स्कुल के बारें में क्या लिखा है?

अध्याय –2 : आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर)

पाठ–परिचय :

विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित महान कथा शिल्पी शरत्चन्द की जीवनी "आवारा मसीहा" के प्रथम पर्व "दिशाहारा" में शरत्चन्द्र के अभावोंयुक्त जीवन संघर्षो को प्रदर्शित किया गया है। लेखक ने इस जीवनी मे तत्कालीन युग के यथार्थ चित्रण के साथ युगांन मान्यताओं, चरित्रों व जीवन संघर्षो को भी प्रभावी रूप से उद्घाटित किया है।

	लघुत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–1	क्या अभाव, अधूरापन मनुष्य के लिए प्रेरणादायी हो सकता है?
प्रश्न–2	शरत् के विद्यालय की घड़ी अक्सर समय से आगे कैसे चलने लगती थी ?
प्रश्न–3	आप कैसे कह सकते है कि बालक शरत् अपने स्कुल में प्रतिभाशाली था?
प्रश्न–4	स्कुल की आधी छुट्टी होने पर शरत् ने क्या किया ?
प्रश्न–5	शरत् के पिता मोतीलाल का व्यक्तित्व किस प्रकार का था?
प्रश्न–6	भागलपुर में शरत् की शिक्षा किस प्रकार हुई?
प्रश्न–7	शरत् को किन बातों का शौक था?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : हिन्दी

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2023–24
कक्षा–11
विषय : हिन्दी अनिवार्य

समय : 4.15 घंटे पूर्णांक : 100

इस विषय में एक प्रश्न–पत्र होगा जिसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्न–पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक
एक	4:15	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	16
रचनात्मक लेखन व्याकरण	26
पठित बोध	08
पाठ्यपुस्तक : आरोह (भाग–1)	40
पूरक–पुस्तक : वितान (भाग–1)	10

1. **अपठित : 16**

(1) पद्यांश –80 से 100शब्द : (पद्यांश पर आधारित 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न) 08

(2) गद्यांश–8 से 10 पंक्ति : (गद्यांश पर आधारित 4लघूत्तरात्मक प्रश्न) 08

2. **रचनात्मक लेखन एवं व्याकरण : 26**

(1) निबंध लेखन (4 विकल्प सहित) 08
(2) प्रार्थना पत्र लेखन (विकल्प सहित) 08
(3) प्रतिवेदन (विकल्प सहित) 04
(4) विलोम शब्द 02
(5) वाक्यांश के लिए एक शब्द 02
(6) पर्यायवाची शब्द 02

3. **पठित बोध 08**

(1) गद्यांश (50 से 80 शब्द, गद्यांश पर आधारित चार लघुत्तरात्मक प्रश्न) 04
(2) पद्यांश (50 से 10 पंक्ति, गद्यांश पर आधारित चार लघुत्तरात्मक प्रश्न) 04

4. **पाठ्यपुस्तक : आरोह (भाग–1) 40**

(1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (5 प्रश्न गद्य से 5 प्रश्न पद्य से (10 प्रश्न 1 अंक =10 अंक)

(2) अति लघूतरात्मक प्रश्न (5 प्रश्न गद्य से 5 प्रश्न पद्य से (10 प्रश्न 2 अंक =20 अंक)

(3)निबंधात्मक प्रश्न 1 प्रश्न गद्य से 1 प्रश्न पद्य से (2 प्रश्न 5 अंक =10 अंक)

1. **पूरक पाठ्यपुस्तक वितान (भाग–1) 10**

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 प्रश्न 3 अंक =6 अंक)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (1 प्रश्न 4 अंक =4 अंक)

मॉडल पेपर 2023–24

विषय – हिन्दी अनिवार्य

कक्षा–11

अवधि 4:15 घण्टे   पूर्णांकः 100

खण्ड–1

1. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दो।** 8

वे सिद्ध–वाणी के अत्यन्त सरस हृदय कवि थे। इससे एक ओर तो उनकी लेखनी से श्रृंगार रस के ऐसे रसपूर्ण मर्मस्पर्शी कविता–सवैये निकलते थे, जो उनके जीवन–काल में इधर–उधर लोगों के मुंह से सुनाई पड़ने लगे थे, दुसरह बांर स्वदंश प्रेम से भरे हुए उनके लेख और कविताएँ चारो ओर देश के मंगल का मन्त्र–सा फूंकती थी। आपने सर्वोत्तन्मुखी प्रतिभा के बल से एक ओर तो वे पद्माकर और द्विजदेव की परम्परा में दिखाई पड़े थे दूसरी ओर बंगदेश के मधुसूदनदत्त और हेमचन्द् की श्रेणी मे, एक ओर तोराधा–कृष्ण की भक्ति में झूमते हुए "नई भक्तमाल" गूँथते दिखाई देते थे, दूसरी ओर टीकाधारी वगुला भगत की हँसी उड़ाते तथा स्त्री–शिक्षा, समाज–सुधार आदि पर व्याख्यान देते पाए जाते थे। प्राचीन और नवीन का यही सुन्दर सामंजस्यभारतेन्दु की कला का विशेष माधुर्य है। साहित्य के एक नवीन युग के प्रवर्त्तकके रूप में खड़े होकर उन्होंने वह भी प्रदर्शित किया कि नए–नए या बाहरी भावों को पचाकर इस ढंगसे मिलाना चाहिए कि वे अपने ही साहित्य के विकसित अंग से लगें। प्राचीन और नवीन के उस संधिकालमें जैसी शीतल और मृदुल कला का संचार अपेक्षित था, वैसी ही शीतल और मृदुल कला के साथ भारतेन्दु का उदय हुआ, इसमें सन्देह नहीं।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्युक्तगद्यांश का शीर्षक बताइये?

द प्र. 2. भारतेंदु के काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

रू. प्र. 3. भारतेंदु की कला का विशेष माधुर्य क्या है?

प्र. 4. भारतेंदु का उदय किस समय हुआ।

2. **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दो।** 8

भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला–स्थल कहाँ
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।
हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,

ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है?
भगवान की भव–भूतियों का यह प्रथम भण्डार है।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्युक्तपद्यांश का शीर्षक दीजिए?

प्र. 2. संसार का सिरमौर कौन है?

प्र. 3. कवितांश में किसका गुणगान है?

प्र. 4. ऋषि भूमि किसे बताया गया है?

खण्ड–2

3. खेल के मैदान की व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य जी को प्रार्थना पत्र लिखो। 8

अथवा

स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य जी को प्रार्थना पत्र लिखो।

4. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखो।** 8

1. हमारे राष्ट्रीय पर्व। 2. दीपावली 3. वार्षिकोत्सव

खण्ड–3

5. **दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखो।** 2

1. निरक्षर 2. लाभ 3. शयन 4. ज्ञात

6. **निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो।** 2

1. सात दिन का समय 2. लम्बा है उदर जिसका

7. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो।** 2

1. आग 2. आकाश 3. स्वर्ण

8. **वृक्षारोपण अथवा बाल दिवस पर प्रतिवेदन लिखो।** 4

खण्ड–4

9. **दिए गए पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 4

दुनिया सोती थी, पर दुनिया की जीभ जागती थी। सवेरे देखिए तो बालक–वृद्ध उनके मुँह से यही बात सुनाई देती थी। जिसे देखिए, वही पंडितजी के इस व्यवहार पर टीका–टिप्पणी कर रहा था, निंदा की बौछारें हो रही थीं, मानो संसार से अब मरने का पाप कट गया। पानी को दूध के नाम से बेचनेवाला ग्वाला, कल्पित .... भरने वाले अधिकारी वर्ग, रेल में बिना टिकट सफर करनेवाले बाबू लोग, जाली दस्तावेज बनाने वाले सेठ और साहकार, यह सब–के–सब देवताओं की भाँति .... चला रहे थे। जब दूसरे दिन पंडित अलोपीदीन अभियुक्त होकर कांस्टेबलों के साथ, हाथों में हथकड़ियाँ, हृदय में ग्लानि और क्षोभभरे, लज्जा से गरदन झुकाए

अदालत की तरफ चले, तो सारे शहर में हलचल मच गई। मेलों में कदाचित आँखें इतनी व्यग्र न होती होंगी। भीड़ के मारे छत और दीवार में कोई भेद न रहा।

प्र. 1. कौन सोता व कौन जागता है?

प्र. 2. जाली दस्तावेज कौन बनाता है?

प्र. 3. पंडित अलोपिदीन अदालत की तरफ किस प्रकार जा रहे थे?

प्र. 4. प्रस्तुत गद्य खंड किस रचना से लिया गया है?

10. **दिए गये पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दो।** 4

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर की धर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
चार भाई चार बहिनें,

प्र. 1. घर में कितने भाई है?

प्र. 2. बहिन कहाँ आई?

प्र. 3. सब कहाँ जुड़े हुए है?

प्र. 4. भाई व बहिन को क्या बताया गया है?

11. **दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर उत्तर पुस्तिका में लिखिए– (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है)**

1. प्रेमचंद का जन्म कब हुआ था ? 1

   (अ) सन् 1880 में (ब) सन् 1980 में

   (स) सन् 1836 में (द) सन् 1936 में

2. मियाँ नसीरूद्दीन शब्द चित्र किस संग्रह से लिया गया है ? 1

   (अ) जिंदगीनामा (ब) दिलोदानिश

   (स) हम हशमत (द) शब्दों के आलोक

3. पाथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग कितने वर्ष चली ? 1

   (अ) एक बर्फ (ब) दो वर्ष

   (स) ढााई वर्ष (द) तीन वर्ष

4. ''विदाई संभाषण'' पाठ में किस अंग्रेज अधिकारी पर व्यंग्य किया गया है ? 1

   (अ) लार्ड कर्जन (ब) डलहौजी

   (स) फ्रांसिस्को (द) लार्ड रिपन

5. ''जामुन का पेड़'' कहाँ लगा हुआ था ? 1

(अ) सेकेट्रिएट में (ब) कलेक्ट्रेट में

(स) विद्यालय में (द) घर में

6. कबीर जी किस काव्य धारा के कवि है ? 1

(अ) निर्गुण काव्य धारा (ब) सगुण काव्य धारा

(स) वात्सल्य काव्य धारा (द) इसमें से कोई नहीं

7. कवि भवानी प्रसाद मिश्र के कितने भाई थे ? 1

(अ) चार (ब) पांच

(स) छह (द) सात

8. चम्पा के पिता का नाम क्या था ? 1

(अ) सुन्दर (ब) त्रिलोचन

(स) वासुदेव (द) शेखर सुमन

9. कवि त्रिलोचन का मूल नाम क्या है ? 1

(अ) गोसाई दत्त (ब) निराला

(स) वासुदेव सिंह (द) सुंदर

10. अक्क महादेवी जिसकी भक्त थी ? 1

(अ) कृष्ण की (ब) शिव की

(स) राम की (द) देवी की

खण्ड–5

12. ''नमक का दारोगा'' कहानी का कौनसा पात्र आपको प्रभावित करता है व क्यों ? 2

13. लेखिका मियॅा नसीरूद्दीन के पास क्यों गई? 2

14. "खिली उड़ाना" मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग करो। 2

15. लार्ड कर्जन को इस्तीफा क्यों देना पड़ा ? 2

16. मोहन ने पुरोहिती का धंधा क्यों नहीं अपनाया ? 2

17. भारत की चर्चा नेहरूजी कब व किससे करते थे ? 2

18. अज्ञानी गुरूओं की शरण में जाने पर शिष्यों की क्या गति होती है ? 2

19. मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती थी ? 2

20. सबसे खतरनाक स्थ्थिति किसे बताया गया है ? 2

21. पैर की जूती किसे कहा गया है? 2

22. आम श्रोता संगीत के किस गुण से प्रभावित होगा 3

23. कुई की खुदाई फावड़े से क्यों नहीं की जाती 3

24. लोग किस क्षेत्र को छहबीसी नाम से जानते है ? 4

25. मियाँ नसीरूद्दीन सच्ची तालीम किसे मानते है ? 5

26. कवि समाज में क्या परिवर्तन लाना चाहता है 5

विषय सूची

आरोह भाग–1

गद्य खण्ड

1. प्रेमचंद – नमक का दारोगा
2. कृष्णा सोबती– मियाँ नसीरुद्दीन
3. सत्यजित राय– अपू के साथ ढाई साल
4. बाल मुकुंद गुप्त– विदाई संभाषण
5. शेखर जोशी– गलता लोहा
6. मन्नू भण्डारी– रजनी
7. कृश्नचंदर– जामुन का पेड़
8. जवाहर लाल नेहरु– भारत माता

पद्य खण्ड

1. कबीर
2. मीरां
3. भवानी प्रसाद मिश्र–घर की याद
4. त्रिलोचन– चंपा काले काले अच्छर
5. दुष्यंत कुमार –गज़ल
6. अक्क महादेवी– दो कविताएं
7. अवतार सिंह पाश– सबसे खतरनाक
8. निर्मला पुतुल– आओ मिलकर बताएं

पूरक पुस्तक वितान भाग – 1

1 लता मंगेशकर
2. राजस्थान की रजत बूँदे
3. आलो आँधारि
4. भारतीय कलाएँ

व्यवहारिक व्याकरण

1. विलोम शब्द
2. पर्यायवाची शब्द
3. पत्र लेखन
4. निबन्ध लेखन
5. पठित/अपठित गद्य–पद्य
6. वाक्यांश के लिए एक शब्द
7. प्रतिवेदन
8. निबन्ध लेखन

अनिवार्य हिन्दी

आरोह (भाग–1)

गद्य – भाग

पाठ– 1

नमक का दारोगा

(प्रेमचन्द)

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1880 ई. में।
- जन्म स्थान : लमही गाँव (उत्तर प्रदेश)।
- मूल नाम : धनपत राय।
- मृत्यु : सन् 1936 ई.।
- प्रमुख रचना : सेवा सदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, सोजे वतन आदि।
- प्रेमचन्द हिन्दी साहित्य के शिखर पुरूष माने जाते हैं।
- असहयोग आन्दोलन में भाग लेने के कारण इन्होंने सरकारी नौकरी से त्याग पत्र दे दिया।
- इनका बचपन अभावों में बीता।

पाठ का सारांश :–

'नमक का दारोगा' कहानी प्रेमचन्द की बहुचर्चित कहानी है। जिसे आदर्शवाद एवं ईमानदारी के एक उदाहरण के रूप में देखा जाता है। कहानी के प्रमुख पात्र :– पंडित अलोपीदीन, मुंशी वंशीधर। इस कहानी में धन के ऊपर धर्म की जीत को बताया गया है। मुंशी वंशीधर एक पढ़े–लिखे व्यक्ति थे। वे नौकरी की खोज में घर से निकलते हैं। उन्हें नमक विभाग के दारोगा पद पर नियुक्ति मिल जाती है। यह पद बहुत ही कमाई का पद था।

यह समाचार सुनकर पिताजी तथा परिवार वाले बहुत प्रसन्न हुए। नौकरी मिलने के लगभग छः माह बाद जाड़े की रात में दारोगा जी यमुना नदी के किनारे अपने दफ्तर में सो रहे थे। अचानक गाड़ियों की गड़गड़ाहट से उनकी नींद खुल जाती है। मुंशी वंधीधर वर्दी पहनकर तमंचा (पिस्तोल) जेब में रखकर घोड़े पर बैठकर पुल पर पहुँच जाते हैं।

- वहाँ कड़ककर पूछते हैं– किसकी गाड़ियाँ है ?
- थोड़ी देर के सन्नाटे के बाद आवाज आई – पंड़ित आलोपीदीन की

- 'कौन पंडित आलोपीदीन ?
- उत्तर मिला 'दाता गंज के'

मुंशी वंशीधर उनका नाम सुनकर चौंक गए, पंडित आलोपीदीन उस इलाके के बहुत अमीर एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। मुंशी वंशीधर ने पूछा गाड़ियाँ कहाँ जाएँगी ? उत्तर मिला – कानपुर। क्या है इनमें ?

इस प्रश्न का कोई उतर नहीं मिला। सन्नाटा छा गया। दारोगा साहब का संदेह बढ़ गया। उन्होंने एक गाड़ी के टटोला तो महसूस हुआ कि इनमें 'नमक' था। जिसका व्यापार उस समय प्रतिबंधित था। सेवक ने जाकर पंडित अलोपीदीन को जगाया और कहा – दारोगा जी ने गाड़ियाँ रोक ली, आपको बुलाते हैं। पंडित अलोपीदीन को धन पर बहुत विश्वास था। वे मानते थे कि धन से इस संसार में सब कुछ खरीदा जा सकता है। वे कम्बल ओढ़कर दारोगा जी के पास आते हैं तथा पूछते हैं कि गाड़ियाँ क्यों रोक दी।

मुंशी वंशीधर कहते हैं– सरकारी हुक्म। पंडित अलोपीदीन दारोगा जी को धन का लालच देते हैं परन्तु दारोगा अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए पंड़ित जी को गिरफ्तार कर लेते हैं। सुबह चारों तरफ पंडित अलोपीदीन की निंदा होने लगती है एवं सब लोग उनके इस कार्य के लिए भला–बुरा कहते हैं। पंडित अलोपीदीन को अदालत में पेश किया जाता है। अदालत में सभी कर्मचारी, वकील, जज, चपरासी आदि पंडित अलोपीदीन के धन के गुलाम थे। इस कारण अदालत से पंडित अलोपीदीन को निर्दोष बताते हुए उन्हें रिहा कर दिया जाता है। अब मुंशी वंशीधर को सभी लोग गलत बताते हुए उनकी आलोचना करने लगते हैं। कुछ दिन बाद मुंशी वंशीधर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। वे दुःखी मन से घर पहुँचते हैं।

घर पर उनकी पत्नी, पिताजी सभी उन पर नाराज होते हैं। मुंशी वंशीधर दुःखी हो जाते हैं। लगभग एक सप्ताह बाद एक दिन शाम के समय उनके घर के बाहर एक सजा हुआ रथ (गाड़ी) आकर रूकती है। गाड़ी के साथ बहुत सारे नौकर भी थे। पिताजी दौड़कर स्वागत करने जाते हैं, देखा तो गाड़ी में पंडित अलोपीदीन थे। पिताजी उनकी चापलूसी करते हुए उनसे अपने बेटे की गलती के लिए माफी माँगते हैं। परन्तु पंडित अलोपीदीन उन्हें चुप करा देते हैं तथा प्रेम से मुंशी वंशीधर की ईमानदारी की प्रशंसा करते हैं। पंडित अलोपीदीन, वंशीधर से प्रार्थना करते हैं कि उस रात नदी के किनारे आपने मेरी बात नहीं मानी, परन्तु आज आपको मेरी प्रार्थना माननी पड़ेगी। मुंशी वंशीधर को लगता है कि पंडित जी उनका मजाक कर रहे हैं।

अलोपीदीन उनके सामने एक स्टांप रखकर कहते हैं कि जब तक आप इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे मैं आपके द्वार से नहीं हटूँगा। मुंशी वंशीधर ने उस पत्र को पढ़ा तो कृतज्ञता से उनकी आँखों में आँसू भर आये। पंड़ित आलोपीदीन ने उन्हें अपनी सारी जायदाद का स्थायी मैनेजर नियुक्त किया था। छह हजार

वार्षिक वेतन रोजाना खर्च अलग, सवारी के लिए घोड़े, रहने को बंगला, नौकर–चाकर आदि सभी। मुंशी वंशीधर कंपित स्वर में बोलते हैं– पंडित जी, मैं इस योग्य नहीं हूँ।

परन्तु पंडित अलोपीदीन नहीं माने उन्होंने अपनी कलम (पेन) निकालकर वंशीधर को देते हुए कहा दस्तखत कीजिए। वंशीधर ने भक्ति और श्रद्धा से अलोपीदीन की तरफ देखते हुए हस्ताक्षर कर दिए। अलोपीदीन ने खुश होकर उन्हें गले लगा लिया। इस प्रकार इस कहानी में धर्म और सत्य की जीत को बताया गया है। किसी कारण सत्य कहीं पर हार सकता है परन्तु अंत में जीत सत्य की ही होती है।

कठिन शब्द – अर्थ

1. बरकंदाजी – बंदूक साथ लेकर चलने वाला सिपाही
2. सदाव्रत – हमेशा अन्न बाँटने का व्रत
3. मुख्तार – कलेक्ट्री में काम करने वाला छोटा वकील
4. कातर – दुःखी
5. अमला – नौकर–चाकर
6. अरदली – बड़े अफसर के साथ रहने वाला चपरासी (ऑरडरली)
7. तज़वीज – निर्णय, राय
8. अकारथ – व्यर्थ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. प्रेमचन्द का जन्म हुआ–

(अ) सन् 1880 में (ब) सन् 1980 में

(स) सन् 1836 में (द) सन् 1936 में

2. प्रेमचन्द का मूल नाम था–

(अ) अलोपीदीन (ब) वंशीधर

(स) गणपत राय (द) धनपत राय

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1: कहानी का कौनसा पात्र आपको प्रभावित करता है व क्यों ?

प्रश्न 2: ''नमक का दारोगा'' कहानी में पं आलोपीदीन के व्यक्तित्व के कोई दो गुण लिखो।

प्रश्न 3: ''नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, निगाह चढ़ावे व चादर पर रखना।'' यह कथन किसने कहा।

प्रश्न4: मासिक वेतन को पूर्णमासी का चाँद क्यों कहा गया है ?

प्रश्न5: ''नमक का दारोगा'' कहानी के कोई दो अन्य शीर्षक बताइये।

प्रश्न6: आलोपीदीन ने बंशीधर को मैनेजर क्यों नियुक्त किया ?

प्रश्न 7: दारोगा बंशीधर, पं. आलोपीदीन को क्यों गिरफ्तार करता है ?

प्रश्न 8: ''न्याय व नीति सब लक्ष्मी के खिलौने हैं, वह इन्हें जैसे चाहती है, नचाती है'' स्पष्ट करें।

प्रश्न 9: धर्म ने धन को पैरों तले कैसे कुचल दिया ?

प्रश्न 10: न्याय के मैदान में धर्म और धन में से कौन जीता ?

प्रश्न 11: ''बंशीधर न्याय के मैदान में हारकर भी जीत गया'' कैसे ?

निबन्धात्मक प्रशन

प्रश्न 12: ''नमक का दारोगा'' कहानी के माध्यम से मुंशी प्रेमचन्द हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ?

प्रश्न 13: ''नमक का दारोगा'' कहानी के आधार पर बंशीधर का चरित्र चित्रण करो।

प्रश्न 14: ''नमक का दारोगा'' कहानी के आधार पर पं. आलोपीदीन का चरित्र चित्रण करो।

पाठ– 2

मियाँ नसीरुद्दीन

(कृष्णा सोबती)

लेखक परिचय :

- जन्म : 18 फरवरी, 1925 ई.।
- जन्म स्थान : गुजरात
- मृत्यु : 25 जनवरी 2019 ई.।
- प्रमुख रचनाएँ : जिंदगीनामा, दिलोदानिश, हम हशमत, शब्दों के आलोक में आदि।
- प्रमुख सम्मान – साहित्य अकादमी सम्मान, हिंदी अकादमी का शलाका सम्मान।
- इन्होंने भारत–पाकिस्तान पर हिंदी में श्रेष्ठ रचनाएँ लिखी।

पाठ का सारांश :–

मियाँ नसीरूद्दीन एक शब्द चित्र है जो उनके 'हम हशमत' नामक संग्रह से लिया गया है, इसमें खानदनी नानबाई 'मियाँ नसीरुद्दीन' के व्यक्तित्व, रुचियों और स्वभाव का वर्णन किया गया है। मियाँ नसीरुद्दीन अपने मसीहाई अंदाज से रोटी पकाने की कला और उसमें अपनी खानदानी महारत को बताते हैं। वे ऐसे मनुष्य का प्रतिनिधित्व करतेहैं जो अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं और करके सीखने को सही मानते हैं। मियाँ नसीरुद्दीन की रोटी पकाने की दुकान मिटयामहल के गढ़ैया मुहल्ले में थी। वह दुकान एक साधारण और अँधेरी सी दुकान थी।

किसी से पूछा तो मालूम हुआ कि यह दुकान प्रसिद्ध नानबाई (तरह–तरह की रोटी बनाने वाले) मियाँ नसीरुद्दीन की है। यह सुनकर लेखिका को मियाँ नसीरुद्दीन जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलने की इच्छा हुई। लेखिका ने अंदर की तरफ देखा तो मियाँ नसीरुद्दीन एक चारपाई पर बैठे बीड़ी पी रहे थे। मियाँ ने लेखिका को ग्राहक समझकर पूछा– बताइए, आप को क्या चाहिए ? लेखिका ने कहा कि आपसे कुछ सवाल पूछने हैं। तब मियाँ ने कहा कि कहीं आप अखबार वाले तो नहीं हैं, हम अखबार वालों को निठल्ला समझते हैं।

बताइये आपको क्या पूछना है। पूछना यह था कि तरह–तरह की रोटियाँ पकाने की कला आपने कहाँ से सीखी। मियाँ नसीरुद्दीन ने गुस्से से देखते हुए कहा कि क्या मतलब है ? हम खानदानी रोटी पकाने वाले हैं और यह काम हमने अपने पिता, दादा से सीखा है। मियाँ नसीरुद्दीन कहते हैं कि हमारे बाप–दादा ने शाही रसोई में काम किया है, जहाँ बादशाह उनकी बनाई रोटियों को बड़े शौक से खाते थे। लेखिका ने पूछा कि कौनसे बादशाह के समय ? यह सुनकर मियाँ सकपका जाते हैं तथा कहते हैं कि आपको नाम से क्या मतलब है ?

मियाँ नसीरुद्दीन लेखिका से बहुत सारी बातें करते हुए अपने पिछले जीवन तथा वर्तमान की कहानी सुनाते हैं। और अंत में लेखिका के प्रश्नों से परेशान होकर अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। इस प्रकार इस अध्याय में मियाँ नसरुद्दीन के जीवन का शब्द चित्र प्रस्तुत किया गया है। उनकी रोटी बनाने की कला तथा खानदानी गुणों का वर्णन किया गया है।

कठिन शब्द – अर्थ

1. इल्म – ज्ञान
2. खानदानीपेशा – पारिवारिक धंधा
3. हुनर – कला
4. शागिर्द – शिष्य
5. मदरसा – विद्यालय
6. जमात – कक्षा
7. रुमाली – रुमाल की तरह बड़ी व पतली रोटी
8. कद्रदान – कला के पारखी
9. शाही बावर्चीखाना – राजकीय भोजनालय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. मियाँ नसीरुद्दीन पाठ की लेखिका है–

   (अ) कृष्णा सोबती (ब) सरोजनी नायडू

   (स) महादेवी वर्मा (द) मीराबाई

2. मिया नसीरुद्दीन शब्द चित्र किस संग्रह से लिया गया है ?

   (अ) जिंदगीनामा (ब) दिलोदानिश

   (स) हम हशमत (द) शब्दों के आलोक में

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई ?
2. मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है ?
3. मियाँ नसीरुद्दीन की कौनसी बातें आपको अच्छी लगीं ?
4. ''तालीम की तालीम बड़ी चीज होती है'' यहां तालीम शब्द दो बार आया है, दोनों का अर्थ लिखो।
5. मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने खानदानी व्यवसाय अपनाया। वर्तमान में प्रायः लोग खानदानी व्यवसाय नहीं अपनाते। क्यों ?

लघुत्तरात्मक

6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग करो –

   (1) बिटर बिटर देखना

   (2) टेढ़ी निगाह से देखना

   (3) रंग लाना

   (4) खिल्ली उड़ाना

निबन्धात्मक प्रश्न

7. मियाँ नसीरुद्दीन की अखबार वालों के बारे में क्या राय है ?
8. मियाँ नसीरुद्दीन सच्ची तालीम किसे मानते हैं ?
9. मियाँ नसीरुद्दीन किस कला के माहिर थे ? यह महारत उन्होंने कैसे हासिल की ?
10. मियाँ नसीरुद्दीन का सबसे प्रमुख व उभरा हुआ गुण कौनसा है ? पाठ के आधार पर वर्णन करो –

पाठ– 3

अपू के साथ ढाई साल

(सत्यजितराय)

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1921 ई.।
- जन्म स्थान : कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
- मृत्यु : सन् 1992 ई.।
- भारतीय सिनेमा को ऊँचाई प्रदान करने वाले फिल्मकारों में से सत्यजित राय का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।
- प्रमुख फिल्में – जल साघर, देवी चारूलता, महानगर, पथेर पांचाली।
- प्रमुख रचनाएँ : सोने का किला, जहांगीर की स्वर्ण मुद्रा।
- प्रमुख सम्मान – फ्रांस का लेजन डी ऑनर, ऑस्कर, भारत का रन्त, सहित फिल्म जगत का हर महत्वपूर्ण सम्मान।

पाठ का सारांश :–

'अपू के साथ ढाई साल' नामक संस्मरण सत्यजित राय की 'पथेर पांचाली' फिल्म के अनुभवों से सम्बन्धित है। इस फिल्म का निर्माण भारतीय फिल्म जगत की एक महत्वपूर्ण घटना है। इससे फिल्म निर्माण एवं उसके व्याकरण से सम्बन्धित कई बारीकियों का पता चलता है। इस पाठ का भाषान्तर बांग्ला मूल से हिंदी में 'विलास गिले' ने किया है।

पथेर पांचाली फिल्म की निर्माण शूटिंग ढाई साल चली थी। उस समय लेखक के पास इतने पैसे व समय नहीं था कि वह रोज इस फिल्म की शूटिंग कर पाते। वे एक विज्ञापन कंपनी में काम करते थे, नौकरी के काम से फुर्सत मिलती तथा जब पर्याप्त पैसे इकट्ठे हो जाते तब शूटिंग की जाती थी। शूटिंग आरम्भ करने से पहले कलाकारों का चयन करना एक मुश्किल कार्य था। विशेषकर अपू की भूमिका निभाने के लिए छः साल का लड़का नहीं मिल रहा था। इसके लिए अखबर में विज्ञापन दिये गए परन्तु जिस तरह का लड़का उस भूमिका के लिए चाहिए था वह नहीं मिला।

अंत में एक दिन लेखक की पत्नी को अपने पास वाले घर में रहने वाला लड़का 'सुबीर बनर्जी' दिखा तथा उसका चयन अपू की भूमिका के लिए किया गया। फिल्म की शूटिंग ढाई साल चली। लेखक को इस बात का डर था कि कहीं दोनों बच्चे इस दौरान बड़े दिखाई नहीं देने लग जाए तथा फिल्म में इंदिरा ठाकरून की भूमिका निभाने वाली 80 वर्ष की उम्र की चुन्नीबाला देवी नहीं रहे। परन्तु सौभाग्य

से दोनों ही बातें नहीं हुई। फिल्म की शूटिंग कोलकाता से सत्तर मील दूर पालसिट नाम के एक गाँव में रेल लाइन के पास शुरू हुई।

वहाँ काशफूलों से भरा एक मैदान था जहाँ अपू और दुर्गा पहली बार रेलगाड़ी देखते हैं। इस सीन की शूटिंग एक दिन में पूरी नहीं हो सकती थी। एक दिन में आधा सीन शूट करने के बाद, सात दिन बाद जब दुबारा शूटिंग के लिए वहाँ पहुँचे तो वहाँ फूल नहीं थे, इस कारण बाकी का आधा सीन एक साल बाद शूट हो पाया। इस सीन में तीन अलग–अलग रेलगाड़ियाँ इस्तेमाल की गई थी। परन्तु जब फिल्म आई तो यह बातें पता ही नहीं चल सकी। फिल्म की शूटिंग में एक कुत्ता जिसका नाम 'भूलो' था, वह भी आधी शूटिंग के दौरान मर जाता है, तब बड़ी कठिनाई से उसके जैसा दूसरा कुत्ता लाकर शूटिंग पूरी की जाती है। फिल्म देखने के दौरान दर्शक दोनों कुत्तों में भेद नहीं कर पाते हैं अर्थात् उन्हें वह एक ही दिखाई देता है।

फिल्म में मिठाई वाले की भूमिका निभाने वाले श्री निवास की भी मृत्यु हो जाती है। तब श्री निवास की भूमिका निभाने के लिए उसी के जैसे व्यक्ति की तलाश शुरू होती है परन्तु वह मिल नहीं पाता। अंत में उसके जैसे डीलडौल (शरीर) वाले व्यक्ति को चुनकर उसकी पीठ की तरफ से शूटिंग की जाती है। फिल्म देखने के दौरान इन दोनों अलग–अलग व्यक्तियों को भी दर्शक नहीं पहचान पाते हैं। फिल्म में बारिश का भी एक दृश्य फिल्माया जाना था, परन्तु अक्टूबर के महीने में बारिश होना संभव नहीं था। इस बात को लेकर सत्यजीत राय बहुत परेशान थे परन्तु सौभाग्य से एक दिन बारिश हो गई और अक्टूबर माह में फिल्म का वह दृश्य शूट हो गया।

फिल्म के निर्माण के दौरान सत्यजित राय को अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। गाँव के लोग जैसे 'सुबोध दा' तथा एक धोबी ने भी उन्हें बहुत परेशान किया पर अंत में सब कुछ ठीक हो गया।इस प्रकार इस संस्मरण में पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग के दौरान आने वाली कठिनाइयों एवं उनके निराकरण का वर्णन किया गया है। अनेक कठिनाइयों के बावजूद भी फिल्म की शूटिंग पूरी हुई तथा वह फिल्म दर्शकों द्वारा बहुत पसंद की गई।

कठिन शब्दार्थ

1. इश्तहार – विज्ञापन
2. खुशकिस्मती – सौभाग्य
3. सीन – दृश्य
4. वृष्टि – बारिश
5. जमा – इकट्ठा
6. धुंआधार – बहुत तेज
7. झुरमुट – झाड़ियां
8. दुम – पूंछ

9. निवाला – टुकड़ा
10. छायाकार – फोटोग्राफर
11. शॉट्स – दृष्य
12. कालखंड – समय का एक भाग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. प्रस्तुत अध्यय में किस फिल्म की शूटिंग का वर्णन किया गया है–

   (अ) पथेर पांचाली (ब) भारत की खोज

   (स) अपू के साथ ढ़ाई साल (द) नया दौर

2. पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग कितने वर्ष चली–

   (अ) एक वर्ष (ब) दो वर्ष

   (स) ढाई वर्ष (द) तीन वर्ष

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल क्यों चला ?
2. ''भूलो'' कुत्ते की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया ? उसने फिल्म के दृश्य को पूरा कैसे किया?
3. फिल्म में श्रीनिवास की क्या भूमिका थी ? उनके गुजरने के बाद उनके दृश्यों को कैसे फिल्माया गया ?
4. बारिश का दृश्य चित्रित करने में क्या मुश्किल आई ? इसका समाधान किस प्रकार हुआ ?
5. सत्यजित राय ने अपू की भूमिका निभाने के लिए कलाकार कैसे ढूंढा ?
6. फिल्म शूटिंग कीअवधि (2½)वर्ष लम्बी होते देख सत्यजीत रॉय को कौनसा डर सताने लगा ?
7. सत्यजित राय को काशफूलों से सम्बन्धित किस समस्या से जूझना पड़ा ?
8. सत्यजितराय ने किस दृश्य को सबसे अच्छा कहा ? क्यों ?
9. सत्यजितराय को बोडाल गाँव क्यों अच्छा लगा ?
10. पुराने मकान में शूटिंग करने के कारण सत्यजितराय को किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ा ?

निबन्धात्मक प्रशन

11. किसी फिल्म की शूटिंग करते समय फिल्मकार को कौनसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है? सूचीबद्ध कीजिये।

पाठ– 4

विदाई संभाषण

(बालमुकुंद गुप्त)

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1865 ई.।
- जन्म स्थान : ग्राम गुडियानी, जिला रोहतक (हरियाणा)।
- मृत्यु : सन् 1907 ई.।
- गुप्त जी की आरंभिक शिक्षा उर्दू में हुई। बाद में उन्होंने हिंदी सीखी।
- बालमुकुंद गुप्त राष्ट्रीय नवजागरण के सक्रिय पत्रकार थे।
- प्रमुख संपादन – अखबार–ए–चुनार, हिंदुस्तान, हिंदी बंगवासी, भारतमित्र आदि।
- प्रमुख रचनाएँ : शिवशंभु के चिट्ठे, चिट्ठे और खत, खेल तमाशा।

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत अध्याय 'विदाई संभाषण' उनकी सर्वाधिक चर्चित कृति 'शिवशंभु चिट्ठे' का एक अंश है। यह पाठ वायसराय कर्जन, जो कि सन् 1899 से 1904 एवं 1904–1905 तक दो बार भारत में अंग्रेजी शासन के वायसराय रहे, के शासनकाल में भारतीय नागरिकों की स्थिति का खुलासा करता है। कर्जन के शासनकाल में कहने को तो विकास के बहुत सारे कार्य हुए, नए–नए आयोग बनाए गए। परन्तु उनका मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शासन का वर्चस्व स्थापित करना एवं देश के संसाधनों का अंग्रेजों के हित में सर्वोत्तम उपयोग करना रहा है। कर्जन ने हर स्तर पर अंग्रेजों का वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश की। वे सरकारी निरंकुशता के पक्षधर थे।

इसलिए उन्होंने प्रेस की स्वतंत्रता पर भी प्रतिबंध लगा दिया। अंततः कौंसिल (कमेटी) में अपने मनपसंद अंग्रेज सदस्य नियुक्त करवाने के मुद्दे पर उन्हें काफी नीचा देखना पड़ा तथा क्षुब्ध (दुखी) होकर, इस्तीफा देकर वापस इंग्लैंड चले गए। कर्जन के पास इंग्लैंड जाने के समय यह व्यंग्य लिखा गया। इसमें लेखक ने व्यंग्य करते हुए लिखा कि आपके शासन का समय से पूर्व अंतः होना हमारे लिए दुखदायी है। लेखक लिखते हैं कि कर्जन, जब आप बंबई (मुंबई) दुबारा आए थे तो आपने जो कार्य करने का निश्चय किया था, उनमें से कितने कार्य आपने पूर्ण किए ? बताइए।

लेखक ने कर्जन द्वारा भारत में किए गए अत्याचारों का वर्णन व्यंग्यात्मक रूप में किया है। लेखक लिखतेहैं कि इस संसार में बड़े–बड़े तानाशाह हुए परन्तु सभी का अंत हुआ। इसी प्रकार आपके घमंडी शासन का अंत हुआ है।

आपने भारत की जनता पर जो जुल्म किया यह उनका परिणाम है कि आपको अपमानित होकर भारत से निकलना पड़ रहा है। जिस प्रकार आपने भारतीयों को अपमानित किया, लाचार किया उसी प्रकार आपको आज अपमानित होकर, लाचार होकर भारत से निकलना पड़ रहा है। पाठ में भारतीय नागरिकों की बेबसी, दुख एवं लाचारी को व्यंग्यात्मक ढंग से कर्जन की लाचारी से जोड़ने का प्रयास किया है तथा बताया है कि जैसा आप कार्य करोगे वैसा ही फल मिलता है।

कठिन शब्द – अर्थ

1. लार्ड – स्वामी
2. वाइसराय – शासक
3. दुखांत – दुख भरे अंत वाला
4. सुखांत – जिसका अंत सुखमय
5. जंगी लाट – सेना का अफसर
6. पटखनी खाना – हार जाना
7. अवधि – समय
8. कैसर – मनमाना शासन
9. विच्छेद – अलग
10. पराधीनता – गुलामी
11. संभाषण – भाषण देना
12. अभिवादन – प्रणाम
13. इस्तीफा – त्यागपत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. प्रस्तुत अध्याय किस रचना से लिया गया है–

   (अ) शिव शंभु के चिट्ठे (ब) चिट्ठे

   (स) खत (द) पत्र

2. विदाई संभाषण में किस अंग्रेज अधिकारी पर व्यंग्य किया गया है–

   (अ) लार्ड कर्जन (ब) डलहौजी

   (स) फ्रांसिस्को डी अल्मेडा (द) लार्ड रिपन

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. शिवशंभु की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

2. ''आठ करोड़ प्रजा ने विच्छेद न करने की प्रार्थना की पर आपने ध्यान नहीं दिया'' यहां किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत है ?

3. लार्ड कर्जन को इस्तीफा क्यों देना पड़ा ?

4. ''आपके और यहां के निवासियों के बीच कोई तीसरी शक्ति भी है।'' यहां तीसरी शक्ति किसे कहा गया है?

5. ''क्या आंख बंद करके मनमाने हुक्म चलाना, किसी की भी सुनना शासन है ?'' शासन का अर्थ स्पष्ट करो ?

निबन्धात्मक प्रश्न

6. लार्ड कर्जन द्वारा किये गये भारत विरोधी कार्यों की सूची बनाइये।

7. लार्ड कर्जन जन विरोधी थे – सिद्ध करो।

8. नर सुल्तान का गुणगाान क्यों किया जाता है ?

9. लेखक विदाई के समय लार्ड कर्जन के मुख से क्या सुनना चाहता है ?

पाठ– 5

गलता लोहा

(शेखर जोशी)

लेखक परिचय :

- जन्म सन् 1932 ई. ।
- जन्म स्थान : अल्मोडा (उत्तरांचल)।
- प्रमुख रचनाएँ – कोसी का घटवार, साथ के लोग, दाज्यू, हलवाहा।
- सम्मान : पहल सम्मान।
- शेखर जी की कहानियाँ विभिन्न भारतीय भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी, पोलिश और रूसी में भी अनुवादित हो चुकी हैं।
- उनकी प्रसिद्ध कहानी दाज्यू पर चिल्ड्रंस फिल्म सोसाइटी द्वारा फिल्म का निर्माण भी हुआ है।

पाठ का सारांश :

गलता लोहा शेखर जोशी की कहानी कहा का एक प्रतिनिधि नमूना है। समाज के जातिगत विभाजन पर टिप्पणियाँ की गई हैं। कहानी के प्रमुख पात्र मोहन व धनराम बचपन में साथ–साथ पढ़ते थे। उनके अध्यापक मास्टर त्रिलोक सिंह बड़े सख्त स्वभाव के व्यक्ति थे। मोहन अपनी कक्षा में होशियार था। वह मॉनिटर था तथा प्रार्थना आदि करवाना उसकी जिम्मेदारी थी। यदि किसी छात्र को मास्टर जी द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर नहीं आते तो मोहन उनका उत्तर दे देता था तब मास्टर जी मोहन से उस छात्र को दंड दिलवाते थे। धनराम अपनी कक्षा का एक साधारण छात्र था। धनराम अपनी कक्षा का एक साधारण छात्र था। धनराम व मोहन दोनों मित्र थे।

मास्टर जी मोहन को ऊँची जाति का होने के कारण ज्यादा तवज्जो देते जबकि धनराम की उपेक्षा करते थे। धनराम के थोड़ा बड़े होते ही उसके पिता ने उसे लोहे के काम में लगा दिया। जबकि मोहन ने प्राइमरी स्कूल पास कर छात्रवृत्ति प्राप्त कर ली। इससे मोहन केपिताजी वंशीधर तिवाडी तोपंडिताई का कर्म करते थे, का हौसला बढ़ गया था। पंडिताई से उनकी ज्यादा कमाई नहीं होती थी इसलिए वे मोहन को पढ़ा–लिखाकर बड़ा आदमी बनाना चाहते थे।

एक दिन उनकी बिरादरी का युवक रमेश गाँव आता है तथा मोहन को पढ़ाने–लिखाने की बात कहकर अपने साथ लखनऊ ले जाता है। लखनऊ में रमेश का परिवार व उसके पड़ौसी उससे अपने घर का छोटा मोटा कार्य जैसे– सब्जी लाना, सामान लाना आदि करवाने लगते है। कुछ दिनों बाद रमेश मोहन को एक छोटे से स्कूल में भर्ती करवा देता है। इस प्रकार मोहन को पढ़ाई के स्थान पर घरेलू कार्यों में लगा दिया जाता है। उसे छुट्टियों में भी घर नहीं जाने दिया जाता है।

दूसरी तरफ मोहन के पिताजी उसके सुनहरे भविष्य के सपने देखते रहते हैं। आठवी पास करने के बाद मोहन को एक साधारण से तकनीकी स्कूल जहां काम सिखाया जाता था, में भर्ती करा दिया जाता है। इस तरह एक मेधावी छात्र का जीवन बर्बाद हो जाता है। मोहन के पिताजी को जब यह पता चलता है तो वह बहुत दुखी हो जाते हैं परन्तु शर्म के कारण किसी को कुछ बता नहीं पाते। मोहन अपने जीवन यापन के लिए फैक्ट्री–कारखाने में चक्कर लगाता रहता है। धनराम के पास जब मोहन अपना हँसिया ठीक कराने गया तब यह कार्य धनराम से सही ढंग से नहीं हो पाया।

यह देख कर मोहन ने उसके हाथ से हँसिया लिया तथा भट्टी में गर्म कर हथौड़े से चोट मारकर उसे सही कर दिया। यह देखकर धनराम आश्चर्यचकित हो गया। पुरोहित खानदान के अर्थात् ऊँची जाति के लड़के को इस प्रकार भट्टी पर कार्य करता देख वह हतप्रभ हो जाता है। दूसरी तरफ मोहन इन सब से दूर अपने कार्य की प्रशंसा के धनराम की ओर देखता रहता है। इस प्रकार इस कहानी में लेखक ने जातीय अभियान को बेमानी बतातेहुए मेहनतकशों के सच्चे भाईचारे पर जोर दिया।

कठिन शब्द – अर्थ

1. शिल्पकार – कारीगर
2. हंसुवा – घास काटने की देराती
3. बूते का – वश का
4. निष्ठा – लगन
5. मॉनीटर – प्रमुख
6. धौकनी – लोहार की आग दहकाने वाली नली
7. हमजोली – साथी
8. प्रतिद्वंद्वी – दुश्मन
9. घोटा लगाना – रटना
10. हाथ बंटाना – सहयोग करना
11. सर्जन – रचना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'गलता लोहा' कहानी में मुख्यतः टिप्पणी है–

   (अ) जातिगत विभाजन पर (ब)देश विभाजन पर

   (स) स्वतंत्रता–संग्राम पर (द) उपर्युक्त सभी

2. कहानी 'गलता लोहा' के लेखक हैं–

   (अ) शेखर जोशी (ब) मन्नू भंडारी

(स) बालमुकुन्द गुप्त (द) महादेवी वर्मा

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. मोहन ने पुरोहिती का धंधा क्यों नहीं अपनाया ?
2. मोहन के बूढ़े पिता ने जन पुरोहिती कार्यों में कठिनाई बताई तो मोहन चुप क्यों रह गया ?
3. ''धनराम एक साथ दो विधाएं सीख रहा था'' 1 किताबों की विधा 2. घर चलाने की विधा।'' स्पष्ट करो।
4. मास्टर त्रिलोक सिंह, मोहन को क्यों पसंद करते थे ?
5. धनराम मोहन से सजा पाकर भी उसका आदर क्यों करता था ?
6. बंशीधर तिवाड़ी ने अपने पुत्र मोहन को पढ़ने लखनऊ क्यों भेजा ?
7. पहाड़ी गाँवों की समस्याओं पर प्रकाश डालिये ?
8. रमेश बाबू मोहन को किस नीयत से लखनऊ ले गये ?
9. मास्टर त्रिलोक सिंह की किस कथा को लेखक ने ''जबान का चाबुक'' कहा है ?
10. मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का नया अध्याय क्यों कहा है

निबन्धात्मक प्रश्न

11. ''उसकी आंखों में सर्जक की चमक थी।''

    (1) यह वाक्य किसके लिए कहा गया है ?

    (2) किस प्रसंग में कहा गया है ?

    (3) यह मोहन के किन चारित्रिक विशेषताओं को उजागर करता है?
12. कहानी के आधार पर मोहन का चरित्र चित्रण करो।

पाठ– 6

स्पीति में बारिश

(कृष्णनाथ)

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1934 ई.।
- जन्म स्थान : वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
- मृत्यु : सन् 2016 में।
- प्रमुख रचनाएँ – लद्दाख में राग–विराग, किन्नर धर्मलोक, स्पीति में बारिश, अरूणाचल यात्रा।
- सम्मान : लोहिया सम्मान।
- इन्होंने हिंदी व अंग्रेजी में कई पुस्तकों का संपादन किया।
- ये अर्थशास्त्र के विद्वान थे तथा काशी विद्यापीठ में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर भी रहे। बौद्धदर्शन में इनकी गहरी पैठ थी।

पाठ का सारांश :–

स्पीति में बारिश एक यात्रा वृत्तांत है। स्पीति हिमाचल के मध्य में स्थित है। यह स्थान अपनी भौगोलिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं के कारण अन्य पर्वतीय स्थलों से भिन्न है। लेखक ने इस पाठ में स्पीति की जनसंख्या, ऋतु, फसल, जलवायु तथा भूगोल का वर्णन कियाहै। पाठ में दुर्गम क्षेत्र स्पीति में रहने वाले लोगों के कठिनाई भरे जीवन का वर्णन भी किया है। स्पीति हिमाचल प्रदेश के लाहुल–स्पीति जिले की एक तहसील है। स्पीति का रास्ता बहुत दुर्गम है।

स्पीति में जनसंख्या लाहुल से कम है। 1971 की जनगणना के अनुसार यहां की जनसंख्या 7,196 है। इसका क्षेत्रफल लाहुल के साथ मिलकर 12,015 वर्ग किलोमीटर है। 2001 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 34,000 है। ब्रिटिश राज्य के दौरान लाहुल स्पीति को विशेष दर्जा प्राप्त था। ब्रिटिश भारत के अन्य कानून यहां लागू नहीं होते थे। स्पीति के पहाड़ लाहुल से ज्यादा ऊँचे और भव्य है। स्पीति की समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 12986 फीट है।

लाहुल की तरह स्पीति में भी दो ही ऋतुएँ होती हैं। जून से सितम्बर तक ठंड कुछ कम होती है यह वसंत ऋतु है तथा शेष वर्ष शीत ऋतु होती है। स्पीति में लाहुल से कम वर्षा होती है। यहां बारिश कभी–कभी होती है। धरती सूखी, ठंडी और वंध्या रहती है। स्पीति में साल में एक ही फसल होती है। मुख्य फसलें हैं– दो किस्म का जौ, गेहूँ, मटर और सरसो। इसमें भी जौ मुख्य हैं। सिंचाई का साधन पहाड़ों से आ रहे नाले या उन पर बनाए कूल है।

ये नालियाँ पहाड़ों के किनारे दूर–दूर तक जाती है। स्पीति में कोई फल नहीं होताहै। मटर और सरसों को छोड़कर कोई सब्जी नहीं होती है। वर्षा यहाँ एक घटना है, यह एक सुखद संयोग है। लेखक की यात्रा के दिन स्पीति में बारिश होती है। लेखक जब सुबह उठते हैं तो स्पीति के लोग उनकी यात्रा को शुभ बताते हैं क्योंकि स्पीति में बहुत दिनों बाद बारिश हुई थी।

कठिन शब्दार्थ

1. संचार – संदेश भेजने का साधन
2. वायरलेस सेट – संदेश भेजने का बिना तार का यंत्र
3. दुर्गम – बीहड़
4. वीरान – सूना
5. आबाद – बसा हुआ
6. नगाड़े बजाना – बैंड बजाना
7. पावस – वर्षा ऋतु
8. मतवाला – मस्त
9. शूल – कांटा
10. ठाठ – मौज

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. स्पीति किस राज्य में है–

    (अ) उत्तराखण्ड में (ब) हिमाचल प्रदेश में

    (स) जम्मू–कश्मीर में (द) पंजाब में

2. स्पीति की समुद्र तल से ऊँचाई है–

    (अ) 12,986 फीट (ब) 11,986 फीट

    (स) 18,000 फीट (द) 5,860 फीट

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. इतिहास में स्पीति की वर्णन क्यों नहीं मिलता ?
2. लेखक ''माने'' पहाड़ियों का नाम बौद्ध मंत्रों के नाम पर क्यों रखना चाहता है ?
3. स्पीति के जनजीवन में प्रसन्नता लाने के लिए लेखक ने युवा वर्ग से क्या आग्रह किया है ?
4. आधुनिक युग में भी स्पीति के बादशाह वायरलेस सेट का उपयोग क्यों करते हैं ?
5. स्पीति के लोग आक्रमणकारियों से अपनी सुरक्षा कैसे करते हैं ?
6. स्पीति में कौन–कौनसी फसलें होती हैं ?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. स्पीति में रहने की स्थितियां नहीं हैं – ऐसा क्यों ?

8. ''स्पीति में बारिश एक सुखद संयोग है'' – लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?

9. स्पीति के लोग जीवन यापन में किन कठिनाईयों का सामना करते हैं ?

10. स्पीति किस–किस राज्य के अधीन रहा ?

पाठ– 7

रजनी

(मन्नू भण्डारी)

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1931 ई.।
- जन्म स्थान : भानुपुरा (मध्य प्रदेश)।
- प्रमुख रचनाएँ : एक प्लेट सैलाब, मैं हार गई, आपका बंटी, महाभोजन, स्वामी, एक इंच मुस्कान।
- प्रमुख सम्मान : हिंदी अकादमी दिल्ली का शिखर सम्मान, बिहार सरकार, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार।
- हिन्दी कहानी में 'नई कहानी आंदोलन' में मन्नू भंडारी का विशेष योगदान रहा है।

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत अध्याय मन्नू जी द्वारा लिखित एक पटकथा है। पटकथा का अर्थ है– स्क्रीन (फिल्म) के लिए लिखी गई कथा। 'रजनी' पिछली सदी के नये दशक (1981–1990) का एक प्रसिद्ध टी.वी. धारावाहिक रहा है। प्रस्तुत अंश आज के समय में व्यवसाय बनती शिक्षा की समस्या की ओर हमारा ध्यान खींचता है। प्रमुख चरित्र :– रजनी, लीला, अमित, हैडमास्टर। प्रथम दृश्य में लीला के पुत्र अमित के रिजल्ट का दिन है, रजनी लीला के घर आई हुई है।

अमित रिजल्ट लेकर घर आता है। गणित की ट्यूशन नहीं करने के कारण उसके गणित में नम्बर कम आतेहैं, इस बात को लेकर सभी परेशान हो जाते हैं। आपस में चर्चा के पश्चात् रजनी, अमित व लीला को स्कूल ले जाने के लिए तैयार करती है। परन्तु दोनों मना कर देते हैं। द्वितीय दृश्य में रजनी अमित के स्कूल के हैडमास्टर से मिलती है तथा अमित की गणित की कॉपी दिखाने का निवेदन करती है। परन्तु हैडमास्टर उसे यह कहकर मना कर देते हैं कि वार्षिक परीक्षा की कॉपी नहीं दिखा सकते है। दोनों के आपस में बहुत बहस होती है।

रजनी हैडमास्टर से कहती है कि ट्यूशन नहीं पढ़ने के कारण आपने अमित को जान बूझकर कम नम्बर दिए हैं। तीसरे दृश्य में रजनी व उसके पति की चर्चा है। रजनी के पति उसे समझाते हैं कि बेवजह तुम्हें किसी से लड़ने–झगड़ने की क्या जरूरत है ? अगले दृश्य में रजनी स्कूल शिक्षा निदेशक के ऑफिस में उनसे मिलने जाती है। परन्तु चपरासी उसे मिलने नहीं देता। रजनी जबरदस्ती ऑफिस के अन्दर पहुँच जाती है तथा अधिकारी से ट्यूशन की प्रवृत्ति व बच्चों तथा उनके अभिभावकों पर इसके प्रभाव के बारे में बातचीत करती है।

परन्तु निदेशक उसे टाल देते हैं। अगले दृश्य में रजनी एक अखबार के संपादक से मिलती है तथा उनसे ट्यूशन के खिलाफ कार्यवाही हेतु निवेदन करती है। संपादक इसके लिए तैयार हो जाते हैं तथा अपने अखबार में ट्यूशन के विरूद्ध एक लेख छापने की सहमति देते हैं। अगले दृश्य में ट्यूशन के विरूद्ध अभिभावकों के विरोध का वर्णन है। अंतिम दृश्य में अभिभावकों द्वारा ट्यूशन के विरूद्ध चलाए गए आंदोलन के सम्बन्ध में शिक्षा बोर्ड द्वारा ट्यूशन के लिए नियम बनाए जाने की खबर अखबार में छपती है। रजनी, उसके पति, अमित तथा उसकी माँ आदि बहुत खुश हो जाते हैं।

इस प्रकार इस पटकथा में शिक्षा के व्यवसायीकरण, ट्यूशन की प्रवृत्ति आदि समस्याओं को विचित्र किया गया है तथा बताया गया है कि यदि सब मिलकर विरोध करें तो सभी समस्याएँ दूर की जा सकती है।

कठिन शब्दार्थ

1. अँधेर – अन्याय
2. टर्मिनल – सत्र–अवधि
3. जुलुम – ज्यादती
4. धांधली – गलत काम
5. गुनहगार – दोषी
6. सिलेबस – पाठ्यक्रम
7. बाकायदा – व्यवस्थित रूप से
8. राहत – परेशानी में कमी
9. पर्दाफाश – काले धंधे को उजागर करना
10. राय – मत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मन्नू भंडारी का जन्म हुआ –

(अ) सन् 1931 (ब) सन् 1831

(स) सन् 1933 (द) सन् 1934

2. रजनी पटकथा में वर्णन है–

(अ) शिक्षा की समस्या का (ब) घरेलू समस्या का

(स) सामाजिक समस्या का (द) पारिवारिक समस्या का

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. रजनी ने अमित के मुद्दे को गंभीरता से क्यों लिया ?
2. रजनी धारावाहिक की इस कड़ी की मुख्य समस्या क्या है ?
3. रजनी के चरित्र की विशेषताएं लिखिए। अमित के चरित्र पर टिप्पणी कीजिये।
4 लीला बेन के व्यवहार पर टिप्पणी कीजिये।
5. अमित अपने गणित के अध्यापक से नाराज न होकर अपनी माँ से क्यों नाराज होता है ?
6. ट्यूशन पढ़ाने वाले पाठक जी किस युक्ति से अमित को ट्यूशन पढ़ाने के लिए बाध्य करते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. सरकारी कार्यालयों की दुर्दशा पर टिप्पणी लिखो।
8. इस पाठ के आधार पर अध्यापकों की समस्याओं पर प्रकाश डालिये।
9. ट्यूशन पढ़ाने की समस्या के लिए क्या समाधान निकाला जाता है ?

पाठ– 8
जामुन का पेड़
(कृश्नचंदर)

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1914 ई.।
- जन्म स्थान : वजीराबाद (पंजाब)।
- मृत्यु : सन् 1977 ई.।
- प्रमुख रचनाएँ : एक गिरजा–ए–खंदक, यूकेलिप्ट्स की डाली, शिकस्त, जरगाँव की रानी, सड़क वापस जाती है।
- सम्मान : साहित्य अकादमी सहित बहुत से पुरस्कार।
- प्रेमचंद के बाद कहानी विधा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में उर्दू कथाकार कृश्नचंदर का नाम महत्वपूर्ण है।
- ये एक कहानीकार के रूप में पहचाने जाते हैं।

पाठ का सारांश :–

'जामुन का पेड़' कृश्नचंदर की एक प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य कथा है। सरकारी कार्यालयों में काम को कितना फैलाकर किया जाता है तथा व्यवस्था के संवेदनशून्य, अमानवीय होने का पक्ष इस कहानी में दिखाया गया है। सेक्रेटेरियेट में जामुन का एक बड़ा पेड़ था। एक दिन रात को तेज हवा के कारण वह गिर जाता है तथा एक आदमी उसके नीचे दब जाता है। सुबह एक माली इस दृश्य को देखकर दौड़कर चपरासी को बताता है। चपरासी अपने क्लर्क को तथा क्लर्क अपने से बड़े साहब को बताता है। इस प्रकार बहुत से व्यक्ति उस पेड़ के पास इकट्ठे हो जाते हैं।

सभी व्यक्ति उस दबे हुए आदमी को बचाने के स्थान पर जामुन के पेड़ के गिर जाने पर दुख जताते हैं। तभी माली कहता है कि हम सब मिलकर इस पेड़ को उठाते हैं तथा इस व्यक्ति की जान बचाते हैं। तभी सुपरिटेंडेंट कहता है– ''मैं अंडर सेक्रेटरी से पूछ लूँ''। इस प्रकार सभी अधिकारी अपने ऊपर वाले अधिकारी से पूछते–पूछते मंत्री तक बात पहुंचती है। इस प्रकार फाइल चलती रहती है तथा आधा दिन बीत जाता है। दोपहर के खाने के समय पेड़ के पास बहुत सारी भीड़ इकट्ठी हो जाती है तथा पेड़ को मिलकर हटाने की बात करते हैं। परन्तु सुपरिंटेंडेंट उन्हें मना कर देते हैं।

वे कहते हैं कि पेड़ कृषि विभाग के अधीन आता है। हम इसे नहीं हटा सकते। इस प्रकार फाइल चलती रहती है तथा आदमी की जन बचाने के स्थान पर सरकारी खानापूर्ति होती रहती है। कृषि विभाग फलदार पेड़ का बहाना बनाकर फाइल हॉर्टीकल्चर विभाग को भेज देता है। हॉर्टीकल्चर विभग

पेड़ को काटने की अनुमति नहीं देता तथा आदमी पेड़ के नीचे दबा रहता है। रात में माली उस दबे हुए आदमी को खाना खिला देता है। लोगों को पता चलता है कि दबा हुआ आदमी एक शायर है तो कवियों का उसके चारों तरफ जमावड़ा हो जाता है।

तभी भीड़ से कोई आदमी कहता है कि यदि पेड़ को नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को काटकर निकाला जा सकता है। यह प्रस्ताव मेडिकल विभाग को भेज दिया जाता है। मेडिकल विभाग से प्लास्टिक सर्जन मौका देखने आते हैं। वे कहते हैं कि ऑपरेशन तो हो जायेगा मगर आदमी मर जायेगा। इसलिए यह फैसला भी रद्द कर दिया जाता है। चूँकि पेड़ के नीचे दबा हुआ आदमी एक कवि था इसलिए फाइल कल्चर विभाग को भेज दी जाती है।

कल्चर विभाग के अधिकारी उसे अपनी अकादमी का मेम्बर बनाने, उसकी बीवी को वजीफा देने आदि की बातें करते हैं। अंत में कई दिनों बाद वन–विभाग के आदमी उस पेड़ को काटने आते हैं। परन्तु उन्हें पता चलता है कि वह पेड़ पीटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने लगाया था तो पुनः पेड़ को काटने से रोक दिया जाता है। अंत में प्रधानमंत्री से उस पेड़ को काटने की अनुमति मिल जाती है। परन्तु तब त कवह आदमी मर चुका होता है। इस प्रकार इस कहानी में लेखक ने सरकारी कार्य की लम्बी प्रक्रिया तथा मानवीय संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया है।

कठिन शब्दार्थ

1.	झक्कड़	–	आँधी
2.	हुकूमत	–	सरकार
3.	इजाज़त	–	अनुमति
4.	लावारिस	–	जिसका कोई नहीं
5.	मुबारक	–	बधाई
6.	निर्जीव	–	मुर्दा
7.	शायर	–	कवि
8.	वारिस	–	उत्तराधिकारी
9.	हॉर्टीकल्चर	–	कृषि–उद्यान विभाग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. जामुन का पेड़ कहाँ लगा हुआ था–

   (अ) सेक्रटेरियेट में (ब) कलेक्ट्रेट में

   (स) विद्यालय में (द) घर में

2. लेखक कृश्नचंदर प्रसिद्ध है–

   (अ) कहानीकार के रूप में (ब) उपन्यासकार के रूप में

   (स) कवि के रूप में (द) नाटककार के रूप में

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. जामुन का पेड़ गिरा देखकर क्लर्क ने क्या प्रतिक्रिया की ?
2. माली व चपरासी ने पेड़ के नीचे दबे आदमी को देखकर उसकी सहायता क्यों नहीं की ?
3. माली दबे हुए आदमी को किस शर्त पर निकालना चाहता है ?
4. सुपरिन्टेंडेंट ने पेड़ हटाने का आदेश स्वयं न देकर अपने अधिकारियों का सहारा क्यों लिया?
5. सरकारीकार्यालयोंमेंकामजटिलऔरलम्बेक्योंहोजातेहैं ?
6. हॉर्टीकल्चरविभागकेसेक्रेटरीनेदबेहुएआदमीकीचिंतानकरकेपेड़कोबचानेकेलिएक्याकहा?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. आदमीकोकाटनेकेव्यंग्यपरटिप्पणीकरो।
8. लेखकनेकवियोंपरक्याव्यंग्यकियाहै ?
9. कल्चरलविभागदबेहुएशायरकीसहायताकिसप्रकारकरताहै ?
10. ''फाइलपूर्णहोगई''मेंक्याव्यंग्यछिपाहै ?

पाठ–9

भारत माता

(जवाहर लाल नेहरु)

लेखक परिचय :–

- जन्म : 14 नवम्बर 1889 ई.।
- जन्म स्थान : इलाहबाद प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)।
- मृत्यु : सन् 1964 ई.।
- प्रमुख रचनाएँ : मेरी कहानी (आत्मकथा), विश्व इतिहास की झलक, हिंदुस्तान की कहानी, पिता के पत्र पत्र पुत्री के नाम, राष्ट्रपिता।
- जवाहरलाल नेहरू का जन्म इलाहबाद के एक संपन्न परिवार में हुआ।
- इनकी उच्च शिक्षा इंग्लैण्ड में हुई।
- गाँधीजी ने आह्वान पर वे पढ़ाई छोड़कर आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।
- स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री रहे।
- नेहरूजी बच्चों के बीच चाचा नेहरू के नाम से जाने जाते हैं।

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत पाठ ''हिन्दुस्तान की कहानी'' का पाँचवा अध्याय है। अंग्रेजी से भाषान्तर 'हरिभाऊ उपाध्याय' ने किया। इनमें पण्डित नेहरू ने बताया कि किस तरह देश के कोने–कोने में आयोजित जलसों में जाकर वे आम लोगों को बताते थे कि कई हिस्सों में बँटा होने के बाद भी हिंदुस्तान एक है। नेहरू जी लिखते हैं कि मै। यह कार्य शहरों की अपेक्षा गाँवों में ज्यादा करता था क्योंकि शहरों के लोग सयाने ज्यादा होते हैं तथा सुनना कम पसन्द करते हैं। वे लोगों के बीच जाकर स्वराज्य की चर्चा करते तथा सभी लोगों के लिए उसका फायदा बताते। वे देश के विभिन्न भागों में अपनी दूसरे भाग की यात्रा का हाल बताते। सभी जगह के किसान उनसे एक ही सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफें एक जैसी थी यानि गरीबी, कर्जदारी, जमींदार, महाजन, पुलिस के जुल्म, सूद, लगान आदि।

नेहरू जी उनकी बातें सुनकर उन्हें स्वराज्य के लिए प्रेरित करते तथा उन्हें अमरीका, सोवियत संघ आदि की तरक्की की कहानी बताते। नेहरू किसी जलसे में पहुँचते तो उनका स्वागत 'भारत माता की जय' के नारे के साथ किया जाता। वे लोगों से इस नारे का अर्थ पूछते। वे पूछते– ये भारत माता कौन है? उनके इस सवाल से लोग आश्चर्य में पड़ जाते तथा जवाब देते कि भारत माता का अर्थ इस धरती से है। कौनसी धरती ? पूछने पर वे बताते– गाँव की धरती, जिले की धरती, पूरे देश की धरती। अंत

में हारकर वे नेहरूजी से इसका अर्थ पूछते। तब नेहरूजी बताते कि 'भारत माता' का अर्थ है – भारत के पहाड़, नदी, जंगल, खेत और करोड़ों लोग जो देश के विभिन्न कोनों में फैले हुए हैं। 'भारत माता की जय' का अर्थ है – इन सबकी जय। जैसे–जैसे ये विचार लोगों के मन में बैठते, उनकी आँखों में चमक आ जाती। मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

कठिन शब्दार्थ

1. जलसा – उत्सव, जनसभा
2. परम्परागत – परम्परा से चले आए
3. नजरिया – सोचने का तरीका
4. ज़िक्र – चर्चा
5. स्वराज्य – अपना राज्य
6. लगान – कर, टैक्स
7. सूद – ब्याज
8. जुल्म – अत्याचार
9. मुल्क – देश
10. कुतूहल – जानने की इच्छा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. जवाहरलाल नेहरू का जन्म हुआ–

   (अ) 14 नवम्बर, 1889 ई. (ब) 15 अगस्त 1947 ई.

   (स) 26 जनवरी 1950 ई. (द) 2 अक्टूबर 1869 ई.

2. जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे–

   (अ) पहले (ब) पाँचवें

   (स) दसवें (द) कोई नहीं

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. भारत की चर्चा नेहरु जी कब और किससे करते थे ?
2. नेहरु जी भारत के किसानों से कौन–सा प्रश्न बार–बार पूछते थे ?
3. दुनिया के बारे में किसानों को बताना नेहरु जी के लिए आसान क्यों था ?
4. किसान सामान्यतया ''भारत माता'' का अर्थ क्या बताते थे ?

5. ''भारत माता'' का अर्थ नेहरु जी के लिए क्या था ?

6. आजादी से पूर्व किसानों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता था ?

7. नेहरु जी ने देशभक्ति जगाने के लिए क्या कार्य किया ?

निबंधात्मक प्रश्न–

8. नेहरु जी की विश्व दृष्टि क्या थी ?

9. ''महाकाव्यों व पुराणों ने भारतीयों को पूरे देश से जोड़ा है'' सिद्ध करो।

10. नेहरु जब भारत माता की जय के बारे में पूछते थे तो कौतूहल से क्यों भर जाते थे ?

पाठ– 10

आत्मा का ताप

(सैयद हैदर रज़ा)

लेखक परिचय :–

- जन्म : 1922 ई. ।
- जन्म स्थान : बाबरिया गाँव मध्य प्रदेश।
- मृत्यु : सन् 2016 ई.।
- सम्मान : 'ग्रेड ऑव ऑफिसर द ऑर्डर ऑव आर्ट्स ऐंड लेटर्स'।
- इन्होंने नागपुर स्कूल ऑफ आर्ट व सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्टस मुम्बई से चित्रकला की शिक्षा प्राप्त की।
- भारत में अनेक प्रदर्शनियाँ आयोजित की।
- सन् 1950 में फ्रांस गए और अध्ययन किया।

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत पाठ सैयद हैदर रजा की आत्मकथात्मक पुस्तक 'आत्मा का ताप' का एक अध्याय है। इसका अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद मधु बी. जोशी ने किया है। इस अध्याय में रजा ने चित्रकला के क्षेत्र में अपने आरम्भिक संघर्षों और सफलताओं के बारे में बताया है। लेखक नागपुर स्कूल की परीक्षा में कक्षा में प्रथम आये, दस में से नौ विषयों में उन्हें विशेष योग्यता मिली। लेखक को महीने भर बाद मुंबई में जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति मिली और वे मुंबई आ गए। परन्तु तब तक प्रदेश बंद हो चुके थे परन्तु लेखक ने गाँव लौटने के बजाय मुंबई में रहने का निश्चय किया।
लेखक को एक स्टूडियों में 'डिजाइनर की नौकरी मिल गई। साल भर में वे स्टूडियो में मुख्य डिजाइन बन गए। एक रात वे जब अपने कमरे में पहुँचे तो वहां एक पुलिसवाला खड़ा था उसने कहा कि यहां एक हत्या हो गई है। आप कमरे के अन्दर नहीं जा सकते। यह सुनकर वे बहुत डर गए। लेखक नेदूसरा कमरा ले लिया। सन् 1948 में उन्हें बॉम्बे आर्ट्स सोसाइटी का स्वर्ण पदक मिला। यह सम्मान पाने वाले वे सबसे कम आयु वाले कलाकार थे। दो वर्ष बाद अर्थात् 1950 में उन्हें फ्रांस सरकार की छात्रवृत्ति मिल गई। लेखक 1948 में श्रीनगर भी गये, वहां उन्होंने चित्र बनाए, उस समय श्रीनगर में कबायली आक्रमण हुआ।
2 अक्टूबर 1950 में वे मार्सेई पहुंचे। इस प्रकार पेरिस में उनका जीवन प्रारम्भ हुआ। लेखक अपने जीवन की सर्वोचच ऊँचाई पर पहुँचे। लेखक कहते हैं मैं अपने कुटम्ब के युवा लोगों (चित्रकारों) से कहना चाहता हूँ कि तुम्हें सब कुछ मिल सकता है। बस तुम्हें मेहनत करनी होगी। चित्रकला व्यवसाय

नहीं है। आत्मा की पुकार है। उसे अपना सर्वस्व देकर ही कुछ ठोस परिणाम मिल पाते हैं। लेखक कहता है – हमें कुछ घटने के इंतजार में हाथ पर हाथ रखकर बैठने के स्थान पर कुछ करना चाहिए। लेखक ने अपने जीवन में माता–पिता के न रहने तथा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को खो देने को भी मुश्किल बताया है।

कठिन शब्दार्थ

1. प्रतिभा – कला–शक्ति
2. कला–संग्राहक – कलात्मक वस्तुओं का संग्रह करने वाला
3. ऊर्जा – शक्ति
4. ताप – जोश
5. उदारता – दया, खुलापन
6. जटिल – कठिन
7. आजीविका – रोजी–रोटी
8. स्केच – रेखाचित्र
9. गैलेरी – चित्र प्रदर्शनी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. लेखक मार्सेई कब पहुंचे –

   (अ) 2 अक्टूबर, 1950 (ब) 26 जनवरी, 1950

   (स) 2 अक्टूबर, 1948 (द) 26 जनवरी, 1948

2. लेखक सैयद हैदर रजा किस छात्रवृत्ति पर फ्रांस गए–

   (अ) फ्रांसीसी सरकार की (ब) भारत सरकार की

   (स) मध्य प्रदेश सरकार की (द) स्वंय के खर्चे पर

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी क्यों स्वीकार नहीं की ?
2. रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन–कौनसे थे ?
3. 1947 व 1948 का समय रज़ा के लिए कठिन क्यों था ?
4. हैदर रज़ा को आगे बढ़ाने के लिए जलीजन हुसैन ने किस प्रकार सहयोग किया ?
5. रज़ा को मुम्बई में रातें कहां काटनी पड़ीं ?
6. रज़ा के व्यवसायी चित्रकार बनने की नींव किस प्रकार पड़ी ?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. प्रोफेसर लैंगहैमर कौन थे, उन्होंने रज़ा को आगे बढ़ाने में मदद किस प्रकार की ?
8. रज़ा को मुम्बई का जीवन अच्छा क्यों लगा ?
9. हैदर रज़ा जीवन में धन को कितना महत्व देते थे ?

आरोह भाग–1

काव्य भाग

पाठ– 1

कबीर

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1398 ई. में।
- जन्म स्थान : वाराणसी के पास लहरतारा (उत्तर प्रदेश)।
- मृत्यु : सन् 1518 ई.।
- प्रमुख रचना : बीजक, जिसमें साखी, सबद एक रमैनी संकलित है।
- कबीर ने विधिवत् शिक्षा नहीं पाई थी परन्तु सत्संग पर्यटन तथा अनुभव से उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया था।
- कबीर भक्तिकालीन निर्गुण संत परम्परा के प्रमुख कवि थे।

पाठ का सारांश :

पहले पद में कबीर ने परमात्मा को कण–कण में देखा है। कबीर ने कहा है कि समस्त संसार में एकही वायु, जल और एक ही परमात्मा की ज्योति विद्यमान है। उन्होंने कुम्हार की तुलना परमात्मा से करते हुए कहा कि जिस प्रकार कुम्हार एक ही मिट्टी को भिन्नभिन्न आकार व रूप के बर्तनों में गढ़ता है उसी प्रकार ईश्वर ने भी एक ही तत्व से मनुष्य की रचना अलग–अलग रूपों में की है। मनुष्य का शरीर नश्वरहै किन्तु आत्मा अमर है।

कबीर कहते है। कि संसार का मायावी रूप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है, इसी झूठी माया पर लोगों को गर्व क्यों है ? वे परमात्मा की भक्ति में दीवाना बनकर लोगों को सांसारिक मोह माया से मुक्त होनू की बात करते हैं। वे कहते हैं कि जो लोग इस मोह माया के बंधन से मुक्त हो जाते हैं उन्हें किसी प्रकार का भय नहीं रहता। दूसरे पद में कबीर ने बाहरी दिखावे पर प्रहार किया है। वे कहते हैं कि अधिकांश लोग अपने भीतर की ताकत को न पहचान कर अवास्तविक संसार से रिश्ता बना बैठते हैं और वास्तविक संसार से बेखबर रहते हैं।

कबीर ने इस संसार में ऐसे साधु संतों को देखा है जो धर्म के नाम पर व्रत और नियमों का कठोरता से पालन करते हैं। वे अपनी अंतरात्मा की आवाज को नहीं सुनते और बाहरी दिखावा करते हैं। ऐसे कई पीर–पैगम्बर हैं जो धार्मिक पुस्तकें पढ़कर स्वंय को ज्ञानी समझकर अपने शिष्यों को परमात्मा की प्राप्ति के उपाय बताते हैं जबकि ऐसे पाखंडी स्वंय इस ज्ञान से वंचित हैं। कुछ लोग आसन समाधि लगाकर बैठे रहते हैं तथा स्वंय को ईश्वर का सच्चा साधक मानकर अहंकार में डूबे रहते हैं।

कबीर जी के अनुसार पत्थर की मूर्तियों तथा वृक्षों की पूजा करना, तीर्थ यात्रा करना, ये सब व्यर्थ के भुलावे हैं। कुछ लोग गले में माला सिर पर टोपी और माथे पर तिलक लगाकर पाखंड करते हैं। उन्हें स्वंय परमात्मा का ज्ञान नहीं है लेकिन दूसरों को ज्ञान बाँटते फिरते हैं। कबीर कहते हैं कि अज्ञानी गुरूओं की शरण में जाने पर उनके शिष्य भी उन्हीं की तरह बनजातेहैं और संसार रूपी मोह माया के जाल में फँस कर रह जाते हैं। कबीर कहते हैं कि लोग धर्म के नाम पर आपस में लड़ते हैं। हिन्दू राम को और मुसलमान रहीम को श्रेष्ठ मानते हैं और आपस में लड़ते झगड़ते रहते हैं। जबकि ये दोनों ही मूर्ख हैं क्योंकि किसी ने भी ईश्वर के अस्तित्व को नहीं समझा है, ईश्वर एक है।

कठिन शब्दार्थ

1. एक — परमात्मा, एक
2. दोजख — नरक
3. भांडे — बर्तन
4. काष्ठ — लकड़ी
5. घटि — घड़ा, ह्रदय
6. अंतरि — भीतर, अंदर
7. लुभांना — लुब्ध हो जाना
8. गरबाना — गर्व होना
9. निरभै — निडर
10. सरुपै — स्वरूप

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. कबीर जी का जन्म माना जाता है–

   (अ) सन् 1398 में (ब) सन् 1498 में

   (स) सन् 1518 में (द) सन् 1598 में

2. कबीर जी किस धारा केकवि हैं ?

   (अ) निर्गुण धारा (ब) सगुण धारा

   (स) वात्सल्य धारा (द) इनमें से कोई नहीं

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिये ?
2. मानव शरीर का निर्माण कौनसे पांच तत्वों से हुआ है ?

3. कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है ?
4. कबीर ने ऐसा क्यों कहा कि संसार बौरा गया है ?
5. अज्ञानी गुरुओं की शरण में जाने पर शिष्यों की क्या गति होती है ?
6. बाह्य आंडबरो की बजाय स्वंय (आत्म) को पहचानने की बात किन पंक्तियों में कही गई है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. कबीर की दृष्टि में ईश्वर का स्वरूप कैसा है ?
8. ''आपस में दोऊ लड़े मरतु है''कौन आपस में लड़ते हैं ?
9. कबीर के धार्मिक विचारों पर प्रकाश डालिये।

पाठ– 2

मीरा

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1498 ई. में।
- जनम स्थान : कुडकी गाँव मेडता (राजस्थान)।
- मृत्यु : सन् 1546 ई.।
- मीरा सगुण धारा की भक्त कवयित्री थी।
- ये भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त थी।
- संत कवि रैदास इनके गुरू थे।
- प्रमुख रचनाएँ : मीरा पदावली, नरसीजी–रो–माहेरो आदि।

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय में संकलित दोनों पद नरोत्तम दास स्वामी द्वारा सम्पादित मीराँ मुक्तावली से लिए गये हैं।पहले पद में मीरा ने कृष्ण से अपनी अनन्यता व्यक्त की है। मोर–मुकुटधारी श्रीकृष्ण को अपना पति और सर्वस्व मानते हुए मीरा कहतीहै कि श्रीकृष्ण के सिवा इस दुनिया में उनका और कोई अपना नहीं है। उन्होंने लोक–लाज सब त्याग कर स्वंय को श्रीकृष्ण भक्ति में लीन कर लिया है। श्रीकृष्ण के प्रेम में पड़कर मीरा को आनंद की अनुभूति हो रही है। जिस प्रकार दूध में मथनी डालकर दही से मक्खन निकाला जाता है और बची हुई छाछ को अलग कर दिया जाता है उसी प्रकार मीरा ने भी भगवद् भक्ति को अपने प्रेम से प्राप्त कर लिया है और सांसारिकता से स्वंय को दूर रखा है।

मीरा भक्तों को देखकर खुश होती है वहीं दूसरी ओर सांसारिकता में फंसे हुए लोगों के लिए दुःखी होती है और विनती करती है कि ईश्वर उनका उद्धार करें। दूसरे पद में श्रीकृष्ण के प्रेम रस में डूबी मीरा सभी रीति–रिवाजों और बंधनों से मुक्त होने और गिरधर के स्नेह के कारण अमर होने की बात कर रहीहै। मीरा कृष्ण के प्रेम में दीवानी होकर पैरों में घुँघरू बाँधकर नाच रही हैं वे अपने इस प्रेम को पूरी दुनिया के सामने व्यक्त करना चाहती है जिसे लोग पागलपन कहते हैं उनके रिश्तेदार कहते हैं कि ऐसा कर्म करके उन्होंने अपने कुल की छवि मि्टी में मिला दी है।

मीरा को मारने के लिए राणा ने विष का प्याला भेजा जिसे मीरा ने हँसते–हँसते पी लिया और अमर हो गई। मीरा ने यह भी कहा कि यदि प्रभु की भक्ति सच्चे मन से की जाए तो वे सहजता से प्राप्त हो जाते हैं। मीरा ने ईश्वर को अविनाशी कहा है क्योंकि वे अजर है, अमर है। मीरा की प्रभु श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, प्रेम व आस्था ही उनका वास्तविक धन है। वे स्वंय को श्रीकृष्ण की दासी समझती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. मीरा का जन्म हुआ–

(अ) सन् 1598 ई. में	(ब) सन् 1498 ई. में
(स) सन् 1398 ई. में	(द) सन् 1298 ई. में

2. मीरा ने भक्ति की–

(अ) श्रीकृष्ण की	(ब) श्रीराम की
(स) हनुमान जी की	(द) शिव जी की

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती है ? वह रूप कैसा है।
2. लोग मीरा को बावरी क्यों कहते हैं ?
3. ''विष का प्याला, राणा जी ने भेजा, पीवत मीरा हासी'' इसमें मीरा की भक्ति की विशेषता क्या है ?
4. लोक–लाज खोने से क्या अभिप्राय है ?
5. मीरा ने ''सहज मिले अविनासी'' क्यों कहा है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

6. ''लोक कहे मीरा भई रे बावरी, न्यात कहे कुल नासी'' लोग (समाज) और न्यात (कुटुम्ब) की धारणा मीरा के लिए क्यों है ?
7. मीरा ने किसे अपना पति माना व क्यों ?
8. ''भगत देख राजी हुई जगत देख रोई'' पंक्ति का आशय लिखो।

पाठ– 3

पथिक

राम नरेश त्रिपाठी

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1881 ई. में।
- जनम स्थान : जौनपुर (उत्तर प्रदेश)
- मृत्यु : सन् 1962 ई.।
- ये छायावाद पूर्व की खड़ी बोली के महत्वपूर्ण कवि माने जाते हैं।
- बानर नामक बाल पत्रिका का संपादन किया है।
- प्रमुख रचनाएँ : मिलन, पथिक, स्वप्न, मानसी।

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अंश 'पथिक' शीर्षक खण्ड काव्य से लिया गया है। इस दुनिया के दुःखों से विरक्त कवि प्रकृति के सौंदर्य पर मुग्ध होकर वहीं बसना चाहता है। प्रथम काव्यांश की पंक्तियों में कवि कहते हैं कि आकाश में बादलों के समूह को देखकर ऐसा लगताहै कि जैसे आकाश में बादल पंक्तिबद्ध होकर हर क्षण एक नया रंग–बिरंगा और निराला वेश धारण कर, सूर्य के सामने थिरक रहेहों या नृत्य कर रहे हो। नीचे सुंदर व मनोहारी नीला समंदर तो ऊपर नीला आकाश है। द्वितीय काव्यांश में कवि कहते हैं कि सागर जोरदार गर्जना कर रहा है और मलय पर्वत से आने वाली शीतल सुगंधित हवा बह रही है और यह सब देखकर हे प्रिय ! मेरा दिल हमेशा साहस व उत्साह से भरा रहता है।

कवि समुद्र की लहरों की सवारी कर विशाल समुद्र के कोने–कोने को देखना चाहते हैं। तीसरे काव्यांश में कवि समुद्र के किनारे खड़े होकर सूर्योदय होता देख रहे हैं। समुद्र की सतह पर उगते हुए सूरज की अधूरी छाया दिखाई दे रही है। उगते हुए सूरज के इस रूप को देखकर कवि को ऐसा प्रतीत होता है जैसे– सूर्य का बिंब लक्ष्मीजी के स्वर्णमंदिर का एक सुंदर कंगूरा (मंदिर का शिखर गुंबद) हो। समुद्र तल पर पड़ने वाली सूरज की सुनहरी किरणों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे लक्ष्मीजी की सवारी अपनी पुण्य–पावन भूमि में लाने के लिए समुद्र ने इस सोने की सड़क का निर्माण किया है।

चतुर्थ काव्यांश में कवि कहते हैं कि समुद्र बहुत ही निडरता से और बड़ी गंभीरता के साथ गर्जना कर रहाहै। कवि कहते हैं कि प्रिय ! तुम इस प्राकृतिक सौंदर्य को अपने हृदय में महससू करो और बताओ कि इससे बढ़कर सुख और आनन्द इस संसार में और कहाँ मिलेगा।

पंचम काव्यांश में कवि कहतेहैं कि आधी रात में जब घना अंधकार पूरे संसार को ढक लेता है तब अंतरिक्ष की छत यानि पूरे आकाश के सुंदर प्राकृतिक दृश्य को देखने के लिए मुस्कराते हुए मुख से इस जगत का स्वामी अर्थात् सूर्य धीमी–धीमी गति से आता है और तट पर खड़ा होकर वह आकाश गंगा के सौंदर्य को निहार कर मीठे–मीठे गीत गाता है।

षष्ठम काव्यांश में कवि कहते हैं कि सूर्य जिस आकाश गंगा के सौंदर्य को निहार कर उसकी सुंदरता के मीठे–मीठे गीत गाता है उसी आकाश गंगा के अद्‌भुत सौंदर्य से मोहित होकर चंद्रमा भी आकाश में हँस देता है।सभी वृक्ष भी तरह–तरह के फूल पतों से अपने आपको सजा लेते हैं। इस मनमोहक दृश्य को देखकर वो भी चहक उठते हैं। फूलों को देखकर ऐसा लग रहा है मानों वे भी साँस लेते हुए पूरे वातावरण को खुशबू से भर रहे हों।

सप्तम काव्यांश में कवि कह रहा है कि प्रकृति के इस अद्‌भुत सौंदर्य को देखकर मेघ भी अपना धैर्य खोकर वनों, उपवनों, पहाड़ों, समतल भूमि, कुंजों पर बरस कर अपने मनोभावों को व्यक्त कर रहे हैं। इस मनोहारी रूप को देखकर कवि भाव–विभोर हो जाता है तथा उसकी आँखें से आँसू बहने लगते हैं।

कवि अपनी प्रिया से इस मधुर कहानी को पढ़कर अनुभव करने को कह रहे हैं।

अष्टम काव्यांश में कवि प्रकृति की इस सुंदर प्रेम कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त करना चाहते हैं कि ताकि पूरा संसार प्रकृति की इस प्रेम कहानी को सुन सके और आनंदित हो सके। कवि आगे कहतेहै कि इस प्रकृति में सदा स्थिर, पवित्र व आनंद देने वाली सुखकारी शांति छाई रहती है और प्रकृति में चारों ओर प्रेम का ही सुंदर राज्य दिखाई देता है। इस प्रकार इस कविता में कवि ने प्रकृति का सुंदर वर्णन किया है।

कठिन शब्दार्थ

1. प्रतिक्षण – हर समय
2. नूतन – नया
3. रंग बिरंग – रंगीन
4. रवि – सूर्य
5. थिरक – नाच
6. नभ – आकाश
7. मनोहर – सुंदर
8. गगन – आकाश
9. विचरु – घूँमू
10. निराला – अद्‌भुत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. रामनरेश त्रिपाठी का जन्म हुआ–

   (अ) सन् 1881 (ब) सन् 1981

   (स) सन् 1862 (द) सन् 1962

2. रामनरेश त्रिपाठी संपादित बाल पत्रिका है–

   (अ) बालहंस (ब) चपंक

   (स) बानर (द) ग्रामगीत

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. पथिक का मन कहाँ विचरना चाहता है ?
2. सूर्योदय के वर्णन के लिए किन–किन बिम्बो का प्रयोग हुआ है ?
3. कविता में कई स्थानों पर प्रकृति को मनुष्य के रूप में देखा गया है। ऐसे दो उदाहरण देते हुए भाव स्पष्ट करो।
4. प्रकृति के मध्य किस नर्तन की कल्पना की गई है ?
5. समुद्र (रत्नाकर) को गरजता देखकर कवि का हृदय किस इच्छा से उद्वेलित हो गया ?

निबंधात्मक प्रश्न–

6. आत्म प्रलय से क्या आशय है ?
7. ''प्रेम सत्य है, सुंदर है'' प्रेम के विविध रूपाों का वर्णन करो।
8. वर्तमान समय में हम प्रकृति से दूर क्यों होते जा रहे हैं ?

पाठ– 4

आँखें

सुमित्रानंदन पंत

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1900 ई. में।
- जन्म स्थान : कौसानी, जिला अल्मोडा (उत्तरांचल)
- मृत्यु : सन् 1977 ई.।
- मूलनाम : गोसाँई दत्त।
- प्रमुख रचनाएँ : वीणा, ग्रंथि, स्वर्ण किरण, चिंदबरा, उत्तरा, लोकायतन आदि।
- सम्मान : भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, सोवियत लैंउ नेहरू पुरस्कार, पद्मभूषण।

पाठ का सारांश :–

इस कविता में किसानों के शोषण का वर्णन किया गया है। स्वतंत्र भारत में भी किसानों की स्थिति दुखदायी एवं निराशाजनक है। यह देखकर कवि दुखी है। कवि कहता है कि किसान की आँखे किसी अंधेरी गुफा के समान प्रतीत होती है। उन आँखों को देखकर मन में भय उत्पन्न होने लगता है। उन आँखों में दूर–दूर तक घोर दुःख और पीड़ा के आँसू दिखाई देते हैं। पहले किसान स्वतंत्र था उसकी आँखों में गर्व भरा होता था। किसान अपने पुराने दिनों को याद कर रहा है। पहले उसके पास फसलों से भरे लहराते खेत हुआ करते थे। अब जमींदार ने उसे जमीन से बेदखल कर जमीन हड़प ली है कभी उस जमीन और उसके तिनके–तिनके से किसान का परिवार फलता–फूलता था उनका जीवन सुखी था।

जमींदार के कारिंदों ने लाठियों से उसके बेटे को मार डाला था। जवानी में ही उसका बेटा दुनिया छोड़ गया। किसान पूरी तरह कर्ज में डूब गया था जब कर्ज उतारने के लिए पैसे नहीं बचे तब महाजन ने उसकी सारी संपत्ति को नीलाम कर दिया। उसके बैल के जोड़े को भी छीन लिया। वह दृश्य उसकी आँखों में हर समय चुभता रहता है। किसान के पास एक सफेद गाय भी थी जिसे प्यार से उजरी कहता था। उजरी उसके अलावा किसी से भी अपना दूध नहीं दुहाती थी। किसान की दुःख भरी आह निकल जाती है उसके सुख भरे दिन अब बीत चुके हैं। कवि पारिवारिक स्थिति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि दवा–इलाज के अभाव में किसान की पत्नी की मृत्यु हो गयी। उसे याद करके किसान की आँखें बार–बार भर आती है।

पत्नी की मौत के बाद देख–रेख के अभाव में दो दिन बाद उसकी नवजात बेटी की भी मृत्यु हो गयी। घर में उसकी विधवा बहू ही तो बची थी परन्तु एक दिन कोतवाल ने उसे जबरन बुलाया और यह कहकर बेइज्जती की कि इसके कारण इसके पति की जान चली गयी। वह यह अपमान सहन नहीं कर सकी और कुएँ में डूबकर मर गई। किसान को अपनी पत्नी की मृत्यु का विशेष दुःख नहीं है। एक गई तो दूसरी आ सकती है परन्तु अपने जवान बेटे की मौत से सीने पर साँप लौटते हैं अर्थात् असहनीय पीड़ा होती है।

बीते दिनों की यादें उसकी आँखों में पल भर के लिए चमक ले जाती है, किन्तु अगले ही क्षण उसकी आँखें शून्य पड़ जाती है और तीखी नोंक सी चुभती है। इस प्रकार इस कविता के माध्यम से पंत जी ने किसानों को केन्द्र में रखकर उनके व्यक्तिगत एवं पारिवारिक दुखों का वर्णन किया है।

कठिन शब्दार्थ

1. गुहा – गुफा
2. सरीखी – समान
3. दारुण – भयानक
4. नीरव – मौन
5. रोदन – रोना
6. लहराते – झूमते
7. तृन – तिनका
8. आँख का तारा – प्यारा
9. कारकुन – सूदखोरों के कारिंदे
10. कुर्क – नीलाम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. सुमित्रानंदन पंत का मूल नाम था–

   (अ) धनपत राय (ब) निराला

   (स) गोसाँई दत्तप (द) त्रिलोचन

2. कविता ''वे आँखें'' में वर्णन है–

   (अ) कवि की पीड़ा का (ब) किसान की पीड़ा का

   (स) स्त्री की पीड़ा का (द) उपर्युक्त कोई नहीं

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. किन आँखों से कवि को डर लगता है ?
2. किसान की आँखों में कौनसी पीड़ा व्याप्त है ?
3. किसान की आँखों के सामने कौनसे खेत लहराते हैं ? क्यों ?
4. महाजन के अत्याचारों का वर्णन करो।
5. किसान के बेल क्यों कुर्क/नीलाम किये गये ?
6. किसान की सुख की खेती क्यों उजड़ गई ?
7. किसान की पत्नी व बच्ची क्यों मर गई ?
8. किसान की पतोहू को थाने में क्यों बुलाया गया ?

निबंधात्मक प्रश्न–

9. किसान की पतोहू कुएं में डूब कर क्यों मरी ?
10. ''पैर की जूती'' किसे कहा गया है ? इस वाक्य में किस पर व्यंग्य किया गया है?
11. किसान के जवान लड़के को महाजन के कारकुनों ने क्यों मार डाला ?
12. ''वेआँखें'' पाठ में पंत जी क्या कहना चाहते हैं ?

पाठ– 5

घर की याद

(भवानी प्रसाद मिश्र)

लेखक परिचय :

- जन्म : सन् 1913 ई. में।
- जन्म स्थान : टिगरिया गाँव होशंगाबाद (मध्यप्रदेश)।
- मृत्यु : सन् 1985 ई.।
- प्रमुख रचनाएँ : सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, गीतफ़रोश, चकित है दुख, बुनी हुई रस्सी, खुशबू के शिलालेख, अनाम तुम आते हो, इदं न मम् आदि।
- प्रमुख सम्मान : साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश शासन का शिखर सम्मान एवं पद्मश्री सम्मान।

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत कविता भवानी प्रसाद मिश्र द्वारा जेल प्रवास के दौरान लिखी गयी है। जेल में उन्हें अपने घर से विस्थापन की पीड़ा परेशान करती थी। सावन की एक रात तेज बारिश हो रही है और कवि को अपने परिजनों की बहुत याद आ रही है। कवि कहता है कि घर मुझसे बहुत दूर है पर वह घर खुशियों से भरा हुआ है। घर में चार भाई है। बहन मायके आयी होगी और आकर दुःखी हुई होगी क्योंकि उसका एक भाई जेल में कैदहै घर में सब कितने प्यार से जुड़े होंगे।

चार भाई बलिष्ट भुजाओं के समान है और बहनें प्यार का प्रतीक है। कवि कहता है कि मेरी माँ अनपढ़ है, दुःखों में ही उसका जीवन बीता है उस माँ की गोद में सिर रखकर संसार के सारे दुःख समाप्त हो जाते हैं उसकी माँ का स्नेह इतना व्यापक है कि इतना दूर होते हुए भी वह माँ की ममता को महसूस कर सकता है। अगर उसे लिखना आता तो वह अपने पुत्र के लिए पत्र अवश्य लिखती। कवि अपने पिता को याद कर कहता है कि उनको एक पल भी बुढ़ापा नहीं आया। वो अभी भी बिल्कुल स्वस्थ और दौड़ लगाने में सक्षम हैं और खिलखिलाते रहते हैं।

उनके स्वर में बादलों जैसी गर्जना है और उनके काम तूफान से भी तेज हैं। उसके पिता गीता पाठ करके, दो सौ साठ दंड बैठक लगा के फिर मुगदर को हाथों से हिलाकर अपने पांचवें पुत्र की याद करके रो पड़ते होंगे।

आज उन्हें अपने सोने जैसे बेटे तुच्छ लग रहे होंगे क्योंकि मैं उनका सोने पे सुहागा बेटा तो यहाँ इतनी दूर जेल में बंधा बैठा हूँ। पिताजी जब भावुक होकर रोये होंगे तो माँ ने ही उन्हें संभाला होगा। कवि बारिश से कहता है कि तुम खूब बरसो और बरस–बरस के मेरे माता–पिता को मेरी कुशलता का

संदेश दो, और निराशा का आभास न होने देना उनसे कहो कि मैं स्वस्थ हूँ खुश हूँ। इस प्रकार इस कविता में घर से जुड़ी यादों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।

कठिन शब्दार्थ

1. तिरना – तैरना
2. पूर – बाढ़/भंडार
3. परिताप – कष्ट
4. पसरा – प्रसार/फैलान
5. हिचकें – डरें
6. बोल – वाणी
7. अभागा – दुर्भागा
8. लीक – परम्परा
9. पुण्य पावन – अतिपवित्र
10. विरस – रसहीन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. घर की याद कविता में वर्णन है–

   (अ) पारिवारिक स्नेह का　　(ब) देश की समस्या का

   (स) स्वतंत्रता संग्राम का　　(द) किसान की पीड़ा का

2. कवि भवानी प्रसाद मिश्र के भाई थे–

   (अ) चार　　(ब) पाँच

   (स) छह　　(द) सात

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. पानी के रात भंर गिरने और प्राण–मन के घिरने में क्या सम्बन्ध है ?
2. मायके आई बहन के लिए कवि ने घर को परिताप का घर क्यों कहा है ?
3. पिता के व्यक्तित्व की विशेषताएं बताइए।
4. कवि के परिवार के लगाव पर टिप्पणी करो।
5. ''भुजा भाई, प्यार बहिने'' से क्या आशय है ?
6. कवि अपनी वास्तविक स्थिति को अपने पिता से क्यों छिपाना चाहता है ?
7. अपनी माँ के बारे में कवि ने क्या भाव प्रकट किये हैं ?

निबंधात्मक प्रश्न–

8. कवि के जेल में बंद होने पर माता–पिता की प्रतिक्रिया क्या थी ?
9. ''घर की याद'' कविता में कवि क्या कहता चाहता है ?
10. कवि सावन से क्या इच्छा करता है ? कारागृह में कवि ने किस प्रकार दिन काटे ?

पाठ– 6

त्रिलोचन

चंपा काले कालेअच्छर नहीं चीन्हती

जीवन परिचय :–

- जन्म : सन् 1917 ई. में।
- जन्म स्थान : चिरानी पट्टी जिला सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश)
- मूल नाम : वासुदेव सिंह
- प्रमुख सम्मान : साहित्य अकादमी, शलाका सम्मान, महात्मा गांधी पुरस्कार (उत्तर प्रदेश)
- प्रमुख रचनाए : धरती, गुलाब और बुलबुल, दिगंत, ताप के ताये हुए दिन, शब्द, उस जनपद का कवि हूँ, अरघान, तुम्हें सौंपता हूँ, चैती, अमोला, मेरा घर, जीने की कला।

पाठ का सारांश :–

इस कविता के माध्यम से कवि ने पलायन के लोक अनुभवों को मार्मिकतापूर्ण तरीके से अभिव्यक्त करने का प्रयास किया है। कवि चंपा नामक लड़की की निरक्षरता के बारे में बताते हुए कहते हैं कि चंपा काले–काले अक्षरों को नहीं पहचानती अर्थात् वह उन काले अक्षरों से अनभिज्ञ है। कवि कहते हैं कि जब मैं पढ़ने लगता हूँ तो चंपा वहां आ जाती है और खड़ी–खड़ी चुपचाप मेरे द्वारा बोले या पढ़े जा रहे शब्दों को सुना करती है।

चंपा को इस बात से बहुत आश्चर्य होता है कि इन काले अक्षरों या चिन्हों से कैसे ध्वनियां निकला करती हैं ? कवि चंपा के व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए कहते हैं कि वह सुंदर नामक ग्वाले की लड़की है जो गाये भैंसे रखता है। वह चंचल भी है और साथ में नटखट भी। वह कभी–कभी शरारत भी करती है। वह कभी मेरी कलक चुरा लेती है, जैसे–तैसे जब मैं उसे ढूंढ कर लाता हूँ तो देखता हूँ इस बार कागज गायब हो गया है। चंपा की इन शरारतों से पुनः परेशान हो जाता हूँ।

कवि आगे पंक्तियों में कह रहे हैं कि चंपा मुझसे कहती है कि दिनभर कागज पर लिखते ही रहते हो। क्या यह काम करना बहुत अच्छा लगता है ? चंपा की बात सुनकर मैं हंसने लगता हूँ और चंपा चुप सी हो जाती है। आगे कवि कहते हैं कि एक रोज चंपा मेरे पास आई तो मैंने उससे कहा कि तुम पढ़ना लिखना सीख जाओ। जीवन में ये शिक्षा कभी तुम्हारे काम आयेगी। तत्पश्चात् मैंने चंपा से कहा कि महात्मा गांधी की भी यही इच्छा थी। सभी आदमी पढ़ना–लिखना सीख जाए। जवाब में चंपा बोलती है कि वह नहीं पढ़ेगी।

फिर चंपा कवि से कहती है कि तुम कहते थे कि गांधी बाबा बहुत अच्छे हैं। फिर पढ़ने–लिखने की बात कैसे कर सकते हैं ? चंपा की नजर में पढ़ने–लिखने का कोई महत्व नहीं है। वह बिल्कुल हठी प्रवृत्ति अपनाकर कहतीहै कि मैं तो नहीं पढ़ूंगी।

आगे कवि शिक्षा के महत्व की बात करते हुए कहते हैं कि देख चंपा ! एक दिन तुम्हारी शादी होगीऔर तुम अपने पति के घर (ससुराल) चली जाओगी। जब वहां तुम्हारा पति कुछ दिन साथ रहकर नौकरी केलिए कलकत्ता चला जायेगा और कलकत्ता बहुत दूर है। कवि चंपा को समझाते हुए कहते हैं कि ऐसे में तुम उसे अपने बारे में कैसे बताओगी ? कैसे संदेशा दोगी ? तुम उसके पत्रों को कैसे पढ़ पाओगी चंपा ! इसलिए पढ़ लेना अच्छा है। जब कवि द्वारा पढ़ने की सलाह दी गई, त बवह कवि पर गुस्से का भाव जताते हुए कहती है कि तुम बहुत झूठ बोलते हो।

तुम पढ़ लिखकर भी झूठ बोलते हो। कवि को सम्बोधित करते हुए आगे चंपा कहतीहै कि मैं तो शादी कभी नहीं करूंगी और यदि शादी हो गई तो मैं अपने पति को हमेशा साथ रखूंगी। उसे कभी कलकत्ता नहीं जाने दूंगी। चम्पा कहती है कि परिवारों को दूर करने वाले शहरों पर बजर गिरे। इस प्रकार इस कविता में जीवन के खुरदरे यथार्थ के प्रति चम्पा के संघर्ष और जीवन को प्रस्तुत किया गया है।

कठिन शब्दार्थ

1. अच्छर	–	अक्षर
2. चीन्हती	–	पहचानती
3. अचरज	–	हैरानी
4. ग्वाला	–	गाय चराने वाला
5. चौपाया	–	गाय/भैंस आदि
6. ऊधम	–	शोर
7. कागद	–	कागज
8. गोने जाना	–	ससुराल जाना
9. सेदेसा	–	संदेश
10. वजर गिरे	–	विपत्ति आना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. चम्पा के पिता का नाम है–

(अ) सुन्दर (ब) त्रिलोचन

(स) वासुदेव सिंह (द) शेखर सुमन

2. कवि त्रिलोचन का मूल नाम है–

(अ) गोसाई दत्त (ब) निराला

(स) वासुदेव सिंह (द) शेखर सुमन

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. यदि चंपा पढ़ी लिखी होती तो कवि से किस प्रकार बात करती ?
2. चंपा ने ये क्यों कहा कि कलकत्ता पर वज्र गिरे ?
3. कवि ने चंपा की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया है ?
4. ''चंपा नटखट है'' सिद्ध करो।
5. चंपा पढ़ने लिखने को बेकार क्यों समझती है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

6. लेखक ने चंपा को पढ़ने लिखने के लिए कैसे प्रेरित किया ?
7. गांधीजी का प्रसंग किस सिलसिले में आया है ?
8. संदेश ग्रहण करने व भेजने में असमर्थ होने पर एक अनपढ़ लड़की को किस वेदना को भोगना पड़ता है ?

पाठ– 7
दुष्यंत कुमार
गज़ल

कवि परिचय :

- जनम : सन् 1933 ई. में।
- जनम स्थान : राजपुर नवादा गाँव (उत्तरप्रदेश)।
- मृत्यु : सन् 1975
- प्रमुख रचनाएँ : सूर्य का स्वागत, आवाजों के घेरे, साये में धूप, जलते हुए वन का वसंत।
- उपन्यास : छोटे–छोटे सवाल, आँगन में एक वृक्ष, दोहरी जिंदगी।

पाठ का सारांश :–

इस गज़ल में कवि ने राजनीतिज्ञों के झूठे वायदों पर व्यंग्य किया। इस गज़ल का केन्द्रीय भाव राजनीति और समाज में जो कुछ चल रहा है उसे खारिज करना और नए विकल्प की तलाश करना है। कवि कहताहै कि नेताओं ने घोषणा की थी कि देश के हर घर को चिराग अर्थात् सुख सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। आज स्थिति यह है कि शहरों में भी चिराग अर्थात् सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। नेताओं की घोषणाएं कागजी हैं। दूसरे शेर में कवि कहते हैं कि देश में अनेक संस्थाएँ हैं जो नागरिकों के कल्याण के लिए काम करती हैं। कवि ने उन्हें 'दरखत' की संज्ञा दी है। इनद रख्तों के नीचे छाया मिलने की बजाय धूप मिलती है अर्थात् ये संस्थाएँ ही आम आदमी का शोषण करने लगी है। चारो तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

कवि आम व्यक्ति के विषय में बताता है कि ये लोग गरीबी व शोषित जीवन जीने के लिए मजबूर है। यदि इनके पास वस्त्र भी न हो तो ये पैरों को मोड़कर अपने पेट को ढक लेंगे। उनमें विरोध करने का भाव समाप्त हो चुका है। ऐसे लोग ही शासकों के लिए उपयुक्त है। क्योंकि इनके कारण उनका राज शान्ति से चलता रहता है। अगले शेर में कवि कहते हैं कि संसार में भगवान नहीं है तो कोई बात नहींआम आदमी का वह सपना तो है। कहने का तात्पर्य है कि ईश्वर मानव की कल्पना है और इस कल्पना के जरिये उसे आकर्षक दृश्य देखने के लिए मिल जाते हैं। इस तरह का जीवन कट जाता है। अगली पंक्तियों में कवि आम व्यक्ति के विश्वास की बात बताता है।

कवि लिखते है कि भ्रष्ट व्यक्तियों के दिल पत्थर के होते हैं इनमें संवेदना नहीं होती। कवि को इसके विपरीत इंतजार है कि इन आम आदमियों के स्वर में असर (क्रांति की चिंगारी) हो, इनकी आवाज बुलन्द हो तथा आम आदमी संगठित होकर विरोध करे तो भ्रष्ट व्यक्ति समाप्त हो सकते हैं। आगे कवि

शायरों और शासन के सम्बन्धों के बारे में बताते हुए कहते हैं कि शायर सत्ता के खिलाफ लोगों को जागरूक करता है, इससे सत्ता को खतरा होता है।

वे स्वंय को बचाने के लिए शायरों की जबान अर्थात् कविताओं पर प्रतिबंध लगा सकते हैं। आगे कवि का मानना है कि जब तक हम जिएँ, गुलमोहर अर्थात् स्वाभिमान के साथ जिएँ और जब मृत्यु हो तो भी स्वाभिमान के साथ हो। इस प्रकार यह गज़ल हिन्दी गज़ल का एक सुन्दर नमूना है जिसमें कवि ने राजनीति और समाज की स्थिति का वास्तविक वर्णन किया है।

कठिन शब्दार्थ

1. तय – निश्चित
2. चिरागा – दीपक
3. दरख्त – पेड़
4. साये – छाया
5. हसीन – सुहाना
6. निज़ाम – शासक
7. जुबान – आवाज

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. कवि दुष्यंत कुमार का जन्म हुआ–

   (अ) सन् 1933 (ब) सन् 1918

   (स) सन् 1833 (द) सन 1919

2. प्रस्तुत गजल में कवि ने किस पर व्यंग्य किया–

   (अ) राजनीतिज्ञों के झूठे वायदों पर (ब) नेताओं पर

   (स) शिक्षकों पर (द) समाज पर

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1: गज़ल के आखरी शेर में ''गुलमोहर'' के सांकेतिक अर्थ को स्पष्ट करो।

प्रश्न 2: गज़ल नामक कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट करो।

प्रश्न 3: कवि किस कारण असंतुष्ट है ?

प्रश्न 4: कवि उम्र भर के लिए क्यों पलायन करना चाहता है ?

प्रश्न 5: कवि भाग्यवादी लोगों पर क्या कटाक्ष करता है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

प्रश्न 6: दरख्तों का साया व धूप किसके प्रतीक हैं ?

प्रश्न 7: कवि समाज में क्या परिवर्तन लाना चाहता है ?

पाठ– 8

अक्क महादेवी

कवि परिचय :–

- जन्म : 12वीं सदी
- जन्म स्थान : उडुतरी गाँव, (कर्नाटक)।
- प्रमुख रचनाएँ : हिंदी में वचन सौरभ नाम से, अंग्रेजी में स्पीकिंग ऑफ शिवा।
- अक महादेवी शिव की भक्त थी। कन्नड़ भाषा में अक्क शब्द का अर्थ बिना बहिन होता है।
- अक्क महादेवी के कारण बड़ी संख्या में स्त्रियाँ आंदोलन से जुड़ी और अपने संघर्ष और यातना को अभिव्यक्त किया।

पाठ का सारांश :–

- यहां उनके दो वचन लिये गये है।
- प्रथम वचन में इन्द्रियों पर नियन्त्रण का संदेश दिया गया है।
- दूसरा वचन एक भक्त का ईश्वर के प्रति समर्पण है।

हे भूख ! मत मचल

प्रथम वचन में अक्क महादेवी इन्द्रियों से आग्रह करती हुई कहतीहै कि हे भूख ! तू मुझे मत सता। सांसारिक प्यास से कहती है कि तू मुझे मत तड़पा। हे नींद ! तू मानव को सताना छोड़ दें। क्योंकि नींद से उत्पन्न आलस्य के कारण वह प्रभु की भक्ति करना भूल जाता है। वे कहती हैं कि हे क्रोध ! तू उथल–पुथल मत मचा, क्योंकि तेरे कारण मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता हैं। वह मोह से कहती हैं कि वह अपने बंधन ढीले कर दें। तेरे कारण मनुष्य दूसरे का अहित करने की सोचता है।

वे कहती है कि हे लोभ ! तू मानव को ललचाना छोड़ दे, हे अहंकार ! तू मनुष्य को अधिक पागल न बना।

ईर्ष्या से कह रहीहैं कि तू मनुष्य को जलाना छोड़ दे। वे सृष्टि के जड़ चेतन जगत को संबोधित करते हुए कहती है कि तुम्हारे पास शिव भक्ति का अवसर है। अपनी इन्द्रियों को वश में रखने से शिव की प्राप्ति संभव है। अतः चराचर को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर

इस वचन में कवयित्री ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव व्यक्त करती है। वह अपने अहंकार को नष्ट करके ईष्वर में समा जाना चाहती है। वे ईश्वर से प्रार्थना करती हैं। हे जूही के फूल के समान कोमल व परोपकारी ईश्वर ! आप मुझसे ऐसे ऐसे कार्य करवाइए जिससे मेरा अहंकार का भाव नष्ट हो जाये। आप ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न कीजिए जिससे मुझे भीख मांगनी पड़े।

मेरे पास कोई साधन न रहे। आप ऐसा कुछ कीजिए कि मैं पारिवारिक मोह से दूर हो जाऊ। वह आगे कहती है कि जब वह भीख माँगने के लिए झोली फैलाए तो उसे कोई भीख नहीं दें। यदि कोई उसे कुछ देने के लिए हाथ बढ़ाए तो वह नीचे गिर जाए। उस गिरे हुए पदार्थ को वह उठाने के लिए झुके तो कोई कुत्ता उससे झपटकर छीनकर ले जाए। कवयित्री त्याग की पराकाष्ठा को प्राप्त कर, मान–अपमान के दायरे से बाहर निकलकर ईष्वर में विलीन होना चाहती है। अर्थात् कवयित्री ईश्वर से प्रार्थना कर रही है कि मेरी सांसारिक इच्छाएँ समाप्त कर प्रभु भक्ति में मेरा ध्यान लगाएँ।

कठिन शब्दार्थ

1. मचलना – पाने के लिए जिद करना
2. पाश – बंधन
3. चूक – भूल
4. मल्लिकाअर्जुन – शिव
5. ढील – खुलना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. अक्क महादेवी भक्त थीं–

(अ) शिव भक्त (ब) कृष्ण भक्त

(स) राम भक्त (द) देवी भक्त

2. अक्क महादेवी का जन्म हुआ–

(अ) 12वीं सदी में (ब) 15वीं सदी में

(स) 18वीं सदी में (द) 20वीं सदी में

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1: कवयित्री भूख–प्यास से क्यों बचना चाहती है ?

प्रश्न 2: लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियां किस प्रकार बाधंक होती है ?

प्रश्न 3: ''मत चूक अनसर'' में कवयित्री ने क्या प्रेरणा दी है ?

प्रश्न 4: अपना घर सेक्या तात्पर्य है ? इसे भूलने की बात क्यों कही गई है ?

प्रश्न 5: अक्कमहादेवी को कन्नड़ की मीरां क्यों कहा जाता है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

प्रश्न 6: कवयित्री क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या को क्यों दुत्कारती है ?

प्रश्न 7: कवयित्री स्वयं को निरीह व बेचारा क्यों बनाना चाहती है ?

पाठ– 9

पाश

(सबसे खतरनाक)

कवि परिचय :–

- जन्म : सन् 1950
- जनम स्थान : तलवंडी गाँव, जिला जालंधर (पंजाब)
- मृत्यु : सन् 1988
- इनका मूल नाम अवतार सिंह संधू है। ये कवि पाश के नाम से प्रसिद्ध हैं।
- प्रमुख रचनाएँ : लौह कथा, उड़दे बाजां मगर, साडै समिया बिच, लड़ेंगे साथी आदि।
- इन्होंने जनचेतना फैलाने के लिए अनेक साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया और सिआड़ हेमज्योति, हॉक, एंटी–47 आदि पत्रिकाओं का संपादन किया।
- ये खालिस्तानियों से लड़ते हुए देश के लिए शहीद हुए।

पाठ का सारांश :–

इस कविता में कवि पाश ने दिनोंदिन अधिकाधिक नृशंस और क्रूर होती जा रही दुनिया की स्थितियों को उसकी विद्रूपताओं के साथ चित्रित किया है। इस अंश में कवि खरतनाक स्थितियों के बारे में बता रहा है। यहां कवि उन स्थितियों का वर्णन करता है जो मानव को दुख तो देती है, परन्तु सबसे खतरनाक नहीं होती। कवि लिखते हैं कि किसी की मेहनत की कमाई को लूटने की स्थिति सबसे खतरनाक नहीं, क्योंकि उसे फिर पाया जा सकता है। पुलिस की मार पड़ना भी इतनी खतरनाक नहीं है। किसी के साथ गद्दारी करना अथवा लोभवश रिश्वत देना भी खतरनाक है। परन्तु अन्य बातों जितना नहीं है।

कवि कहता है कि किसी दोष के बिना पुलिस द्वारा पकड़े जाने से बुरा लगता है तथा तथा अन्याय से डरकर चुपचाप सहन करना भी बुरी बात है। परन्तु यह सबसे खतरनाक स्थिति नहींहै। छल–कपट के माहौल से सच्ची बातें छिप जाती है। विवशता अन्याय को सहन कर समय गुजार देना बुरा तो है, परन्तु सबसे खतरनाक नहीं है। कवि कहता है कि जब व्यक्ति जीवन के उल्लास व उमंग से मुंह मोड़कर निराशा व अवसाद से घिरकर सन्नाटे में जीने का अभ्यस्त होजाता है। उसके अन्दर कभी न समाप्त होने वाली शान्ति छा जाती है। यह सबसे खतरनाक है।

वह मूक दर्शक बनकर सब कुछ चुपचाप सहन करता जाता हैं वह घर से काम पर चला जाता है और काम समाप्त करके घर लौट आताहै। उसके सभी अपने मर जाते हैं और जीवन में कोई भी नयापन नहीं रह जाता है। उसकी सारी इच्छाएं समाप्त हो जाती हैं। ये खतरनाक है। कवि कहता है कि सबसे खतरनाक दृष्टि वह है जो अपनी कलाई पर बंधी घड़ी को सामने चलता देखकर सोचे जीवन स्थिर है।

दूसरे शब्दों में मनुष्य नित्य हो रहे परिवर्तनों के अनुसार स्वंय को नहीं बदलता और न ही स्वंय को बदलना चाहता है। यह स्थिति सबसे खतरनाक है।

जब मनुष्य की आत्मा मर जाये तथा वह अन्य लोगों की बातें सुनना बंद कर दें, यह स्थिति सबसे खतरनाक है। इस प्रकार इस कविता में कवि पाश ने उन प्रतिकूलताओं की ओर संकेत किया है जहां आत्मा केसवाल बेगानी हो जाते हैं। जड़ स्थितियों को बदलने की प्यास के मर जाने और भविष्य के सपनों के गुम हो जाने को कवि सबसे खतरनाक स्थिति मानता है।

कठिन शब्दार्थ

1. गद्दारी – देशहित के विरुद्ध
2. सहमी – डरी
3. निगाह – दृष्टि
4. मुर्दा शांति – निष्क्रिय जीवन
5. लक्ष्यहीन – बिना उद्देश्य के

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. कवि पाश के नाम से प्रसिद्ध कवि है–

(अ) अवतार सिंह संधू (ब) दुष्यंत कुमार

(स) त्रिलोचन (द) निर्मला पुतुल

2. कवि पाश शहीद हुए–

(अ) सन् 1950 (ब) सन् 1968

(स) सन् 1973 (द) सन् 1988

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1: कवि ने किस आशय से मेहनत की लूटन, पुलिस की मार, गद्दारी, लोभ को सबसे खतरनाक नहीं माना ?

प्रश्न 2: सबसे खतरनाक शब्द बार–बार दोहराएजाने पर कविता पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्रश्न 3: ''मुर्दा शांति से भर जाना, सपनों का मर जाना'' इनको सबसे खतरनाक क्यों माना है ?

प्रश्न 4: वह चाँद सबसे खतरनाक क्यों है जो हर हत्याकांड के बाद भी आँखों में मिर्ची की तरह नहीं चुभता ?

प्रश्न 5: सबसे खतरनाक आँख किसे कहा गया है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

प्रश्न 6: सबसे खतरनाक गीत किसे कहा गया है ?

प्रश्न 7: सबसे खतरनाक दिशा किसे कहा गया है ?

पाठ– 10
निर्मला पुतुल
(आओ, मिलकर बचायें)

कवयित्री परिचय :–

- जन्म : सन् 1972
- जन्म स्थान : दुमका (झारखण्ड)
- प्रमुख पत्रिकाएँ : नगाड़े की तरह बजते शब्द, अपने घर की तलाश में।

पाठ का सारांश :–

इस कविता में कवयित्री अपने परिवेश को नगरीय अपसंस्कृति से बचाने का आह्वान करती है। कवयित्री लोगों से आह्वान करती है कि हम सब मिलकर अपनी बस्तियों को शहरी जिंदगी के प्रभाव से अमर्यादित होने से बचाएँ। शहरी सभ्यता ने हमारी बस्तियों का पर्यावरणीय व मानवीय शोषण किया है। हमें अपनी बस्ती को शोषण से बचाना है, नही ंतो पूरी बस्ती हड़िया में डूब जायेगी। कवयित्री कहती हैं कि हमें अपनी संथाल संस्कृति को बचाना है। हमारे चेहरे पर संथाल परगने की मिट्टी का रंग झलकना चाहिए।

कवयित्री कहती है कि शहरी संस्कृति से इस क्षेत्र के लोगों की दिनचर्या धीमी पड़ती जा रहीहै। उनके जीवन का उत्साह समाप्त हो रहा है। कवयित्री चाहती है कि उन्हें प्रयास करना चाहिए ताकि लोगों के मन, उत्साह, दिल का भोलापन, अक्खड़पन व संघर्ष करने की क्षमता वापिस लौट आए। कवयित्री कहती है कि उन्हें सघर्ष करने की प्रवृत्ति, परिश्रम करने की आदत के साथ अपने पारंपरिक हथियार धनुष व उसकी डोरी, तीरों के नुकीलेपन तथा कुल्हाड़ी कीधार को बचाना चाहिए। वह समाज से कहती है कि हम अपने जंगलों को काटने से बचाएँ ताकि ताजा हवा मिलती रहे। नदियों का दूषित न करके उनकी स्वच्छता बनाए रों। पहाड़ों पर शोर को रोककर शांति बनाए रखनी चाहिए।

हमें अपने गीतों की धुन को बचाना है। क्योंकि वह हमारी संस्कृति की पहचान है। हमें मिट्टी की सुगन्ध तथा लहलहाती फसलों को बचाना है। ये हमारी संस्कृति के परिचायक है। कवयित्री कहती है कि आबादी व विकास के कारण घर छोटे–छोटे होते जा रहे हैं। यदि नाचने के लिए खुला आँगन चाहिए तो आबादी पर नियंत्रण करना होगा। फिल्मी प्रभाव से मुक्त होने केलिए अपने गीत होने चाहिए। व्यर्थ के तनाव को दूर करने के लिए थोड़ी हँसी बचाकर रखनी चाहिए ताकि खिलखिलाहकर हँसा जा सके। अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए थोड़ा सा एकांत भी होना चाहिए।

बच्चों को खेलने के लिए मैदान, पशुओं के चरने के लिए हरी–भरी घास तथा बूढ़ों के लिए पहाड़ी प्रदेश का शांति वातावरण चाहिए। इन सबके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कवयित्री कहती है कि चारों

तरफ अविश्वास का माहौल है। कोई किसी पर विश्वास नहीं करता। अतः ऐसे माहौल में हमें थोड़ा–सा विश्वास बनाए रखना चाहिए। हमें थोड़े से सपने भी बचाने चाहिए ताकि हम अपनी कल्पना के अनुसार कार्य कर सकें। अंत में कवयित्री कहती है कि हम सबको इन सभी चीजों को बचाने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि आज आपाधापी के इस दौर में अभी भी हमारे पास बहुत कुछ बचाने के लिए बचा है। हमारी सभ्यता व संस्कृति की अनेक चीजें अभी शेष हैं।

कठिन शब्दार्थ

1. नग्न – निर्लज्ज
2. आबो हवा – वातावरण
3. अक्खड़पन – कठोर
4. जुझारु – संघर्ष
5. आग – गर्मी / उत्साह
6. निर्मल – पवित्र
7. एकान्त – अकेलापन
8. सपने – इच्छाएें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. प्रस्तुत कविता में वर्णन है–

(अ) संथाल संस्कृति का (ब) सहरिया संस्कृति का

(स) प्राचीन संस्कृति का (द) आधुनिक संसकृति का

2. निर्मला पुतुल का जन्म हुआ–

(अ) आदिवासी परिवार में (ब) संपन्न परिवार में

(स) विदेश में (द) आधुनिक परिवार में

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1: माटी का रंग प्रयोग करते हुए किस बात की ओर संकेत किया गया है ?

प्रश्न 2: दिल में भोलेपन के साथ अक्खड़पन और जुझारुपन को बचाने की आवश्यकता क्यों है ?

प्रश्न 3: प्रस्तुत कविता में आदिवासी समाज की किन बुराइयों की ओर संकेत किया गया है ?

प्रश्न 4: बस्तियों के शहर की किस आबो–हवा को बचाने की आवश्यकता है ?

प्रश्न 5: ''जीवन की गर्माहट'' व ''मन का हरापन'' से क्या आशय है ?

प्रश्न 6: ठण्डी होती दिनचर्या से क्या तात्पर्य है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

प्रश्न 7: लेखिका सहज जीवन जीने के लिए क्या आवश्यक मानती है ?

प्रश्न 8: ''भीतर की आग'' से क्या तात्पर्य है ?

पूरक पुस्तक

'वितान'

पाठ– 1

भारतीय गायिकाओं में बेजाड़

लता मंगेशकर

लेखक परिचय :–

- जन्म : 1924
- जन्म स्थान : सुलेभावि, जिला बेलगाँव (कर्नाटक)।
- मृत्यु : 1992
- मूल नाम : शिवपुत्र सढ़िदारमैया कामकली।
- मात्र 10 वर्ष की उम्र में गायकी की पहली मंचीय प्रस्तुति।

पाठ का सार :–

प्रस्तुत पाठ के लूेखक कुमार गंधर्व ने सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर की अद्‌भुत गायकी पर प्रकाश डाला है। उन्होंने लता मंगेशकर के गायन की विशेषताओं को उजागर किया है। लेखक कहते हैं कि एक बार जब मैं बीमार था तब मैंने रेडियो लगाया, तभी अचानक एक द्वितीयक स्वर कानों से टकराया। इस स्वर में कुछ विशेष जादुईपन था। मैं उसे तन्मयता से सुनता ही रहा। जब गाने का अन्त हुआ तो गायिका का नाम घोषित करते हुए कहा गया – लता मंगेशकर।

लेखक तब से लता जी का गाना सुनते आ रहे है। लता जी से पहले प्रसिद्ध गायिका नूरजहाँ का त्रिपट संगीतमय अपना जमाना था। लेकिन बाद में आई हुई लता जी उनसे आगे निकल गई। कला के क्षेत्र में इस तरह के चमत्कार भी कभी–कभार देखने को मिल जाते हैं। जैसे– ख्याति प्राप्त सितार वादक विलायत खाँ अपने पिता की तुलना में बहुत आगे निकल गये थे। लेखक का स्पष्ट मानना था कि भारतीय गायिकाओं में लता जी के मुकाबले कोई गायिका हुई ही नहीं।

लेखक के अनुसार चित्रपट संगीत के कारण लोगों को माधुर स्वर की समझ हुई है तथा कहा जा सकता है कि लता का सामान्य मनुष्य में संगीत विषयक अभिरुचि पैदा करने में बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण योगदान है। लेखक आगे कहते हैं कि एक सामान्य श्रोता को जब शास्त्रीय गाने और लता जी के गाने में चुनाव करने को बोला जाये तो वह निश्चित ही लता जी का गाना ही पसंद करेंगे।

इसका सीधा कारण है लता जी के गानों में गानपन होना। गानपन का आशय गाने की वह मिठान, व मधुरता है जिसे सुनकर श्रोतागण मस्ती से झूम उठे। लेखक के अनुसार लता के गानों की एक और

विशेष्ज्ञता है उसका नादमय उच्चारण। उनके गीत के किन्हीं दो शब्दों का अंतर स्वरों के अलाप द्वारा बड़ी सुन्दर रीति से भरा रहता है और ऐसा आभासा होता है कि वे दोनों शब्द विलीन होते होते एक दूसरे से मिल जाते हैं।

लेखक कहते हैं कि लता जी का गाना सामान्यतः ऊँचे स्वर में रहता है। गाने में संगीत दिग्दर्शन उसे ज्यादा से ज्यादा ऊँचे स्वर में गवाते हैं। लेखक के अनुसार शास्त्रीय संगीत की उत्तम जानकारी चित्रपट संगीत गाने वालों को होना जरूरी है और यह लता जी के पास निःसंदेह है। लेखक के अनुसार शास्त्रीय संगीत की विशेषता उसकी गंभीरता है तथा चित्रपट संगीत की विशेषता उसकी सुलभता और लोचता है।

चित्रपट संगीत का ताल प्राथमिक अवस्था का ताल माना जाता है जबकि शास्त्रीय संगीत में ताल अपने परिष्कृत रूप में पाया जाता हैं। लेखक कहते हैं कि लता जी के एक–एक गानों में संपूर्ण कलाकृति निहित होती हैं उनके गानों में स्वर, लय और शब्दार्थ के त्रिवेणी संगम का अस्तित्व होता है। आगे लेखक कहते हैं कि संगीत के क्षेत्र में लता जी का स्थान अव्वल दर्जे के खानदानी गायक के समान ही मानना पड़ेगा। लेखक कहते हैं कि चित्रपट संगीत का तंत्र ही कुछ अलग–सा है। यहाँ नवनिर्माण की बहुत गुंजाइश है।

आगे लेखक कहते हैं कि ऐसे तो कई पार्श्व गायक, गायिकाएँ हैं, पर लता जी की लोकप्रियता इन सभी से कहीं अधिक है। उनकी लोकप्रियता के शिखर का स्थान अचल व अडिग है। ऐसा कलाकार शताब्दियों में शायद एक ही पैदा होता है है। इस प्रकार इस अध्याय में लेखक ने भारतीय संगीत की सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के गायन की विशेषताओं का वर्णन किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. सुर साम्राज्ञी के नाम से जानी जाती है–
   (अ) लता मंगेशकर (ब) आशा भौंसले
   (स) अनुराधा पौडवाल (द) नूरजहाँ
2. कौनसे सितार वादक अपने पिता की तुलना में आगे निकल गये–
   (अ) विलायत खाँ (ब) बिस्मिल्ला खाँ
   (स) पण्डित रवि शंकर (द) पण्डित निखिल बैनर्जी

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. शास्त्रीय संगीत व चित्रपट संगीत में क्या अंतर है ?
2. चित्रपट संगीत की प्रयोग धर्मिता पर प्रकाश डालिये ?

3. आम श्रोता संगीत के किस गुण से प्रभावित होता है ?
4. लता ने कुमार गंधर्व को किस प्रकार प्रभावित किया ?
5. लता ने द्रुत लय में गान क्यों गाए ?

निबंधात्मक प्रश्न–

6. लता की गायकी से संगीत के प्रति आम लोगों की सोच में क्या परिवर्तन आया है ?
7. कुमार गंधर्व ने लता मंगेशकर की उपलब्धि को चमत्कार क्यों माना है ?

पाठ– 2

राजस्थान की रजत बूँदे

लेखक परिचय :–

- जन्म : सन् 1948
- जन्म स्थान : वर्धा (महाराष्ट्)।
- मृत्यु : सन् 2016
- पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर बीस पुस्तकों का लेखन जिनमें आज भी खरे हैं तालाब और राजस्थान की रजत बूँदे विशेष चर्चित।

पाठ का सारांश :–

राजस्थान की रजत बूँदें अध्याय अनुपम मिश्र द्वारा लिखा गया है इसमें राजस्थान के मरूस्थल में पायी जाने वाली कुंई के बारे में बताया गया है। जिसका उपयोग पानी संग्रहण के लिए किया जाता है। इसमें चेलवांजी यानी चेजारो, कुंई की खुदाई और विशेष तरह की चिनाई करने वाले दक्षतम लोग कुंई कानिर्माण कर रहे हैं। कुंई की खुदाई और चिनाई करने वाले लोगों को चेलवांजी या चेजारो के नाम से जाना जाता है। कुंई के अंदर काम कर रहे चेलवांजी पसीने में तरबतर हो गये हैं। तकरीबन तीस–पैंतीस हाथ गहरी खुदाई हो चुकी है। खुदाई का काम कुलहाड़ी या फावड़े से नहीं हो सकता क्योंकि जगह संकरी होती है इसलिए खुदाई बसौली से की जा रही है।

भीतर तापमान बढ़ता ही जा रहा है। तापमान को घटाने के लिए ऊपर से रेत डाली जाती है जिस वजह से ठंडी हवा नीचे की ओर और गर्म हवा ऊपर चली जाती है। कुंई की खुदाई से जो मलबा निकलता है उसे बाल्टी में इकट्ठा करके भेजा जाता है। कुएँ की तरह कुंई का निर्माण किया जाता है। कुंई कोई साधारण ढाँचा नहीं है। यह बहुत ही छोटा–सा कुआँ है। कुएँ और कुंई में बस व्यास का ही अंतर होता है। कुएँ का निर्माण भूजल को पाने के लिए किया जाता है जबकि कुंई का निर्माण वर्षा का पानी इकट्ठा करने के लिए करते है।

राजस्थान के अलग–अलग इलाकों में एक विशेष कारण से कुंईयों की गहराई कुछ कम ज्यादा होती है। मरूस्थल में रेत का विस्तार अथा है। यहाँ पर कहीं–कहीं रेत की सतह से पचास–साठ हाथ नीचे खड़िया पत्थर की पट्टी मिलती है। कुएँ का पानी खारा होने के कारण पिया नहीं जा सकता। इसी कारण कुंईया बनाने की आवश्यकता होती है। इनका पानी अमृत के समान मीठा होता है।

इस अमृत को पाने के लिए मरू भूमि के समाज ने एक पूरा शास्त्र विकसित किया है। इस शास्त्र ने समाज के लिए उपलब्ध पानी को तीन रूपों में बाँटा है– पहला रूप है पालरपानी – यानी बरसात से

मिलने वाला पानी। यह बारिश का वह जल है, जो धरातल से बहकर नदी, तालाबों में एकत्रित होता है। पानी का दूसरा रूप है पातालपानी – यानी वह भूजल जो कुओं से निकाला जाता है।

वह हमें कुओं, ट्यूबवेलों द्वारा प्राप्त होता है। पानी का तीसरा रूप है रेजाणीपानी – वह पानी जो रेत के नीचे जाता तो है परन्तु पाताल में नहीं मिल पाता, रेजाणीपानी कहलाता है। वर्षाकी मात्रा नापने के लिए इंच या सेंटीमीटर का उपयोग नहीं, बल्कि रेजा शब्द का प्रयोग किया जाता है।

रेजाणीपानी खड़िया पट्टी के कारण पतालीपानी से अलग बना रहता है। इस पट्टी के न होने के कारण रेजाणीपानी पतालीपानी से मिलकर खारा हो जाता है। रेजाणीपानी को समेटने के लिए कुंई का निर्माण होता है। कुंई का निर्माण एक कठिन कार्य होता है थोड़ी–सी भी चूक चेजारों के प्राण ले सकती है। हर दिन थोड़ी–थोड़ी खुदाई होती हैं, डोल से मलबा निकाला जाता है और फिर आगे की खुदाई रोककर चिनाई की जाती है।

चेजारों को राजस्थान में विशेष दर्जा प्राप्त था। चेजारों की विदाई के समय उन्हें अलग–अलग तरह की भेंट दी जाती है। कुंई के बाद भी उनका रिश्ता बना रहता था। तीज, त्योहारों और विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में उन्हें भेंट दी जाती थी। फसल आने पर खलिहान का एक हिस्सा उनके लिए रखा जाता था। लेकिन आज के समय में उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जाता है। उनसे बस एक मजदूर की तरह काम करवाते है। कुंई का मुँह छोटा रखने के कई कारण है। रेत में जमा नमी से पानी की बूँदें बहुत धीरे–धीरे रिसती है। कुंई में पानी नाममात्र का ही रहता है।

दिन रात मिलाकर बस तीन–चार घड़े ही भर पाते हैं। कुंई हर घर में है लेकिन ग्राम पंचायत का नियंत्रण बना है। नई कुंई के निर्माण की अनुमति कम ही मिलती है। क्योंकि कुंई निर्माण से भूमि की नमी का बँटवारा हो जाता है। चूरू, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर में खड़िया पत्थर की पट्टी पाई जाती है इसलिए यहां हर घर में कुंई का निर्माण होता है। अलग–अलग जगहों पर खड़िया पट्टी को अलग–अलग नाम से जाना जाता है। कहीं इस पट्टी का नाम केवल खड़ी है और इसी खड़ी के कारण खारे पानी के बीच मीठा पानी देती कुंई खड़ी रहती है।

जैसलमेर जिले के एक गाँव खडेरों की ढ़ाणी में एक सौ बीस कुंइयाँ थी। लोग इस क्षेत्र को छह–बीसी (छह गुणा बीस) जानते थे। इसप्रकार इस अध्याय में लेखक अनुपम मिश्र ने राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में पाई जाने वाली कुंइयों के निर्माण की प्रक्रिया, इनकी विशेषताएँ एवं इनका महत्व बताते हुए जल संरक्षण का संदेश देने का प्रयास किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. कुंई की खुदाई करने वालों को जाना जाता है–

   (अ) चेलवांजी (ब) चेजारो

   (स) उपर्युक्त दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. इस अध्याय में पानी के कितने रूप बताये गये हैं–

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. राजस्थान में कुई किसे कहते हैं ? इसकी गहराई व व्यास तथा सामान्य कुओं की गहराई व व्यास में क्या अंतर होता है ?
2. दिनोदिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने के लिए यह पाठ आपकी मदद किस प्रकार कर सकता है ? देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या–क्या उपाय हो रहे हैं ?
3. बेलवांजी / चेजारो द्वारा कुई के भीतर कार्य करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिये।
4. चेजारे अपने सिर की रक्षा किस प्रकार करते हैं ?
5. कुई की खुदाई फावड़े से क्यों नहीं की जाती है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

6. वर्षा न होने पर भी कुंई में पानी कहां से आता है ?
7. लोग किस क्षेत्र को छह बीसी नाम से जानते हैं ?

पाठ– 3

आलो आँधारि

लेखक परिचय :–

- जन्म :– जम्मू कश्मीर के किसी स्थान पर जन्म, जहाँ सेना की नौकरी में पिता तैनात थे।
- तेरह वर्ष की उम्र में दुगुनी उम्र के व्यक्ति से विवाह के कारण 7वीं कक्षा में पढ़ाई छोड़नी पड़ी।
- 12–13 वर्षों बाद पति की ज्यादातियों से परेशान होकर तीन बच्चों सहित पति का घर छोड़ दुर्गापुर से फरीदाबाद आ गई।
- कुछ समय बाद गुड़गाँव चली आई।
- बांग्ला में लिखी एवं हिंदी में अनूदित आलो–आँधारि एकमात्र पुस्तक।

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत रचना लेखिका बेबी हालदार की आत्मकथा है। उन्होंने बहुत कम आयु में ही अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल ली थी। लेखिका अपने बारे में बताती हुई कहती है कि वे किराये के घर में रहती थी। उनके पास कोई काम नहीं था। वह काम ढूँढने के लिए एक घर से दूसरे घर जाती और हमेशा चिंता में रहती कि कैसे महीना खत्म होने के बाद घर का किराया देगी। बच्चों का पालन पोषण कैसे करेगीं। काफी समय बाद भी उन्हें काम नहीं मिल पा रहा था। चूंकि लेखिका अपने बच्चों के साथ अकेली रहती थी।

इस कारण सभी उनसे उनके पति के बारे में अनेक सवाल किया करते थे जिस कारण उन्हें लोगों के पास खड़ा होना बिल्कुल पसन्द नहीं था। लेखिका ने अपने एक परिचित युवक सुनील से अपने लिए काम ढूँढने को कहा। वह लेखिका को एक साहब के घर ले गया ताकि वो खुद ही उनसे काम की बात कर सके। साहब ने कहा–यहाँ जो काम करती है उसे आठ सौ रूपये देता हूँ। तुम्हारे पैसोंके बारे में मैं तुम्हारा काम देखकर बताऊंगा। अगले दिन जब लेखिका काम करने साहब के घर पहुँचती है तो साहब लेखिका को देखते ही अन्दर जाकर दूसरी औरतको काम से निकाल देते हैं।

वह औरत लेखिका को गालियां देते हुए चली जाती है। लेखिका उस औरत से कहती है कि मुझे नहीं पता था कि कोई यहाँ काम करता है वरना मैं यहाँ कभी नहीं आती। साहब उसे सारा काम समझा देते हैं। जब साहब को पता चलताहै कि लेखिका अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती है पर पढ़ा नहीं पा रही है तो वह नजदीक में स्थित स्कूल में उनका नाम लिखवा देते हैं।

घर का किराया, बच्चों को पालना इतना आसान नहीं था इसलिए लेखिका और काम करना चाहती थी। लेखिका, साहबको अपनी दिनचर्या बताती है, कि कैसे वह घर जाकर अपना काम करती है और कितनी

व्यस्त रहती है। साहब उसकी परेशिानियों को समझते हुए उसकी सहायता करने की इच्छा जाहिर करते है और कहते हैं कि तुम मुझे अपना बाप, भाई, माँ, बंधु सब कुछ मान सकती हो।

एक रोज साहब लेखिका से उसकी पढ़ाई लिखाई के बारे में पूछते है तब लेखिका उन्हें बताती है कि वह छठी–सातवीं तक पढ़ी है। साहब उन्हें अपनी पुस्तक पढ़ने को दे देते हैं। धीरे–धीरे पुस्तक पढ़ने में लेखिका माहिर हो जाती है। एक रोज साहब लेखिका को एक पेन और कॉपी देकर खाली समय में उसके जीवन की पुराने बातें याद करके लिखने को कहते हैं धीरे–धीरे लेखिका उसमें लिखने लगती है।

लेखिका अकेली अपने बच्चों के साथ रहती थी लोग उसे गन्दी नजरों से देखते और अलग–अलग तरह की बातें किया करते थे। पर साहब के घर में इतना प्यार मिलने और व्यस्त रहने के कारण वो सारी परेशानियां भूल जाती है। अचानक एक दिन मकान मालिक ने उसका घर तोड़कर सारा सामान फेंक दिया। लेखिका परेशान होकर सोचने लगी कि अब अचानक से अपने बच्चों को लेकर कहाँ जाऊँ। जब लेखिका ने सारी बात साहब को बताइ उन्होंने उसे तुरंत सारा सामान ले कर घर आने को कहा। उसे ऊपर का एक कमरा मिल गया। साहब उसे अपनी बेटी की तरह माना करते थे। कभी वह बीमार पड़ती तो उन्हें बहुत फिक्र हो जाती वे खुद दवा लाते और उन्हें देते।

लेखिका लिखती है कि दो माह से उनके बड़े बेटे की कोई खबर नहीं मिल पा रही थी तब साहब ने उसका पता लगाकार उसके लिए काम ढूंढ कर पास ही घर पर काम पर लगा दिया ताकि वो आगे की पढ़ाई भी कर सकें या फिर नया काम सीख सकें। वैसे लेखिका जल्दी ही किसी से घुलती मिलती नहीं थी पर पार्क में वह सुनीति नाम की एक बंगाली लड़की से घुलने मिलने लगी थी। पर बहुत ही जल्दी सुनीति चली गई जिससे लेखिका का मन पार्क में नहीं लगा और उसने वहाँ आना जाना छोड़ दिया।

वह समय लेखिका अपने पढ़ाई–लिखाई में देने लगी। अब तक जितना वह लिख चुकी थी साहब ने उनकी फोटोकॉपी कराकर उसे अपने दोस्त के पास कलकत्ता भेज दिया था। साहब के वे मित्र अक्सर पत्र के माध्यम से लेखिका का हौंसला बढ़ाया करते और उनकी लेखनी की सराहना करते। लेखिका बताती है कि एक दिन उनके बाबा घर आए उनसे बातों ही बातों में माँ की मृत्यु का पता चलता है जिसे बताते हुए बाबा की आँखों में आंसू आ जाते हैं। बाबा घर जाते हुए निश्चित होकर जाते हैं क्योंकि वे जान चुके थे कि इस घर जैसी इज्जत उसे और कहीं नहीं मिल सकती।

एकसमय उनकी सोच थी कि वे अपनी सहेलियों से दूर नहीं रह पायेगी पर एक वक्त ऐसा आता है कि वो अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई तथा काम में इतना मग्न हो जाती है कि उन्हें आभासा होता है कि वे कितनी गलत थी।

लेखिका अपनी सहेलियों से बिछुड़ने का दुख भूल चुकी थी। लेखिका को लोगों को खाना बनाकर खिलाना जितना पंसद था उतना ही उपन्यास, कहानी, कविता, अखबार पढ़ना भी पसंद था।

एक दिन पड़ोसा का लड़का हाथ में एक पैकेट लिए दरवाजे पर आता है। वह पैकेट खोलती है। पैकेट में एक पत्रिका है। उसमें एक जगह उसका नाम लिखा है। उसमें लिखा था – आलो आँधारि, बेबी हालदार। खुशी से उसका मन हिलोरे मारने लगा। वह उसे बच्चों को दिखाने लगी। अचानक से ही उसे कुछ याद आया और भाग कर साहब के पास आई और उनके पैर छू कर प्रणाम किया। उन्होंने उसके सिर पर हाथ रखकर आर्शीवाद दिया। इस प्रकार इस अध्याय में बेबी हालदार ने अपने जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को एक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. बेबी हालदार का जन्म हुआ–

   (अ) जम्मू कश्मीर में　　(ब) राजस्थान में

   (स) उत्तर प्रदेश में　　(द) बिहार में

2. पत्रिका में क्या छपा था–

   (अ) आलो आँधारि　　(ब) जीवनकथा

   (स)कविता　　(द) कहानी

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. ''पुरुष के बिना स्त्री का कोई अस्तित्व नहीं है'' कथन पर अपने विचार प्रकट करो।
2. घरेलू नौकरों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है ?
3. ''आलो आँधारि पाठ में बेबी की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ–साथ कई सामाजिक मुद्दों (समस्याओं) का वर्णन है'' किन्हीं दो समस्याओं पर अपने विचार प्रकट करो।
4. बेबी के जीवन में तातुश का परिवारन आया होता तो उसका जीवन कैसा होता ?

निबंधात्मक प्रश्न–

5. तातुश ने बेबी हालदार को लेखन के लिए क्यों और कैसे बाध्य किया ?
6. ''तातुश लेखिका का ध्यान अपनी बेटी की तरह रखते थे'' उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो।

अध्याय–4

भारतीय कलाएँ

पाठ का सारांश :–

कलाओं की अपनी भाषा होती है जैसे– हम अपने आस–पास के परिवेश, प्रकृति या भावों और विचारों को भाषा में व्यक्त करते हैं। वैसे ही चित्रकारी, संगीत या नृत्य के माध्यम से भी हम अपने आस–पास और प्रकृति को अभिव्यक्त करते हैं। हम जो कुछ देखते है–सुनते हैं उसे किसी न किसी रूप में और नए–नए तरीके से कहना या अभिव्यक्त करना चाहते हैं। समुद्र में उठती–गिरती लहरों को देखकर चित्रकार उसे रंगों में सजाता है। चिड़िया की चहचहाट को गायक स्वरों में सजाता है तो नर्तक मन के भावों को विभिन्न मुद्राओं में सजाता है। कभी चित्रों में तो कभी गीतों में, कभी नृत्य में, तो कभी संगीत में, यह कहते–सुनने की परम्परा सदियों से चल रही है और आज भी नए–नए तरीकों में लगातार जारी है। हमारा देश भारत उत्सवर्धी है। विविधता हमारी पहचान है। विभिन्न संस्कृतियों और विभिन्न त्योहारों के साथ–साथ विविध कलाएँ, भी हमारी अनूठी पहचान हैं।

हमारी कलाओं को त्योहारों, उत्सवों से अलग नहीं किया जा सकता। ये कलाएँ जन्मोत्सव से लेकर, शादी–ब्याह, पूजा तथा खेती–बाड़ी से भी जुड़ी हैं। मनुष्य के जीवन से जुड़ी होने के कारण ही भारत की ये विशिष्ट कलाएँ विरासत के प्रति हमें उत्साह और विश्वास से भर देती हैं। शुरूआती दौर में सभी कलाओं का संबंध लोक या समूह से ही था। बाद में चलकर जब इसका संबंध व्यवसाय से जुड़ा तो व्यक्ति केंद्रित होती चली गई। मध्यकाल तक आते–आते साहित्य, चित्र, संगीत, नृत्य कलाएँ राजाओं और विभिन्न शासकों के संरक्षण में चली गई और धीरे–धीरे शास्त्रीय नियमों में बँधी। इस तरह मंदिरों और महलों में विकसित होती हुई ये कलाएँ शास्त्रीय स्वरूप ग्रहण करती गई।

शास्त्र ने संगीत, नृत्य–अभिनय कलाओं को एक शास्त्रीय कला का स्वरूप दिया। फिर भी लोक कलाएँ अपनी जड़ों से पूरी तरह जुड़ी रही। आज की कलाओं की जड़े लोक में ही हैं, चाहे चित्रकला हो, सगीतकला हो या फिर नृत्य कला।

चित्रकला

चित्रकारी प्राचीन काल से ही हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहा है। जब हमारे पास भाषा नहीं थी तब भी चित्रकारी थी और यही अभिव्यक्ति का माध्यम थी। प्रागैतिहासिक समय में अपने वातावरण, रहन–सहन, भावों और विचारों को मनुष्य ने चित्रों के माध्यम से ही व्यक्त किया। सबसे प्राचीन चित्रों के नमूने शैल चित्रों को ही माना जाता है। ये चट्टानों पर प्राकृतिक रंगों से बने हुए चित्र हैं। ये गुफाओं में मिलते हैं।

मध्य प्रदेश में भीम बेटका की गुफाएँ शैल चित्रों के लिए जानी जाती हैं। इन चित्रों में जीवन की रोजमर्रा की गतिविधियाँ शिकार, नृत्य, संगीत, जानवर, युद्ध, साज–सज्जा सभी कुछ दिखाई पड़ता है। एलोरा और अजंता की गुफाएँ कला कृतियों के लिए विख्यात हैं। चौथी से छठी सदी के बीच गुप्त साम्राज्य कलाओं के लिए स्वर्ण युग कहलाता है। अजंता की गुफाएँ उन्हीं दिनों खोदी गयी। उनकी दीवारों पर चित्र बनाए गए। बाग और बादामी की गुफाएँ भी इसी जमाने की हैं।

अजंता की गुफाओं के चित्र इतने आकर्षक हैं कि वे आज तक के कलाकारों पर गहरा असर डालते हैं। ऐसा मानना है कि अजंता के दीवारों पर बने चित्रों को बौद्ध भिक्षुओं ने बनाया है। सातवीं–आठवीं सदी में चट्टानों को काटकर एलोरा की गुफाएँ तैयार की गई। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इन्हीं के बीच कैलाश का बहुत विशाल मंदिर है। लगभग इसी समय निर्मित एलीफैंटा की गुफाएँ भी मिलती हैं। यहाँ त्रिमूर्ति की जबरदस्त मूर्ति है। हम जिसे लघुचित्र के नाम से जानते हैं, वे दो प्रकार के हैं।

एक–स्थायी जो कपड़ों, किताबों, लकड़ी या कागज़ पर किया जाता हैं। इनमें आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़ की की कलमकारी, पंजाब की फुलकारी, महाराष्ट्र की वरली इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रहे हैं। इनमें प्रयोग होने वाली सभी सामग्री प्राकृतिक ही होती हैं। अस्थायी कलाओं में कोहबर, ऐपण, अल्पना, रंगोली जैसी कलाएँ काफी प्रचलित हैं। इन कलाओं का संबंध शादी–त्योहार और उत्सवों से है। इन्हें क्षेत्रीय भाषाओं में अलग–अलग नाम से जाना जाता है।

मिथिला की चित्रकारी में मधुबनी चित्रकला भी बहुत प्रसिद्ध है। आज भी कलाकार अपनी इस कला को जिंदा रखे हुए हैं। आज के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी इन लघु लोक कलाओं की बहुत मांग है। वास्तव में उत्तराखंड में जिसे ऐपण कहते हैं उसे ही राजस्थान में मंडवा, गुजरात में सत्तिया, महाराष्ट्र में रंगोली, बिहार में अरिपन, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में चौकपूरना, दक्षिण भारत में कोलम के नाम से जाना जाता है। ये सभी किसी विशेष मांगलिक अवसरों पर बनाए जाते हैं।

संगीत कला :–

भारत के प्राचीनतम संगीत का वर्णन वैदिक काल में मिलता है। विद्वान लगभग पाँच हजार ई. वर्ष पूर्व के समय को वैदिक काल मानते हैं। इस समय में दो प्रकार के संगीत का उल्लेख मिलता है।एक–मार्गी तथा दूसरा–देसी। मार्गी संगीत धार्मिक समारोहों से जुड़ा था और नियम और अनुशासन से बँधा था। देसी लोक से जुड़ा था। लोक रुचि के अनुसार यह समूह में ही गाया जाता था। भारतीय संगीत सुर/ताल, राग और काल से संबद्ध है। भिन्न–भिन्न समय के अनुसार राग भी अलग–अलग हैं। जैसे ब्रह्ममुहुर्त में भैरव, मेघ राग का संबंध सुबह से, दीपक और श्रीराग का संबंध दोपहर से तो कौशिक और हिंडोला रात में गाए जाते हैं।

भारतीय संगीतज्ञ किसी भी वस्तु से संगीत निकाल सकते हैं। वीणा, जलतरंग, रवाब, दोतार या बांसुरी सुनकर हम इस बात को समझ सकते हैं। इन सब में प्रयोग किए जाने वाली चीज़ें हमारे आस–पास के रोज़मर्रा में प्रयोग होने वाली हैं। यह सहजता और प्रकृति से जुड़ाव भारतीय कला की विशेषता रही है।

पुरानी फिल्मों में गायक, गायिका नाक से गाना पसंद करते थे। संभवतः यह मुख्य वाद्य वीणा के सुरों तक पहुँचने की कोशिश का प्रभाव था। यह उत्सव और उल्लास भरा संगीत भी धीरे–धीरे नियमों से बँधा। इसका भी शास्त्र लिखा गया। संगीत भी लोक से जुड़ा था। इसमें संस्कारगीत और ऋतुगीत भी खूब मिलते हैं। हरेक वस्तु का स्वागत गीतों से किया जाता है।

नृत्य कला :–

भारतीय संगीत की तरह नृत्य में भी कम बदलाव आए हैं। पहले के नर्तक और आज के नर्तक भी भारतीय नृत्यकला के नियमों का पालन करते हैं, जिसका आधार है अभिनय। इसका भी मूलशास्त्र भरतमुनि का 'नाट्यशास्त्र' ही रहा है। नाट्यशास्त्र में 'नृत्य' और 'नर्त्य' दो शब्द मिलते हैं। ये दोनों अभिनय के ही अलग–अलग रूप हैं। नर्त्य–यानी अभिनय। इसमें शब्द और भंगिमा महत्वपूर्ण हैं। नृत्य में भाव और भंगिमा महत्वपूर्ण हैं। भारत लोक नृत्यों से समृद्ध रहा है। हर राज्य के अलग–अलग सुदायों की अपनी नृत्यकलाएँ रही हैं, जो हमारे रोज़मर्रा के जीवन से जुड़ी हुई हैं। जीवन में जितने अनुष्ठान हैं उन सबसे नृत्य कलाओं का भी संबंध है।

खेती से जुड़े समुदाय के जीवन में ऋतुओं का बदलना, फसलों की बुवाई या कटाई सभी महत्वपूर्ण घटनाएँ हैं। ऋतुओं का बदलना उनके पाँवों को चंचल कर देता हैं। वर्षा होती है तो उनके पाँव थिरक उठते हैं। भारत के हर राज्य में यही भाव मिलते हैं। कश्मीर से दार्जिलिंग तथा समूचे हिमालय क्षेत्र में एक ओर शास्त्रों और युद्धों को नृत्य कला शालीनता से प्रस्तुत करते हैं तो दूसरी ओर गेहूँ की फसल बोने को भी एक उत्सव बना देते हैं। सभी लोक नृत्यों में एक गोलाई में नर्तक हाथ में हाथ मिलाए तरह–तरह के करतब दिखाते हैं। पंजाब की महिलाएद्द गिद्धा करती हैं।

राजस्थानी महिलाएँ अपनी ओढ़नी से चेहरे को ढंक कर घूमर करती हैं। गुजरात में डंडियों के सहारे स्त्रियाँ गरबा नृत्य करती हैं। पुरूष भी डांडिया रास करते हैं जो गरबा का ही एक और ऊर्जा भरा रूप है। महाराष्ट्र के मछली पालन से जुड़े समुदाय हाथों में हाथ डालकर एक–दूसरे के कंधे पर चढ़कर एक पिरामिड सा बना लेते हैं। महाराष्ट्र का लावणी नृत्य अपनी अद्‌भुत ऐंद्रिक आकर्षण के लिए प्रसिद्ध है। मैसूर में डोडवा कबीले के लोग बालाकल नृत्य करते हैं। इसमें रंगीन वेशभूषा के साथ–साथ हाथ में तलवारें होती हैं।

केरल में कुरूवांजी नृत्य को भरतनाट्‌यम का प्रेरणा स्रोत माना जाता है। गुजरात का टिप्पणी नृत्य भी समूह के साथ होता है। यह फसल की कटाई के बाद खलिहान में किया जाता है। अलग–अलग राज्यों

के ये नृत्य भिन्न–भिन्न नामों से जाने जाते हैं। पर इनमें एक समानता भी है। ये सभी नृत्य समूह में होते हैं, सभी का संबंध प्रकृति और जीवन से है, सभी में स्त्री–पुरुष एक साथ मिलकर नाचते हैं। नृत्यों का संबंध विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों से भी है पर यह किसी एक धर्म में नहीं बल्कि लगभग सभी धर्मों में दिखाई पड़ता है।

भारतीय नृत्य में सभी अंगों की गति/लय महत्वपूर्ण है। भारतीय नर्तकों को आँख, भौंहों या फिर नासिका के माध्यम से ही खुशी, दुख, क्रोध, वीभत्स आदि भावों को अभिव्यक्त करने में महारत हासिल है। इन्हीं भाव–भंगिमाओं के जरिये महाभारत और रामायण जैसी कथाओं तक को कह देने की पम्परा नृत्य कला में मिलती है। भारतीय नृत्य का सबसे आकर्षक रूप है– हाथों की विभिन्न मुद्राएँ इनमें माध्यम से मनुष्य के भावों से लेकर जानवरों के भावों तक को दिखाया जा सकता है। इन शास्त्रीय नृत्यों में मुख्यरूप से केरल का कथकलि, मोहिनीअट्टम, उत्तर प्रदेश का कुचिपुड्डी, उड़ीसा का ओड़िशी, मणिपुर का मणिपुरी, कर्नाटक और तमिलनाडु का भरतनाट्यम मौजूद हैं।

इन सभी का संबंध किसी न किसी राज्य और उनकी परम्पराओं से है। चूँकि इस नृत्य को सीखने के लिए बहुत साधना की ज़रूरत थी इसलिए ज़्यादातर व्यावसायिक ही सीखते थे। आज के मंचों या फिल्मों में जो संगीत या नृत्य मिलता है। उनमें दोनों का मिला–जुला रूप अधिक दिखाई पड़ता है। इनका संबंध भारत की प्रेम भावना के साथ–साथ भारतीय संस्कृति में निहित वसुधैव कुटुंबकम की भावना से भी आवश्यक होगा।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. राजस्थानी महिलाएँ कौनसा नृत्य करती है ?

   (अ) घूमर (ब) डांडिया

   (स) पिराममिड (द) गिद्दा

2. कथकलि किस राज्य का नृत्य है ?

   (अ) केरल (ब) तमिलनाडु

   (स) उड़ीसा (द) कर्नाटक

3. भारतीय नर्तकों द्वारा किये जाने वाले नृत्य से किन भावों की अभिव्यक्ति होती है ?
4. भारतीय संगीत किससे संबद्ध है ?
5. भारत में संगीत कला का जन्म कब हुआ ?
6. भरतनाट्यम और टिप्पणी नृत्य के बारे में बताइए।
7. प्राचीन भारत में संगीत कितने प्रकार के होते थे ?
8. भारतीय कला का जुड़ाव प्रकृति से है। स्पष्ट करें।
9. भारतीय शास्त्र में नर्त्य और नृत्य शब्द को स्पष्ट कीजिए।

व्याकरण

1. **निबन्ध –**

1. स्वच्छता का महत्त्व।
2. बालिका शिक्षा का महत्त्व।
3. कम्प्यूटर शिक्षा का महत्त्व।
4. पर्यावरण संरक्षण।
5. हमारे राष्ट्रीय पर्व।
6. राष्ट्रीय एकता।

2. **पत्र लेखन**

1. कक्षा ग्यारह में एच्छिक विषय के रूप में विज्ञान संकाय शुरू करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।
2. फीस माफी हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।
3. मित्र को बीमारी से स्वास्थ्य लाभ हेतु पत्र लिखिए।
4. निदेशक दूरदर्शन को सांकेतिक भाषा में समाचार बुलेटिन शुरू करने हेतु पत्र लिखिए।

3. **प्रतिवेदन–**

1. वक्षारोपण।
2. वार्षिकोत्सव
3. शिक्षक दिवस
4. बाल दिवस

4. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

1. शिक्षक	2. चन्द्रमा	3. पानी
4. माता	5. नदी	6. विद्या
7. पिता	8. सूर्य	9. बादल
10. धरती	11. पुष्प	12. रास्ता
13. पुत्र	14. आग	15. कमल

5. **विलोम शब्द**

1. अमृत	2. घृणा	3. महंगा
4. अंधकार	5. दण्ड	6. निरक्षर

7. ईमानदार 8. दिन 9. लाभ

10. उद्घाटन 11. मित्र 12. शयन

13. हित 14. ज्ञात 15. सजीव

16. मंगल

6. **निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए–**

1. जो बच्चों को पढ़ाये।
2. जो संभव न हो।
3. जिसका नाम न हो।
4. मिट्टी के बर्तन बनाने वाला।
5. चित्र बनाने वाला।
6. सामान खरीदने वाला।
7. जिसके हाथ में चक्र हो।
8. जहाँ कलपुर्जे बनाये जाते है।
9. रात में विचरण करने वाला।
10. पन्द्रह दिनों का समय।
11. शिव का उपासक ।
12. सात दिनों का समय।
13. बहुत मेहनत करने वाला
14. मांस खाने वाला।
15. जिसके पास धन न हो।

अपठित गद्यांश–1

वे सिद्ध–वाणी के अत्यन्त सरस हृदय कवि थे। इससे एक ओर तो उनकी लेखनी से श्रृंगार रस के ऐसे रसपूर्ण मर्मस्पर्शी कविता–सवैये निकलते थे, जो उनके जीवन–काल में इधर–उधर लोगों के मुंह से सुनाई पड़ने लगे थे, दुसरह बांर स्वदंश प्रेम से भरे हुए उनके लेख और कविताएँ चारो ओर देश के मंगल का मन्त्र–सा फूंकती थी। आपने सर्वोत्तन्मुखी प्रतिभा के बल से एक ओर तो वे पद्माकर और द्विजदेव की परम्परा में दिखाई पड़े थे दूसरी ओर बंगदेश के मधुसूदनदत्त और हेमचन्द् की श्रेणी में, एक ओर तोराधा–कृष्ण की भक्ति में झूमते हुए "नई भक्तमाल" गूँथते दिखाई देते थे, दूसरी ओर टीकाधारी वगुला भगत की हँसी उड़ाते तथा स्त्री–शिक्षा, समाज–सुधार आदि पर व्याख्यान देते पाए जाते थे। प्राचीन और नवीन का यही सुन्दर सामंजस्यभारतेन्दु की कला का विशेष माधुर्य है। साहित्य के

एक नवीन युग के प्रवर्त्तकके रूप में खड़े होकर उन्होंने वह भी प्रदर्शित किया कि नए–नए या बाहरी भावों को पचाकर इस ढंगसे मिलाना चाहिए कि वे अपने ही साहित्य के विकसित अंग से लगें। प्राचीन और नवीन के उस संधिकालमें जैसी शीतल और मृदुल कला का संचार अपेक्षित था, वैसी ही शीतल और मृदुल कला के साथ भारतेन्दु का उदय हुआ, इसमें सन्देह नहीं।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्युक्तगद्यांश का शीर्षक बताइये?

द प्र. 2. भारतेंदु के काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

रू. प्र. 3. भारतेंदु की कला का विशेष माधुर्य क्या है?

प्र. 4. भारतेंदु का उदय किस समय हुआ।

अपठित गद्यांश–2

भारतीय भाषाओं और स्हित्व में अग्रस्थान ग्रहण करने का हिन्दी ने आग्रह नहीं किया। यह इनसवकी संयोजक शक्ति के रूप में बतीं रहना चाहती है। हिन्दी का यह विनय हिन्दी के हीन भाव केकारण नहीं है। अब वह समय आ गवा है जब हम हिन्दी की संतानों को क्षमा–प्रार्थना के स्वर में नहींसत्य स्थापना के स्वर में यह दृढ्वतापूर्वक कहना चाहिए कि राज–भाषा होने के लिए हिन्दी अब अपने कोअपमानजनक शर्तों पर बेचने को तैयार नहीं है। राजभाषा का पद हिन्दी के लिए बहुत छोटा पद है। हिन्दी का साहित्यकार राजस्तुति को, प्राकृतजन के गुणगान को हमेशा तुच्छ और हेय कविकर्म मानता आया है।वह हमेशा से तेज का उपासक रहा है–वह तेज चाहे छोटे–छोटे से आदमी में हो पर हो। वहं ऐसा किउसमें समग्र विश्व का तेज प्रतिविंबित हो। हम शासन के दबाव के कारण नहीं, अपने दायित्व के बोधके कारण समग्र भारत के जीवन के संस्पर्श से हिन्दी को पुलकित कर रहे हैं और करेंगे। प्रकाश की किरणविदेश के किसी भी कोने से आये उसे ग्रहण करेंगे, पर उसके साथ ही हम प्रत्येक ऐसी बाधा का या दीवार का भंजन भी करेंगे जो हमें घेरती हों, जो हमारे प्राणों को बन्धन में डालती हैं तथा जो हमारे प्रकाशरुँघती हों।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए?

प्र. 2. हिन्दी किस रूप में बनी रहना चाहती है?

प्र, 3. हिन्दी का साहित्यकार किसे तुच्छ कविकर्म मानता आया है?

प्र. 4. हिन्दी के रचनाकार किस प्रकार के तेज का उपासक रहा है?

अपठित गद्यांश–3

तुलसीदास भारत के श्रेष्ठ भक्त कवि हैं। वे भक्ति–आंदोलन के निर्माता हैं, वे उसी भक्ति–आंदोलन की उपलब्धि हैं। उनके साहित्य का सामाजिक महत्व भक्ति आंदोलन के सामाजिक महत्त्व पर निर्भर है, उससे पूरी तरह सम्बद्ध है।

इस भक्ति–आंदोलन की पहली विशेषता यह है कि वह अखिल भारतीय है। देश और काल की दृष्टि से ऐसा व्यापक सांस्कृतिक आन्दोलन संसार में दूसरा नहीं है। ईसा की दूसरी शताब्दी में ही आंध्र प्रदेश में कृष्णोपासना के चिन्ह पाये जाते हैं। गुप्त–सम्राटों के युग में विष्णु नारायण–वासुदेव की उपासना ने अखिल भारतीय रूप से लिया। पांचवी शताब्दी से लेकर नवीं शताब्दी तक तमिलनाडु भक्ति आंनदोलन का प्रमुख स्रोत रहा। आलवार संतों की कीर्ति सारे भारत में फैल गयी। कश्मीर में ललदेद, तमिलनाडु में आंदाल, बंगाल में चण्डीदास, गुजरात में नरसी मेहता– भारत के विभिन्न प्रदेशों में भक्त–कवि लगभग डेढ़ हजार वर्ष तक जनता के हृदय को अपनी अमृत वाणी से सींचते रहे।

प्र. 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

प्र. 2. आन्ध्र प्रदेश में कृष्णोपासना के संकेत कब मिल?

प्र, 3. पाँचवीं से नवीं शताब्दी के बीच भक्ति आन्दोलन का प्रमुख केन्द्र कहाँ रहा था।

प्र. 4. चंडीदास व नरसी का संबंध भारत के किस प्रांत से रहा?

अपठित पद्यांश–1

भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला–स्थल कहाँ
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।
हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है?
भगवान की भव–भूतियों का यह प्रथम भण्डार है।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्यक्त पद्यांश का शीर्षक दीजिए?

प्र. 2. संसार का सिरमौर कौन है?

प्र. 3. कवितांश में किसका गुणगान है?

प्र. 4. ऋषि भूमि किसे बताया गया है?

अपठित पद्यांश–2

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।
उषा ने हँस अभिनन्दन किया और पहनाया हीरक हार।।
जागे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फेला फिर आलोक।
व्योम–तम–पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।।
विमल वाणी ने वीणा ली कमल–कोमल कर में सप्रीत।
सप्त स्वर सप्तसिन्धु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम–संगीत।।
बचा कर बीज–रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण–केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. काव्यांश का शीर्षक लिखिए। :

प्र. 2. प्रथम चार पंक्तियोंका अर्थ लिखिए।

प्र. 3. सृष्टि शब्द किसके लिए आया है?

प्र. 4. अभिनन्दन किसने किया?

अपठित पद्यांश–3

नींद कहाँ उनकी आँखों में जो धुन के मतवाले हैं?
गति की तृषा और कहती पड़ते पद में जब छाले हैं।
जागरूक की जय निश्चित है, हार चुके सोने वाले।
लेना अनल–किरीट भाल पर जो आशिक होने वाले।

अभ्यास प्रश्न–

प्र. 1. उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक बताइए?

प्र. 2. अनल–किरीट से क्या अभिप्राय है?

प्र. 3. 'अनल' का समानार्थी शब्द लिखिए।

प्र. 4. कविता के अंश का भावार्थ लिखिए।

पठित गद्यांश –1

दुनिया सोती थी, पर दुनिया की जीभ जागती थी। सवेरे देखिए तो बालक–वृद्ध उनके मुँह से यही बात सुनाई देती थी। जिसे देखिए, वही पंडितजी के इस व्यवहार पर टीका–टिप्पणी कर रहा था, निंदा की बौछारें हो रही थीं, मानो संसार से अब मरने का पाप कट गया। पानी को दूध के नाम से बेचनेवाला ग्वाला, कल्पित .... भरने वाले अधिकारी वर्ग, रेल में बिना टिकट सफर करनेवाले बाबू लोग, जाली दस्तावेज बनाने वाले सेठ और साहकार, यह सब–के–सब देवताओं की भाँति .... चला रहे थे। जब दूसरे दिन पंडित अलोपीदीन अभियुक्त होकर कांस्टेबलों के साथ, हाथों में हथकड़ियाँ, हृदय में ग्लानि और क्षोभभरे, लज्जा से गरदन झुकाए अदालत की तरफ चले, तो सारे शहर में हलचल मच गई। मेलों में कदाचित आँखें इतनी व्यग्र न होती होंगी। भीड़ के मारे छत और दीवार में कोई भेद न रहा।

प्र. 1. कौन सोता व कौन जागता है?

प्र. 2. जाली दस्तावेज कौन बनाता है?

प्र. 3. पंडित अलोपिदीन अदालत की तरफ किस प्रकार जा रहे थे?

प्र. 4. प्रस्तुत गद्य खंड किस रचना से लिया गया है?

पठित गद्यांश –2

धनराम की मंदबुद्धि रही हो या मन में बेठा हुआ डर कि पूरे दिन घोटा लगाने पर भी उसे तेरह का पहाड़ा याद नहीं हो पाया था। छट्टी के समय जब मास्साव ने उससे दुबारा पहाड़ा सुनाने को कहा तो तीसरी सीढ़ी तक पहुँचते–पहँचते वह फिर लड़खड़ा गया था। लेकिन इस बार मास्टर त्रिलोक सिंह ने उसके लाए हुए बेंत का उपयोग करने की बजाय ज़बान की चाबुक लगा दी थी, 'तेरे दिमाग में तो लोहा भरा है रे! विद्या का ताप कहाँ लगेगा इसमें?" अपने थेले से पाँच–छह दरातियाँ निकालकर उन्होंने धनराम को धार लगा लाने के लिए पकड़ा दी थीं। किताबों की विद्या का ताप लगाने की सामर्थ्य धनराम के पिता की नहीं थी। धनराम हाथ–पैर चलाने लायक हुआ ही था कि बाप ने उसे धोंकनी फूँकने या सान लगाने के कामों में उलझाना शुरू कर दिया ओर फिर धीरे–धीरे हथोडे से लेकर घन चलाने की विद्या सिखाने लगा।

प्र. 1. मास्टर त्रिलोक सिंह ने कौनसी चाबुक लगाई?

प्र. 2. धनराम को क्या याद नहीं होता था?

प्र. 3. धनराम के मास्टर जी का क्या नाम था?

प्र. 4. धनराम ने धीरे–धीरे कौनसी विद्या सीखी?

पठित पद्यांश–1

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर की धर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
चार भाई चार बहिनें,

प्र. 1. घर में कितने भाई है?

प्र. 2. बहिन कहाँ आई?

प्र. 3. सब कहाँ जुड़े हुए है?

प्र. 4. भाई व बहिन को क्या बताया गया है?

पठित पद्यांश–2

सबसे खतरनाक वह आँख होती है
जो सब कुछ देखती हुई भी जमी बर्फ होती है
जिसकी नज़र दुनिया को मुहब्बत से चूमना भूल जाती है
जो चीज़ों से उठती अंधेपन की भाप पर ढुलक जाती है
जो रोज़मर्रा के क्रम को पीती हुई
एक लक्ष्यहीन दुहराव के उलटफेर में खो जाती है

प्र. 1. सबसे खतरनाक क्या होती है?

प्र. 2. जमी बर्फ से क्या तात्पर्य है?

प्र. 3. 'मुहब्बत' का समानार्थक शब्द लिखिए।

प्र. 4. प्रस्तुत पद्य का भावार्थ लिखिए।

पठित पद्यांश–3

संतो देखत जग बौराना।
साँच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।।
नेमी देखा धरमी देखा, प्रात करै असनाना।।
आतम मारि पखानहि पूर्ज, उनमें कछु नहीं ज्ञाना।।

बहुतक देखा पीर औलिया, पढै कितेब कुराना।।
कै मुरीद तदबीर बतावैं, उनमें उहै जो ज्ञाना।।
आसन मारि डिंभ धरि बैठे, मन में बहुत गुमाना।।
पीपर पाथर पूजन लागे, तीरथ गर्व भुलाना।।
टोपी पहिरे माला पहिरे, छाप तिलक अनुमाना।।

प्र. 1. जगत किसको देखकर बौराया?

प्र. 2. पीपर–पाथर से क्या आशय है?

प्र. 3. 'गुमाना' का समानार्थी शब्द लिखिए।

प्र. 4. पस्तुत पद्य किस कवि द्वारा लिखित है?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : इतिहास

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा 2023–24
कक्षा–11वीं
विषय – इतिहास

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	100	100

अनुभाग–1 प्रारम्भिक समाज 15

विषय–1 लेखन कला और शहरी जीवन

मेसोपोटामिया और उसका भूगोल, शहरीकरण का महत्व, शहरों में माल की आवाजाही, लेखन कला का विकास, लेखन प्रणाली, साक्षरता, लेखन का प्रयोग, दक्षिण मेसोपोटामिया का शहरीकरण–मंदिर और राजा, शहरी जीवन, पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर, मेसोपोटामिया संस्कृति में शहरों का महत्व, लेखन कला की देन।

अनुभाग–2 साम्राज्य 25

विषय–2 तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

साम्राज्य का आरम्भिक काल, तीसरी–शताब्दी का संकट, लिंग, साक्षरता, संस्कृति, आर्थिक विस्तार, श्रमिकों का नियंत्रण, सामाजिक श्रेणियाँ, परवर्ती पुराकाल।

विषय–3 यायावर साम्राज्य

भूमिका, मंगोलों की सामाजिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि, चंगेज खान का जीवन–वृत्त, चंगेज खान के उपरान्त मंगोल, सामाजिक, राजनैतिक और सैनिक संगठन, निष्कर्षः चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में स्थान।

अनुभाग–3 बदलती परम्पराएँ 25

विषय–4 तीन वर्ग

सामंतवाद का परिचय, फ्रांस और इंग्लैण्ड, तीन वर्ग, दूसरा वर्ग– अभिजात वर्ग, मेनर की जागीर नाइट, प्रथम वर्ग– पादी वर्ग, भिक्षु, चर्च और समाज, तीसरा वर्ग– किसान स्वतंत्र और बंधक, इंग्लैण्ड, सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने

वाले कारक पर्यावरण, भूमि का उपयोग नयी कृषि प्रोद्योगिकी, चौथा वर्ग– नए नगर और नगरवासी कथीड्रल नगर, चौदहवीं सदी का संकट, सामाजिक असंतोष, राजनीतिक परिवर्तन।

विषय–5 **बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएं**

इटली के नगरों का पुनरूत्थान, विश्वविद्यालय और मानवतावाद, इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण, विज्ञान और दर्शन–अरबियों का योगदान, कलाकार और यथार्थवाद, वास्तुकला, प्रथम मुद्रित पुस्तकें, मनुष्य की एक नयी संकल्पना, महिलाओं की आकांक्षाएं, ईसाई धर्म के अंतर्गत वाद–विवाद, कापरनिकसीय क्रांति, ब्रह्मांड का अध्ययन, चौदहवीं सदी में क्य यूरोप में पुनर्जागरण हुआ था।

अनुभाग–4 **आधुनिकीकरण की ओर** **35**

विषय–6 **मूल निवासियों का विस्थापन**

यूरोपिय साम्राज्यवाद, उत्तरी अमेरिका, मूल निवासी, यूरोपियनों से मुकाबला, पारस्परिक धारणाएं, अपनी जमीन से मूल बाशिंदों की बेदखली, गोतड़ रश और उद्योगों की वृद्धि, संवैधानिक अधिकार, बदलाव की लहर, आस्ट्रेलिया, बदलाव की लहर।

विषय–7 **आधुनिकीकरण के रास्ते**

परिचय, जापान राजनीतिक व्यवस्था, मेजी पुनर्स्थापना, अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण, औद्योगिक मजदूर, आक्रामक राष्ट्रवाद, पश्चिमीकरण और परम्परा, रोजमरा की जिंदगी, आधुनिकता पर विजय, हार के बाद–एक वैविक आर्थिक शक्ति के रूप में वापसी, चीन गणतंत्र की स्थापना, चीनी साम्यवादी दल का उदय, नए जनवाद की स्थापना : 1949–65, दर्शनों का टकराव : 1965–78, 1978 से शुरू होने वाले सुधार, ताइवान का किस्सा, कोरिया की कहानी, आधुनिकीकरण की शुरूआत, तीव्र औद्योगिकीकरण एवं मजबूत नेतृत्व, लोकतंत्रीकरण की माँग और निरन्तर आर्थिक विकास, कोरियाई लोकतंत्र और आई.एम.एफ. संकट, आधुनिकता के दो मार्ग।

मॉडल पेपर 2023–24

विषय – इतिहास

कक्षा–11

समय : 4:15 घंटे पूर्णांक : 100

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न :–** **(1 x 15 = 15)**

1. शहरी जीवन की शुरूआत कहाँ हुई थी ?

(अ) मेसोपोटामिया (ब) यूनान

(स) मिस्र (द) रोम

2. युद्धबंदियों तथा स्थानीय लोगों को अनिवार्य रूप से मंदिरों में तथा राजा के यहाँ काम करना पड़ता था, उन्हें काम के बदले दिया जाता था ?

(अ) वेतन (ब) अनाज

(स) लूट का हिस्सा (द) पारिश्रमिक

3. रोमन साम्राज्य को कितने चरणों में बांटा गया ?

(अ) 2 (ब) 3

(स) 4 (द) 5

4. रोमन साम्राट जिसका शासनकाल शांति के लिए याद किया जाता है ?

(अ) आगस्टस (ब) त्राजान

(स) टिबेसियस (द) कॉन्स्टैन्टाइन

5. चंगेज खान की विधि संहिता कहलाती है ?

(अ) उलुस (ब) किरितलाई

(स) यास (द) तामा

6. किस मंगोल शासक ने अपने सेनापतियों को आदेश दिया था कि वे किसानों को न लूटे और उनकी रक्षा करें?

(अ) जोची (ब) कुबलईखान

(स) चंगेज खान (द) गजन खान

7. मैनर क्या थे ?

(अ) लार्ड के घर (ब) किसानों के घर

(स) दासों के घर (द) राजा का महल

8. पोपलियो–III शार्लमेन को पवित्र रोमन सम्राट का ताज पहनाया ?

(अ) 770 ई. (ब) 800 ई.

(स) 810 ई. (द) 825 ई.

9. 15वीं शताब्दी के मध्य में जर्मनी के किस व्यक्ति ने छापेखाने का आविष्कार किया ?

(अ) विलियम प्रथम (ब) जॉनसन

(स) टामस मूर (द) जोहानेस गुटेनबर्ग

10. 'द लास्ट जजमेंट' नामक चित्र की रचना किसने की ?

(अ) माइकेल एंजेलो (ब) राफेल

(स) पैट्रार्क (द) दांते

11. कैनबरा को ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कब बनाया गया ?

(अ) 1910 (ब) 1911

(स) 1912 (द) 1913

12. अमेरिका के संविधान में व्यक्ति के किस अधिकार को शामिल किया गया ?

(अ) जीवन का अधिकार (ब) शिक्षा का अधिकार

(स) मताधिकार (द) संपति का अधिकार

13. आधुनिक चीन का संस्थापक किसे माना जाता है ?

(अ) सनयांत–सेन (ब) चियांग काई शेक

(स) लेनिन (द) स्टालिन

14. अमेरिका के किस कमोडोर ने जापान की सरकार को समझौता करने पर बाध्य किया ?

(अ) जेफरसन (ब) नेल्सन

(स) वांशिगटन (द) मैथ्यू पेरी

15. जापान संयुक्त राष्ट्र का सदस्य कब बना ?

(अ) 1956 (ब) 1957

(स) 1958 (द) 1959

प्रश्न संख्या 2 के (1) से (5) तक प्रत्येक 1 अंक का है। **(1 x 5 =5)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. फरात और दजला नदियों के बीच स्थित मेसोपोटामिया प्रदेश आजकल .... गणराज्य का हिस्सा है। (असीरिया / ईराक)

2. सैनेट में .... का बोलबाला था। (अभिजातवर्ग / श्रमिक वर्ग)

3. चंगेज खान का सैन्य संगठन .... पद्धति पर आधारित था। (दशमलव / ग्रिड)

4. किसानों द्वारा चर्च को .... नामक कर दिया जाता था। (टीथ / गेबल)

5. अमेरिका के .... राज्य दास प्रथा को समाप्त करने के समर्थक थे। (उत्तरी / दक्षिणी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न संख्या 3 से 12 तक प्रत्येक 2 अंक का है। (2 x 10 = 20)

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए–

3. इन्नाना कौन थी ?

4. रोमवासियों के चार प्रमुख देवी–देवताओं के नाम लिखिये।

5. चंगेज खान के बचपन का क्या नाम था ?

6. चीन की महान दिवार क्यों बनवाई गयी थी ?

7. सामन्तवाद पर सर्वप्रथम कार्य करने वाले विद्वान कौन थे ?

8. फ्रांस की एस्टेटस जनरल से आप क्या समझते है ?

9. 'लियोनार्डो द विंची' के द्वारा बनाए गए दो चित्रों के नाम लिखिए ?

10. मानवतावादियों ने 15वीं सदी से शुरू होने वाले काल को आधुनिक युग (नए युग) की संख्या क्यों दी?

11. कोपरनिकसीय क्रांति से क्या अभिप्राय है ?

12. मूलनिवासी से आप क्या समझते है ?

खण्ड–ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–I

प्रश्न संख्या 13 से 19 तक प्रत्येक 2 अंक का है। (2x 7 =14)

13. मारी नगर के किसानों तथा खानाबदोशों के बीच झगड़े होने के दो कारण लिखिए।

14. सबसे अच्छी किस्म की राल रोम में कहाँ से आती थी?

15. बाज नामक कर किनसे वसूला जाता था ?

16. यूरोप में 14वीं शताब्दी के दो संकटो का उल्लेख कीजिए ?

17. 16वीं शताब्दी की रचनाओं से महिलाओं की किन आकांक्षाओं का बोध होता है?

18. जमीन के प्रति यूरोपीय लोगों का दृष्टिकोण मूलनिवासियों से किस प्रकार भिन्न था ?

19. जेसुइट मिशनरियों ने चीन में किन विधाओं को पहुंचाया?

खण्ड–स

लघूत्तरात्मक प्रश्न–II

प्रश्न संख्या 20 से 26 तक प्रत्येक 3 अंक का है। (3x 7 = 21)

20. रोमन साम्राज्य में साक्षरता की स्थिति पर टिप्पणी लिखिए।
21. गृहयुद्ध से आप क्या समझते है ? रोम में गृहयुद्ध क्यों होते थे ?
22. मंगोलों का महानायक किसे घोषित किया गया और किसके द्वारा घोषित किया गया ?
23. फ्रांस के प्रारम्भिक सामंती समाज के दो लक्षणों का उल्लेख कीजिये।
24. मानवतावाद से आप क्या समझते है ? इसकी दो विशेषताएं लिखिये।
25. मेजी पुनर्स्थापना से आप क्या समझते है ?
26. कोरिया ने 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना किस प्रकार किया ?

खण्ड–द

निबंधात्मक प्रश्न–

27. शहरीकरण के लिए कौनसे महत्वपूर्ण कारक आवश्यक होते है, लिखिए। 8

अथवा

मेसोपोटामिया सभ्यता की विश्व को क्या देन है, लिखिए।

28. गोल्डरश से क्या आशय है, इससे उद्योगों को बढ़ावा क्यों मिला ? 8

अथवा

यूरोपवासियों की आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों के बारे में क्या धारणायें थी ?

29. जापान में मेजियो द्वारा शिक्षण व्यवस्था में सुधार हेतु क्या कदम उठाये गये ? 9

अथवा

चीन पर जापानियों के हमले के क्या परिणाम निकले ?

विषय सूची

विषय : विश्व का इतिहास

अनुभाग एक	–	प्रारम्भिक समाज
अध्याय 1	–	लेखनकला और शहरी जीवन
अनुभागदो	–	साम्राज्य
अध्याय 2	–	तीन महाद्वीपों में फैला साम्राज्य
अध्याय 3	–	यायावर साम्राज्य
अनुभागतीन	–	बदलती परम्पराएँ
अध्याय 4	–	तीन वर्ग
अध्याय 5	–	बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ
अनुभागतीन	–	आधुनिकीकरण की ओर
अध्याय 6	–	मूल निवासियों का विस्थापन
अध्याय 7	–	आधुनिकीकरण के रास्ते

अध्याय–1

''लेखन कला और शहरी जीवन''

पाठ का सारांश :

शहरी जीवन की शुरूआत मेसोपोटामिया में हुई थी। वर्तमान में इराक गणराज्य का भाग मेसोपोटामिया दजला और फरात नदियों के बीच स्थित था। इतिहास के आरम्भिक काल में इस प्रदेश को मुख्यतः इसके शहरीकृत दक्षिणी भाग को सुमेर (Sumer) और अक्कद (Akad) कहा जाता था। 2000 ई.पू. के बाद जब बेबीलोन एक महत्वपूर्ण शहर बन गया तब दक्षिणी क्षेत्र को बेबीलोनिया कहा जाने लगा और 1100 ई.पू. में असीरियन लोगों ने उत्तर में अपना राज्य स्थापित कर लिया तब उस क्षेत्र को असीरिया कहा जाने लगा। मेसोपोटामिया की सभ्यता अपनी संपन्नता, शहरी जीवन, विशाल साहित्य, गणित और खगोल–विद्या के लिए प्रसिद्ध है।

मेसोपोटामिया और उसका भूगोल–इराक भौगोलिक विभिन्नता का देश है। यहाँ फसल के लिए पर्याप्त वर्षा हो जाती है। यहां गेंहूँ, जौ, मटर, मसूर आदि की खेती की जाती है। यहाँ पशुपालन आजीविका का अच्छा साधन है। पूर्व में दजला की सहायक नदियां परिवहन का अच्छा साधन है। इसका दक्षिणी भाग रेगिस्तान है और यहीं पर सबसे पहले नगरों और लेखन–प्रणाली का प्रादुर्भाव हुआ।

शहरीकरण का महत्व – शहरी अर्थव्यवस्था में खाद्य उत्पादन के अलावा व्यापार, वाणिज्य, उत्पादन और विभिन्न प्रकार की सेवाओं में श्रम विभाजन एवं एक सामाजिक संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस सभ्यता के लोग सोना, चांदी, तांबा आदि का विदेशों से आयात करते थे तथा कपड़ा व कृषिजन्य उत्पादों का निर्यात करते थे। यहां की नहरें व प्राकृतिक जलधाराएं माल परिवहन के अच्छे साधन थे।

लेखन कला का विकास व लेखन प्रणाली :– मेसोपोटामिया के लोग मिट्टी की पट्टिकाओं पर लिखा करते थे। वे अपना हिसाब–किताब रखने तथा शासकों के कार्यों का वर्णन करने आदि में लेखन का प्रयोग करने लगे। उनकी लिपि क्यूनीफार्म (कीलाकार) थी।

यहां 2600 ई.पू. के आसपास वर्ण कीलाकार हो गए। जिस ध्वनि के लिए कीलाकार/कीलाक्षर चिन्ह का प्रयोग किया जाता था वह एक अकेला स्वर या व्यंजन नहीं होता था परन्तु अक्षर होते थे।

साक्षरता :–मेसोपोटामिया के बहुत कम लोग पढ़–लिख सकते थे, क्योंकि प्रतीकों या चिन्हों की संख्या ज्यादा थी और वे जटिल थे।

लेखन का प्रयोग :–व्यापार और लेखन कला की शुरूआत करने वाला उनका राजा एनमर्कर था।

दक्षिण मेसोपोटामिया का शहरीकरण–मंदिर और राजा :–दक्षिण मेसोपोटामिया में कई तरह के शहर विकसित हुए। कुछ मंदिर के चारों ओर विकसित हुए, कुछ शहर व्यापारिक केन्द्र थे और कुछ शाही शहर थे।

मंदिर शहर :– यहां ईटों से निर्मित अनेक मंदिरों का निर्माण किया गया जो देवताओं के निवास स्थान थे, देवता पूजा का केन्द्र बिन्दु था। लोग देवी देवताओं के लिए अन्न, दही व मछली लाते थे।

शहरी जीवन :– नगरों की सामाजिक व्यवस्था में एक उच्च वर्ग का उदय हुआ। अधिकांश संपत्ति पर एक छोटे से वर्ग का अधिकार था। समाज में एकल परिवार को आदर्श माना जाता था। परिवार का मुखिया पिता होता था। उर नगर की गलियां संकरी व टेढ़ी–मेढ़ी थी। जल निकासी के लिए नालिया नहीं थी।

पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर –2000 ई.पू. के बाद मारी नगर शाही राजधानी के रूप में खूब फला–फूला। यहां किसान और पशुचारक दोनों तरह के लोग रहते थे। मारी के राजा एमोराइट समुदाय के थे। इन्होंने अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया।

मेसोपोटामिया संस्कृति में शहरों का महत्व :– ये लोग शहरी जीवन को महत्व देते थे तथा अपने नगरों पर बहुत गर्व करते थे।

लेखन कला की देन :– मेसोपोटामिया की काल गणना तथा गणित की विद्वतापूर्ण परम्परा इस सभ्यता की विश्व को सबसे बड़ी देन है।

ये लोग गुणा, भाग, वर्ग व घनमूल आदि से परिचित थे। इन्होंने एक वर्ष को 12 महीनों में, महीनों को 4 सप्ताहों में, एक दिन को 24 घंटों में तथा एक घंटे को 60 मिनट में विभाजित किया था। अपनी लेखन कला के कारण ही इस सभ्यता के लोग अपनी उपलब्धियों को सुरखित रख सके।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न :** **(एक अंकीय) 1**

1. शहरी जीवन की शुरुआत कहाँ हुई थी ?

   (अ) मेसोपोटामिया (ब) यूनान

   (स) मिस्त्र (द) रोम ( )

2. मेसोपोटामिया किस भाषा का शब्द है ?

   (अ) यूनानी (ब) लैटिन

   (स) स्पेनिश (द) फ्रैंच ( )

3. मेसोपोटामियाई शहरों के लिए परिवहन का सबसे सस्ता साधन कौनसा था ?

   (अ) जल मार्ग (ब) सड़क मार्ग

   (स) वायु मार्ग (द) पाइप लाइन ( )

4. सिकंदर ने बेबीलोन को कब जीता ?

   (अ) 331 ई.पू. (ब) 332 ई.पू.

   (स) 333 ई.पू. (द) 334 ई.पू. ( )

5. लोहे का प्रयोग सर्वप्रथम कब किया गया ?

(अ) लगभग 1000 ई.पू. में (ब) लगभग 1500 ई.पू. में

(स) लगभग 700 ई.पू. में (द) लगभग 500 ई.पू. में ( )

6. युद्धबंदियों तथा स्थानीय लोगों को अनिवार्य रूप से मंदिरों में तथा राजा के यहाँ काम करना पड़ता था, उन्हें काम के बदले दिया जाता था ?

(अ) वेतन (ब) अनाज

(स) लूट का हिस्सा (द) पारिश्रमिक

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. मेसोपोटामिया वर्तमान में .... राज्य का हिस्सा है। (इराक/ईरान)
2. 1100 ई.पू. से मेसोपोटामिया क्षेत्र को .... कहा जाने लगा। (असीरिया/बेबीलोनिया)
3. फरात और दजला नदियों के बीच स्थित मेसोपोटामिया प्रदेश आजकल .... गणराज्य का हिस्सा है। (असीरिया/ईराक)
4. मेसोपोटामिया की लिपि .... थी। (कीलाकार/वर्णाकार)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए—

3. स्टेल से आप क्या समझते है ?
4. इन्नाना कौन थी ?
5. मेसोपोटामिया के प्रसिद्ध महाकाव्य का नाम लिखिए।
6. स्वतंत्र बेबीलोन का अंतिम शासक कौन था ?
7. मेसोपोटामिया का सबसे पहला ज्ञात मंदिर कौनसा था ?
8. मेसोपोटामिया में कृषि को हानि पहुंचाने वाले दो कारण लिखिए।
9. एकल परिवार से आप क्या समझते है ?
10. मेसोपोटामिया में लेखन कला की शुरूआत कब हुई ?
11. नैबोनिडस ने किस मूर्ति की मरम्मत करवाई तथा किस कारण करवाई ?
12. मेसोपोटामिया सभ्यता किसके लिए प्रसिद्ध थी ?
13. कीलाकार लिपि का विकास कब हुआ ?

14. मारी नगर के किसानों तथा खानाबदोशों के बीच झगड़े होने के दो कारण लिखिए।

15. उर के निवासियों में घरों के बारे में प्रचलित दो अंधविश्वासों का उल्लेख कीजिए।

16. शहरी जीवन की दो विशेषताएं लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए–

17. मेसोपोटामिया की सभ्यता की जानकारी के ऐतिहासिक स्रोत क्या है ?

18. मेसोपोटामिया सभ्यता में शहर कितने प्रकार के थे ? लिखिए।

19. मेसोपोटामिया सभ्यता के मंदिरों की विशेषताएं लिखिए।

20. मेसोपोटामिया की स्थिति तथा इसके प्राथमिक इतिहास पर प्रकाश डालिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए–

21. मेसोपोटामिया सभ्यता की लेखन प्रणाली की विशेषताएं लिखिए।

22. मेसोपोटामिया सभ्यता की विश्व को क्या देन है, लिखिए।

23. शहरीकरण के लिए कौनसे महत्वपूर्ण कारक आवश्यक होते है ?

अध्याय–2

''तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य'

पाठ का सारांश–

रोम साम्राज्य – विशाल रोमन साम्राज्य में आज का अधिकांश यूरोप, पश्चिमी एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका का बहुत बड़ा भाग शामिल था। यह साम्राज्य अनेक स्थानीय संस्कृतियों तथा भाषाओं के वैभव से परिपूर्ण था, स्त्रियों की कानूनी स्थिति अच्छी थी, लेकिन अर्थव्यवस्था दास–श्रम पर आधारित थी। पांचवी शताब्दी के बाद इसका पश्चिमी साम्राज्य छिन्न–भिन्न हो गया लेकिन पूर्वी भाग अत्यंत समृद्ध रहा।

रोमन साम्राज्य का आरम्भिक काल :– रोमन साम्राज्य को मोटेतौर पर दो चरणों में बांटा जा सकता है, जिन्हें 'पूर्ववर्ती चरण' (509 ई.पू. से तीसरी शताब्दी के मुख्य भाग तक का काल) और 'परवर्ती चरण' कहा जा सकता है।

पूर्ववर्ती चरण – गणतंत्र में वास्तविक सत्ता 'सैनेट' नामक निकाय में निहित थी। गणतंत्र 509 ई.पू. से 27 ई.पू. तक चला। 27 ई.पू. में रोमन सम्राट आगस्टस ने जो राज्य स्थापित किया उसे 'प्रिंसीपेट' कहा गया। सैनेट जिसमें कुलीन व अभिजात वर्गों का प्रतिनिधित्व था के महत्व को भी बनाए रखा गया। सम्राट व सैनेट के बाद सामाजिक शासन की एक अन्य संस्था सेना थी।

इस प्रकार सम्राट, अभिजात वर्ग और सेना रोमन साम्राज्य के राजनीतिक इतिहास में तीन मुख्य खिलाड़ी थे।

तीसरी शताब्दी का संकट :– तीसरी शताब्दी में रोम को अनेक संकटों का सामना करना पड़ा, जिनमें ईरानी शासक शापुर प्रथम द्वारा रोमन साम्राज्य की पूर्वी राजधानी एंटिआक पर अधिकार करना तथा जर्मनमूल की जनजातियों द्वारा आक्रमण प्रमुख है।

लिंग, साक्षरता व संस्कृति :–रोम में एकल परिवार का प्रचलन था। महिलाओं को आर्थिक क्षेत्र में व्यापक कानूनी अधिकार प्राप्त थे। उनके लिए तलाक देना अपेक्षाकृत सरल लेकिन उन पर पतियों का नियंत्रण रहता था। कानून के अनुसार पति व पत्नी को अलग–अलग दो वित्तीय हस्तियाँ माना जाता था तथा पत्नी को पूर्ण कानूनी स्वतंत्रता प्राप्त थी।

कामचलाऊ साक्षरता की दरे साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न–भिन्न थी। पोम्पई नगर में काम चलाऊ साक्षरता व्यापक रूप में विद्यमान थी।

इस साम्राज्य में सांस्कृतिक विविधता भी कई रूपों में देखने को मिलती है।

आर्थिक विस्तार :–साम्राज्य में बंदरगाहों, खदानों, ईट–भट्टों, जैतून के तेल के कारखाने आदि की संख्या अधिक थी। गेंहूँ, अंगूरी शराब तथा जैतून का तेल मुख्य व्यापारिक मदे थी। स्पेन की सोने व चाँदी की

खानों में जल शक्ति से खुदाई की जाती थी और इनसे खनिज निकाले जाते थे। उत्पादकता का स्तर ऊंचा था। बैंकिग व्यवस्था थी।

श्रमिकों का नियंत्रण :– रोमन साम्राज्य में दासों की बहुत बड़ी संख्या थी। जहाँ उच्च वर्ग के लोग दासों के प्रति प्रायः क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते थे, वहीं साधारण लोग उनके प्रति सहानुभूति रखते थे। जब दासों की आपूर्ति में कमी आने लगी तो दास प्रजनन तथा वेतनभोगी मजदूरों जैसे विकल्पों का सहारा लिया गया। कामगारों को दागा जाता था ताकि यदि वे भागने का प्रयास करते तो उन्हें पहचाना जा सके।

सामाजिक श्रेणियां :– साम्राज्य में सैनेटर, अश्वरोही वर्ग, समाज का उच्च वर्ग, निम्नतर वर्ग तथा दास आदि विभिन्न सामाजिक समूह थे। सैनेटर व अश्वरोही वर्ग अभिजात वर्ग थे। निम्नतर वर्ग में ग्रामीण श्रमिक थे। जबकि मध्यम वर्ग में नौकरशाही और सैनिक शामिल थे।

परवर्ती पुराकाल :– तीसरी शताब्दी के उतरार्द्ध से लेकर 7वी शताब्दी तक के काल को परवर्ती रोमन साम्राज्य के नाम से जाना जाता है।

सम्राट डायोक्लीशियन (284–305 ई.) ने सामरिक तथा आर्थिक दृष्टि से महत्वहीन क्षेत्रों को छोड़कर साम्राज्य–विस्तार को कम किया।

सम्राट कांस्टेन्टाइन ने 'सालिडस' नामक सोने का एक नया सिक्का चलाया तथा दूसरी राजधानी कुस्तुन्तुनिया का निर्माण करवाया।

रोमन लोग बहुदेववादी थे। ये लोग जूपिटर, जूनो, मिनर्वा आदि अनेक देवताओं की पूजा करते थे। यहुदी धर्म रोम साम्राज्य का एक अन्य बड़ा धर्म था।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न : (एक अंकीय) 1

1. रोमन साम्राज्य को कितने चरणों में बांटा गया?

   (अ) 2 (ब) 3

   (स) 4 (द) 5 ( )

2. सॉलिडस क्या है ?

   (अ) सोने का सिक्का (ब) चांदी का सिक्का

   (स) तांबे का सिक्का (द) पोटीन का सिक्का ( )

3. पैपाइरस क्या है ?

   (अ) एक पौधा (ब) एक कपड़ा

   (स) एक औजार (द) एक जाति ( )

4. ससानी वंश स्थापित हुआ था ?

(अ) ईरान (ब) ईराक

(स) चीन (द) रूस ( )

5. अरबों ने कार्थेज को कब जीता था ?

(अ) 696 ई.में (ब) 697 ई. में

(स) 698 ई.में (द) 699 ई.में ( )

6. रोमन सम्राट जिसका शासनकाल शांति केलिए याद किया जाता है ?

(अ) आगस्टस (ब) त्राजान

(स) टिबेसियस (द) कॉन्स्टैन्टाइन

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. सैनेट में .... का बोलबाला था। (अभिजात वर्ग / श्रमिक वर्ग)
2. .... नगर 79 ई. में ज्वालामुखी फटने से दफन हो गया था। (पोम्पेई / रोम)
3. रोम साम्राज्य में स्त्रियों की .... स्थिति काफी सुदृढ़ थी। (कानूनी / वित्तीय)
4. रोम साम्राज्य की अर्थव्यवस्था बहुत कुछ .... के बल पर चलती थी। (दास श्रम / पुरोहित श्रम)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए–

3. प्रिंसिपेट से आप क्या समझते है ?
4. ड्रेसल–20 क्या था ?
5. रोमवासियों के चार प्रमुख देवी–देवताओं के नाम लिखिए।
6. सैनेट से आप क्या समझते है ?
7. त्राजान कौन था ? उसने साम्राज्य विस्तार के लिए अभियान कब किया ?
8. एम्फोरा से आप क्या समझते है ?
9. रोम साम्राज्य का राजधर्म क्या था ?
10. परवर्ती–पुराकाल से क्या आशय है ?
11. यहुदी–विद्रोह से क्या आशय है ?
12. परवर्तीकाल में रोम साम्राज्य कितने वर्गों में विभक्त था ? लिखिए।

13. बलात भर्ती वाली सेना से क्या आशय है ?

14. रोमन साम्राज्य के राजनीतिक इतिहास में मुख्य भूमिका किन वर्गों की थी ?

15. सोने का नया सिक्का (सॉलिडस) कब व किस शासक द्वारा चलाा गया ?

16. रोमन साम्राज्य के किस नगर में साक्षरता व्यापक रूप से विद्यमान थी ?

17. रोमन साम्राज्य में श्रमिकों पर नियंत्रण करने के लिए किए जाने वाले दो उपाय लिखिए।

18. इतिहासकार टैसियस ने किन चार सामाजिक वर्गों की उपस्थिति का रोमन साम्राज्य में उल्लेख किया?

19. सबसे अच्छी किस्म की राल रोम में कहाँ से आती थी ?

20. कैम्पेनिया क्यों प्रसिद्ध था ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए–

21. गृहयुद्ध से आप क्या समझते हैं ? रोम में गृहयुद्ध क्यों होते थे ?

22. जस्टीनियन की दो विजयों का उल्लेख कीजिए।

23. रोमन साम्राज्य में साक्षरता की स्थिति पर टिप्पणी लिखए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए–

24. रोम की सेना की विशेषताएँ लिखिए।

25. परवर्तीकाल में रोमन सम्राट कान्स्टैन्टाइन द्वारा किए गए सुधारों पर टिप्पणी लिखिए।

26. ''सम्राट, अभिजात वर्ग और सेना रोमन साम्राज्य के राजनीतिक इतिहास में तीन मुख्य खिलाड़ी थे।'' स्पष्ट कीजिए।

27. रोमन साम्राज्य में तीसरी शताब्दी में आए संकटों का वर्णन कीजिए।

28. रोमन साम्राज्य की आर्थिक प्रगति का वर्णन कीजिए।

अध्याय–3

''यायावर साम्राज्य''

पाठ का सारांश :

भूमिका :–13वीं शताब्दी के प्रारम्भिक दशकों में यूरो–एशियाई महाद्वीप के महान साम्राज्यों ने मध्य एशिया के स्टेपी प्रदेश में एक नयी राजनैतिक शक्ति के अभ्यूदय के खतरे का अनुभव किया, जिन्हें मंगोल के नाम से जाना गया। मंगोल विविध जनसमुदाय का एक निकाय था जो कि तातार, खितान, मंचू और तूर्की कबीलों से संबद्ध थे। ये पशुपालक व शिकारी संग्राहक थे और अपने पशुधन के साथ यायावरी (धुमक्कड़) जीवन व्यतीत करते थे। मंगोल पशुधन प्राप्ति के लिए लूटपाट भी करते थे। नृजातीय और भाषायी संबंधों ने मंगोल लोगों को परस्पर जोड़ रखा था, परन्तु आर्थिक संसाधनों की कमी से उनका समाज अनेक पितृ पक्षीय वंशों में विभाजित था।

मंगोलों का प्रमुख नेता चंगेज खान (जन्म 1162 ई.) था, जिसका बचपन का नाम तेमुजिन था। मंगोल कबीले के सरदारों की एक सभा–किरिलताई ने उसे 'चंगेज खान' 'सार्वभौमिक शासक' की उपाधि दी ओर उसे मंगोलों का महानायक घोषित किया।

चंगेज खान की मृत्यु (1227) के पश्चात मंगोलों ने रूस के स्टेपी क्षेत्र, बुलधार, कीव पौलेंड व हंगरी में सफलता प्राप्त की। 1300 ई. तक मंगोलों ने समस्त चीन, इराक, ईरान और सीरिया पर विजय प्राप्त की।

सैनिक संगठन :–साम्राज्य विस्तार की भावना से प्रेरित मंगोलों ने एक दशमलव पद्धति पर आधारित सेना का गठन किया, जिसकी सबसे बड़ी इकाई लगभग 10,000 सैनिकों की थी। ये सैन्य टुकड़ियां चंगेज खान के पुत्रों के अधीन थी। चंगेज खान ने नव–विजित प्रदेशों पर शासन करने का उत्तरदायित्व अपने चार पुत्रों को सौंप दिया, इससे 'उलुस' नामक संस्था का गठन हुआ। चंगेज खान ने एक चुस्त हरकारा पद्धति अपनाई जिससे राज्य के दूरदराज के स्थानों से परस्पर संपर्क रखा जाता था।

मंगोलो की देखरेख में 'रेशममार्ग' पर व्यापार अपनी चरम अवस्था पर था। सुरक्षित यात्रा के लिए यात्रियों को पास दिए जाते थे, बदले में व्यापारी 'बाज' नामक कर अदा करते थे।

चंगेज खान ने प्रशासनिक नियमों की एक संहिता (यास) भी लागू की थी।

चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में स्थान :–

मंगोलों में चंगेज खान सर्वाधिक योग्य व शक्तिशाली शासक था। उसने मंगोलों को संगठित किया, शक्तिशाली व समृद्ध बनाया। उसने विशाल साम्राज्य स्थापित किया तथा व्यापारिक मार्गों व बाजारों को पुनर्स्थापित किया। मंगोल सेना में सर्वधर्म तथा सर्वजाति के लोगों को भर्ती किया तथा प्रशासन में बिना किसी जातीय भेद के योग्य व्यक्तियों को नियुक्त किया। उनका शासन बहु–जातीय, बहु–भाषी, बहु–धार्मिक

था, जिसको अपने बहुविध संविधान का कोई भय नहीं था। यह तत्कालीन समय के लिए एक असामान्य बात थी।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न : **(एक अंकीय) 1**

1. किसानों और नगरों के रक्षक के रूप में कौन प्रसिद्ध था ?

   (अ) कुबलई खान (ब) चंगेज खान

   (स) आगोदेई (द) चघताई ( )

2. चंगेज खान को मंगोलो का ''सार्वभौमिक शासक'' कब घोषित किया गया ?

   (अ) 1204 ई. (ब) 1205 ई.

   (स) 1206 ई. (द) 1207 ई. ( )

3. चंगेज खान की विधि संहिता कहलाती है ?

   (अ) उलुस (ब) किरिलताई

   (स) यास (द) तामा ( )

4. मंगोल यायावर थे–

   (अ) चीन के (ब) मध्य एशिया के स्टेपी क्षेत्र के

   (स) रूस के (द) सीरिया के ( )

5. किस मंगोल शासकने अपने सेनापतियों को आदेश दिया था किवे किसानों को न लूटे और उनकी रक्षा करें ?

   (अ) जोची (ब) कुबलई खान

   (स) चंगेज खान (द) गजन खान ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. चंगेज खान का जन्म.............................. में हुआ। (1162 / 1165)
2. मंगोल साम्राज्य का संस्थापक .... था। (चंगेज खान / बाबर)
3. चंगेज खान का सैन्य संगठन .... पद्धति पर आधारित था। (दशमलव / ग्रिड)
4. मंगोलों को व्यापार के लिए .... देश के स्थायी निवासियों के पास जाना पड़ता था। (चीन / ईरान)
5. चंगेज खान ने बुखारा पर .... में विजय प्राप्त की। (1220 / 1320)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए–

3. चंगेज खान के बचपन का क्या नाम था ?
4. मार्कोपोलो का यात्रा वृतांत किस भाषा में उपलब्ध है ?
5. पहला इल–खनी शासक कौन था, जिसने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण किया ?
6. किरिलताई से आप क्या समझते है ?
7. तैमूर ने स्वंय को किन उपाधियों से विभूषित किया ?
8. कुबकर क्या था ?
9. बाज नामक कर किनसे वसूला जाता था ?
10. यायावर कौन थे ?
11. चंगेज खान की दो उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।
12. चीन की महान दीवार क्यों बनवाई गई थी ?
13. चंगेज खान ने निशापुर में कत्ले–आम का आदेश क्यों दिया ?
14. मंगोल शासक मोन्के ने फ्रांस के शासक लुई नौवें को क्या चेतावनी दी थी ?
15. मंगोलों की सामाजिक स्थिति कैसी थी ?
16. हरकारा पद्धति मंगोल शासकों के लिए किस प्रकार उपयोगी हुई ?

निम्न प्रश्नों के 40 शब्दों में दीजिए–

17. 'नोयान' से क्या अभिप्राय है ?
18. उलुस का गठन किस प्रकार हुआ ?
19. मंगोल कबीलों की विशेषताएं लिखिए।
20. मंगोलों का महानायक किसे घोषित किया गया और किसके द्वारा घोषित किया गया ?

निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए–

21. मंगोलों के सैनिक प्रबंधन की विशेषताएं लिखिए।
22. मंगोल परिसंघ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
23. चंगेज खान और मंगोलों की उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए।

अध्याय–4

''तीन वर्ग''

पाठ का सारांश :–

सामंतवाद जर्मन भाषा के फ्यूड से बना है, जिसका अर्थ है– भूमि का टुकड़ा। यह एक ऐसे समाज की ओर संकेत करता है जो मध्य फ्रांस और बाद में इंग्लैण्ड तथा इटली में भी विकसित हुआ। आर्थिक दृष्टि से सामंतवाद कृषि उत्पादन को इंगित करता है जो सामंत और कृषकों के संबंधों पर आधारित है।

गॉल रोमन साम्राज्य का एक प्रान्त था जिसे जर्मन जनजाति फ्रेंक ने अपना नाम देकर फ्रांस बना दिया। छटी सदी से यह ईसाई राजाओं द्वारा शासित राज्य था। इंग्लैण्ड–स्काटलैंड द्वीपों को ग्यारहवीं शताब्दी में फ्रांस के एक प्रान्त नारमंडी के राजकुमार द्वारा जीत लिया गया था।

तीन वर्ग :–9वीं से 16वीं सदी के मध्य पश्चिमी यूरोप में होने वाले सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक परिवर्तनों में तीन सामाजिक श्रेणियों (वर्गों) :– (1) ईसाई पादरी (2) भूमिधारक अभिजात वर्ग और (3) कृषक वर्ग के बीच बदलते संबंध इतिहास को गढ़ने वाले प्रमुख कारक थे।

द्वितीय वर्ग– अभिजात वर्ग – सामाजिक प्रक्रिया में अभिजात वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका थी। अभिजात वर्ग राजा के अधीन जबकि कृषक अभिजात वर्ग के अधीन होते थे। इस वर्ग को कुछ विशेष अधिकार प्राप्त थे। अभिजात वर्ग का घर 'मेनर' कहलाता था।

लार्ड का अपना मेनर भवन होता था। वह गांवों पर नियंत्रण रखता था। इसकी भूमि कृषक जोतते थे।

नाइट :– 9वीं सदी में यूरोप के स्थानीय युद्धों में कुशल अश्व सेना की आवश्यकता हुई। इससे एक नए वर्ग नाइट्स को बढ़ावा मिला। नाइटस का लार्ड से वैसा ही संबंध था जैसा लार्ड का राजा के साथ था। लार्ड ने नाइट को भूमि का एक भाग (फीफ) दिया और उसकी रक्षा करने का वचन दिया। फीफ की भूमि को कृषक जोतते थे, बदले में नाइट लार्ड को एक निश्चित रकम देता था तथा युद्धों में उसकी ओर से लड़ने का वचन देता था।

प्रथम वर्ग– इसमें पादरी थे। कैथोलिक चर्च अपनी भूमियों से कर वसूल सकते थे। यूरोप में ईसाई समाज का मार्गदर्शन विशपों तथा पादरियों द्वारा किया जाता था। धर्म के क्षेत्र में विशप अभिजात माने जाते थे।

भिक्षु :– धार्मिक जीवन व्यतीत करने वाले ये लोग मठों में रहते थे तथा ये हर समय प्रार्थना करने, अध्ययन और कृषि जैसे शारीरिक श्रम में लगाने का व्रत लेता था। भिक्षु और भिक्षुणिया विवाह नहीं कर सकते थे।

चौथी सदी से ही क्रिसमस और ईस्टर कैलेंडर की महत्वपूर्ण तिथियां बन गई। तीर्थयात्रा ईसाइयों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी।

तीसरा वर्ग किसान, स्वतंत्र और बंधक :– किसान तीसरा वर्ग में शामिल था। किसान दो तरह के थे– (1) स्वतंत्र किसान (2) सर्फ(कृषि दास) स्वतंत्र किसान अपनी भूमि को लार्ड के काश्तकार के रूप में देखते थे।

कृषकों के परिवारों को लार्ड की जागीरों पर जाकर काम करने के लिए सप्ताह के तीन या उससे अधिक कुछ दिन निश्चित करने पड़ते थे।

लार्ड और सामंतों के सामाजिक तथा आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारकों में पर्यावरण, भूमि का उपयोग तथा नई कृषि प्रौद्योगिकी आदि उल्लेखनीय थे।

चौथा वर्ग—नए नगर और नगरवासी :— 11वीं सदी में कृषि का विस्तार के फलस्वरूप कृषक लोग नगरों में आने लगे। स्वतंत्र होने की इच्छा रखने वाले अनेक कृषिदास भाग कर नगरों में छिप जाते थे। अपने लार्ड की नजरों से एक वर्ष व एक दिन तक छिपे रहने में सफल रहने वाला कृषिदास स्वतंत्र नागरिक बन जाता था।

12वीं सदी में फ्रांस में बड़े चर्चों का निर्माण होने लगा जिन्हें कथीड्रल कहा गया। इनके आसपास का क्षेत्र विकसित हुआ तथा ये तीर्थ स्थान बन गए।

चौदहवीं सदी का संकट :— 14वीं सदी की शुरूआत तक यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया। ऐसा तीन कारणों से हुआ :— (1) 1315—17 के बीच पड़े भयंकर अकाल।

(2) धातु मुद्रा में कमी आना।

(3) प्लेग।

इससे भारी विनाश हुआ।

15वीं और 16वीं सदियों में यूरोपीय शासकों ने अपनी सैन्य व वित्तीय शक्ति को बढ़ाया। अनेक शासकों ने स्थायी सेना स्थायी नौकरशाही तथा राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया को शुरू किया।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न :** **(एक अंकीय) 1**

1. यूरोप का फ्रांसीसी समाज कितने वर्गों में विभाजित था ?
   (अ) 2 (ब) 3
   (स) 4 (द) 5 ( )
2. टैली क्या था ?
   (अ) एक प्रकार का कर (ब) एक प्रकार का औजार
   (स) एक प्रकार का फल (द) एक प्रकार का सिक्का ( )
3. मैनर क्या थे ?
   (अ) लार्डके घर (ब) किसानों के घर
   (स) दासों के घर (द) राजा का महल ( )
4. इंग्लैण्ड में सामंतवाद का विकास हुआ—

(अ) 13वीं सदी में (ब) 9वीं सदी में

(स) 11वीं सदी में (द) 8वीं सदी में ( )

5. पोपलियो-III शार्लमेन को पवित्र रोमन सम्राट का ताप पहनाया–

(अ) 770ई. (ब) 800 ई.

(स) 810 ई. (द) 825 ई. ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. इंग्लैण्ड में सामंतवाद का विकास .... सदी में हुआ (11वीं / 13वीं)
2. फ्रांस के नगरों में बनने वाले बड़े चर्च .... कहलाते थे। (कथीड्रल / चर्च)
3. किसानों द्वारा चर्च को .... नामक कर दिया जाता था। (टीथ / गैबल)
4. यूरोप में ईसाई समाज का मार्गदर्शन विशपो और पादरियों द्वारा किया जाता था जो .... के अंग थे। (प्रथम वर्ग / नाइट)
5. इंग्लैण्ड में .... को मृत्युदण्ड देकर वहाँ गणतंत्र की स्थापना की गई। (चार्ल्स प्रथम / चार्ल्स पंचम)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए–

3. नाइट्स से आप क्या समझते है ?
4. यूरोप के दो प्रसिद्ध मठों के नाम लिखिए।
5. सामंतवाद पर सर्वप्रथम कार्य करने वाले विद्वान कौन थे ?
6. यूरोप में 14वीं शताब्दी के दो संकटों का उल्लेख कीजिए।
7. फ्रांस की 'एस्टेटस जनरल' से आप क्या समझते है ?
8. कृषिदास से आप क्या समझते है ?
9. श्रम अधिशेष से आप क्या समझते है ?
10. काश्तकार कितने प्रकार के होते थे ?
11. 15वीं व 16वीं शताब्दी में यूरोपीय शासकों को 'नए शासक' क्यों कहा गया ?
12. भिक्षुओं की कोई दो विशेषताएं लिखिए।
13. यूरोप में चौथा वर्ग किन लोगों का था ?
14. आबे से क्या आशय है ?
15. कौन लोग पादरी बनने के लिए अयोग्य थे ?

16. पादरियों और भिक्षुओं में क्या अंतर था ?

17. अभिजात वर्ग की दो विशेषाधिकारों को लिखिए।

18. 5वीं से 11वीं शताब्दी तक यूरोप में पर्यावरण का कृषि पर क्या प्रभाव पड़ा ?

19. आप कथीड्रल नगर के बारे में क्या जानते है ?

20. मध्यकाल में प्रारम्भ में इंग्लैण्ड की कृषि प्रौद्योगिकी के दोष लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए—

21. मध्यकालीन यूरोप में वैसलेज नामक प्रथा क्या थी ?

22. फ्रांस के प्रारम्भिक सामंती समाज के दो लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

23. सामंतवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए—

24. मध्यकालीन फ्रांस में अभिजात वर्ग को कौन—कौनसे अधिकार प्राप्त थे ?

25. पादरियों और विशपों की विशेषताएँ लिखिए।

26. मध्यकालीन यूरोपीय समाज कितने सामाजिक वर्गों में बँटा हुआ था, वर्णन कीजिए।

27. मध्यकालीन यूरोप में लार्ड और सामंतों के सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

अध्याय–5

''बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ''

पाठ का सारांश :–

जब पश्चिमी यूरोप सामंती संबंधों के कारण नया रूप ले रहा था तथा चर्च के नेतृत्व में उसका एकीकरण हो रहा था, पूर्वी यूरोप बाइजेंटाइन साम्राज्य के शासन में बदल रहा था तब पश्चिम में इस्लाम एक साझी सभ्यता का निर्माण कर रहा था। इन्हीं परिवर्तनों ने इतालवी संस्कृति के पुनरूत्थान में सहायता प्रदान की। यूरोप में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय इटली के शहरों में स्थापित हुए। पेट्रार्क ने इस बात पर बल दिया कि प्राचीन यूनानी और रोमन लेखकों की रचनाओं का भली–भांति अध्ययन किया जाना चाहिए।

15वीं सदी में मानवतावादी शब्द उन अध्यापकों के लिए प्रयुक्त होता था जो व्याकरण, अलंकारशास्त्र, कविता, इतिहास और नीतिदर्शन विषय पढ़ाते थे। फ्लोरेंस नगर की प्रसिद्धि में दांते तथा जोटो का प्रमुख हाथ था।

मानवतावादियों ने 5वीं सदी से लेकर 14वीं सदी तक के युग को 'मध्ययुग' की संज्ञा दी। उनके अनुसार 15वीं सदी से आधुनिक युग की शुरूआत हुई।

एक ओर यूरोप के विद्वान यूनानी ग्रंथों के अरबी अनुवाद का अध्ययन कर रहे थे, दूसरी ओर वे अरबी व फारसी विद्वानों की रचनाओं को अन्य यूरोपीय लोगों के बीच प्रसार के लिए अनुवाद कर रहे थे। ये ग्रंथ प्राकृतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान, औषधि विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित आदि से संबंधित थे।

इसके अलावा मूर्तिकला के क्षेत्र में दोनातल्लों ने सजीव मूर्तियाँ बनाकर नई परम्परा स्थापित की। चित्रकला के क्षेत्र में लियानार्डो द विंची नामक चित्रकार ने 'मोनालिसा' तथा 'द लास्ट सपर' नामक चित्रों का निर्माण किया। शरीर विज्ञान, रेखागणित, भौतिकी और सौंदर्य की उत्कृष्ट भावना ने इतालवी कला को नया रूप दिया जिसे यथार्थवाद कहा गया। वास्तुकला के क्षेत्र में एक नई शैली को बढ़ावा दिया गया जिसे 'शास्त्रीय शैली' कहा गया। 1455 ई. में जोहानेस गुटनवर्ग ने पहले छापेखाने का निर्माण किया जिससे अनेक क्लासिकी ग्रंथों का मुद्रण इटली में संभव हुआ।

मानवतावादी संस्कृति के फलस्वरूप मानव जीवन पर धर्म का नियंत्रण कमजोर हुआ। लोरेन्जोवल्ला ने भोग विलास पर ईसाई धर्म की निषेधाज्ञा की आलोचना की तथा अच्छे व्यवहार की वकालत की।

मध्ययुगीन यूरोप में प्रायः सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत न्यून थी परन्तु व्यापारी वर्ग की स्त्रियां दुकानों में उनकी सहायता करती थी। आधुनिक युग में कुछ महिलाएं बौद्धिक रूप से रचनात्मक और मानवतावादी दृष्टिकोण से प्रभावित थी।

पोप तथा चर्च के जीवन के हर क्षेत्र (सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक) में बढ़ते हस्तक्षेप से लोगों में असंतोष था।

पादरी लोगों से धन लुटने के लिए 'पाप–स्वीकारोक्ति' नामक दस्तावेज का लाभ उठा रहे थे, जिससे जन साधारण में असंतोष व्याप्त था।

इसी क्रम में 1517 में मार्टिन लूथर ने कैथोलिक चर्च के विरूद्ध अभियान छेड़ा, इस आंदोलन को 'प्रोटेस्टेंट सुधारवाद' की संज्ञा दी गई। इस आंदोलन की बढ़ती प्रगति से कैथोलिक चर्च बड़ा चिंचित हुआ और उसने भी अनेक आंतरिक सुधार करने शुरू कर दिए।

कोपरनिकसीय क्रांति–पौलेंड के वैज्ञानिक कोपरनिकस ने सर्वप्रथम यह बताया कि पृथ्वी सहित समस्त ग्रह सूर्य के चारो ओर परिक्रमा करते है। जोहानेस कैप्लर ने अपने ग्रंथ में कोपरनिकस के सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया। गैलीलियो ने गतिशील विश्व के सिद्धांत की पुष्टि की तथा न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

गैलीलियों तथा अन्य विचारकों ने बताया कि ज्ञान विश्वास से हटकर अवलोकन एवं प्रयोगों पर आधारित है।

14वीं शताब्दी में यूरोप में आए सांस्कृतिक परिवर्तनों में रोम और यूनान की 'क्लासिकी' सभ्यता का ही हाथ नहीं था। यूरोपीय लोगों ने यूनानियों, रोमनवासियों, भारत, अरब, ईरान, चीन आदि से ज्ञान प्राप्त किया। इस काल में व्यक्ति की दो भूमिकाएं थी– (1) निजी, (2) सार्वजनिक।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न : (एक अंकीय) 1

1. पुनर्जागरण के लिए प्रयुक्त शब्द 'रेनेसाँ' किस भाषा का शब्द है ?
   (अ) फ्रेंच (ब) लैटिन
   (स) इटालवी (द) अरबी ( )
2. कोलंबस अमरिका कब पहुंचा ?
   (अ) 1490 (ब) 1491
   (स) 1492 (द) 1493 ( )
3. 15वीं शताब्दी के मध्य में जर्मनी के किस व्यक्ति ने छापेखाने का आविष्कार किया ?
   (अ) विलियम प्रथम (ब) जानसन
   (स) टामस मूर (द) जोहानेस गूटेनबर्ग ( )
4. 'द लास्ट जजमेन्ट' नामक चित्र रचना किसने की ?
   (अ) माइकेल एंजेलो (ब) राफेल
   (स) पैट्रार्क (द) दांते ( )
5. मानववाद का जनक कौन था ?

(अ) पैट्रार्क (ब) दांते

(स) गिबेर्टी (द) जानहस ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ''पृथ्वी सहित समस्त ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते है।'' इस सिद्धांत का प्रतिपादन .... ने किया। (कॉपरनिक्स / गैलिलियो)

2. 'सोसायटी ऑफ जीसिस' संस्था की स्थापना .... में की गई। (1540 / 1640)

3. जर्मनी में प्रोटेस्टेंट आंदोलन को शुरू करने वाला .... था। (मार्टिन लूथर / गिबर्टी)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए–

3. लियोनार्डो द विंची के द्वारा बनाए गए दो चित्रों के नाम लिखिए।
4. 'केन्टरबरी टेल्स' नामक पुस्तक किसने लिखी ?
5. पेट्रार्क को रोम में 'राजकवि' की उपाधि से कब सम्मानित किया गया ?
6. मैकियावली ने अपने ग्रंथ 'दि प्रिन्स' में मानव के स्वभाव के बारे में क्या बताया ?
7. फ्लोरेंस के दो प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम लिखिए।
8. यूरोप में सर्वप्रथम पुनर्जागरण कहाँ प्रारम्भ हुआ ?
9. मार्टिन लूथन कौन था ?
10. जेसुइट का क्या उद्देश्य था ?
11. मानवतावादियों ने 15वीं सदी से शुरू होने वाले काल को 'आधुनिक युग' (नए युग) की संज्ञा क्यों दी?
12. पाप–स्वीकारोक्ति से आप क्या समझते है ?
13. 'कान्स्टैन्टाइन के अनुदान' से क्या आशय है ? मानवतावादियों का इसके बारे में क्या विचार थे ?
14. यथार्थवाद से क्या आशय है ?
15. 'कोपरनिकसीय क्रांति' से क्या अभिप्राय है ?
16. 16वीं शताब्दी की रचनाओं से महिलाओं की किन आकांक्षाओं का बोध होता है ?
17. माइकल एंजेलो के बारे में लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए–

18. धर्म सुधार तथा प्रतिधर्मसुधार आंदोलन से आप क्या समझते है ?

19. पुनर्जागरण की कोई चार विशेषताएं लिखिए।

20. प्रोटेस्टेंट आंदोलन के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

21. मानवतावाद से आप क्या समझते है ? इसकी कोई दो विशेषताएं लिखिए।

22. कसान्द्रा फेदेल कौन थी, उसने किस तत्कालीन विचारधारा को चुनौती दी ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए–

23. इटली में सर्वप्रथम पुनर्जागरण आरम्भ होने के क्या कारण थे ?

24. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

    1. इटली की वास्तुकला

    2. इस्लामी वास्तुकला

25. विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अरबों के योगदान की विवेचना कीजिए।

अध्याय–6

''मूल निवासियों का विस्थापन''

पाठ का सारांश :

सत्रहवीं शताब्दी के बाद स्पेन और पुर्तगाल के अमरीकी साम्राज्य का विस्तार नहीं हुआ जबकि दूसरी ओर फ्रांस, हॉलैंड व इंग्लैंड आदि ने अपनी व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार किया तथा अमरीका, अफ्रीका व एशिया में अपने उपनिवेश बसाना शुरू कर दिया। दक्षिण एशिया में कंपनियों ने अपने को राजनीतिक सत्ता का रूप देते हुए कर वसूली तथा व्यापारिक लाभ कमाने शुरू कर दिए।

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप उत्तर ध्रुवीय वृत से लेकर कर्क रेखा तक तथा प्रशांत महासागर से अटलांटिक महासागर तक फैला है। यहां सर्वप्रथम निवासी बोरिंग स्ट्रेट्स के आर पार फैले एशिया से आए। वे लोग मांस–मछली खाते थे तथा सब्जियां और मकई उगाते थे। वे कुशल कारीगर थे तथा उपहारों का आदान–प्रदान करते थे। 17वीं सदी में यूरोपीयन लोग उत्तरी अमेरिका के तट पर पहुंचे। ये लोग मछली और रोएंदार खाल के व्यापार के लिए आए थे। देसी लोग अपने कबीलों में बने हस्तशिल्पों के बदले कम्बल, लोहे के बर्तन, बंदूकें और शराब प्राप्त करते थे। जल्दी ही ये शराब की आदत के शिकार हो गए।

पारस्परिक धारणाएं –यूरोपियनों को अमरीका के मूल निवासी 'असभ्य' प्रतीत हुए। यूरोपीय लोग वहां से मछली और रोएंदार खाल प्राप्त कर उन्हें यूरोप में बेचकर मुनाफा कमाना चाहते थे। बहुत से यूरोपीय लोग धार्मिक अत्याचारों से बचने के लिए यूरोप छोड़ कर अमरीका में बस गए। संयुक्त राज्य अमेरिका की पश्चिमी सरहद खिसकती रहती थी और जैसे–जैसे ये खिसकती जाती, मूल निवासी भी पीछे खिसकने के को बाध्य किए जाते।

1861–65 में अमरीका में दास प्रथा को जारी रखने वाले और उसे समाप्त करने की वकालत करने वाले राज्यों के बीच युद्ध हुआ जिसमें दासता–विरोधियों की जीत हुई। दास प्रथा समाप्त कर दी गई।

जब अमरीका ने अपनी बस्तियों का विस्तार करना शुरू किया तो मूल निवासियों को वहाँ से हटने के लिए बाध्य किया गया। उन्हें जमीनों की बहुत कम कीमतें दी गई।

1840 में संयुक्त राज्य अमरीका के कैलीफोर्निया में सोने के कुछ चिन्ह मिले जिसने 'गोल्ड रश' को जन्म दिया। हजारों की संख्या में लोग अपने भाग्य–निर्माण की आशा में अमरीका पहुंचे। इसके चलते पूरे महाद्वीप में रेलवे–लाइनों का निर्माण हुआ।

अमरीका के संविधान में व्यक्ति के संपत्ति के अधिकार को शामिल किया गया। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकार और संपत्ति का अधिकार दोनों केवल गोरे लोगों के लिए थे। 1934 ई. में इंडियन रीआर्गेनाइजेशन एक्ट पारित, जिसके तहत आरक्षण में मूल निवासियों को जमीन खरीदने व ऋण लेने का अधिकार प्राप्त हुआ।

1954 में अनेक मूल निवासियों ने अपने द्वारा तैयार किए गए 'डिक्लेरेशन ऑफ इंडियन राइट्स' में इस शर्त के साथ अमरीका की नागरिकता स्वीकार की कि उनके रिजर्वशन्स वापस नहीं लिए जाएंगे और उनकी परम्पराओं में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा।

18वीं सदी के अंतिम दौर में आस्ट्रेलिया में मूल निवासियों के लगभग 700 समुदाय थे। इनकी अपनी भाषा थी। यहां के अधिकांश आबादकार इंग्लैंड से निर्वासित होकर आए थे।

आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की संस्कृति का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालयी विभागों की स्थापना हुई। अब मूल निवासियों ने अपने जीवन–इतिवृत्तों को लिखना शुरू कर दिया।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न :** **(एक अंकीय)** 1

1. ब्रिटिश लोगों ने वर्जीनिया उपनिवेश की खोज कब की ?

(अ) 1605 (ब) 1606

(स) 1607 (द) 1608 ( )

2. ऑस्ट्रेलियाई बस्तियों को स्वशासन का अधिकार कब मिला ?

(अ) 1850 (ब) 1851

(स) 1852 (द) 1853 ( )

3. कैनबरा को ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कब बनाया गया ?

(अ) 1910 (ब) 1911

(स) 1912 (द) 1913 ( )

4. क्यूबेक एक्ट कब पारित हुआ ?

(अ) 1774 (ब) 1775

(स) 1776 (द) 1777 ( )

5. कनाडामें संवैधानिक एक्ट कब लागू हुआ ?

(अ) 1791 (ब) 1792

(स) 1793 (द) 1794 ( )

6. ब्रिटेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता कब दी ?

(अ) 1780 (ब) 1781

(स) 1782 (द) 1785 ( )

7. अमेरिका के संविधान में व्यक्ति के किस अधिकार को शामिल किया गया ?

(अ) जीवन का अधिकार (ब) शिक्षा का अधिकार

(स) मताधिकार (स) संपत्ति का अधिकार

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. संयुक्त राज्य अमेरिका की .... सरहद खिसकती रहती थी। (पश्चिम / दक्षिण)
2. 18वीं सदी में पश्चिमी यूरोप के लोगों को अमरीका के मूल निवासी .... प्रतीत हुए। (सभ्य / असभ्य)
3. अमेरिका के .... राज्य दास प्रथा को समाप्त करने के समर्थक थे। (उतरी / दक्षिणी)
4. आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली लेखिका .... थी। (ज्यूडिथ राइट / हेनरी रेनाल्डस)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए–

3. कनाडा महासंघ का निर्माण कब हुआ ?
4. अमेरिकी फ्रंटियर का अंत कब हुआ ?
5. 'नेटिव' से आप क्या समझते है ?
6. कनाडा का महत्वपूर्ण उद्योग कौनसा है ?
7. आस्ट्रेलिया की खोज कब व किसने की ?
8. मूल निवासी से आप क्या समझते है ?
9. अमेरिका के मूल निवासियों के प्रति फ्रांसीसी दार्शनिक रूसो की क्या धारणा थी ?
10. 'वेमपुम बेल्ट' से आप क्या समझते है ?
11. एबोरिजिनीज से आप क्या समझते है ?
12. सब्सिडी अर्थव्यवस्था से क्या आशय है ?
13. संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान की दो विशेषताएं लिखिए।
14. सेटलर (आबादकार) शब्द किनके लिए प्रयुक्त होता था ?
15. उत्तरीअमेरिका के मूल निवासियों की दो विशेषताएं लिखिए।
16. जमीन के प्रति यूरोपीय लोगों का दृष्टिकोण मूल निवासियों से किस प्रकार भिन्न था ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए–

17. यूरोपीय व्यापारियों का उत्तरी अमेरिका जाने का क्या उद्देश्य था ? यहाँ के मूल निवासियों और यूरोपीय लोगों के बीच किन चीजों का आदान–प्रदान होता था ?

18. उपनिवेशों को ''राज्य'' या ''देश'' का दर्जा कैसे हासिल हुआ ?

19. कनाडाई सरकार के समक्ष प्रमुख समस्या क्या थी और उसका हल किस प्रकार हुआ ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए—

20. अमरीका में 1861—65 में गृह युद्ध क्यों हुए ? इसके क्या परिणााम निकले ?

21. यूरोपवासियों की आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के बारे में क्या धारणाएं थी ?

22. गोल्डरश से क्या आशय है? इससे उद्योगों को बढ़ावा क्यों मिला ?

अध्याय–7

''आधुनिकीकरण के रास्ते ''

पाठ का सारांश :

परिचय –चीन विशालकाय महाद्वीपीय देश है जिसमें कई तरह के जलवायु वाले क्षेत्र है। मुख्य क्षेत्र में हुआंग हे, छांगजियांग और पर्ल तीन प्रमुख नदिया है। हान प्रमुख जातीय समूह है और प्रमुख भाषा चीनी है।

जापान एक द्वीप श्रृंखला है, जिसमें चार बड़े द्वीप है। यह बहुत सक्रिय भूकम्प क्षेत्र है। चावल यहां की मूल फसल है, मछली प्रोटीन का मुख्य स्त्रोत है।

जापान– जापान पर क्योतो में रहने वाले सम्राट का शासन हुआ करता था, परन्तु 12वीं सदी आते–आते वास्तविक सत्ता शोगुनों के हाथ में आ गई जो राजा के नाम पर शासन करते थे। देश 250 भागों में विभाजित था, जिसका शासन दैम्पो चलाते थे। शोगुन दैम्पो पर नियंत्रण रखते थे तथा राजधानी 'एदो' में रहते थे। समुराई शासन करने वाले कुलीन थे जो शोगुन और दैम्पो की सेवा में थे। 17वीं सदी में यहां कई शहर पनपे तथा वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था का विकास हुआ, जिससे जापान एक अमीर देश के रूप में उभरा।

1867–68 में मेजी वंश के नेतृत्व में तोकुगावा वंश का शासन समाप्त किया गया। अब वास्तविक सत्ता सम्राट के हाथ में आ गई। 1870 के दशक में नई विद्यालय व्यवस्था का निर्माण किया गया। लड़के–लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य किया गया। आधुनिक सेना गठित, कानून व्यवस्था तथा सेना व नौकरशाही को सीधा सम्राट के निर्देशन में रखा गया। रेल लाईनों का निर्माण, कारखानों की स्थापना, बैंकिंग संस्थाओं की शुरूआत हुई, जिससे कारखानों में श्रमिकों की संख्या में वृद्धि हुई। सम्राट सैन्य बल का कमाण्डर था तथा उपनिवेश स्थापना पर बल दिया जाने लगा। कुछ बुद्धिजीवी जापान का पश्चिमीकरण चाहते थे।

कुछ पश्चिमी उदारवाद की ओर आकर्षित थे तथा कुछेक उदारवादी शिक्षा के समर्थक थे। रोजमर्रा की जिंदगी में पति–पत्नी साथ रहकर कमाते थे और घर बसाते थे। 1930–40 के दौरान जापान ने साम्राज्य विस्तार की लालसा में लड़ाईयां लड़ी। 1943 में एक संगोष्ठी 'आधुनिकता पर विजय' नाम से हुई। द्वितीय विश्व युद्ध में जापान को हार का सामना करना पड़ा।

चीन :– 1921 में चीन की साम्यवादी पार्टी की स्थापना हुई।

माओत्से तुंग के नेतृत्व में चीनी साम्यवादी पार्टी एक शक्तिशाली राजनीतिक शक्ति बनी। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार 1949 में स्थापित हुई। यह नए लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर आधारित थी। 1958 में लंबी छलांग वाले आंदोलन की नीति के द्वारा चीन का तेजी से औद्योगीकरण का प्रयास किया गया। 1965

में माओ द्वारा महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति शुरू की गई, जिससे खलबली का दौर शुरू हो गया। 1978 में साम्यवादी पार्टी ने अपने चार सूत्री लक्ष्य की घोषणा की। ये थे– विज्ञान, कृषि, उद्योग तथा रक्षा का विकास। 1989 ई. में बीजिंग के तियानमेन चौक पर छात्रों के प्रदर्शन को क्रूरतापूर्वक दबा दिया। गृहयुद्ध में चीनी साम्यवादी दल द्वारा पराजित होने के बाद चियांग–काई–शेक 1949 में ताइवान भाग गए। वहां उन्होंने चीनी गणतंत्र की घोषणा की। 1975 में इनकी मृत्यु हो गई।

कोरिया– 1392 ई. से 1910 ई. तक कोरिया पर जोसोन वंश का शासन था लेकिन 1910 में जापान ने अपनी कॉलोनी के रूप में कोरिया पर कब्जा कर लिया। जापानी औपनिवेशिक शासन अगस्त 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के साथ समाप्त हुआ। मुक्ति के बाद कोरियाई महाद्वीप उत्तरी और दक्षिणी दो भागों में विभक्त हो गया (38वीं समानांतर रेखा द्वारा)। जिसमें उत्तरी क्षेत्र का संचालन सोवियत संघ द्वारा और दक्षिणी क्षेत्र का संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालन किया गया।

अक्टूबर 1963 के चुनाव में सैन्य नेता 'पार्क–चुंग–ही' राष्ट्रपति बने। पार्क प्रशासन के दौरान 1960 के दशक में कोरिया का अभूतपूर्व आर्थिक विकास हुआ। 1979 में दूसरे तेल संकट और राजनीतिक अस्थिरता के चलते पार्क का प्रशासन अक्टूबर 1979 में पार्क चुंग–ही की हत्या के साथ समाप्त हो गया।

1980 में संविधान के तहत एक अप्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुन युसुइन राष्ट्रपति बने जिन्होंने लोकतंत्री प्रभाव का मजबूती से दमन किया। 1987 में नागरिकों को प्रत्यक्ष चुनाव का अधिकार मिला और कोरियाई लोकतंत्र का नया अध्याय शुरू हुआ। 1971 के बाद पहला प्रत्यक्ष चुनाव दिसम्बर 1987 में हुआ जिसमें एक सैनिक नेता 'रोह–ताए–वू' का चुनाव हुआ।

दिसम्बर 1992 में एक नागरिक नेता 'किम' को राष्ट्रपति चुना गया, जिन्होंने 1996 में आर्थिक सहयोग व विकास संगठन में शामिल होने का निर्णय लिया। लेकिन खराब प्रबंधन के कारण 1997 में उसे विदेशी मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा। इस संकट को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (I.M.F.) द्वारा आपात वित्तीय सहायता द्वारा संभालने की कोशिश की गई।

जापान का आधुनिकीकरण ऐसे वातावरण में हुआ जहाँ पश्चिमी साम्राज्यवादी शक्तियों का प्रभुत्व था। चीन के आधुनिकीकरण की यात्रा अलग थी। चीन साम्यवादी दल ने परम्परा को समाप्त करने की लड़ाई लड़ी।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न :** **(एक अंकीय) 1**

   1. चीन में साम्यवादी सरकार की स्थापना कब हुई ?

      (अ) 1949 (ब) 1950

      (स) 1951 (द) 1952 ( )

2. आधुनिक चीन का संस्थापक किसे माना जाता है ?

(अ) सनयांत–सेन (ब) चियांग काई शेक

(स) लेनिन (द) स्टालिन ( )

3. अमेरिका के किस कमोडोर ने जापान की सरकार को समझौता करने पर बाध्य किया ?

(अ) जेफरसन (ब) नेल्सन

(स) वांशिगटन (द) मैथ्यू पेरी ( )

4. जापान संयुक्त राष्ट्र का सदस्य कब बना ?

(अ) 1956 (ब) 1957

(स) 1958 (द) 1959 ( )

5. सीमा–विवाद को लेकर चीन ने भारत पर आक्रमण कब किया ?

(अ) 1962 (ब) 1963

(स) 1964 (द) 1965 ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. मेजी पुनर्स्थापना से पहले जापान में वास्तविक सत्ता............................ के हाथों में थी। (बुद्धिजीवी वर्ग / शोगुन)
2. 1910 में कोरिया पर .... ने कब्जा करलिया। (जापान / चीन)
3. रूस–जापान युद्ध .... में हुआ। (1905 / 1909)
4. चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना .... में हुई। (1921 / 1922)

निम्न प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए।

3. एशिया में पहली बार ओलंपिक खेल कब व कहाँ हुए ?
4. हिरोशिमा नागासाकी पर अणुबम हमले कब व किसके द्वारा किये गये ?
5. प्रथम विश्वयुद्ध कब से कब तक चला ?
6. जापान ने कोरिया को उपनिवेश कब बनाया ?
7. चीन का प्रमुख जातीय समूह कौनसा है ?
8. किसके नेतृत्व में 1911 में मांचू साम्राज्य को समाप्त कर दिया गया ?
9. जेसुइट मिशनरियों ने चीन में किन विधाओं को पहुँचाया ?
10. आधुनिक चीन की शुरुआत कब से मानी जाती है ?
11. शोगुन कौन थे ?

12. जापान का यौद्धा वर्ग क्या कहलाता था ?

13. निशिजिन क्यों प्रसिद्ध था ?

निम्न प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए।

14. कोरिया ने 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना किस प्रकार किया ?

15. चीन की प्रमुख नदियों के नाम लिखिए।

16. जापान के चार बड़े द्वीपों के नाम लिखिए।

17. मेजी पुनर्स्थापना से आप क्या समझते हैं ?

18. मेजियों की पुनर्स्थापना के कोई दो कारण लिखिए।

19. प्रथम अफीम युद्ध के कोई दो परिणाम लिखिए।

20. कन्फ्यूशियसवाद से आप क्या समझते हैं ?

21. गणतांत्रिक क्रांति के बाद चीन में किन दलों का उदय हुआ ?

22. चियांग काई शेक द्वारा किये गये कार्य लिखिए।

23. कुओमिंतांग की असफलता के क्या कारण थे ?

निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए।

24. मेजी शासन के अंतर्गत जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण किस प्रकार किया गया ?

25. जापान में मेजियो द्वारा शिक्षण व्यवस्था में सुधार हेतु क्या कदम उठाये गये ?

26. चीन पर जापानियों के हमले के क्या परिणाम निकले ?

27. सनयात–सेन द्वारा प्रतिपादित तीन सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

28. यूसिन संविधान पर टिप्पणी लिखिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : गृह विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2023–24

कक्षा–11वीं

विषय : गृह विज्ञान

परीक्षा	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धांतिक	4:15	70	100
प्रायोगिक	3	30	

		भाग–1	अंक
अध्याय–परिचय			2
इकाई–1	स्वंय को समझना–किशोरवस्था		28
इकाई–2	परिवार समुदाय और समाज के प्रति समझ		06
		भाग–2	
इकाई–3	बाल्यावस्था		18
इकाई–4	वयस्कावस्था		16

मानव परिस्थिति और परिवार विज्ञान भाग–I

अध्याय–1 परिचय 02

मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान–विषय का उद्भव और जीवन की गुणवत्ता के प्रति इसकी प्रासंगिकता

इकाई–1 स्वंय को समझनाः किशोरावस्था

अध्याय–2 स्वंय को समझना 04

2 क– मुझे 'मैं' कौन बनाता है?

स्वंय क्या है? व्यक्तिगत आयाम, सामाजिक आयाम, आत्म अवधारणा आत्म सम्मान।

2 ख– स्वंय का विकास एवं विशेषताएँ

शैशवकाल के दौरान स्वंय : विशेषताएँ

प्रारम्भिक बाल्यावस्था के दौरान स्वंय : विशेषताएँ

मध्य बाल्यावस्था के दौरान स्वंय : विशेषताएँ

किशोरावस्था के दौरान स्वंय : विशेषताएँ

पहचान विकास, पहचान का संकट, वास्तविक बनाम आदर्श स्वंय

2 ग– पहचान पर प्रभार–स्वबोध का विकास हम कैसे करते है?

स्व–बोध और पहचान की भावना विकसित करना

पहचान के निर्माण पर पड़ने वाले प्रभाव–जैविक और शारीरिक परिवर्तन, सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ, भावात्मक परिवर्तन, संज्ञात्मक परिवर्तन।

अध्याय–3 भोजन, पोषण स्वास्थ्य और स्वस्थ 08

संतुलित भोजन की परिभाषा, पोषण, पोषक तत्व, संतुलित आहार, आरडीए स्वास्थ्य और स्वस्थता, संतुलित आहार की योजना, बनाने के लिए बुनियादी खाद्य समूहों का उपयोग करना, फूड गाइड पिरामिड, शाकाहारी भोजन गाइड, किशोरावस्था में आहार पैटर्न, अनियमित भोजन और एक बार भोजन न करना, स्नैक्स, फास्ट फूड परहेज, आहार संबंधी व्यवाहार को संशोधित करना, आहार पत्रिका व्यायाम, पदार्थ का उपयोग और दुरूप्योग, स्वस्थ आहार की आदतें, नाश्ता, पीने का पानी, खाने के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक, किशोरावस्था में खाने के प्रकार।

मुख्य शब्द और उनके अर्थ :–

1. सक्रियता
2. संतुलित आहार
3. खाद्य वर्ग
4. स्तनपान
5. शरीर–क्रियात्मक स्थिति
6. संतुलित–आहारीय मात्रा

अध्याय–4 संसाधन प्रबंधन 06

संसाधनों का वर्गीकरण, मानव/गैर मानव, संसाधन, व्यक्तिगत/साझा संसाधन, प्राकृतिक/सामुदायिक मानव और गैर मानव संसाधन, मानव संसाधन के अन्तर्गत, ज्ञान, प्रेरणा, रूचि, कौशल, शक्ति योग्यता, समय और ऊर्जा गैर मानव संसाधनः धन, भौतिक संसाधन, व्यक्तिगत संसाधन, साझा संसाधन, प्राकृतिक संसाधन, सामुदायिक संसाधन संसाधनों की विशेषताएँ, उपयोगिता, सुलभता, विनिमेयता, प्रबंधनीय, संसाधन प्रबंधन–नियोजन, आयोजन, क्रियान्वयन, नियंत्रण, मूल्यांकन

अध्याय–5 कपड़े–हमारे आस–पास 06

सूत, रेशे, कपड़ा उत्पाद, परिष्करण की परिभाषा। रेशों के गुण, वस्त्र रेशों का वर्गीकरण, फिलामेंट/स्टेपल रेशे प्राकृतिक रेशे रेशों के प्रकार–सेल्यूलोसिक रेशे, प्रोटीन रेशे, प्राकृतिक रबर विनिर्मित रेशों के प्रकार–पुनर्जीवित सेल्युलोसिक रेशे, खनिज फाइबर, कपास सनी, ऊन, रेशम, रेयाल, नायलॉन, पॉलिस्टर ऐक्रेलिक, इलास्टोमेरिक रेशे, सूत, सूत प्रसंस्करण–सफाई, पूनी बनाना, तनुकरण,तानना और बटना सूत सम्बन्धी शब्दावली, सूत संख्या, सूत की बटें, सूत का धागा, कपड़ा उत्पादन, बुनाई, ब्रेडिग, जाल, फीते, लेस, वस्त्र परिष्करण रंग के साथ परिष्करण, छपाई (प्रिटिंग) कुछ महत्वपूर्ण रेशे :– कपास लिनेन, ऊन, रेशम, नॉयलान, पॉलीस्टर, एक्रिलिक, इलैस्टोमरी

अध्याय–6 संचार माध्यम और संचार कौशल 04

संचार और संचार प्रौद्योगिकी, संचार क्या है, संचार का वर्गीकरण, संचार कैसे होता है? संचार माध्यमों का वर्गीकरण और कार्य प्रौद्योगिकी क्या है, संचार प्रौद्योगिकियों का वर्गीकरण, आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियाँ

इकाई–2 परिवार, समुदाय और समाज के प्रति समझ–

अध्याय–7 विविध संदर्भ में सरोकार और आवश्यकताएँ 06

7 (क) पोषण स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विज्ञान

स्वास्थ्य और इसके आयाम, स्वास्थ्य देखभाल के सूचक, पोषण और स्वास्थ्य, पोषक तत्व, पोषणात्मक स्वस्थता को प्रभावित करने वाले कारक, पोषण संबंधी समस्याएं और उनके परिणम, स्वास्थ्य विज्ञान और स्वच्छता।

7 (ख) संसाधन उपलब्धता और प्रबंधन–

समय प्रबंधन– समय प्रबंधन कितना अच्छा है, समय और गतिविधि योजना के विविध चरण, कारगर समय प्रबंधन के लिए सुझाव, समय प्रबंधन की स्थितियाँ स्थान प्रबंधन– स्थान और घर, स्थान योजन के सिद्धान्त।

7 (ग) भारत की वस्त्र परम्पराएँ

भारत में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, तीन मुख्य रेशे–कपास रेशम ऊन रंगाई–रंगरोधी रंगाई वाले वस्त्र, कशीदाकारी, फुलकारी, कसूती, कान्था, कशीदा, चिकनकारी गुजरात के कशीदे, चंबा, रूमाल, निष्कर्ष।

इकाई–3 बाल्यावस्था

अध्याय–8 उत्तरजीविता वृद्धि और विकास

उत्तरजीविता का अर्थ, वृद्धि और विकास के क्षेत्र–शारीरिक विकास, क्रियात्मक (मोटर) विकास संज्ञानात्मक विकास, संवेदनात्मक विकास, भाषा संबंधी विकास, सामाजिक विकास, भावनात्मक विकास, विकास की अवस्थाएँ–शैशवावस्था से किशोरावस्था तक ज्ञान संबंधी विकास, विभिन्न चरणों में विकास, शारीरिक और क्रियात्मक (मोटर) विकास भाषा विकास, सामाजिक–भावनात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास।

अध्याय–9 पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वस्थता 06

शैशवस्था के दौरान पोषण, स्वास्थ्य और स्वस्थता (जन्म – 12 माह तक), शिशुओं की आहार संबंधी आवश्यकताएं, स्तनपान, स्तनपान के लाभ, जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं का आहार, पूरक भोजन–पूरक आहार के लिए दिशा–निर्देश, प्रतिरक्षा, शिशुओं और छोटे बच्चों में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी समस्याएँ, पूर्व विद्यालय–बच्चों का पौष्टिक संतुलित भोजन की योजना बनाना, कम लागत वाले अल्पाहार (स्नेक्स) के कुछ उदाहरण, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को खिलाना, प्रतिरक्षण, विद्यालय जाने वाले बच्चों का पोषण, स्वास्थ्य और स्वस्थता (7–12 वर्ष), (विद्यालयी) बच्चें की पोषण संबंधी आवश्यकताएँ, विद्यालय जाने वाले बच्चों के लिए आहार योजना, विद्यालय–पूर्व बच्चे एवं विद्यालय जाने वाले बच्चों की आहार मात्रा को प्रभावित करने वाले कारक, स्वस्थ आदतें, विद्यालयी बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी मुद्दे।

अध्याय–10 हमारे परिधान

वस्त्र के कार्य उनका चयन, शालीनता, सुरक्षा, सामाजिक स्तर और प्रतिष्ठा, श्रृंगार, भारत में वस्त्रों के चयन को प्रभावित करने वाले कारक–आयु, जलवायु और मौसम, अवसर, फैशन, आय, बच्चों की वस्त्र संबंधी मूल आवश्यकताओं को समझना–आराम और सुविधा, सुरक्षा, स्व–सहायता, दिखावट, वृद्धि के लिए गुंजाइश, सरल देखभाल, वस्त्र–बाल्यावस्था के विभिन्न अवस्थाओं में परिधान संबंधी आवश्यकताएँ, शैशवावस्था (जन्म से 6 माह) घुटने के बल चलने वाली (6 माह से 1 वर्ष), टोडलर (1–2 वर्ष), विद्यालय–पूर्व आयु (2–6 वर्ष), प्रारम्भिक स्कूली वर्ष (5–11 वर्ष), किशोर (11–19 वर्ष), विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के

लिए कपड़े।

इकाई–4 वयस्कावस्था

अध्याय–11 वित्तीय प्रबंधन एवं योजना

वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय नियोजन, प्रबुंधन

पारिवारिक आय के प्रकार– पारिवारिक आय, वास्तविक आय, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आय, मानसिक आय, आय प्रबंधन, बजट निर्माण के चरण, परिवार के बजट की योजना बनाने के लाभ, धन, प्रबंधन में नियंत्रण मानसिक और यांत्रिक जाँच, अभिलेख व खाते, बचत, निवेश, विवेकपूर्ण निवेशों के अंतर्निहित सिद्धांत –मूलधन राशि की सुरक्षा, प्रतिलाभ की तर्कसंगत दर, तरलता वैश्विक स्थितियों के प्रभाव की मान्यता, सुलभ पहुंच तथा सुविधा, आवश्यक वस्तुओं में निवेश, कर कुलशलता, निवेश उपरान्त सेवा, समयावधि, क्षमता, बचत और निवेश के अवसर–डाक घर, बैंक यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया, एनएससी, म्यूचुअल निधि, लोक भविष्य निधि, चिट फंउ, जीवन बीमा एवं चिकित्सा बीमा, पेंशन योजना स्वास्थ्य घर, जमीन साख (क्रेडिट) क्रेडिट की आवश्यकता, क्रेडिट के 4सी–चरित्र, क्षमता, पूंजी, संपार्शिवक

अध्याय–12 वस्त्रों की देखभाल तथा रखरखाव

विधि दाग धब्बे हटाने के लिए अभिकर्मक, गंदगी हटाना सफाई की प्रक्रिया साबुन और डिटरजेंट, धुलाई की विधियाँ, घर्षण, मलना और निचोड़ना, चूषण–पंप द्वारा धुलाई, मशीन से धुलाई अंतिम रूप देना (परिष्करण), नील तथा चमक पैदा करने वाले पदार्थ, स्टार्च तथा कड़ा करने वाले अभिकर्मक, शुष्क सफाई, कपड़ा उत्पादों का भंडारण, कपड़े की देखभाल को प्रभावित करने वाले कारक इस्तरी करना धागे संरचना, वस्त्र निर्माण रंग तथा अन्तिम रूप, देखभाल सम्बन्धी लेबल

निर्धारित पुस्तक – मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान–एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतितिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

कक्षा–11वीं

विषय – गृह विज्ञान प्रायोगिक

समय : 4 घंटे | पूर्णांक : 30

1. विकासात्मक मानदंडों का अवलोकन करें : (भौतिक, मोटर, भाषा और सामाजिक भावनात्मक) जन्म से तीन वर्ष तक 5

या

- एक दिन के लिए अपना आहार रिकॉर्ड करें। 5
- पर्याप्तता के लिए गुणात्मक रूप से मूल्यांकन करें।

2. एक किशोर के लिए स्वस्थ स्नैक्स तैयार करना। 7

3. किसी दिए गए स्थिति/उद्देश्य के लिए बजट की योजना बनाए। 3

4. अपने लिए एक समय योजना तैयार करें। 3

5. फाइबर गुणों का उनके उपयोग से संबंध 5

(क) थर्मल संपत्ति और ज्वलनशीलता

(ख) नमी पोषण और आराम या किसी भी परिधान का एक देखभाल लेवल तैयार करें।

6. फाइल 5

7. मौखिक 2

मॉडल प्रश्न पत्र– 2023–24

विषय गृह विज्ञान (सैद्धांतिक)

कक्षा – 11

समय 4.15 घंटे   कुल अंक 70

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्य रूप से लिखें।

2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।

खण्ड	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न
अ	1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति	1 2	1 x 15 = 15 1 x 5 = 5
ब	अतिलघूत्तरात्क प्रश्न	3 से 12	2x 10 = 20
स	लघूतरात्मक प्रश्न	13–17	3x5 = 15
	निबंधात्मक प्रश्न	18 से 20	5x3 = 15

खण्ड–अ

प्रश्न 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

(i) किस आयु तक शिशु को स्वंय की छवि की पहचान होने लगती है?

(अ) 14 महीने (ब) 18 महीने

(स) 24 महीने (द) 10 महीने ( )

(ii) दैनिक आवश्यकता के सभी अनिवार्य पोषक तत्वों से युक्त आहार कहलाता है –

(अ) आहार (ब) संतुलित आहार

(स) आर.डी.ए. (द) उपर्युक्त सभी ( )

(iii). शाकाहारी लोग मांस के विकल्प के रूप में क्या चयन कर सकते है?

(अ) फली व बीज (ब) सूखे मेवे

(स) टोफू (द) उपर्युक्त सभी ( )

(iv). निम्न में से भौतिक सामग्री कौन–सी है?

(अ) ज्ञान (ब) क्षमता

(स) रूचि (द) पेंसिल ( )

(v). मानवीय संसाधन की पहचान कीजिए–

(अ) धन (ब) कौशल

(स) फर्नीचर (द) खाद्य वस्तु ( )

(vi). निम्न में जंतु स्त्राव रेशा है–

(अ) हेम्प (ब) लेक्स

(स) रेशम (द) फर ( )

(vii) संचार के गैर शाब्दिक साधनों में शामिल है–

(अ) हाव–भाव (ब) मिजाज

(स) धूम्र संकेत (द) उपर्युक्तसभी ( )

(viii) भारतीय कपड़े का उत्पादन मुख्यतः किस रेशे से सम्बन्धित है?

(अ) कपास से (ब) रेशम से

(स) ऊन से (द) ये सभी ( )

(ix) सबसे बारीक कपड़ा मलमल खास या शाही मस्लिन को कहा बनाया गया?

(अ) ढाका में (ब) चीन में

(स) आगरा में (द) सूरत में

(x) मानव की जन्म से 2 वर्ष तक की अवधि को कहा जाता है–

(अ) शैशवावस्था (ब) आरम्भिक बाल्यावस्था

(स) मध्य बाल्यावस्था (द) किशोरावस्था ( )

(xi). जन्म के समय कितने किलोग्राम से कम वजन वाले शिशु को कम वजन वाला शिशु माना जाता है–

(अ) 2.5 किलोग्राम से कम (ब) 3 किलोग्राम से कम

(स) 4 किलोग्राम से कम (द) 3.5 किलोग्राम से कम ( )

(xii). गलगण्ड रोग होता है–

(अ) रक्त की कमी से (ब) थाइरॉइड ग्रंथि बढ़ने से

(स) विटामिन 'डी' की कमी से (द) विटामिन 'ए' की कमी से ( )

(xiii).निवेश से तात्पर्य है–

(अ) बचत करना (ब) ऋण लेना

(स) अधिक उत्पादन के लिए धन का उपयोग लेना (द) दान देना ( )

(xiv). दाग–धब्बे हटाने के पायसीकारक अभिकर्मक है–

(अ) साबुन तथा डिटरजेंट (ब) तारपीन तथा मिट्टी का तेल

(स) टेलकम पाउडर तथा चोक (द) नींबू तथा सिरका ( )

(xv) वित्तीय प्रबंधन का अंतिम घटक है–

(अ) बजट बनाना (ब) मूल्यांकन

(स) समायोजन (द) नियंत्रण ( )

प्रश्न2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

(i). किशोरावस्था पहचान के विकास हेतु .... अवस्था है। (महत्वपूर्ण/अमहत्वपूर्ण)

(ii) अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आहार में .... की पर्याप्त मात्रा लेना आवश्यक है। (पोषक तत्वों/सूखे मेवे)

(iii) स्थान, फर्नीचर, कपड़े, स्टेशनरी, खाद्य वस्तु आदि .... है।(भौतिक संसाधन/मानवीय संसाधन)

(iv) संचार शब्द अंग्रेजी के कम्यूनिकेशन का पर्याय है जो लैटिन भाषा के शब्द .... से निकला है। (काम्यूनिस/कम्यूनिटी)

(v). चैटिंग के लिए इन्टरनेट का प्रयोग करना .... संचार का उदाहरण है। (दुतरफा/एकतरफा)

खण्ड–ब

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न3. मानव परिस्थितिकी और परिवार विद्वान से मिलते–जुलते विषय का क्या नाम है?

प्रश्न4. चार मुख्य भौतिक संसाधनों के नाम लिखिए।

प्रश्न5. संसाधन कितने प्रकार के होते है ?

प्रश्न6. वस्त्र की मूल ईकाई क्या है?

प्रश्न7. संचार शब्द से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न8. स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं कितने स्तरों पर उपलब्ध कराई जाती है?

प्रश्न9.आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों को रोकने का सबसे सरल व सस्ता तरीका कौनसा है?

प्रश्न10. अल्पपोषण व अतिपोषण में अन्तर करें?

प्रश्न11. नवजात से क्या आशय है?

प्रश्न12. मौद्रिक आय क्या है?

खण्ड–स

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न13. पहचान के विकास हेतु किशोरावस्था महत्वपूर्ण क्यों है?

प्रश्न14. बाल मृत्यु को रोकने के उपायों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न15. शिशुओं में पोषक तत्वों की कमी से कौन–कौनसे रोग हो सकते है?

प्रश्न16. साबुन तथा डिटरजेंट में क्या अंतर है?

प्रश्न17. पारिवारिक बचत किस बात पर निर्भर करती है?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न18. पोषक तत्वों का रेखांकित वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

आहार पिरमिड की चित्र सहित व्याख्या कीजिए।

प्रश्न19. घुटनों के बल चलने वाली आयु के बच्चों के कपड़ों की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

अथवा

छोटे बच्चों द्वारा दर्शाए जाने वाले मनोभावों पर एक टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न20. वस्त्रों के उचित भण्डारण पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

बजट बनाने में सम्मिलित चरणों की चर्चा करें।

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण (पाठ का नाम)
भाग–1 मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान	
अध्याय–1	परिचय– मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान
	इकाई–1 स्वयं को समझना–किशोरावस्था
अध्याय–2	स्वयं को समझना
अध्याय–3	भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वास्थता
अध्याय–4	संसाधन प्रबंधन
अध्याय–5	कपड़े– हमारे आस–पास
अध्याय–6	संचार माध्यम और संचार कौशल
	इकाई–2 परिवार, समुदाय और समाज के प्रति समझ
अध्याय–7	विविध संदर्भों में सरोकार और आवश्यकताएं
भाग–2 मान पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान	
	ईकाई–3 बाल्यावस्था
अध्याय–8	उत्तरजीविता, वृद्धि तथा विकास
अध्याय–9	पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वस्थता
अध्याय–10	हमारे परिधान
	इकाई–4 वयस्कावस्था
अध्याय–11	वित्तीय प्रबन्धन एवं योजना।
अध्याय–12	वस्त्रों की देखभाल तथा रखरखाव

अध्याय–1

परिचय – मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान

पाठ सार

भारतवर्ष में 20वीं शताब्दी के आरम्भ में ऐसे विभिन्न संस्थान हुआ करते थे जिन्होंने भोजन एवं पोषण, वस्त्र एवं वस्त्र उद्योग तथा विस्तार शिक्षा के पाठ्यक्रमों की शुरूआत की थी। यह भारत की स्वतंत्रता से पहले का समय था जब बहुत कम लड़कियां विद्यालय जाती थी और उच्चतर शिक्षा के लिए भी बहुत कम संसाधन मौजूद थे।

ऐसे समय में सन् 1932 में भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की दिग्गज महिलाओं– सरोजनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, कमलो देवी चट्टोपाध्याय आदि ने तात्कालिक ब्रिटिश वायसराय लार्ड इरविन की पत्नी लेडी डोरोथी इरविन के नाम पर दिल्ली में लेडी इरविन कॉलेज की स्थापना की और उस समय चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे भोजन एवं पोषण, वस्त्र एवं वस्त्र उद्योग आदि को गृह विज्ञान के दायरे में लाया गया।

जब आप गृह विज्ञान के अध्यायों को पढ़ेगें तो अनुभव करेंगे कि इनमें अनेक विषय शामिल है। इसमें मानव विकास, भोजन एवं पोषण, वस्त्र एवं परिधान, संचार और विस्तार शिक्षा तथा संसाधन प्रबन्धन शामिल है। इन विषयों की जानकारी जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने और इसमें वृद्धि के लिए अनिवार्य है।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. 'मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान' के शीर्षक के अन्तर्गत–
   (अ) मानव पर्यावरण के साथ उसके संबंध का अध्ययन करेंगे।
   (ब) पारिस्थितिकी के भौतिक, आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक तत्वों का अध्ययन करेंगे।
   (स) उपर्युक्त सभी
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

2. 'पारिस्थितिकी' की व्याख्या कितने तरीके से की गई है–
   (अ) एक (ब) दो
   (स) तीन (द) चार ( )

3. निम्नलिखित किशारों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है–
   (अ) भोजन तथा अन्य संसाधन (ब) कपड़े और पोशाकें
   (स) संचार के साधन (द) ये सभी ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

4. मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान से मिलते–जुलते विषय का क्या नाम है ?
5. 20वीं शताब्दी के आरम्भ में भारतवर्ष में कौन–कौन से पाठ्यक्रमों की शुरूआत की थी ?
6. लेडी इरविन कॉलेज की स्थापना किसके नाम पर हुई थी ?
7. लेडी इरविन कॉलेज की स्थापना किस वर्ष में की गई थी ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. मानव पारिस्थितिकी को समझाइए।
9. परिवार विज्ञान को समझाइए।
10. उन जानी–मानी महिलाओं के नाम बताए जिन्होंने भारत में सर्वप्रथम गृह विज्ञान विषय को महाविद्यालयों में आरम्भ करने की संकल्पना की।
11. भारतवर्ष में गृह विज्ञान के शुरूआती विकास का वर्णन करें।

निबंधात्मक प्रश्न–

12. लेडी इरविन कॉलेज की संकल्पना एवं स्थापना पर प्रकाश डालिए।

इकाई–1

अध्याय–2

स्वयं को समझना

बच्चों, यह जीवन की वह अवस्था है, जिसमें आप इस समय है। इस इकाई में 'स्वंय को समझने' पर चर्चा की गई है। हमारे माता–पिता, भाई–बहन अन्य सम्बन्धियों, मित्रों तथा हमारे बीच अनेक बातें समान होती है फिर भी हम में से प्रत्येक व्यक्ति भिन्न है। इस अनोखेपन की यह अनुभूति हमें अपने आपको दूसरो से भिन्न होने का अहसास कराती है।

जैसे–जैसे व्यक्ति बड़ा होता है, उसके 'स्वंय' का भी निर्माण तथा विकास होता है। 'स्वंय' का विकास शैशवावस्था, बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था के दौरान होता है एवं किशोरावस्था स्वंय की पहचान बनाने की महत्वपूर्ण अवस्था होती है।

स्वंय की पहचान बनाने की इस प्रक्रिया में किशोरों में होने वाले शारीरिक परिवर्तन, पारिवारिक एवं सामाजिक व्यवस्था, भावनात्मक परिवर्तन, मित्रमंडली इत्यादि भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. 'मैं' होने की अनुभूति किससे अलग है ?
   (अ) आप (ब) वे
   (स) अन्य (द) ये सभी ( )
2. जैसे–जैसे व्यक्ति बड़ा होता जाता है, उसके 'स्वंय' का भी –
   (अ) निर्माण होता जाता है (ब) विकास होता जाता है
   (स) उपर्युक्त दोनों (द) इनमें से कोई नहीं ( )
3. 'स्वंय' का विकास किस अवस्था में होता है ?
   (अ) शैशवावस्था (ब) बाल्यावस्था
   (स) किशोरावस्था (द) ये सभी ( )
4. किस आयु तक शिशु को स्वंय की छवि की पहचान होने लगती है ?
   (अ) 14 महीने (ब) 18 महीने
   (स) 24 महीने (द) 10 महीने ( )
5. कितनी आयु का होने तक बच्चे प्रायः धाराप्रवाह बोलने लगते है?
   (अ) 1 वर्ष (ब) 2 वर्ष
   (स) 3 वर्ष (द) 11 वर्ष ( )

6. अधिकांश लड़कियों में किशोरावस्था का आरम्भ किस आयु में होता है ?

(अ) 11 से 13 वर्ष के मध्य (ब) 13 से 15 वर्ष के मध्य

(स) 15 से 17 वर्ष के मध्य (द) इनमें से कोई नहीं ( )

7. अधिकांश लड़कों में किशोरावस्था का आरम्भ किस आयु में होता है?

(अ) 11 से 13 वर्ष के मध्य (ब) 13 से 15 वर्ष के मध्य

(स) 15 से 17 वर्ष के मध्य (द) 17 से 19 वर्ष के मध्य ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों से कीजिए–

1. .... के दौरान हम अपने बारे में सबसे अधिक सोचना शुरू कर देते है। (किशोरावस्था / वृद्धावस्था)

2. स्वयं के मामले में हम .... पहचान और .... पहचान के बारे में बात कर सकतेहैं। (व्यक्तिगत, सामाजिक / समूह, असामाजिक)

3. स्वंय की भावना .... के दौरान उत्पन्न हो जातीहै। (शैशवावस्था / बाल्यावस्था)

4. किशोरावस्था पहचान के विकास हेतु .... अवस्था है। (महत्वपूर्ण / अमहत्वपूर्ण)

5. प्रत्येक व्यक्ति के चारो ओर .... का एक जाल है। (सम्बन्धों / सामाजिक)

6. .... का निर्माण एक निरन्तर गतिशील प्रक्रियाहै। (स्वंय / दूसरों)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. स्वंय की संकल्पना से जुड़ी हुई अन्य संकल्पनाएं कौनसी है ?

4. किस अवस्था में हम 'स्वंय' को अपेक्षाकृत अधिक परिभाषितकरने की कोशिश करते हैं ?

5. स्वाभिमान से आप क्या समझते है ?

6. स्वंय की भावना कब उत्पन्न होती है?

7. कौन–सी अवस्था पहचान के विकास हेतु महत्वपूर्ण होती है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. मुझे 'मैं' कौन बनाता है ? स्पष्ट कीजिए।

9. पहचान के विकास हेतु किशोरावस्था महत्वपूर्ण क्यों है ?

10. स्व–बोध का विकास हम कैसे करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

11. 'पहचान' से आप क्या समझते है ? व्याख्या कीजिए।

अध्याय–3

भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता

पाठ सार

हम विभिन्न प्रकार का भोजन लेते है जो कि हमें स्वस्थ और स्फूर्त रखने के लिए पोषक तत्व प्रदान करते हैं। भोजन एवं पोषक तत्वों का हमारे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का विज्ञान 'पोषण' कहलाता है। वस्तुतः पोषण और स्वास्थ्य एक सिक्के के दोपहलू है, जिन्हें एक –दूसरे से पृथक नहीं किया जा सकता है। हमारा स्वास्थ्य काफी हद तक पोषण पर निर्भर करता है और पोषण हमारे द्वारा खाए गए आहार पर आधारित होता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के रख–रखाव का एकमात्र महत्वपूर्ण कारण भोजन ही है।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. व्यक्ति के जीवन की किस अवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते है ?
   (अ) किशोरावस्था (ब) बाल्यावस्था में
   (स) युवावस्था (द) वृद्धावस्था में ( )
2. भोजन वह ठोस अथवा द्रव पदार्थ है, जो–
   (अ) ऊर्जा प्रदान करता है। (ब) शारीरिक विकास में सहायक होता है।
   (स) उत्तकों और अंगों की मरम्मत करता है। (द) उपर्युक्त सभी। ( )
3. दैनिक आवश्यकता के सभी अनिवार्य पोषक तत्वों से युक्त आहार कहलाता है ?
   (अ) आहार (ब) संतुलित आहार
   (स) आर.डी.ए. (अ) उपर्युक्त सभी ( )
4. अच्छे स्वास्थ्य से अभिप्राय किस तरह का स्वास्थ्य होता है ?
   (अ) शारीरिक स्वास्थ्य (ब) सामाजिक स्वास्थ्य
   (स) मानसिक स्वास्थ्य (द) ये सभी ( )
5. संतुलित आहार तैयार करने का आसान तरीका है–
   (अ) खाद्य पदार्थों को वर्गों में विभाजित करना।
   (ब) यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक वर्ग को भोजन में शामिल किया जाए।
   (स) प्रत्येक वर्ग के विभिन्न खाद्य पदार्थों को अदल–बदल कर प्रयुक्त करना।
   (द) उपर्युक्त सभी ( )

6. शाकाहारी लोग मांस के लिए विकल्प के रूप में क्या चयन कर सकते है ?

(अ) फली व बीज (ब) सूखे मेवे

(स) टोफू (द) उपर्युक्त सभी ( )

7. किशोरों की खानपान संबंधी सामान्य आदत में शामिल है ?

(अ) भोजन में अनियमितता (ब) स्वल्पाहार एवं डाइटिंग करना

(स) फास्ट फूड खाना (द) उपर्युक्त सभी ( )

8. खान–पान संबंधी स्वस्थ आदतमें शामिल है ?

(अ) दिन में तीन बार पूर्ण संतुलित आहार लेना।

(ब) दो बार पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता लेना।

(स) भोजन अधूरा ना छोड़ना

(द) उपर्युक्त सभी ( )

9. खान–पान संबंधी आचरण को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों में शामिल है ?

(अ) परिवार (ब) दोस्त

(स) टीवी व विज्ञापन (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. स्वास्थ्य के रख–रखाव का एकमात्र प्रमुख कारक .... ही है। (भोजन/हवा)

2. .... भोजन में विद्यमान वे घटक होते है, जिनकी शरीर को पर्याप्त मात्रा में आवश्यकता होती है। (पोषक तत्व/स्वास्थ्य)

3. अच्छेस्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आहार में .... की पर्याप्त मात्रा लेना आवश्यक है। (पोषक तत्वों/सूखे मेवें)

4. खाद्य पदार्थों को उनमें पाए जाने वाले मुख्य .... के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकताहै। (पोषक तत्वों/संतुलित आहार)

5. किशोरों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए .... भोजन खाना महत्वपूर्ण है। (संतुलित/ऊर्जा)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. भोजन से क्या प्राप्त होता है ?

4. संतुलित आहार में क्या शामिल होता है ?

5. I.C.M.R ने किन पांच मूलभूत खाद्य वर्गों का सुझाव दिया है ?

6. किशोर डाइटिंग क्यों करते है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

7. एनोरेक्सिया नर्वोसा किसे कहते है ?

8. बुलीमिया किसे कहते है ?

9. पोषक तत्व कितने प्रकार के होते है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

10. पोषक तत्वों का रेखांकित वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

11. आहार पिरामिड की चित्र सहित व्याख्या कीजिए।

अध्याय–4

संसाधन प्रबंधन

पाठ सार

समय, ऊर्जा, धनराशि, ज्ञान, रूचि, कौशल, भौतिक सामग्री, जल, वायु इत्यादि सब संसाधन है। संसाधन वे होते है, जिनका हम किसी कार्यकलाप को करने में उपयोग करते हैं। ये हमें लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करते हैं।

संसाधनों को हम विभिन्न प्रकार से वर्गीकृत कर सकते हैं। जैसे– मानवीय और गैर मानवीय संसाधन इत्यादि।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. प्रतिदिन विभिन्न कार्यकलाप को करने के लिए निम्न में से किसकी आवश्यकता होगी ?

(अ) समय (ब) ऊर्जा

(स) धन (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. निम्न में से भौतिक सामग्री कौन–सी है ?

(अ) ज्ञान (ब) क्षमता

(स) रूचि (द) पेंसिल ( )

3. संसाधन वे नहीं होते है–

(अ) जिनका हम किसी कार्यकलाप को करने में उपयोग करते हैं।

(ब) जो हमें लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करते हैं।

(स) कोई ऐसी चीज जिसका उपयोग हम नहीं करते ।

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं। ( )

4. मानव संसाधन की पहचान कीजिए–

(अ) धन (ब) कौशल

(स) फर्नीचर (द) खाद्य वस्तु ( )

5. निम्न में से गैर मानवीय संसाधन है–

(अ) धन (ब) समय

(स) ऊर्जा (द) ज्ञान ( )

6. व्यक्तिगत संसाधन का उदाहरण है–

(अ) जल (ब) रोड

(स) स्कूल बैग (द) वायु ( )

7. साझे संसाधन होते है–

(अ) प्राकृतिक (ब) सामुदायिक

(स) सभी के लिए (द) उपर्युक्त सभी ( )

8. संसाधनों की विशेषता है–

(अ) उपयोगिता एवं सुलभता (ब) सुलभता

(स) प्रबन्धनीय (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. प्रतिदिन हम विभिन्न .... करते हैं। (कार्यकलाप / वार्ता)

2. समय, ऊर्जा, धनराशि, ज्ञान, रूचि, कौशल, सामग्री आदि सब....................है। (संसाधन / प्रबन्धन)

3. हमें याद रखना चाहिए कि .... एक सीमित संसाधन है। (धन / कौशल)

4. स्थान, फर्नीचर, कपड़े, स्टेशनरी, खाद्य वस्तु आदि .... है। (भौतिक संसाधन / मानवीय संसाधन)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. संसाधन कितने प्रकार के होते हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

4. चार मुख्य मानवीय संसाधनों का नाम लिखिए।

5. चार मुख्य गैरमानवीय / भौतिक संसाधनों के नाम लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

6. संसाधन के प्रबन्धन को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–5

कपड़े – हमारे आस–पास

पाठ सार–

कपड़े हमारे चारों ओर है। वे हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग है। कपड़े आराम और ऊष्मा प्रदान करते है। इनमें विभिन्न रंग, सजावट, शैलियां और बुनावट होती है। कपड़े, वजन और मोटाई में विभिन्न प्रकार के होते है तथा उनका उपयोग के आधार पर चयन किया जाता है। रेशे, सूत और कपड़ा इन सभी वस्तुओं को वस्त्र उत्पाद कहा जाता है और कपड़े की सफाई, चमकना, रंग करना आदि को परिष्करण कहा जाता है। आजकल बाजार में विभिन्न प्रकार के कपड़े उपलब्ध है।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. निम्न में से क्या सही है ?

   (अ) कपड़े हमारे चारों ओर है।

   (ब) कपड़े हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग हैं।

   (स) कपड़े आराम और ऊष्मा प्रदान करते हैं।

   (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. कपड़े की विशेषता होती है?

   (अ) विभिन्न रंग (ब) सजावट शैलियां

   (स) बुनावट (द) ये सभी ( )

3. किस वस्तु को वस्त्र उत्पाद कहा जाता है ?

   (अ) रेशे को (ब) सूत को

   (स) कपड़े को (द) उपर्युक्त सभी ( )

4. कपड़े को परिष्करण करने से अभिप्राय है –

   (अ) सफाई (ब) चमकाना

   (स) रंग करना (द) उपर्युक्त सभी ( )

5. रेशे का सबसे अनिवार्य गुण है–

   (अ) भारी मात्रा में उपलब्ध होना (ब) किफायती होना

   (स) उसका कताई योग्य होना (द) ये सभी ( )

6. वस्त्र रेशों को प्राकृतिक और मानवनिर्मित में वर्गीकृत किये जाने का आधार है–

(अ) रेशों का उद्भव (ब) रेशों का रसायन

(स) रेशों की जाति (द) सामान्य ट्रेडनाम ( )

7. निम्न में से जंतुरोम रेशा कौन–सा है ?

(अ) कॉटन (ब) ऊन

(स) रेशम (द) जूट ( )

8. निम्न में जंतुस्त्राव रेशा है–

(अ) हेम्प (ब) लेक्स

(स) रेशम (द) फर ( )

9. निम्न में खनिज रेशा कौन–सा है ?

(अ) फाइबर ग्लास (ब) ल्यूरेक्स

(स) स्पैंडेक्स (द) अ एवं ब दोनों ( )

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. अगर आप सूत को खोलने का प्रयास करते है तो आप छोटे और स्पष्ट पतले धागे जैसी .... पाते है। (संरचनाएँ / रचनाएँ)
2. सबसे पहले रेशा रेयान सन् ....में निर्मित किया गया। (1895 / 1875
3. रेशों को हमारे आसपास उपलब्ध कपड़ों में परिवर्तन करने के लिए उन्हें .... की आवश्यकता होती है। (बंटने / रंगने)
4. प्राकृतिक रेशों से सूत को बनाने को .... कहते हैं। (कताई / बुनाई)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. कपड़े पहनने का सबसे मुख्य लाभ बताइए।
4. अगर किसी कपड़े की बुनावट को खोले तो क्या प्राप्त होता है ?
5. वस्त्र की मूल इकाई क्या है ?
6. रूई के उपयोग बताइए।
7. कार्यों के आधार पर परिसज्जा के प्रकार बताइए।
8. रंग चढ़ाने का कार्य किन स्तरों पर हो सकता है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

9. कपड़े का परिचय दीजिए।
10. कपड़े की प्रारम्भिक संरचना से लेकर उसके परिष्करण तक क्रमबद्ध कीजिए।
11. सूत किसे कहते हैं ? सूत को बनाने के चरणों को सूचीबद्ध कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

12. वस्त्र परिष्करण के बारे में आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–6

संचार माध्यम और संचार प्रौद्योगिकी

पाठ सार–

मानव जीवन के लिए संचार अति आवश्यक है। आधुनिक समय में नित नई संचार विधियाँ और उपकरण आ रहे है। संचार शब्द अंग्रेजी के कम्यूनिकेशन का पर्याय है, जो लैटिन भाषा के शब्द कॉम्यूनिस से निकला है। जिसका अर्थ है– सर्वमान्य। इस प्रकार व्यक्तियों के बीच सही व सम्पूर्ण संदेश पहुँचाने को ही प्रभावी संचार कहा जाता है।

संचार का वर्गीकरण –

(क) पारस्परिक क्रिया के आधार पर वर्गीकरण –

1. एकतरफा संचार
2. दुतरफा संचार

(ख) संचार के स्तरों के आधार पर वर्गीकरण–

1. अंतवैयक्तिक संचार
2. अंतवैयक्तिक संचार
3. समूह संचार
4. जनसंचार
5. अंतरा–संस्था संचार
6. अंतः संस्था संचार

(ग) संचार के साधन अथवा विधि पर आधारित वर्गीकरण–

1. शाब्दिक संचार
2. गैरशाब्दिक संचार आदि।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. संचार निम्न से संबंधित है –
   (अ) विचारों–मतों को व्यक्त करने (ब) ज्ञान और सूचना प्रदान करने
   (स) संदेश द्वारा संपूर्ण आशय पहुंचाने (द) इन सभी से ( )
2. निम्न परिस्थिति में ग्राही सूचना प्राप्त तो करता है, पर प्रतिक्रिया नहीं दे पाता –
   (अ) एक तरफा संचार (ब) दुतरफा संचार
   (स) अंतरावैयक्तिक संचार (द) अंतवैयक्तिक संचार ( )
3. प्रवचन देना उदाहरण है–
   (अ) दुतरफा संचार का (ब) अंतवैयक्तिक संचार
   (स) अंतरावैयक्तिक संचार (द) एकतरफा संचार ( )

4. जो संचार स्वंय से संवाद करने से संबंधित है वह है–

(अ) अंतरावैयक्तिक संचार (ब) अंतवैयवितक संचार

(स) समूह संचार (द) जन संचार ( )

5. संचार जो औपचारिक अथवा अनौपचारिक दोनों ही स्थिति में संपन्न हो सकता है, वह है–

(अ) एक तरफा संचार (ब) दुतरफा संचार

(स) अंतरावैयक्तिक संचार (द) अंतवैयक्तिक संचार ( )

6. संचार का शाब्दिक माध्यम है–

(अ) बोलना (ब) स्पर्श

(स) भंगिमाएं (द) हाव–भाव ( )

7. संचार के गैर शाब्दिक साधनों में शामिल है–

(अ) हाव–भाव (ब) मिजाज

(स) धूम्र संकेत (द) उपर्युक्त सभी ( )

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

1. संचार शब्द अंग्रेजी के कम्यूनिकेशन का पर्याय है जो लैटिन भाषा के शब्द .... से निकला है। (कॉम्यूनिस / कम्यूनिटी)
2. वेबसाइट पर सूचना ढूँढ़ने के लिए इन्टरनेट का उपयोग करना .... संचार का उदाहरण है। (एकतरफा / दोतरफा)
3. चैटिंग के लिए इन्टरनेट का प्रयोग करना .... संचार का उदाहरण है। (दुतरफा / एकतरफा)
4. आधुनिक .... के आगमन से, संचार माध्यमों का आश्चर्यजनक विस्तार हुआ है। (प्रौद्योगिकी / सूचना)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

3. संचार माध्यम का प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
4. क्या संचार माध्यम का अर्थ केवल रेडियो और टीवी है ?
5. संचार माध्यमों के कोई दो कार्य लिखिए।
6. संचार प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध किन प्रौद्योगिकियों से है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

7. संचार शब्द से आप क्या समझते है ?
8. शाब्दिक या मौखिक संचार से आप क्या समझते है ?
9. गैर–शाब्दिक संचार से आप क्या समझते हैं ?

निबंधात्मक प्रश्न–

10. संचार प्रक्रिया को एस.एम.सी.आर.ई. मॉडल की सहायता से स्पष्ट करें।

अध्याय–7

विविध संदर्भों में सरोकार और आवश्यकताएँ

स्वास्थ्य की परिभाषा– विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार ''वह स्थिति जिसमें मनुष्य मानसिक, शारीरिक तथा सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ रहता है। मनुष्य में रोगों का अभाव होने का मतलब उसका स्वस्थ होना नहीं है।

स्वास्थ्य के प्रमुख चार आयाम होते है–

1. शारीरिक स्वास्थ्य
2. मानसिक स्वास्थ्य
3. सामाजिकस्वास्थ्य
4. आध्यात्मिक स्वास्थ्य

पोषक तत्व :– मुख्यतः सात प्रकार के होते है– 1. कार्बोहाइड्रेट, 2. वसा, 3. प्रोटीन, 4. विटामिन, 5. खनिज लवण, 6. रेशे, 7. जल

कुपाषण :– जब शरीर में पोषक तत्वों की मात्रा जरूरत से कम या अधिक हो जाती है तो उस स्थिति को कुपोषण कहते है। यह दो प्रकार का होता है– 1., अल्प पोषण, 2. अति पोषण

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. रोग का अर्थ है ?
   (अ) शारीरिक स्वास्थ्य की क्षति
   (ब) शरीर के किसी भाग या अंग के कार्य में विक्षिप्तता
   (स) मानसिक स्वास्थ्य की क्षति
   (द) उपर्युक्त सभी ( )
2. स्वास्थ्य की परिभाषा में निम्न में से कौन–सा आयाम समाहित होता है ?
   (अ) शारीरिक आयाम (ब) कार्यस्थलों में सुरक्षा
   (स) स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच (द) ये सभी ( )
3. स्वास्थ्य से जुड़ा सामाजिक निर्धारक है–
   (अ) रोजगार की स्थिति (ब) कार्यस्थलों में सुरक्षा
   (स) स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच (द) ये सभी ( )

4. स्वास्थ्य के सूचकों में शामिल है–

(अ) मृत्यु–दर (ब) रूग्णता (बीमारी)

(स) जीवन की गुणवत्ता (द) ये सभी ( )

5. कार्य में निम्न पहलू निहित होता है ?

(अ) शारीरिक (ब) संज्ञानात्मक

(स) रूचि (द) ये सभी ( )

6. कार्यकर्ता की मनोवैज्ञानिक विशेषता है–

(अ) अभिवृत्ति (ब) कुशलता

(स) ज्ञान (अ) ये सभी ( )

7. निम्न में से किसका उपयोग लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है ?

(अ) संपत्ति (ब) दृव्य

(स) निधि (द) ये सभी ( )

8. हमारी दैनिक गतिविधियों में शामिल है ?

(अ) खाना पकाना (ब) स्कूल की फीस देना

(स) यात्रा पर जाना (द) ये सभी ( )

9. हमारी ऐच्छिक गतिविध है–

(अ) स्कूल जाना (ब) यात्रा पर जाना

(स) खाना पकाना (द) विश्राम करना ( )

10. कार्य का सरलीकरण कैसे करते है ?

(अ) हाथ और शरीर की गति में परिवर्तन करके।

(ब) कार्य में कुशलता विकसित करके।

(स) कार्य के क्रममें सुधार लाकर।

(द) उपर्युक्त सभी ( )

11. निम्न शिक्षा उपलब्ध कराने में विद्यालय एक महत्वपूर्ण शिक्षा है –

(अ)औपचारिक शिक्षा (ब) अनौपचारिक शिक्षा

(स) प्रौढ़ शिक्षा (द) इनमें से कोई नहीं ( )

12. दृश्य–श्रव्य साधन की पहचान कीजिए–

(अ) रेडियो (ब) चलचित्र

(स) टेलीविजन (द) ये सभी ( )

13. भारतीय कपड़े का उत्पादन मुख्यतः किस रेशे से सम्बन्धित है ?

(अ) कपास से (ब) रेशम से

(स) ऊन से (द) ये सभी ( )

14. सबसे बारीक कपड़ा मलमल खास या शाही मस्लिन को कहां बनाया गया ?

(अ) ढाका में (ब) चीन में

(स) आगरा में (द) सूरत में ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

2. स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं कितने स्तरों पर उपलब्ध कराई जाती है ?
3. अल्पपोषण व अतिपोषण में अन्तर करें ?
4. संचारी रोगों के प्रमुख कारण बताइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. अधिगम कितने प्रकार से हो सकता है ? उदाहरण सहित बताइए।
6. विस्तार और विस्तार शिक्षा से क्या अर्थ प्रकट होता है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. भारतीय कपड़े का उत्पादन तीन मुख्य प्राकृतिक रेशों के साथ जुड़ा हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–8

उत्तर जीविता, वृद्धि तथा विकास

उत्तरजीविता का अर्थ–उत्तरजीविता से आशय 'जीवित बने रहने' तथा मूलभूत स्तर पर 'जीवन सम्बन्धी अनिवार्य कार्य करते रहने' से है। इसके लिए आवश्यक है– उचित देखभाल, पर्याप्त तथा पौष्टिक भोजन की उपलब्धता तथा रोग पैदा करने वाले जीवाणुओं से सुरक्षा।

शैशवावस्था तथा बाल्यावस्था के जानलेवा रोगों, जैसे–तपैदिक, काली खाँसी, डिफ्थीरिया, पोलियों, टिटनेस मलेरिया तथा न्यूमोनिया जैसे रोगों के लिए उनकी प्रतिरक्षा करना आवश्यक है।

स्वच्छ जल, बेहतर स्वच्छ–सफाई, शिक्षा, आय की वृद्धि उत्तरजीविता में सहायक हो सकती है

वृद्धि– ऐसे भौतिक परिवर्तन जिन्हें मापा जा सकता है। जैसे– आयु बढ़ने के साथ–साथ बालक की लम्बाई, वजन में वृद्धि, सिर, छाती आदि विभिन्न अंगों में बदलाव, आंतरिक अंगों के आकार में वृद्धि आदि।

विकास– समय के साथ–साथ शारीरिक संरचनाओं, मनोवैज्ञानिक लक्षणों, व्यवहारों, सोचने के तरीकों तथा जीवन की माँग के अनुसार स्वंय को ढ़ालने की सुव्यवस्थित पद्धतियों के रूप में हम विकास को परिभाषित कर सकते हैं। ये परिवर्तन विकासोन्मुख और क्रमागत होते हैं तथा लम्बी अवधि तक होते रहते हैं।

विकास के क्षेत्र–किसी व्यक्ति के जीवन में घटित होने वाले विभिन्न विकासों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है–

(1) शारीरिक तथा क्रियात्मक विकास,

(2) संवेदनात्मक तथा संज्ञानात्मक विकास,

(3) भाषा सम्बन्धी विकास,

(4) सामाजिक तथा भावनात्मक तथा व्यक्तिगत विकास।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. वृद्धि का सम्बन्ध है–

(अ) परिमाणात्मक परिवर्तन से (ब) गुणात्मक परिवर्तन से

(स) प्रकार्यात्मक परिवर्तन से (द) मानसिक परिवर्तन से ( )

2. विकास का सम्बन्ध है–

(अ) परिमाणात्मक परिवर्तन से (ब) गुणात्मक परिवर्तन से

(स) भौतिक परिवर्तन से (द) संरचनात्मक परिवर्तन से ( )

3. निम्न में जो वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है, वह है–

(अ) वातावरण (ब) पोषण

(स) व्यवहार (द) आनुवांशिकता ( )

4. मानव की जन्म से 2 वर्ष तक की अवधि को कहा जाता है–

(अ) शैशवावस्था (ब) आरम्भिक बाल्यावस्था

(स) मध्य बाल्यावस्था (द) किशोरावस्था ( )

5. नवजात शिशु अपनी आवश्यकताओं को बताने की चेष्टा करते हैं–

(अ) पलक झपका कर (ब) हाथ उठाकर

(स) रो कर (द) मल–मूत्र त्यागकर ( )

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

2. विकास को परिभाषित कीजिए।
3. क्रमागत से क्या आशय है ?
4. शारीरिक विकास को समझाइए।
5. नवजात से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. उत्तरजीविता का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
7. बाल मृत्यु को रोकने के उपायों का उल्लेख कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

8. छोटे बच्चों द्वारा दर्शाए जाने वाले मनोभावों पर एक टिप्पणी लिखिए।

अध्याय–9

पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वस्थता

पोषण का अर्थ– शरीर को सुचारू रूप से चलाने के लिए पोषण की आवश्यकता होती है। भोजन के द्वारा हम पोषण प्राप्त करते हैं तथा वृद्धि, पुनर्निर्माण तथा स्वस्थता के लिए इनका उपापचयन करते हैं।

बच्चों में वृद्धि निरंतर होती रहती है। इसलिए उनकी पोषण सम्बन्धी आवश्यकताएँ उनकी वृद्धि दर, शरीर के वजन तथा उनके विकास की प्रत्येक अवस्था में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किए गए पोषक तत्वों पर निर्भर करती है। इस अवस्था में पोषण की न्यूनता के परिणामस्वरूप आजीवन क्षति एवं अक्षमताएँ उत्पन्न कर सकती हैं।

पर्याप्त पोषण निम्नलिखित में योगदान करता है–

1. शरीर के अंगों के कार्य एवं प्रणाली में।
2. संज्ञानात्मक निष्पादन में
3. रोगों से लड़ने तथा स्वास्थ्य सुधार के लिए शरीर की क्षमता में।
4. ऊर्जा स्तरों की वृद्धि में।
5. सुखद एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास में।

मानव जीवन की विभिन्न अवस्थाओं में पोषक तत्वों की आवश्यकता भिन्न होतीहै। अतः हमें अपने भोजन में उचित परिवर्तन लाकर पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए।

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. जन्म के समय कितने किलोग्राम से कम वजन वाले शिशु को कम वजन वाला शिशु माना जाता है–

   (अ) 2.5 किग्रा से कम   (ब) 3 किग्रा से कम

   (स) 4 किग्रा से कम   (द) 3.5 किग्रा से कम   ( )

2. क्षय रोग प्रतिरोधी टीके को कहते हैं–

   (अ) बी.सी.जी.   (ब) ओ.पी.वी.

   (स) डी.पी.टी.   (द) हेपेटाइटिस   ( )

3. बच्चों में लौह तत्व की कमी के कारण जो रोग होता है, उसे कहते हैं–

   (अ) पोषणात्मक अंधापन   (ब) एनीमिया

   (स) डायरिया   (द) रिकेट्स

4. गलगंड रोग होता है–

(अ) रक्त की कमी से (ब) थायरॉइड ग्रंथि बढ़ने से

(स) विटामिन डी की कमी से (द) मिटामिन ए की कमी से ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

2. कम वजन वाला शिशु किसे माना जाता है ?
3. बच्चों को संचारी रोगों से जीवन पर्यन्त सुरक्षा कौन प्रदान करता है ?
4. आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों को रोकने का सबसे सरल व सस्ता तरीका कौनसा है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

5. जन्म के समय कम वजन वाले शिशु का सर्वोत्तम भोजन क्या होता है ?
6. शिशुओं में पोषक तत्वों की कमी से कौन–कौनसे रोग हो सकते हैं ?

निबंधात्मक प्रश्न–

7. पोषक तत्वों के मामलों में भोजन के अतिरिक्त विद्यालय में जाने वाले बच्चों को किस प्रकार की आदतें भी विकसित करनेकी आवश्यकता होती है ?

अध्याय–10

हमारे परिधान

वस्त्रों के कार्य और उनका चयन–

हम सब अपने कपड़े पहनते हैं और हमारे पहनावें विभिन्न प्रकार के होते हैं। हम निम्न कारणों के आधार पर अपने कपड़ों का चयन करते हैं–

1. **शालीनता (मर्यादा)** – हमारे समाज में प्रत्येक व्यक्ति के लिए कपड़ने पहनना अनिवार्य है। हम मर्यादावश भी कपड़े पहने है।
2. **सुरक्षा** – हम पर्यावरण से अपनी सुरक्षा के लिए कपडे पहनते हैं। हम मौसम की कठोर स्थितियों, धूल, मिट्टी तथा प्रदूषण से बचने के लिए कपड़े पहनते हैं।
3. **सामाजिक स्तर की प्रतिष्ठा–**कपड़े अर्थात् पहनावें हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक भी हो सकते हैं। पहनावें के तरीके के द्वारा व्यक्ति के स्तर और उसकी प्रतिष्ठा का पता लगाया जा सकता है।
4. **श्रृंगार–** हम अच्छे कपड़े आकर्षक दिखने के लिए भी पहनते हैं।

भारत में वस्त्रों (वेशभूषा) के चयन को प्रभावित करने वाले कारक :–

(1) आयु, (2) जलवायु और मौसम, (3) अवसर, (4) फैशन, (5) आय

बच्चों की वस्त्र सम्बन्धित मूल आवश्यकताएँ–

(1) आराम और सुविधा, (2) सुरक्षा, (3) स्वयं–सहायता,

(4) दिखावट, (5) वृद्धि के लिए गुंजाइश, (6) सरल देखभाल

1. बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. निम्न में से कौन–सा कारक परिधान के चयन को प्रभावित नहीं करता है ?

   (अ) आयु (ब) जलवायु व मौसम

   (स) आय (द) व्यवस्था ( )

2. निम्न में परिधान के चयन को प्रभावित करने वाला कारक है ?

   (अ) आयु (ब) जलवायु व मौसम

   (स) फैशन (द) उपर्युक्त सभी ( )

3. हम कपड़े पहनते है–

   (अ) मर्यादावश (ब) पर्यावरण से अपनी सुरक्षा हेतु

   (स) आकर्षक दिखाई देने के लिए (द) उपर्युक्त सभी कारणों से ( )

4. आरामदायक शारीरिक चेष्टा के लिए बच्चों के कपड़ों का होना आवश्यक है?

(अ) पर्याप्तढीला (ब) पर्याप्त कसा हुआ

(स) एकदम फीटिंग वाला (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

5. बच्चों के कपड़े उनके लिए आरामदायक होने चाहिए इसलिए उनके कपड़ों में होना चाहिए ?

(अ) गला काफी चौड़ा (ब) बैक लगी आस्तीन

(स) कसी हुई इलास्टिक (द) कसावट ( )

6. बच्चों के जो कपड़े बहुत ही बड़े होते है, वे होते हैं–

(अ) आरामदायक (ब) सुरक्षित

(स) असुरक्षित (द) उपर्युक्त सभी ( )

7. जन्म से 6 माह तक के शिशुओं के प्राथमिक ओर अति अनिवार्य होते है–

(अ) फ्रॉक (ब) डायपर्स

(स) सलवार (द) पैंट ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

2. हमारे कपड़े पहनने के कोई दो कारण लिखिए।
3. हम अच्छेव आकर्षक कपड़े क्यों पहनते हैं ?
4. भारत में वेशभूषा के चयन को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताइए।
5. ठण्डे मौसम के लिए किस प्रकार की कपड़ों का चयन किया जाना चाहिए ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. किशोरों के कपड़े चुनाव करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है?

निबन्धात्मक प्रश्न–

7. घूटनों के बल चलने वाली आयु वाले बच्चों के कपड़ों की क्या विशेषताएं होनी चाहिए ?

अध्याय–11
वित्तीय प्रबन्धन एवं योजना

1. **वित्तीय प्रबन्धन** – वित्तीय प्रबन्धन का अर्थ है वित्त या धन का प्रबन्धन करना। परिवार को उपलब्ध सभी प्रकार की आय वित्त के अन्तर्गत आती है। इसका उपयोग करने की योजना बनाना, नियंत्रण और मूल्यांकन वित्त प्रबन्धन कहलाता है।
2. **वित्तीय नियोजन**– वित्तीय नियोजन, वित्तीय प्रबन्धन का ही एक घटक है। वित्तीय नियोजन के इस चरण को बजट कहते हैं। जब परिवारों का बजट बनाया जाता है तो उसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि परिवार के सदस्यों की वर्तमान सभी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके तथा भविष्य के लिए कुछ धन बचा कर रखा जाए। इससे गैर–जरूरी मदों पर धन को व्यय करने से बचा जा सकता है और उसे भविष्य के लिए बचाया जा सकता है।
3. **प्रबंधन** – प्रबंधन का अर्थ है– अपने उपलब्ध संसाधनों द्वारा अपने उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करना।

पारिवारिक आय–

पारिवारिक आय का तात्पर्य सभी प्रकार की आय तथा एक निश्चित अवधि में सभी पारिवारिक सदस्यों की सभी स्रोतों से प्राप्त आय के कुल योग से है। आय के स्रोत हैं– मजदूरी, वेतन, कारोबार से लाभ, कमीशन, संपत्तियों से आने वाला किराया, नकद ऋणों पर ब्याज, लाभांश, पेंशन उपहार, रॉयल्टी, दान, बोनस सब्सिडी आदि।

पारिवारिक आय के प्रकार– पारिवारिक आय तीन प्रकार की होती है–

(1) वास्तविक आय, (2) मौद्रिक आय, (3) मानसिक आय।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न**–
   1. बिना धन व्यय किए प्राप्त आय को कहते हैं?
      (अ) प्रत्यक्ष वास्तविक आय (ब) अप्रत्यक्ष वास्तविक आय
      (स) ज्ञान व कार्यकुशलता के कारण प्राप्त आय (द) मानसिक आय ( )
   2. मौद्रिक एवं वास्तविक आय द्वारा प्राप्त अनुभवों से जो संतुष्टि मिलती है, उसे कहते हैं–
      (अ) मौद्रिक आय (ब) वास्तविक आय
      (स) मानसिक आय (द) उपर्युक्त में कोई नहीं ( )
   3. वित्तीय प्रबंधन का घटक है–
      (अ) वित्तीय नियोजन (ब) वित्तीय नियंत्रण
      (स) मूल्यांकन (द) उपर्युक्त सभी ( )

4. निम्न में अप्रत्यक्ष वास्तविक आय है–

(अ) महिलाओं द्वारा भोजन पकाना (ब) घरेलू बागवानी ( )

(स) सामुदायिक सेवाएं, जैसे उद्यान (द) व्यक्ति की योग्यता व कौशल से प्राप्त वस्तुएं व सेवाएं

5. वित्तीय प्रबंधन का अंतिम घटक है–

(अ) बजट बनाना (ब) मूल्यांकन

(स) समायोजन (द) नियंत्रण ( )

6. निवेश से तात्पर्य है–

(अ) बचत करना (ब) ऋण लेना

(स) अधिक उत्पादन के लिए धन का उपयोग करना (द) दान देना ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. परिवार के संदर्भ में वित्तीय प्रबन्धन का क्या आशय है ?
2. पारिवारिक आय से क्या आशय है ?
3. पारिवारिक आय कितने प्रकार की होती है?
4. मौद्रिक आय क्या है ?
5. वास्तविक आय कितने प्रकार की होती है ?
6. पारिवारिक बजट क्या है ?
7. बचत से क्या तात्पर्य है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. बचत से क्या तात्पर्य है ? बचत करना क्यों महत्वपूर्ण है ?

9.पारिवारिक बचत किस बात पर निर्भर करती है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

10. बजट बनाने में सम्मिलित चरणों की चर्चा करें।

अध्याय–12

वस्त्रों की देखभाल तथा रखरखाव

1. **वस्त्र–** वस्त्रों की देखभाल तथा रखरखाव में निम्नलिखित बातें शामिल हैं–
   1. कपड़े को बाहरी क्षति से मुक्त रखना।
   2. इसकी चमक तथा बुनावट की विशेषताओं, जैसे– कोमलता, कड़ापन या मजबूती को बनाए रखना या पुनः कायम करना।
   3. इसे सिलवटों से युक्त रखना तथा आवश्यकतानुसार सिलवटों को हटाना और तह बनाना।
2. **मरम्मत**–इसमें कपड़े के सामान्य प्रयोग के दौरान हुई क्षति अथवा आकस्मिक क्षति से मुक्त रखने का प्रयास किया जाता है। इसमें शामिल हैं–

   (1) कटे, फटे, छेद हुए कपड़ों की मरम्मतर करना,

   (2) बटनों/बंधनों, रिबन, लेस या आकर्षक बंधनों को पुनः लगाना।
3. **धुलाई**–धुलाई के अन्तर्गत वस्त्रों को धोना तथा इस्तरी करना शामिल है। इसमें दाग–धब्बे हटाना, धुलाई केलिए कपड़ों को तैयार करना, कपड़ों से गंदगी हटाना, नील लगाना, स्टार्च लगाना तथा इस्तरी करना आदि की प्रक्रियायें शामिल हैं। यथा–

   (अ) दाब–धब्बे हटाना–दाग–धब्बे हटाने की प्रक्रिया में पहले दाग–धब्बे की पहचान की जानी आवश्यकहै। यह पहचान रंग, गंध तथा स्पर्श के आधार पर की जा सकती है।

   (1) दाग–धब्बों का वर्गीकरण– दाग–धब्बों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है–

   1. वनस्पति के दोग–धब्बे, 2. जंतुजन्य धब्बे, 3. तैलीय धब्बे,

   4. खनिज धब्बे, 5. रंग छूटना
4. **वस्त्र उत्पादों का भण्डारण** –हमारे पास सभी तापमानों के अनुसार वस्त्र हैं। अतः जिन वस्त्रों की आवश्यकता एक खास मौसम में नहीं होती उन्हें संभालकर रखना होता है। कपड़ों को रखने सेपहले उन्हें भली भांति ब्रश करना तथा ड्राइक्लीन कराना आवश्यक है। सभी दाग धब्बे हटाए गए हों, सभी फटे स्थानों की मरम्मत होनी चाहिए। इसके बाद अलमारियों में या ट्रंक में उन्हें खुला–खुला पैक करें ताकि सलवटें ना पड़े। गर्म कपड़ों को भण्डारण करते समय नीम की सूखी पत्तियां या नेफ्थलीन बॉल जरूर डालें।
5. **वस्त्रों की देखबाल को प्रभावित करने वाले कारक–**

   1. रेशे

   2. धागे की संरचना

3. वस्तु निर्माण

4. रंग तथा अंतिम रूप

6. **देखभाल संबंधी लेबल–** रेडीमेड कपडत्रों पर लेबल या टैग होता है, जिसमें नियमित देखभाल, जानकारी तथा अनुदेश दिए जाते हैं।

1. **बहुचयनात्मक प्रश्न–**

1. वस्त्रों का भंडारण करने से पहले निम्न में से कौन–सा कार्य किया जाना आवश्यक है–

(अ) वस्त्रों को झाड़ना (ब) धोना

(स) प्रेस करना तथा तह लगाना (द) उपरोक्त सभी ( )

2. कपड़े रखने के लिए चुनी गई अलमारी होनी चाहिए–

(अ) नमी युक्त (ब) साफ, शुष्क तथा कीटमुक्त

(स) धूलभरी (द) सूक्ष्म जीवाणुओं से युक्त ( )

3. वस्त्रों के रख–रखाव को प्रभावित करने वाला कारक है–

(अ) धागे की संरचना (ब) रेशे का अंश

(स) वस्त्र की बुनाई (द) उपर्युक्त सभी ( )

4. निम्न में से कौन–सा धब्बा खनिज धब्बा है ?

(अ) चाय का धब्बा (ब) सब्जियों का धब्बा

(स) तारकोल का धब्बा (द) तेल का धब्बा ( )

5. दाग–धब्बे हटाने के पायसीकारक अभिकर्मक है–

(अ) साबुन तथा डिटरर्जेन्ट (ब) तारपीन तथा मिट्टी का तेल

(स) टेलकम पाडर तथा चॉक (द) नींबू तथा सिरका ( )

6. वस्त्रों की सफाई विलायकों या अवशोषकों द्वारा की जाती है, तो उसे कहते है?

(अ) पानी से धुलाई (ब) साबुन से धुलाई

(स) गीली धुलाई (द) ड्राइक्लीनिंग ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

2. वस्त्रों की उचित देखरेख के कोई दो लाभ लिखिये।

3. कपड़े की मरम्मत कब करना आवश्यक है ?

4. कपड़ों की दैनिक देखभाल में सामान्यतः कौन–कौन–सी बातें शामिल है?

5. दाग–धब्बे को कब हटाना सर्वोत्तम है ?

6. कपड़े रखने के लिए चुनी गई अलमारी कैसी होनी चाहिए ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

7. साबुन तथा डिटरजेंट में क्या अंतर है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

8. वस्त्रों के उचित भण्डारण पर टिप्पणी लिखिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : सूचना प्रौद्योगिकी (IT/ITes)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रमपरीक्षा–2023–24

कक्षा–11

सूचना प्रौद्योगिकी (IT/ITes)

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–					
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	प्रायोगिक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	30	20	50	100

Part-A

1. Employability skills **10**

Communication skills

Self management skills

Basic ICT skills

Entrepreneurial skills

Green skills

Part-B

2. Digital Literacy (4+4+3+3+3+3=20)
3. Word Processing
4. Spread Sheet
5. Presentation
6. E-mail Messaging
7. Computer network

नमूना प्रश्न पत्र – 2023–24

कक्षा–11

विषय – सूचना प्रौद्योगिकी

समय 3:15 घंटे   पूर्णांकः 30

"खण्ड –अ"

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनें –   (5x 1=5)

1. तालिका में गणना के लिए किसका उपयोग होता है?

   (अ) फार्मुला   (ब) डिजाइन

   (स) हैडर   (द) सैल

2. क्लिप आर्ट विकल्प कहाँ उपलब्ध है ?

   (अ) होम टैब में   (ब) इंसर्ट टैब में

   (स) पेज लेआउट टैब में   (द) डेटा टैब में

3. Delay Delivery से क्या तात्पर्य है?

   (अ) विस्तृत डिलीवरी   (ब) समय पर डिलीवरी

   (स) देर से डिलीवरी   (द) मेल डिलीवरी

4. निम्न में से कौनसी एक टॉपोलोजी नहीं है ?

   (अ) रिंग   (ब) स्टार

   (स) बॉक्स   (द) बस

5. सही आर्टिकल का उपयोग करें–

   Who is typing ……………… remaining letter.

   (अ) a   (ब) an

   (स) the   (द) None of these-

"खण्ड–ब"

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–   (12x 1=12)

6. दस्तावेज को आकर्षित बनाने के लिए पूर्वनिर्धारित डिजाइन ……………………है। (टेम्पलेट / क्लिपबोर्ड)

7. डिजिटल साक्षरता ………………………………है। (कम्प्यूटर की जानकारी / पढ़ना आना)

8. O.O.O. का पूरा नाम ....है। (आउट ऑफ ऑफिस/आउट ऑफ ऑर्डर)

9. WAN का पूरा नाम ....है। (वाइड एरिया नेटवर्क/वर्क एरिया नेटवर्क)

10. बौद्धिक संपदा है .... (अमूर्त संपत्ति पर अधिकार/संपत्त्पिर अधिकार)

11. शैलियाँ (Styles) .... टैब में उपलब्ध है। (Hometab-Style group/ View-Style)

12. किसी भी पेज के नीचे अतिरिक्त सूचना डालने के लिए ....उपयोग किया जाता है। (फुटर/हैडर)

13. I.P.Address (आई.पी. ऐड्रेस) का पूरा नाम .... है। (इन्टरनेट प्रोटोकोल एड्रेस/इन्टरनेट प्रोवाइटर एड्रेस)

14. NIC का पूरा नाम ....है। (नेटवर्क इन्टरफेस कार्ड/नेटवर्क इन्टरनेट कार्ड)

15. नई प्रेजेन्टेशन बनाने के लिए शॉर्टकट की (key) ....है। (Ctrl+N/ Ctrl+P)

16. शब्दों को विशेष रूप से दर्शाने के लिए ....उपयोग होता है। (वर्डआर्ट/क्लिपआर्ट)

17. 'बहुस्तरीय सूची'......................... है। (सूचियों में सूची/अनेक स्तर की सूची)

''खण्ड–स''

निम्नलिखित वाक्यों के सामने (√) एवं गलत के सामने (x) का निशान लगाए–(6x ½ =3)

18. चित्रों को क्रॉप करना चित्र प्रभाव का उदाहरण है।

19. वर्ड प्रोसेसर में 'थीम्स' का उपयोग नहीं किया जाता है।

20. स्लाइड मास्टर को हम सभी स्लाइड्स में एक साथ परिवर्तन कर सकते हैं।

21, वितरणसूची सामग्री को वितरित करने की सूची है।

22. Delay Delivery का तात्पर्य देर से डिलीवरी है।

23. किसी की अनुमति के बगैर उसकी सूचना का उपयोग करना सही होता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–दो पंक्ति में दीजिए–

24. नोट्स मास्टर का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है ?

25. साहित्यिक चोरी को समझाइए।

''खण्ड–द''

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पृष्ठ में लिखे– (2x 2½ =5)

22. HTML व XHTML में 4 भिन्नताएँ बताइएं

23. हाइपरलिंक के बारे में बताएं, इसे जोड़ने की प्रक्रिया विस्तार से बताइए।

पार्ट–1

Employability Skills

सही विकल्प चुनें।

1. मौखिक संचार का सही उदाहरण चुने–

(अ) रिपोर्ट (ब) सामचार पत्र

(स) आमने–सामने की बातचीत (द) टिप्पणियां

2. What are the different types of sounds we use in English pronounciation ?

(a) Vowel Sounds (b) Dipthong Sounds

(c) Consonant Sounds (d) All of the above

3. Which of these sentences is capitalised correctly ?

(a) I am hungry (b) Divya & Sunil are reading

(c) The bucket is full of water (d) She lives in Delhi

4. इनमें से कौनसा प्रेरणा का प्रकार है ?

(अ) आंतरिक (ब) इंटरमिडिएट

(स) बाह्य (द) अ एवं स दोनों

5. किस मेन्यू ऑप्शन में कमाण्ड सेव, प्रिन्ट और क्लोज है ?

(अ) इन्सर्ट (ब) फाइल

(स) टूल (द) फॉर्मेट

6. देश में हरित अर्थव्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है ?

(अ) सरकार (ब) सामाजिक कार्यकर्ता

(स) व्यक्तिगत नागरिक (द) उपरोक्त सभी

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए–

7. हरित व्यवस्था की सफलता में सरकार की भूमिका बताए।

8. व्यापार योजना का क्या अर्थ है ?

9. एक न्यू वर्ड डॉक्यूमेंट को सेव करने के लिए चरण बताए।

10. एक टीम में कार्य करने के क्या फायदें है ?

11. दो से तीन पंक्तियां लिखिए जिनका उपयोग आप अपना परिचय देने के लिए करेंगे।

एक पृष्ठ में उतर दीजिए–

12. अपनी स्वंय की एक व्यापार योजना बनाए।

पार्ट–2

डिजिटल साक्षरता

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए–

1. बौद्धिक संपदा को स्पष्ट करें?
2. साहित्यिक चोरी को समझाइए?
3. एक उदाहरण सहित साइबर क्राइम को समझाइए?
4. पेटेंट क्या हैं?
5. मानहानि को प्रकारों सहित समझाइए?
6. डिजिटल साक्षारता क्या है?

निम्नलिखित वाक्यों के सामने (√) एवं गलत के सामने (x) का निशान लगाए–

1. किसी की अनुमति के बगैर उसकी सूचना का उपयोग करना सही होता है।

पार्ट–3

वर्ड प्रोसेसिंग

सही विकल्प चुनें।

1. एक बहुस्तरीय सूची क्या है?

   (अ) सूचियों का संग्रह   (ब) सूचियों के भीतर सूची

   (स) एकल सूचियों का विस्तार   (द) इनमें से कोई नहीं

2. तालिका में गणना करने के लिए किसका उपयोग होता हैं।

   (अ) फॉर्मुला   (ब) डिजाइन

   (स) हैडर   (द) शैली

3. किसी इमेज की छोटी करने के लिए कौनसा फंक्शन काम में लिया जाता है?

   (अ) पेस्ट   (ब) डिलीट

   (स) क्रॉप   (द) अपडेंट

4. शब्दों की विशेष रूप में दर्शाने के लिए किसका उपयोग होता है?

   (अ) ड्रॉपडाउन   (ब) वर्ड आर्ट

   (स) स्टाइल   (द) टेक्सट बॉक्स

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. एकल स्तर सूची क्या हैं?

2. शैलियॉ (STYLES) किस टैब में उपलब्ध है?
3. दस्तावेज को आकर्षक बनाने के लिए पूर्व निर्धारित डिजाइन कौनसी है?
4. चित्र प्रभाव के 3 उदाहरण बताइये?

दो–तीन पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. वाटरमार्क अनुकलित करने की प्रक्रिया समझाएं।
2. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर में थीम्स के उद्देश्य के बारे में बताएं।
3. शब्द रेपिंग के बारे में समझाइए।

दो पृष्ठों में उत्तर दीजिए।

1. वर्ड प्रोसेसर में तालिका डिजाइन करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।

निम्नलिखित वाक्यों के सामने (√) एवं गलत के सामने (x) का निशान लगाए–

18. चित्रों को क्रॉप करना चित्र प्रभाव का उदाहरण है।
19. वर्ड प्रोसेसर में 'थीम्स' का उपयोग नहीं किया जाता है।

पार्ट–4

स्प्रेडशीट

सही विकल्प चुनें।

1. क्लिप आर्ट विकल्प कहाँ उपलब्ध है?

   (अ) होम टैब में — (ब) इंसर्ट टैब में

   (स) पेज लेआउट टैब में — (द) डेटा वैब में

2. संशोधित परिणाम का पता करने के लिए कौनसी कमाण्ड का उपयोग किया जाता है?

   (अ) लुकअप फंक्शन — (ब) गोल सीक

   (स) मेक्रोस — (द) ड्रापडाउन कस्टम थीम

3. स्वचलित रूप से गणना करने के लिए किसका उपयोग किया जाता है?

   (अ) मैक्रोस — (ब) लॉजिकल फंक्शन

   (स) टेम्प्लेट — (द) Look up Function

4. वर्कबुक के बारे में अतिरिक्त जानकारी कहाँ उपलब्ध है?

   (अ) वर्क बुक थीम — (ब) वर्कबुक प्रोफाइल

   (स) वर्कबुक डेटा — (द) वर्कबुक प्रोपट्रीज

5. क्रियाओं के क्रम के संग्रह को क्या कहा जाता है?

(अ) मैक्रोस (ब) डाक्यूमेंट

(स) टेबल (द) रिकोर्ड

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. स्प्रेडशीट में एक क्लिपआर्ट को डालने की प्रक्रिया को समझाएं?
2. आकृतियों का उद्देश्य समझाएं।
3. स्मार्ट आर्ट किस टैब में किस समूह में उपलब्ध हैं?
4. परतों में कार्य करने की प्रक्रिया को समझाइए।

दो–तीन पंक्तियों में उत्तर दीजिए।

1. स्प्रेडशीट में डाले हुए चित्र में 3–डी इफेक्ट लागू करने की प्रक्रिया को समझाइए।
2. एकाधिक ग्राफिकल वस्तुओं को ग्रुप तथा अनग्रुप करने की प्रक्रिया को उदाहरण के साथ समझाइए।
3. मैक्रो का उद्देश्य समझाइये।

दो पृष्ठों में उत्तर दीजिए।

1. लुकअप फंक्शन के बारे में विस्तार से बताइये, उपयोग सहित।

पार्ट–5

प्रजेन्टेशन

1. एक नयी प्रजेन्टेशन बनाने के लिए शॉर्टकट 'की' कौनसी है?

(अ)CTRL + M (ब) CTRL +N

(स)CTRL +Z (द) CTRL +D

2. स्लाइड मास्टर कहाँ उपलब्ध है?

(अ) प्रजेन्टेशन व्यू ग्रुप में (ब) शो/हाइड ग्रुप में

(स) विंडो ग्रुप में (द) मैक्रो ग्रुप में

3. किसी भी पेज के नीचे अतिरिक्त सूचना डालने के लिए किसका उपयोग किया जाता है?

(अ) हैडर (ब) फुटर

(स) दोनों (द) दोनों में से कोई नहीं

4. किसी डॉक्यूमेंट को प्रिन्ट के रूप में देखने के लिए किसका उपयोग किया जाता है?

(अ) प्रजेन्टेशन व्यू (ब) हैन्डआउट मास्टर

(स) पब्लिश (द) नोट्स

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. हेण्डआउट मास्टर की अनुकलित करने की प्रक्रिया को समझाइए।
2. स्लाइड मास्टर क्या हैं?
3. नोट्स मास्टर क्या हैं?
4. किन्हीं दो वेबसाइटों को सूचीबद्ध करें जहां आप अपने टेम्प्लेट भेज सकते हैं?

दो–तीन पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. कई थीम का उपयोग कर एक डिजाइन टेम्पलेट बनाने की प्रक्रिया समझाइए।
2. प्रजेन्टेशन में हैडर और फुटर का उपयोग करने के फायदे समझाइए।
3. नोट्स मास्टर का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है?

दो पृष्टों में उत्तर दीजिए।

1. हैडर और फुटर बनाने की प्रक्रिया को विस्तृत रूप से समझाइए।
2. स्लाइड मास्टर के बारे में बताइये, टेम्पलेट का उपयोग करते हुए।

निम्नलिखित वाक्यों के सामने (√) एवं गलत के सामने (x) का निशान लगाए–

1. स्लाइड मास्टर को हम सभी स्लाइड्स में एक साथ परिवर्तन कर सकते हैं।

पार्ट–6

ई–मेल मैसेजिंग

1. DELAY DELIVERYसे क्या तात्पर्य है?

(अ) विस्तृत डिलीवरी (ब) समय पर डिलीवरी

(स) देर से डिलीवरी (द) मेल डिलीवरी

2. प्राप्तकर्ताओं के मेल को देखने और पढ़ने पर जो नोटिफिकेशन प्राप्त होता है उसे क्या कहते है?

(अ) शेडयूल रिसीट (ब) मेल रिसीट

(स) रीड रिसीट (द) डिलीवरी रिसीट

3. O.O.O. का पूरा नाम क्या है? (ई–मेल मैसेजिंग में)

(अ) आउट ऑफ ऑर्डर (ब) आउट ऑफ ऑप्शन

(स) आउट ऑफ ऑफिस (द) आउट ऑफ ऑक्शन

4. कौनसा फिल्टर मोड ई–मेल मैसेजिंग में उपलब्ध नहीं है?

(अ) लो (ब) हाई

(स) मोडरेट (द) केवल सेफ लिस्ट

5. ऑटोमेटिक मीटिंग रेस्पोंस का उपयोग क्यों किया जाता है?

(अ) मीटिंग को डिले करने के लिए (ब) स्वतः मीटिंग की अनुक्रिया के लिए

(स) मीटिंग शेड्यूल करने के लिए (द) मीटिंग निरस्त करने के लिए

एकपंक्ति में उत्तर दीजिए

1. वोटिंग विकल्प कहॉ उपलब्ध है?
2. आउट ऑफ ऑफिस नोटिफिकेशन क्या है?
3. वितरण सूची क्या होती है?
4. हाइपरलिंग का क्या उपयोग है?
5. कार्य दिवस और समय निर्धारित करने के लिए किस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है।

दो–तीन पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. वोटिंग विकल्पों के सेट करने की प्रक्रिया बताइये?
2. वितरण सूची का उद्देश्य क्या है?
3. मैसेज वर्गीकरण के बारे में बताइये।
4. ई–मेल मैसेजिंग सॉफ्टवेयर में सेफ एड्रेस वाले विकल्प के बारे में बताइये?
5. टाइम जोन के बारे में बताइये, उपयोग के उदाहरण सहित।

दो पृष्ठों में उत्तर दीजए

1. हाइपरलिंग के बारे में बताइये, इसे जोड़ने की प्रक्रिया विस्तार से बताइये?
2. एचटीएमएल फार्मेट को डिफाल्ट फार्मेट के रूप में इस्तेमाल करने की प्रक्रिया का वर्णन करें।

निम्नलिखित वाक्यों के सामने (√) एवं गलत के सामने (x) का निशान लगाए–

1. वितरण सूची सामग्री को वितरित करने की सूची है।

2. Delay Delivery का तात्पर्य देर से डिलीवरी है।

पार्ट–7

कम्प्यूटर नेटवर्क

1. निम्न में से कौनसी एक टोपालॉजी नहीं है?

   (अ) रिंग (ब) स्टार

   (स) बोक्स (द) बस

2. मैक एड्रेस का दूसरा नाम है?

   (अ) आई–पी ऐड्रेस (ब) लोजिकल ऐड्रेस

   (स) फिजिकल ऐड्रेस (द) इनमें से कोई नहीं

3. आई–पी ऐड्रेस का पूरा नाम क्या है?

   (अ) इंटरनेट प्रोग्रामिंग ऐड्रेस (ब) इंटरनेट प्रोवाइडर ऐड्रेस

   (स) इंटरनेट प्रोटोकॉल ऐड्रेस (द) इंडियन प्रोटोकोल ऐड्रेस

4. 22.123.151.10 किस टाइप का आई–पी ऐड्रेस है?

   (अ) Aटाईप (ब) Bटाईप

   (स) Cटाईप (द) Dटाईप

5. मेक ऐड्रेस को आई पी ऐड्रेस में कौन बदलता है?

   (अ) DNS (ब) DBS

   (स) DBMS (द)DMS

6. नेटवर्किंग का रूट का निर्णय कौनसी डिवाइस करती है?

   (अ) हब (ब) राउटर

   (स) स्विच (द) मोडेम

7. DNSका पूरा नाम क्या है?

   (अ) डेटा नेटवर्किंग सिस्टम (ब) डेटा नेटवर्किंग सोर्स

   (स) डाइरेक्ट नेटवर्किंग सिस्टम (द) डोमेन नेम सिस्टम

एक पंक्ति में उत्तर दीजिए

1. WANका का पूरा नाम बताइये
2. ओएसआई मोडल में कितने लेयर होती है?
3. ओएसआई मोडल की तीसरी लेयर का नाम बताईये?
4. टोपोलोजी क्या है, समझाइये?
5. NICका पूरा नाम बताइये व इसके बारे में समझाइये?

दो–तीन पंक्ति में उत्तर दीजिए।

1. सभी आई–पी ऐड्रेस का आईपी ऐड्रेस व सबनेट मास्क लिखिए?
2. HTMLव XHTML में 5 भिन्नताएं बताइए।
3. वीपीएन को समझाइए, उदाहरण के साथ।
4. फार्म व फ्रेम के बारे में समझाइए?

दो पृष्ठों में उत्तर दीजिए।

1. HTML में विद्यार्थियों की सूचना बताती हुई टेबल बनाइये व सभी टेग्स को समझाइए?

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : राजनीति विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा2023—24

कक्षा—11वीं

विषय — राजनीति विज्ञान

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है—

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	पूर्णांक
एक पत्र	4:15	100	100

पुस्तक का नाम : भारत का संविधान (भाग—ए) सिद्धान्त और व्यवहार

(कुल अंक 50)

अध्याय— 1 संविधान : क्यों और कैसे 5

हमें संविधान की आवश्यकता क्यों है ?

संविधान की सत्ता

भारतीय संविधान कैसे बना ?

संविधान सभा का स्वरूप

संविधान सभा के कामकाज की शैली

कार्य विधि

संस्थागत व्यवस्थाएं

विभिन्न देशों के संविधानों क लिए गये प्रावधान

अध्याय—2 भारतीय संविधान में अधिकार 6

अधिकारों का महत्व

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार

दक्षिण अफ्रीका के संविधान में अधिकारों का घोषणा पत्र

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

राज्य के नीर्ति निर्देशक तत्व

नीति निर्देशक तत्वों और मौलिक अधिकारों में संबंध

अध्याय—3 चुनाव और प्रतिनिधित्व 5

चुनाव और लोकतंत्र

भारत में चुनाव व्यवस्था

निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव

स्वतंत्र निर्वाचन आयोग

चुनाव सुधार

अध्याय–4	**कार्यपालिका**	**5**
	कार्यपालिका क्या है ?	
	कार्यपालिका कितने प्रकार की होती है ?	
	भारत में संसदीय कार्यपालिका	
	प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद	
	स्थाई कार्यपालिका	
अध्याय–5	**विधायिका**	**5**
	हमें संसद क्यों चाहिए ?	
	संसद में दो सदनों की क्या आवश्यकता है ?	
	संसद क्या करती है ?	
	संसद कानून कैसे बनाती है ?	
	संसद कार्यपालिका को कैसे नियंत्रित करती है ?	
	संसदीय समितियाँ क्या करती है ?	
	संसद स्वंय को कैसे नियंत्रित करती है ?	
अध्याय–6	**न्यायपालिका**	**5**
	हमें स्वतंत्र न्यायपालिका क्यों चाहिए ?	
	न्यायाधीशों की नियुक्ति	
	न्यायपालिका की संरचना	
	सर्वोच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार	
	न्यायपालिका और अधिकार	
	न्यायपालिका और संसद	
अध्याय–7	**संघवाद**	**5**
	संघवाद क्या हैं ?	
	भारतीय संविधान में संघवाद	
	सशक्त केन्द्रीय सरकार और संघवाद	
	भारतीय संघीय व्यवस्था में तनाव	

विशिष्ट प्रावधान

अध्याय 8	**स्थानीय शासन**	5
	स्थानीय सरकार क्यों ?	
	स्वतंत्र भारत में स्थानीय शासन का विकास	
	73वां व 74वां संशोधन	
	राज्य चुनाव आयुक्त	
	राज्य वित्त	
	73वां व 74वां संशोधन का क्रियान्वयन	
अध्याय 9:	**संविधान – एक जीवंत दस्तावेज**	5
	क्या संविधान अपरिवर्तनीय होते हैं ?	
	संविधान में संशोधन कैसे किया जाता है ?	
	संविधान में इतने संशोधन क्यों किये ये है ?	
	संसाधनों की विषय–वस्तु	
	संविधान की मूल संरचना तथा उसका विकास	
	संविधान एक जीवंत दस्तावेज	
	न्यायपालिका का योगदान	
अध्याय–10	**संविधान का राजनीतिक दर्शन**	4
	संविधान के दर्शन का क्या आशय है ?	
	संविधान–लोकतांत्रिक बदलाव का साधन	
	संविधान सभा की और मुड़कर क्यों देखें ?	
	हमारे संविधान का राजनीतिक दर्शन क्या है?	
	प्रक्रियागत उपलब्धियाँ	
	आलोचना	

राजनीतिक सिद्धान्त खण्ड–ब

कुल अंक 50

अध्याय–11	**राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय**	**7**
	राजनीति क्या है ?	
	राजनीतिक सिद्धान्त में हम क्या पढ़ते हैं ?	
	राजनीतिक सिद्धानत को व्यवहार में उतारना	
	हमें राजनीतिक सिद्धान्त क्यों पढ़ना चाहिए?	
अध्याय–12	**स्वतंत्रता**	**6**
	स्वतंत्रता का आदर्श	
	स्वतंत्रता क्या हैं?	
	हमें प्रतिबन्धों की आवश्यकता क्यों है?	
	हानि सिद्धान्त	
	सकारात्मक एक नकारात्मक स्वतंत्रता	
	अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता	
अध्याय–13	**समानता**	**6**
	समानता महत्वपूर्ण क्यों है?	
	समानता क्या है?	
	प्राकृतिक और सामाजिक असमानताएं	
	समानता के बीच आयाम	
	हम समानता को बढ़ावा कैसे दे सकते है?	
	विभेदक बर्ताव द्वारा समानता	
अध्याय–14	**सामाजिक न्याय**	**6**
	न्याय क्या है ?	
	न्यायपूर्ण बंटवारा	
	जॉन रॉल्स का न्याय सिद्धान्त	
	सामाजिक न्याय का अनुसरण	
अध्याय–15	**अधिकार**	**6**
	अधिकार क्या है?	
	अधिकार कहाँ से आते हैं?	

	कानूनी अधिकार और राज्य सत्ता	
	अधिकारों के प्रकार	
	अधिकार और जिम्मेदारियाँ	
अध्याय–16	**नागरिकता**	**6**
	सम्पूर्ण और समान सदस्यता	
	समान अधिकार	
	नागरिक और राष्ट्र	
	सार्वभौमिक नागरिकता	
	विश्व नागरिकता	
अध्याय–17	**राष्ट्रवाद**	**6**
	राष्ट्रवाद का परिचय	
	राष्ट्र और राष्ट्रवाद	
	राष्ट्रीय आत्म निर्णय	
	राष्ट्रीय और बहुलवाद	
अध्याय–18	**धर्म निरपेक्षता**	**7**
	धर्म निरपेक्ष क्या है	
	धर्म निरपेक्ष राज्य	
	धर्म निरपेक्षता का यूरोपीय मॉडल	
	धर्म निरपेक्षता का भारतीय मॉडल	
	भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनाएं	

मॉडल प्रश्न पत्र2023-24

कक्षा – 11

विषय – राजनीति विज्ञान

समय 4:15 घंटे पूर्णांक = 100

महत्वपूर्ण बिन्दु :–

1. प्रश्न संख्या 1 में i से xx तक कुल 20 प्रश्न है। प्रत्येक 1 अंक का है।
2. प्रश्न संख्या 2 में i से vii तक कुल 7 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
3. प्रश्न संख्या 3 से 12 तक कुल 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
4. प्रश्न संख्या 13 से 19 तक कुल 7 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक काहै।
5. प्रश्न संख्या 20 से 25 तक कुल 6 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।
6. प्रश्न संख्या 26 से 30 तक कुल 5 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

प्रश्न 1 में iसे xx तक कुल प्रश्न 20 है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है– 20x1=20

(i) भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?

(अ) डा. बी.एन. राव (ब) पं. जवाहर लाल नेहरू

(स) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ( )

(ii) भारतीय संविधान में वर्तमान में कितनी अनुसूचियां है ?

(अ) 10 (ब) 11

(स) 12 (द) 14 ( )

(iii) मौलिक अधिकारों का प्रावधान भारतीय संविधान के कौनसे भाग में है ?

(अ) भाग–IV (ब) भाग–II

(स) भाग–III (द) भाग–IVक ( )

(iv) भारतीय चुनाव आयोग में कितने सदस्य होते है ?

(अ) 4 (ब) 3

(स) 5 (द) 1 ( )

(v) लोकसभाका कार्यकाल कितना होता है ?

(अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष

(स) 8 वर्ष (द) 4 वर्ष ( )

(vi) संसद के दो अधिवेशनों के बीच अधिकतम समयान्तर होता है–

(अ) 3 माह (ब) 5 माह

(स) 1 वर्ष (द) 6 माह ( )

(vii) भारत में गठबंधन सरकारों का युग कब से शुरू हुआ ?

(अ) 1989 (ब) 1987

(स) 1990 (द) 1991 ( )

(viii) पंचायत राज व्यवस्था से संबंधित संविधान संशोधन है ?

(अ) 72वां (ब) 78वां

(स) 73वां (द) 74वां ( )

(ix) भारत में कुल कितने न्यायालय है ?

(अ) 28 (ब) 24

(स) 27 (द) 26 ( )

(x) सरकारिया आयोग कब बनाया गया ?

(अ) 1985 (ब) 1984

(स) 1983 (द) 1989 ( )

(xi) ''द रिपब्लिक'' पुस्तक का लेखक है ?

(अ) सुकरात (ब) प्लेटो

(स) सेफलस (द) ग्लाकॉन ( )

(xii) ''अज्ञानता का आवरण'' सिद्धान्त किसने दिया ?

(अ) प्लेटो (ब) जॉन राल्स

(स) लेक्जमबर्ग (द) पैरेटो ( )

(xiii) भारत सरकार ने विकलांगता अधिनियम किस वर्ष पारित किया ?

(अ) 1994 (ब) 1995

(स) 1996 (द) 1993 ( )

(xiv) विश्व मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?

(अ) 10 दिसम्बर (ब) 12 दिसम्बर

(स) 20 दिसम्बर (द) 10 नवम्बर ( )

(xv) फ्रांस की क्रांति कब हुई ?

(अ) 1989 (ब) 1789

(स) 1787 (द) 1790 ( )

(xvi) मत देने का अधिकार है–

(अ) राजनीतिक अधिकार (ब) आर्थिक अधिकार

(स) सामाजिक अधिकार (द) सांस्कृतिक अधिकार ( )

(xvii) सिक्ख धर्म के दंगे कब हुये थे ?

(अ) 1985 में (ब) 1986 में

(स) 1984 में (द) 1987 में ( )

(xviii) जनहित याचिका की शुरूआत भारत में कब से हुई ?

(अ) 1979में (ब) 1984 में

(स) 1989 में (द) 1999 में ( )

(xix) व्यक्ति के उच्चतम विकास के लिए परमावश्यक है ?

(अ) अधिकार (ब) संपत्ति

(स) कानून व्यवस्था (द) कानून ( )

(xx) गुड फ्राइडे क्रिसमस का संबंध किस धर्म से है ?

(अ) जैन धर्म (ब) हिन्दू धर्म

(स) ईसाई धर्म (द) बौद्ध धर्म ( )

प्रश्न संख्या 2 में i से vii तक कुल 7 प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है– 7x1=7

(i) संविधान सभा के अध्यक्ष .... थे। (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद / डॉ. बी.एन. राव)

(ii) भारतीय संविधान में नागरिकों को .... मूल अधिकार दिये है। (5 / 6)

(iii) भारत में वयस्क मताधिकार की आयु .... है। (18 / 21)

(iv) भारतीय संविधान .... न्यायिक व्यवस्था की स्थापना करता है। (एकीकृत / सामूहिक)

(v) वीटो की शक्ति .... में निहित है। (राष्ट्रपति / प्रधानमंत्री)

(vi) .... हमारी संसद का स्थायी सदन है। (लोकसभा / राज्यसभा)

(vii) ऑग सान सू की .... की निवासी है। (म्यांमार / भूटान)

प्रश्न 3 से 12 तक कुल 10 प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है– 10x1=10

3. नेपाल लोकतांत्रिक गणराज्य कब बना ?
4. भारत के संविधान का निर्माण कितने समय में हुआ ?
5. नेल्सन मंडेला की आत्मकथा का शीर्षक क्या है ?
6. राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है ?
7. आम चुनाव किसे कहते है ?
8. एक देश में भ्रमण हेतु आया हुआ अन्य देश का नागरिक कहलाता है ?
9. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
10. भारत का संविधान कब लागू हुआ ?
11. पॉलिटिक्स के रचियता कौन थे ?
12. भारत के संविधान में वर्णित अधिकारों को क्या कहा जाता है ?

प्रश्न संख्या 13 से19 तक कुल 7 प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 7x2= 14

13. वयस्क मताधिकार से क्या अभिप्राय है ?
14. नागरिकता प्राप्त करने के दो तरीके बताओ ?
15. राष्ट्रवाद के किन्ही चार प्रतीकों के नाम लिखिए।
16. कार्यपालिका कितने प्रकार की होती है ?
17. सही मिलान करो–

(अ) प्लेटो	1. संविधान के जनक
(ब) डॉ. भीमराव अम्बेडकर	2. द रिपब्लिक
(स) मुक्त बाजार नीति	3. राजनीतिक दार्शनिक
(द) जॉन रॉल्स	4. राज्य के हस्तक्षेप का विरोधी

18. राजनैतिक समानता से क्या आशय है ?

19. संविधान का हृदय और आत्मा किस अधिकार को कहा जाता है ?

प्रश्न संख्या 20 से 25 तक कुल 6 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है– 6x4=24

20. निर्वाचन आयोग के कोई दो कार्य बताइये।

21. सरकारिया आयोग की नियुक्ति कब और क्यों की गई।

22. किन्ही चार राजनीतिक विद्वानों के नाम लिखिए।

23. राष्ट्रवाद निर्माण के किन्हीं दो तत्वों के नाम लिखो।

24. धर्मनिरपक्षता क्या है ?

25. लोकसभा के सदस्य की अर्हताएं क्या है ?

प्रश्न संख्या 26 से 30 तक कुल 5 प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है– 5x5=25

26. प्राकृतिक अधिकार व मौलिक अधिकारों में अन्तर स्पष्ट करो।

या

अधिकारों के चार प्रमुख लक्षण लिखिए।

27. भारतीय निर्वाचन आयोग के मुख्य कार्य बताओ।

या

फर्स्ट–पास्ट–द–पोस्ट प्रणाली क्या है ?

28. संवैधानिक उपचारों के अधिकार पर टिप्पणी लिखो।

या

नीति निर्देशक तत्व और मौलिक अधिकारों में क्या अन्तर है ? बताओ। (चार)

29. संसद के प्रमुख चार कार्य बताइये।

या

लोकसभा की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

30. भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्तव्य लिखो।

या

भारतीय संविधान की चार विशेषताएं बताइये।

विषय सूची

पार्ट–I

भारत का संविधान : सिद्धान्त और व्यवहार

अध्याय 1	–	संविधान : क्यों और कैसे ?
अध्याय 2	–	भारतीय संविधान में अधिकार
अध्याय 3	–	चुनाव और प्रतिनिधित्व
अध्याय 4	–	कार्यपालिका
अध्याय 5	–	विधायिका
अध्याय 6	–	न्यायपालिका
अध्याय 7	–	संघवाद
अध्याय 8	–	स्थानीय शासन
अध्याय 9	–	संविधान : एक जीवंत दस्तावेज
अध्याय 10	–	संविधान का राजनीतिक दर्शन

पार्ट–II

राजनीतिक सिद्धान्त

अध्याय 1	–	राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय
अध्याय 2	–	स्वतन्त्रता
अध्याय 3	–	समानता
अध्याय 4	–	सामाजिक न्याय
अध्याय 5	–	अधिकार
अध्याय 6	–	नागरिकता
अध्याय 7	–	राष्ट्रवाद
अध्याय 8	–	धर्मनिरपेक्षता

पार्ट–I

भारत का संविधान सिद्धान्त और व्यवहार

अध्याय – 1

संविधान– क्यों और कैसे ?

पाठ का सार :

इस अध्याय में संविधान के विविध पक्षों का अध्ययन करेंगे। संविधान की हमें क्यों आवश्यकता है, संविधान क्या होता है, संविधान का क्या महत्व होता है ? आदि के बारे में इस अध्याय में बताया गया है। विभिन्न देशों के संविधानों में उल्लेखित प्रावधानों के बारे में बताया गया है। संविधान में उल्लेखित प्रावधानों को मौलिक प्रावधान कहा जाता है। संविधान एक लिखित या अलिखित दस्तावेज या दस्तावेजों का पुंज है, जिसमें राज्य सम्बन्धी प्रावधान यह बताते है कि राज्य का गठन कैसे होगा और वह किन सिद्धान्तों का पालन करेगा।

भारत का संविधान कैसे बना ? के बारे में इस अध्याय में बताया गया है। केबिनेट मिशन योजना के अनुसार भारतीय संविधान की रचना की गई। डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे तथा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष थे। संविधान सभा ने 9 दिसम्बर 1946 से संविधान निर्माण का कार्य प्रारमभ किया जिसे 26 नवम्बर 1949 को पूर्ण किया। इस प्रकार भारतीय संविधान को बनने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?

   (अ) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

   (स) डॉ. सच्चिदानन्द सिंह (द) डॉ. बी.एन. राव ( )

2. भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे ?

   (अ) डॉ. बी.एन. राव (ब) पं. जवाहर लाल नेहरु

   (स) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ( )

3. क्रिप्स मिशन किस वर्ष भारत आया ?

   (अ) अप्रेल 1942 (ब) मार्च 1942

   (स) अप्रेल 1943 (द) मार्च 1943 ( )

4. भारतीय संविधान में वर्तमान में कितनी अनुसूचियां हैं ?

(अ) 10 (ब) 11

(स) 12 (द) 14 ( )

5. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व सम्बन्धी प्रावधान निम्नलिखित में से किस देश के संविधान से लिये गये है–

(अ) अमेरिका (ब) फ्रांस

(स) आयरलैण्ड (द) ब्रिटेन ( )

6. लोकतांत्रिक संविधानों में कानून के निर्माण का निर्णय लिया जाता है–

(अ) राजा द्वारा (ब) साम्यवादी पार्टी द्वारा

(स) जनप्रतिनिधियों द्वारा (द) न्यायपालिका द्वारा ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

7. संविधान सभ के अध्यक्ष .... थे। (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद / डॉ. बी.एन. राव अम्बेडकर

8. संविधान सरकार को ऐसी .... प्रदान करता है जिससे किवह जनता की आकाक्षाओं को पूरा कर सके। (क्षमता / अक्षमता)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

9. भारतीय संविधान का निर्माण कितने समय में हुआ ?
10. संविधान का पहला काम क्या है ?
11. 14 अगस्त 1947 को विभाजित भारत के संविधान सभा सदस्य कितने थे ?
12. कठोर संविधान से क्या अभिप्राय है ?
13. नेपाल लोकतांत्रिक गणराज्य कब बना ?
14. भारत की संविधान सभा का उद्देश्य प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया ?
15. भारतीय संविधान की रचना किस योजना के अनुसार हुई।
16: क्रिप्स मिशन ने भारतीय संविधान के संदर्भ में क्या कहा था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारतीय नागरिकों के कोई चार मौलिक कर्त्तव्य लिखो।
18. संविधान क्या है ?
19. भारत में संविधान सभा का विचार एक आस्था का प्रतीक बन चुका था। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
20. संविधान सरकार की शक्तियों को किस तरह से सीमित करता है ?

निबंधात्मक प्रश्न

21. संविधान के कार्यों का उल्लेख कीजिए।
22. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया ? इसके मुख्य प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

अध्याय – 2

भारतीय संविधान में अधिकार

पाठ का सार :

भारतीय संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से लेकर 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है जिन अधिकारों का प्रावधान भारतीय संविधान में किया गया है उन्हें मौलिक अधिकारों के रूप में जाना जाता है। भारतीय संविधान में नागरिकों को 6 प्रकार के मूल अधिकार प्रदान किए गये है– (1) समता का अधिकार, (2) स्वतंत्रता का अधिकार, (3) शोषण के विरूद्ध अधिकार, (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, (5) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, (6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

इस अध्याय में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के बारे में बताया गया है, जिनका प्रावधान भारतीय संविधान के भाग–4 के अनुच्छेद 36 से 51 में किया गया है। भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy) आयरलैण्ड के संविधान से लिए गए है। इनका स्वरूप कल्याणकारी है तथा यह वाद–योग्य नहीं है।

पाठ के अंत में मौलिक कर्त्तव्यों का अध्ययन किया गया है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों पर संविधान के भाग–IV-Aमें इनको शामिल किया गया। अनुच्देछ 51-A में मूल कर्त्तव्यों का प्रावधान है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. निम्नलिखित में कौन सा मौलिक अधिकारों का सबसे सटीक वर्णन है ?

   (अ) किसी व्यक्ति को प्राप्त समस्त अधिकारी

   (ब) कानून द्वारा नागरिक को प्रदत्त समस्त अधिकारी

   (स) संविधान द्वारा प्रदत्त और सुरक्षित समस्त अधिकार

   (द) संविधान द्वारा प्रदत्त वे अधिकार जिन पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाया जा सका( )

2. मौलिक अधिकारों का प्रावधान भारतीय संविधान के कौनसे भाग में है ?

   (अ) भाग–IV (ब) भाग–II

   (स) भाग–III (द) भाग–IVक ( )

3. दक्षिण अफ्रीका संविधान कब लागू हुआ ?

   (अ) सितम्बर 1996 (ब) दिसम्बर 1997

   (स) दिसम्बर 1996 (द) सितम्बर 1998 ( )

4. 1928 में किस समिति ने भारत में अधिकारों के घोषणा पत्र की माँग उठायी थी ?

(अ) साइमन कमीशन ने (ब) कैबिनेट मिशन ने

(स) मोतीलाल नेहरू समिति ने (द) वांचू समिति ने ( )

5. किस आदेश के द्वारा न्यायालय किसी गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय के सामने प्रस्तुत करने का आदेश देता है–

(अ) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (ब) उत्प्रेषण शक्ति

(स) परमादेश (द) धार्मिक शक्ति ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

6. भारतीय संविधान में नागरिकों को .... मूल अधिकार दिये है। (5/6)

7. अधिकार लोकत्रांत्रिक देशों में नागरिकों के अधिकारों को .... में सूचीबद्ध कर दिया जाता है। (ग्रंथों/संविधान)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. अधिकारों के घोषणा–पत्र से क्या आशय है ?

9. मूल अधिकारों से क्या अभिप्राय है ?

10. संविधान का ह्दय और आत्मा किस अधिकार को कहा जाता है ?

11. निवारक नजरबंदी किसे कहते है ?

12. मौलिक अधिकारों में संशोधन किसके द्वारा किया जाता है ?

13. मूल अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय कौन–कौनसे आदेश जारी कर सकता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. मौलिक अधिकार और साधरण अधिकारों में कोई दो अन्तर बताइए।

15. समता के अधिकार में कौन–कौनसे अधिकार सम्मिलित है ?

16. ''नीति निर्देशक तत्व वाद–योग्य नहीं है।'' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

17. नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

18. भारतीय संविधान में वर्णित शोषण के विरूद्ध अधिकार का विवेचन कीजिए।
19. 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' पर टिप्पणी लिखो।
20. मौलिक अधिकारों एवं नीति–निर्देशक तत्वों में अन्तर बताओ।

अध्याय –3

चुनाव एवं प्रतिनिधित्व (Election and Representative)

पाठ का सार :–

इस अध्याय में लोकतंत्र के प्रकार, लोकतंत्र में चुनाव एवं प्रतिनिधित्व के बारे में अध्ययन करेंगे। लोकतंत्र दो प्रकार का होता है– (1) प्रत्यक्ष लोकतंत्र, (2) अप्रत्यक्ष लोकतंत्र।

लोकतंत्र में चुनाव या निर्वाचन अति महत्वपूर्ण है। चुनाव के माध्यम से प्रतिनिधियों को चुना जाता है। लोकतंत्र एवं चुनाव एक दूसरे के पूरक है।

भारत के संविधान में दो प्रकार की निर्वाचन प्रणालियों को अपनाया गया है–

(1) सर्वाधिक मत से जीतने वाली प्रणाली (फर्स्ट–पास्ट–द–पोस्ट सिस्टम)

(2) समानुपातिक प्रतिनिधत्व प्रणाली।

इन दोनों प्रणालियों की अलग–अलग विशेषताएँ है। भारत में वयस्क मांधिकार के आधार पर वोट दिया जाता है। स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष चुनाव हेतु स्वतन्त्र निर्वाचन आयोग का प्रावधान संविधान में किया गया है। चुनाव आयोग के द्वारा चुनाव करवाये जाते है। चुनाव आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त तथा कुछ अन्य चुनाव आयुक्त होते है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. देश के प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे ?

   (अ) श्री सुकुमार सैन (ब) टी.एन. शेषन

   (स) पी.एन. भगवती (द) बलराम जाखड़ ( )

2. राष्ट्रीय मतदाता दिवस (National Voter Day)कब मनाया जाता है ?

   (अ) 25 जनवरी (ब) 26 जनवरी

   (स) 24 जनवरी (द) 27 जनवरी ( )

3. भारतीय चुनाव आयोग में कितने सदस्य होते हैं ?

   (अ) 04 (ब) 03

   (स) 05 (द) 01 ( )

4. आधुनिक लोकतंत्र में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का निकटतम उदाहरण है–

(अ) ग्राम सभा (ब) ग्राम पंचायत

(स) पंचायत समिति (द) नगरपालिका ( )

5. भारत में वयस्क मताधिकार की न्यूनतम आयु है–

(अ) 21 वर्ष (ब) 18 वर्ष

(स) 25 वर्ष (द) 16 वर्ष ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

6. भारत के वयस्क मताधिकार की आयु .... है। (18/21)

7. इजराइल के चुनावों में .... प्रतिनिधित्व प्रणाली अपनायी गई है। (समानुपातिक/तुलनात्मक)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

8. निम्नलिखित स्तम्भों के सही जोड़े बनाइये–

1. ग्राम सभा	अ. प्रतिनिध्यत्मक लोकतंत्र
2. लोकसभा	ब. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव
3. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार	स. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति
4. समानुपाती प्रतिनिधित्व प्रणाली	द. सभी वयस्कों को मत देने का अधिकार
5. लोकसभा और राज्यसभा	य. प्रत्यक्ष लोकतंत्र

9. निर्वाचन किसे कहते हैं ?

10. मतदाता से क्या अभिप्राय है ?

11. आम चुनाव किसे कहते हैं ?

12. सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार किसे कहते हैं ?

13. लोकतंत्र का बुनियादी तत्व क्या है ?

14. चुनाव आचार संहिता क्या है ?

15. परिसीमन आयोग का गठन कौन करता है ?

16. भारत में चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. निर्वाचन आयोग के कोई दो कार्य बताइए।
18. समानुपाती प्रतिनिधित्व प्रणाली किसे कहते है ?
19. 'फर्स्ट–पास्ट–द–पोस्ट' प्रणाली क्या है?

निबंधात्मक प्रश्न

20. भारतीय निर्वाचन आयोग के मुख्य्य कार्यों का वर्णन कीजिए।
21. भारत में चुनावों को निष्पक्ष और स्वतंत्र बनाने हेतु चुनाव सम्बन्धी सुझाव दीजिए।

अध्याय – 4

कार्यपालिका

पाठ का सार :

सरकार के तीन अंग है– विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। ये तीनों मिलकर शासन का कार्य करते है तथा कानून बनाए रखने तथा जनता का कल्याण करने में योगदान देते हैं। संविधान यह सुनिश्चित करता है कि ये सभी एक दूसरे से तालमेल बनाकर काम करे और आपस में संतुलन बनाये रखे। सरकार का वह अंग जो विधायिका द्वारा लिये गये नीतिगत निर्णयों, नियमों और कायदों को लागू करता है और प्रशासन का काम करता है, कार्यपालिका कहलाता है। कार्यपालिका में केवल राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या मंत्री ही नहीं होते बल्कि इसके अन्दर संपूर्ण प्रशासनिक ढ़ाँचा भी शामिल है। कार्यपालिका के अलग–अलग प्रकार होते है। भारत में संसदीय कार्यपालिका पायी जाती है। यहाँ राष्ट्रपति नाममात्र का प्रधान होता है जबकि प्रधानमंत्री वास्तविक प्रधान होता है। नौकरशाही को स्थायी कार्यपालिका में शामिल किया जाता है। मंत्रियों के निर्णय को प्रशासनिक मशीनरी और नागरिक सेवा के स्थायी अधिकारी व कर्मचारी लागू करते है, इसे ही नौकरशाही कहते है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. वीटो की शक्ति (Veto Power)किसके पास होती है ?
   (अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
   (स) उपराष्ट्रपति (द) स्पीकर ( )
2. भारत में गठबंधन की सरकारों का युग कब से शुरु हुआ ?
   (अ) 1987 (ब) 1989
   (स) 1930 (द) 1991 ( )
3. भारतीय पुलिस सेवा निम्न में से किसके अन्तर्गत आती है ?
   (अ) अखिल भारतीय सेवाएँ (ब) केन्द्रीय सेवाएँ
   (स) प्रान्तीय सेवाएँ (द) स्थानीय स्वशासन की सेवाएँ ( )
4. संसदात्मक व्यवस्था को निम्न में से किस देश में अपनाया गया–
   (अ) भारत (ब) अमेरिका
   (स) ब्राजील (द) लैटिन अमेरिका के अन्य देश ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

5. भारत का राष्ट्रपति सरकार का .... प्रधान है। (अनौपचारिक/औपचारिक)
6. वीटो की शक्ति .... में निहित है। (राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

7. राजनीतिक कार्यपालिका से क्या आशय है ?
8. राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है ?
9. स्थायी कार्यपालिका किसे कहते है ?
10. भारत में सिविल सेवा के सदस्यों की भर्ती का कार्यभार किसे सौंपा गया है ?
11. भारत की संसदीय कार्यपालिका की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
12. संसदीय कार्यपालिका वाले किन्हीं दो देशों के नाम लिखिए।
13. कार्यपालिका कितने प्रकार की होती है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. संसदात्मक शासन व्यवस्था से आप क्या समझते है?
15. राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियों से क्या अभिप्राय है ?
16. अध्यक्षात्मक सयरकार से क्या आशय है?
17. ''नौकरशाही राजनीतिक रूप से तटस्थ हो।'' इस कथन का क्या आशय है ?
18. राष्ट्रपति के पद की अर्हताएँ (योग्यताएँ) क्या है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

19. संसदीय कार्यपालिका की चार विशेषताएँ बताइए।
20. ''भारत में बिना प्रधानमंत्री के मंत्रिपरिषद का कोई अस्तित्व नहीं है।'' स्पष्ट कीजिए।

अध्याय – 5

विधायिका

पाठ का सार :

इस अध्याय में विधायिका का अध्ययन करेंगे। भारत की राष्ट्रीय विधायिका का नाम संसद है। भारतीय संसद के दो सदन है जिसके प्रथम सदन को लोकसभा (निम्न सदन) तथा दूसरे सदन को राज्यसभा (उच्च सदन) कहा जाता है। राज्यों को विधायिकाओं को विधानमण्डल कहा जाता है। संविधान ने राज्यों को एक–सदनात्मक या द्विसदनात्मक विधायिका स्थापित करने का विकल्प दिया है।

संसद या विधायिका जनता द्वारा निर्वाचित होती है जो जनता के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है। यह कानून निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है तथा जनप्रतिनिधियों का जनता के प्रति उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है। यह सभी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का केन्द्र तथा प्रतिनिधि लोकतंत्र का आधार है। भारतीय संसद एक द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका है, जिसके दो सदन है, राज्यसभा एवं लोकसभा। भारतीय संसद के तीन अंग होते है– (1) राज्यसभा, (2) लोकसभा, (3) राष्ट्रपति। विधायी कामकाज, कार्यपालिका पर नियंत्रण, वित्तीय कार्य, प्रतिनिधित्व, बहस का मंच, संवैधानिक कार्य, निर्वाचन सम्बन्धी कार्य, न्यायिक कार्य आदि संसद के प्रमुख कार्य व शक्तियां है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. राज्यसभा का कार्यकाल कितना होता है –

   (अ) 5 वर्ष (ब) 6 वर्ष

   (स) 4 वर्ष (द) 7 वर्ष ( )

2. लोकसभा का कार्यकाल कितना होता है –

   (अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष

   (स) 8 वर्ष (द) 4 वर्ष ( )

3. लोकसभा के प्रथम स्पीकर कौन थे –

   (अ) सुकुमार सैन (ब) जी.वी. मावलंकर

   (स) बलराम जाखड़ (द) जी.एम.सी. बालयोगी ( )

4. संसद के दो अधिवेशनों के बीच अधिकतम समयान्तर होता है–

(अ) 3 माह (ब) 5 माह

(स) 1 वर्ष (द) 6 माह ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

5. .... हमारी संसद का स्थायी सदन है। (लोकसभा / राज्यसभा)

6. हमारी राष्ट्रीय विधायिका का नाम .... है। (संसद / सीनेट)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

6. संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?

7. सरकारी विधेयक किसे कहते है ?

8. संसदीय समितियों को लघु विधायिका क्यों कहते है ?

9. मिलान करो –

(अ) राज्यसभा में मनोनीत सदस्य	1. राज्यसभा
(ब) निम्न सदन	2. लोकसभा
(स) ऊपरी सदन	3. 2
(द) लोकसभा में मनोनीत सदस्य	4. 12

10. दल बदल से क्या अभिप्राय है ?

11. भारत के किन्हीं चार राज्यों के नाम लिखिए जिनमें द्वि–सदनात्मक विधायिका हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

12. संसद की आवश्यकता का महत्व स्पष्ट कीजिए।

13. लोकसभा के सदस्य की अर्हताएँ क्या है ?

14. विधायिका से आप क्या समझते है ?

निबंधात्मक प्रश्न

15. संसद के प्रमुख कार्यों एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए।

16. लोकसभा की शक्तियों का वर्णन कीजिए।

अध्याय – 6

न्यायपालिका

पाठ का सार :

न्यायपालिका किसी भी जनतंत्र के तीन प्रमुख अंगों में से एक है। जनतंत्र के दो अन्य अंग है– कार्यपालिका व व्यवस्थापिका। कानून के शासन की रक्षा करने और कानून की सर्वोचचता को सुनिश्चित करने, व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करने, विवादों को कानून के अनुसार हल करने तथा तानाशाही को रोकने के लिए हमें राजनीतिक दबाव से मुक्त स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता होती है।

भारत का सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली में स्थित है। भारतीय संविधान एकीकृत न्यायिक व्यवस्था की स्थापना करता है। भारत में न्यायपालिका की संरचना पिरामिड की तरह है। सबसे ऊपर सर्वोच्च न्यायालय फिर उच्च न्यायालय तथा सबसे नीचे जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय है। मौलिक क्षेत्राधिकार रिट सम्बन्धी क्षेत्राधिकार सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार है। भारत में न्यायिक सक्रियता का मुख्य साधन जनहित याचिका या सामाजिक व्यवहार याचिका है। जनहित याचिका की शुरूआत भारत में 1979 में हुई। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. भारत में कुल कितने उच्च न्यायालय हैं ?

   (अ) 28 (ब) 24

   (स) 27 (द) 26 ( )

2. जनहित याचिका किस देश द्वारा अपने संविधान में शामिल की गई है ?

   (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) दक्षिण अफ्रीका

   (स) जर्मनी (द) आयरलैण्ड ( )

3. वर्तमान समय में सर्वोच्च न्यायालय में कितने न्यायाधीशों का प्रावधान है ?

   (अ) 33 (ब) 31

   (स) 30 (द) 29 ( )

4. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की जाती है–

(अ) प्रधानमंत्री द्वारा (ब) राष्ट्रपति द्वारा

(स) सलाहकारी क्षेत्राधिकार (द) रिट सम्बन्धी क्षेत्राधिकार ( )

5. जनहित याचिका की शुरूआत भारत में कब से हुई ?

(अ) 1979 से (ब) 1984 से

(स) 1989 से (द) 1999 से ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करे–

6. भारतीय संविधान .... न्यायिक व्यवस्था की स्थापना करता है। (एकीकृत / सामूहिक)

7. भारत में न्यायिक सक्रियता का मुख्य साधन .... रही है। (जनहित याचिका / व्यक्तिगत याचिका)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

8. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?

9. भारत का सबसे बड़ा न्यायालय कौनसा है ? इसके मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?

10. जनहित याचिका क्या है ?

11. न्यायपालिका अनुच्छेद 32 का प्रयोग किस प्रकार करती है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

12. स्वतंत्र न्यायपालिका से क्या आशय है ?

13. एकीकृत न्यायपालिका से क्या तात्पर्य है ?

14. उच्चतम न्यायालय को सबसे बड़ा न्यायालय क्यों माना जाता है ?

निबंधात्मक प्रश्न

16. भारत के उच्चतम न्यायालय के तीन क्षेत्राधिकारों को स्पष्ट कीजिए।

17. जनहित याचिकाओं और न्यायिक सक्रियता की न्यायालय में भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय – 7

संघवाद

पाठ का सार :

भारतीय संविधान के अनुच्छेद–1 में प्रावधान है कि भारत राज्यों का संघ है। संघ के लिए यूनियन शब्द का प्रयोग किया गया है। संघवाद वह शासन व्यवस्था है जिसमें संविधान द्वारा शक्तियों को केन्द्र तथा प्रान्तों की सरकारों में विभाजित कर दिया जाता है। इसमें प्रायः दोहरी नागरिकता पायी जाती है। संविधान सर्वोच्च होता है। न्यायपालिका स्वतन्त्र एवं सर्वोच्च होती है। भारत में संघात्मक शासन प्रणाली पायी जाती है लेकिन वह अमेरिकी संघवाद से भिन्न है। भारतीय संविधान में संघवाद की निम्न विशेषताएँ पायी जाती है– दोहरी शासन व्यवस्था :– केन्द्रीय (संघीय) सरकार राज्य (प्रान्तीय) सरकार। शक्ति विभाजन :– शक्ति विभाजन तीन अनुसूचियों– संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची में किया गया है। इन तीनों सूचियों के अतिरिक्त अवशिष्ट विषय केन्द्र सरकार के पास होते है। स्वतन्त्र एवं सर्वोच्च न्यायालय, विविधता के साथ एकता आदि।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब हुई ?

   (अ) 1952 (ब) 1954

   (स) 1955 (द) 1953 ( )

2. सरकारिया आयोग कब बनाया गया ?

   (अ) 1985 (ब) 1984

   (स) 1983 (द) 1989 ( )

3. 'भारत अर्थात् इंडिया' राज्यों का संघ (यूनियन) होगा। प्रावधान भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में है ?

   (अ) अनुच्छेद 2 (ब) अनुच्छेद 1

   (स) अनुच्छेद 3 (द) अनुच्छेद 5 ( )

4. इस समय भारत संघ में कुल राज्य है –

   (अ) 14 (ब) 16

   (स) 25 (द) 28 ( )

5. भारत के राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति की जाती है–

(अ) राष्ट्रपति द्वारा | (ब) मुख्यमंत्री द्वारा

(स) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा | (द) गृहमंत्री द्वारा ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

6. ऐसे चार राज्यों के नाम लिखिये जिसके नाम स्वतन्त्रता के बाद परिवर्तित किये गये है। पुराने और नये दोनों नाम लिखिये।
7. संघात्मक शासन की दो विशेषताएँ लिखिये।
8. सहकारिया आयोग की नियुक्ति कब और क्यों की गई ?
9. समवर्ती सूची किसे कहते है ?
10. ऐसे दो देशों के नाम लिखिये जिन्होंने संघात्मक शासन व्यवस्था को अपनाया है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

11. संघवाद से आप क्या समझते है ?
12. भारतीय संविधान की संघीय विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
13. भारतीय संविधान की चार एकात्मक विशेषताएँ बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

14. संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची का वर्णन करो।
15. अन्तर्राज्यीय विवादों के प्रमुख मुद्दे क्या है ?

अध्याय – 8

स्थानीय शासन

पाठ का सार :

इस अध्याय में हम स्थानीय शासन का अध्ययन करेंगे, जिसमें त्रिस्तरीय पंचायत राज एवं शहरी निकाय (नगरपालिका) को शामिल किया जाता है। गांव और जिला स्तर के शासन को स्थानीय शासन कहते है। 73वां संविधान संशोधन अधिनियम 1992 स्थानीय शासन से जुड़ा है। 73वें संविधान संशोधन द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। त्रिस्तरीय व्यवस्था में (1) ग्राम पंचायत, (2) पंचायत समिति, (3) जिला परिषद (ज़िला स्तर) शामिल है। इस संशोधन में ग्रामसभा को संवैधानिक महत्व दिया गया है। पंचायत राज में तीनों स्तर पर 5 साल के लिए चुनाव होते है। सभी पंचायती राज संस्थाओं में एक–तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित है। राज्य चुनाव आयुक्त के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराये जाते है।

74वें संशोधन का सम्बन्ध शहरी स्थानीय शासन के निकाय अर्थात् नगरपालिका से है। प्रत्यक्ष चुनाव, आरक्षण विषयों का हस्तान्तरण, प्रादेशिक चुनाव आयुक्त और प्रादेशिक वित्त आयोग के प्रावधान 74वें संविधान संशोधन में शामिल है। 73वां एवं 74वां संशोधन 1993 में लागू हुआ।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. स्थानीय शासन संविधान की किस सूची का विषय है ?

   (अ) राज्य सूची (ब) संघ सूची

   (स) समवर्ती सूची (द) इनमें से कोई नहीं ( )

2. ग्राम पंचायतों के चुनाव कितने वर्षों के लिए होते हैं ?

   (अ) 6 वर्ष (ब) 7 वर्ष

   (स) 5 वर्ष (द) 4 वर्ष ( )

3. पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है ?

   (अ) 32 प्रतिशत (ब) 33 प्रतिशत

   (स) 35 प्रतिशत (द) 36 प्रतिशत ( )

4. स्थानीय स्वशासन का सम्बन्ध है–

(अ) स्थानीय हित (ब) राष्ट्रीय हित

(स) प्रादेशिक हित (द) अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं से ( )

5. पंचायत राज व्यवस्था से सम्बन्धित संविधान संशोधन है–

(अ) 72वां (ब) 78वां

(स) 73वां (द) 74वां ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

6. संविधान का 74वां संशोधन .... स्थानीय शासन से जुड़ा है। (शहरी / ग्राम पंचायत)

7. 73वां और 74वां संविधान संशोधन .... में लागू हुए। (1993 / 1995)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

8. पंचायतीराज क्या है ?

9. ग्रामसभा क्या है ?

10. पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव कराने की जिम्मेदारी जिसकी है ?

11. जिला परिषद क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

12. स्थानीय शासन का क्या महत्व है ?

13. ग्राम पंचायत की क्या भूमिका है ?

14. पंचायती राज व्यवस्थ की त्रिस्तरीय बनावट क्या है ?

15. 73वें संविधान संशोधन में चुनाव सम्बन्धी क्या प्रावधान किये गये है ?

निबंधात्मक प्रश्न–

16. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में दर्ज कोई 10 विषयों के नाम लिखिये।

17. स्थानीय स्वशासन क्या है ? इसे महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय – 9

संविधान– एक जीवंत दस्तावेज

पाठ का सार

इस अध्याय में भारतीय संविधान के बारे में अध्ययन करेंगे। भारतीय संविधान 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया। जिसे 26 जनवरी 1950 को औपचारिक रूप से लागू किया गया। संविधान के अनुसार ही सरकार काम करती है। संविधान समाज की इच्छाओं और आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब होता है तथा यह समाज को लोकतांत्रिक ढंग से चलाने का एक ढांचा होता है। संविधान में अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन या परिवर्तन किया जा सकता है लेकिन संविधान के मूल ढाँचें में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। संविधान की मूल संरचना के सिद्धान्त को न्यायपालिका ने केशवानन्द भारती (1973) के मामले में प्रतिपादित किया था।

हमारा संविधान एक जीवन्त दस्तावेज है जो समय–समय पर पैदा होनेवाली परिस्थितियों के अनुरूप कार्य करता है। संविधान में संशोधन द्वारा नये प्रावधान जोड़े जा सकते है या परिवर्तन किये जा सकते है। 61वें संविधान संशोधन द्वारा मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई। 52वें संविधान संशोधन का सम्बन्ध दल बदल कानून से है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. निम्नलिखित में से कौन भारतीय संविधान की संशोधन प्रक्रिया में भूमिका निभाते हैं ?
   (अ) भारत का राष्ट्रपति (ब) राज्य की विधानसभाएँ
   (स) संसद (द) उपर्युक्त सभी ( )
2. भारतीय संविधान में संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान किस अनुच्छेद में किया गया है ?
   (अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 368
   (स) अनुच्छेद 260 (द) अनुच्छेद 365 ( )
3. दल बदल कानून किस संविधान संशोधन बनाया गया ?
   (अ) 51वें संविधान संशोधन द्वारा (ब) 52वें संविधान संशोधन द्वारा
   (स) 59वें संविधान संशोधन द्वारा (द) 42वें संविधान संशोधन द्वारा ( )

4. भारतीय संविधान में संशोधन का मुख्य घटक है–

(अ) संविधान आयोग (ब) न्यायपालिका

(स) संसद (द) जनमत संग्रह ( )

5. सर्वोच्च न्यायपालिका ने संविधान की मूल संरचना के सिद्धान्त का विकास किया–

(अ) सज्जन सिंह के विवाद में (ब) गोलकनाथ विवाद में

(स) केशवानन्द भारती विवाद में (द) मिनर्वा मिल विवाद में ( )

6. भारतीय संविधान को कब अंगीकृत किया गया ?

(अ) 26 जनवरी 1949 (ब) 26 सितम्बर 1949

(स) 26 फरवरी 1949 (द) 26 दिसम्बर 1950 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

6. भारतीय संविधान एक .... दस्तावेज है। (मृत / जीवन्त)

7. मताधिकार की आयु को 21 से 18 वर्ष करने के लिए संविधान में .... संशोधन हुआ। (61वां / 52वां)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. भारत का संविधान कब अंगीकृत किया गया ?

9. भारत का संविधान कब लागू किया गया ?

10. संविधान के किस अनुच्छेद में संशोधन विधि का वर्णन किया गया है।

11. लचीले संविधान से क्या आशय है ?

12. कठोर संविधान से क्या आशय है ?

13. भारतीय संविधान लचीला है या कठोर ? बताओ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. भारत के संविधान में किन विषयों में साधारण विधि से संशोधन किया जाता है ?

15. संविधान की मूल संरचना के सिद्धान्त के महत्व को सपष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

16. भारतीय संविधान की संशोधन की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

अध्याय – 10

संविधान का राजनीतिक दर्शन

पाठ का सार :

इस अध्याय में संविधान के राजनीतिक दर्शन का अध्ययन करेंगे। संविधान के राजनीतिक दर्शन में कुछ अवधारणाए जैसे अधिकार, नागरिकता, अल्पसंख्यक लोकतंत्र आदि तथा संविधान के आदर्श एवं मूल्य शामिल है। भारतीय संविधान स्वतन्त्रता, समानता, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा राष्ट्रीय एकता का राजनीतिक दर्शन है। भारतीय संविधान के दर्शन का सर्वोत्तम सार संविधान की प्रस्तावना में है। जापान में संविधान को शांति का संविधान कहा जाता है। इस अध्याय में संविधान के महत्व को स्पष्ट किया गया है क्योंकि संविधान शासन व्यवस्था के बुनियादी नियम प्रदान करता है। यह राज्य को निरंकुश बनने से रोकता है। संविधान हमें गहरे सामाजिक बदलाव के लिए शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक साधन भी प्रदान करता है। यह औपनिवेशिक दासता में रह रहे लोगों के लिए राजनीतिक आत्म निर्णय का उदघोष है। संविधान की अनेक विशेषताओं के बावजूद भारतीय संविधान अस्त–व्यस्त है, भारतीय संविधान निर्मात्री सभा समस्त जनता की प्रतिनिधि नहीं थी। यह संविधान भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल नहीं था आदि रूपों में भारतीय संविधान की आलोचना की जाती है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. भारत के संविधान का अंगीकार निम्नलिखित में से किसके द्वारा हुआ ?

   (अ) ब्रिटिश ताज　　(ब) ब्रिटिश संसद

   (स) भारत के वायसराय द्वारा　　(द) भारत के लोगों के द्वारा　　( )

2. वयस्क नागरिक होने हेतु कितनी उम्र होना जरूरी है –

   (अ) 20 वर्ष　　(ब) 22 वर्ष

   (स) 18 वर्ष　　(द) 21 वर्ष　　()

3. स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के कौन–कौनसे अनुच्छेद में है ?

   (अ) अनुच्छेद 19 से 22 तक　　(ब) अनुच्छेद 23 से 24 तक

   (स) अनुच्छेद 14 से 18 तक　　(द) अनुच्छेद 25 से 28 तक　　( )

4. शांति का संविधान कहा जाता है–

(अ) भारत के संविधान को (ब) अमेरिका के संविधान को

(स) फ्रांस के पंचम गणतंत्र को (द) जापान के संविधान को ( )

5. संविधान के दर्शन का सर्वोत्तम सार–संक्षेप है–

(अ) संविधान के मूल अधिकारों में (ब) संविधान के नीति–निर्देशक तत्वों में

(स) संविधान की प्रस्तावना में (द) संविधान के मूल कर्त्तव्यों में ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

6. भारतीय संविधान की किन्ही दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
7. एक अच्छे संविधान की क्यों आवश्यकता है ?
8. भारत के संविधान का राजनीतिक दर्शन क्या है ?
9. भारतीय संविधान की कोई दो आलोचनाएं लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

10. संविधान के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
11. भारतीय संविधान का राजनीतिक दर्शन क्या है ?
12. भारतीय संघवाद की 'असमतोल संघवाद' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

13. भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य लिखो।
14. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं बताइये।

पार्ट–II

अध्याय – 1

राजनीतिक सिद्धान्त : एक परिचय

पाठ का सार :

इस अध्याय में हम राजनीति, राजनीतिक सिद्धान्त, राजनीतिक सिद्धान्तों के महत्व एवं आवश्यकता के बारे में अध्ययन करेंगे। इस अध्याय में राजनीति का अर्थ बताते हुए राजनीति सिद्धान्त में क्या–क्या शामिल किया गया है तथा राजनीति सिद्धान्त क्यों आवश्यकहै ? के बारे में बताया गया है। राजनीति सिद्धानत का उद्देश्य नागरिकों को राजनीतिक प्रश्नों के बारे में तर्कसंगत ढंग से सोचने और सामयिक राजनीतिक घटनाओं को सही तरीके से आँकने का प्रशिक्षण देना है।

राजनीतिक सिद्धान्त हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इनके अध्ययन से नागरिकों में राजनीतिक चेतना जागृत होती है तथा नागरिकों में निर्णय लेने की कला का विकास होता है। शासन व्यवस्था की जानकारी के लिए, लोकतंत्र की उपयोगिता के ज्ञान के लिए, अधिकार एवं कर्त्तव्यों को समझने के लिए एवं अन्तर्राष्ट्रीय शांति व सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हमें राजनीतिक सिद्धान्त पढ़ना आवश्यक है।

'द रिपब्लिक' पुस्तक के लेखक प्लेटो थे जो प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक थे। अरस्तू को राजनीतिक विज्ञान का जनक कहा जाता है। इनकी प्रमुख पुस्तक 'पॉलिटिक्स' थी।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. हिन्द–स्वराज पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

   (अ) पं. जवाहर लाल नेहरु (ब) महात्मा गाँधी

   (स) अरविन्द घोष (द) राजा राममोहन राय ( )

2. राजनीतिक सिद्धान्त का मुख्य विषय क्या है?

   (अ) राज्य व सरकार (ब) राज्य एवं जनसंख्या

   (स) सरकार एवं भू–भाग (द) सरकार एवं जनसंख्या ( )

3. 'द रिपब्लिक' पुस्तक का लेखक है–

   (अ) सुकरात (ब) प्लेटो

   (स) सेफलस (द) ग्लाकॉन ( )

4. ''राजनीति ने हमें साँप की कुण्डली की तरह जकड़ रखा है।'' यह कथन है–

(अ) सुकरात का | (ब) कार्ल मार्क्स का
(स) महात्मा गाँधी का | (द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर का ( )

5. राजनीति के अन्तर्गत लिया जाता है–

(अ) सामाजिक घटनाओं को | (ब) धार्मिक घटनाओं को
(स) पारिवारिक घटनाओं को | (द) राजनीतिक घटनाओं को ( )

6. इन्टरनेट का प्रयोग करने वाले को कहा जाता है–

(अ) नेटिजन | (ब) नैटीकैल
(स) सिटिजन | (द) हैरिजन ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

7. राजनीतिक सिद्धान्त क्या है ?
8. हमें राजनीतिक सिद्धान्त क्यों पढ़ना चाहिए ?
9. राजनीति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
10. किन्हीं चार राजनीतिक विद्वानों के नाम लिखिए।
11. 'पॉलिटिक्स' के रचयिता कौन थे ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

12. किसी देश में लोकतांत्रिक सरकार के सफल संचालन के लिए राजनीतिक सिद्धान्त आवश्यक हैं। कैसे ?
13. राजनीतिक सिद्धान्त के किन्हीं दो क्षेत्रों को समझाइए। वर्णन कीजिए

निबंधात्मक प्रश्न–

14. राजनीतिक सिद्धान्तकारों को किन–किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है ?
15. राजनीतिक सिद्धान्त की आवश्यकता पर टिप्पणी लिखिए।
16. राजनीतिक सिद्धान्त में हम क्या पढ़ते है ? इनकी प्रासंगिकता के बिन्दु बताओ।

अध्याय – 2

'स्वतन्त्रता'

पाठ का सार :

स्वतन्त्रता राजनीतिक विज्ञान की एक महत्वपूर्ण मूल अवधारणा है। इस अध्याय में दक्षिण अफ्रीका के रंगभेदी शासन के खिलाफ नेल्सन मण्डेला के संघर्ष को बताया गया है। इस संघर्ष को मंडेला ने अपनी आत्मकथा ''लॉग वाक टू फ्रीडम' में व्यक्त किया। इसी प्रकार म्यांमार के सैनिक शासन के विरूद्ध लोकतंत्र की स्थापना के लिए ऑग सान सू की का संघर्ष है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'फ्रीडम फ्रॉम फीयर' में अपने स्वतन्तत्रा सम्बन्धी विचारों व संघर्ष को अभिव्यक्त किया गया है। जान स्टुअर्ट मिल ने अपने निबन्ध 'ऑन लिबर्टी' में हानि सिद्धान्त को स्वतंत्रता के संदर्भ में बताया है। मिल ने व्यक्ति के कार्यों को दो भागों में बांटा है– (1) स्व–सम्बद्ध कार्य, (2) पर–सम्बद्ध कार्य। मिल ने 'उपयोगितावाद' का प्रतिपादन किया।

इस अध्याय में स्वतंत्रता के नकारात्मक एवं सकारात्मक अर्थ को बताया गया है। नकारात्मक अर्थ में व्यक्ति पर बाहरी प्रतिबन्धों का अभाव ही स्वतंत्रता है तथा स्वतंत्रता का सकारात्मक पहलू यहहै कि ऐसी स्थितियों का होना जिनमें लोग अपनी रचनात्मकता और क्षमताओं का विकास कर सके।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1 'दे सेटानिक वर्सेस' पुस्तक किस विद्वान की है ?

(अ) सलमान रुश्दी (ब) चेतन भगत

(स) अमृता देसाई (द) ऑंगसान सू की ( )

2. 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा' यह नारा किसका है ?

(अ) पं. जवाहर लाल नेहरु (ब) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

(स) गोपाल कृष्ण गोखले (द) राजा राममोहन राय ( )

3. 'नेल्सन मंडेला' का सम्बन्ध किस देश से है ?

(अ) रवाण्डा (ब) यूगाण्डा

(स) कीनिया (द) दक्षिण अफ्रीका ( )

4. ''राज्य को जहाँ तक संभव हो व्यक्ति के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।'' उक्त कथन है–

(अ) लास्की का　　　(ब) मिल का

(स) सीले का　　　(द) मार्क्स का　　　( )

5. जॉन स्टुअर्ट मिल की पुस्तक का नाम है–

(अ) लॉग वॉक टू फ्रीडम　　　(ब) फ्रीडम फॉर फीयर

(स) ऑन लिबर्टी　　　(द) द सेटानिक वर्सेज

6. प्राकृतिक स्वतन्त्रता की अवधारणा सम्बन्धित है–

(अ) लास्की से　　　(ब) मार्क्स से

(स) रूसों से　　　(द) महात्मा गाँधी से　　　( )

रिक्तस्थानों की पूर्ति करे–

7. ऑग सान सू की .... की निवासी है। (म्यानमार / भूटान)

8. .... मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा। (स्वतन्त्रता / स्वराज्य)

अतिलघूत्तरात्क प्रश्न

9. नेल्सन मंडेला की आत्मकथा का शीर्षक क्या है ?

10. आँगसान सू की किस देश की है ?

11. 'फ्रीडम फ्रॉम फीयर' पुस्तक किस की है ?

12. 'स्वराज' शब्द से क्या अभिप्राय है ?

13. स्वतंत्रता के लिए संघर्ष से जुड़े किन्ही दो व्यक्तियों के नाम लिखो।

14. जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्ति के कार्यो को कितने भागोमें विभाजित किया है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (40 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

15. अभिव्यक्ति की स्वतन्ता का क्या अर्थ है ?

16. राष्ट्रीय स्वतन्त्रता से क्या आशय है ?

17. स्वतंत्रता से आपका क्या अभिप्राय है ?

निबंधात्मक प्रश्न (100 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

18. स्वतन्त्रता का हानि सिद्धान्त क्या है ? इसकी व्याख्या कीजिए।

19. एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में उदारवाद की व्याख्या कीजिए।

अध्याय – 3

'समानता'

पाठ का सार :

समानता एक शक्तिशाली नैतिक और राजनीतिक आदर्श के रूप में कई शताब्दियों से मानव समाज को प्रेरित और निर्देशित करती रही है। समानता एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अवधारणा है। समानता का अर्थ है जन्म, लिंग, रंग, जाति तथा वंश पर आधारित भेदभाव के बिना सभी लोगों के व्यक्तित्व के विकास के लिए समान अवसरं उपलब्ध होना। समानता व्यक्ति एवं समाज दोनों के लिए अत्याधिक उपयोगी है। इसके बिना अशांति एवं अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो जायेगी। समानता के अभाव में स्वतंत्रता भी निरर्थक होती है।

समाज में व्याप्त अलग–अलग तरह की असमानताओं को पहचानते समय विभिन्न विचारकों और विचारधाराओं ने समानता के तीन आयामों को रेखांकित किया है। ये तीन आयाम है– (1) राजनीतिक आयाम (2) सामाजिक आयाम (3) आर्थिक आयाम।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. भारत सरकार ने विकलांगता अधिनियम किस वर्ष पास किया ?

   (अ) 1994 (ब) 1995

   (स) 1996 (द) 1993 ( )

2. समानता भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में वर्णित है ?

   (अ) अनुच्छेद 19–22 (ब) अनुच्छेद 23–24

   (स) अनुच्छेद 14–18 (द) अनुच्छेद 32 ( )

3. मार्क्सवाद के प्रतिपादक कौन थे ?

   (अ) एंजिल्स (ब) कार्लमार्क्स

   (स) स्टालिन (द) लेनिन ( )

4. ''समानता स्वतंत्रता की शत्रु नहीं, उसकी एक आवश्यक शर्त है।'' यह कथन है–

   (अ) प्लेटो का (ब) अरस्तू का

   (स) आर.एस टोनी का द) लार्ड एक्टन का ( )

5. ''आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतन्त्रता एक भ्रम है।'' यह कथन है–

(अ) प्रो. जोड का | (ब) गाँधी का
(स) प्लेटो का | (द) अरस्तु का ( )

6. छुआछूत विरोधी निम्नलिखित में से किस समानता के पक्षधर है–

(अ) नैतिक | (ब) सामाजिक समानता
(स) राजनीतिक समानता | (द) आर्थिक समानता ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (20 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

7. समानता के कोई दो आयाम लिखो।
8. 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुई फ्रांसीसी क्रांति का नारा क्या था ?
9. आर्थिक समानता का अर्थ लिखिए।
10. मार्क्सवाद से आप क्या समझते हैं ?
11. प्राकृतिक समानता से क्या तात्पर्य है ?
12. फ्रांसीसी क्रांति कब हुई ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (40 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

13. समाजवाद की अवधारणा समझाते हुए भारत के प्रमुख समाजवादी चिंतकों के नाम बताइए।
14. राजनैतिक समानता से क्या आशय है ?
15. सामाजिक समानता क्या है ?

निबंधात्मक प्रश्न (100 शब्दों में उत्तर दीजिए)

16. समानता एवं स्वतन्त्रता में क्या सम्बन्ध है ? स्पष्ट कीजिये।

अध्याय – 4

'सामाजिक न्याय'

पाठ का सार :

इस अध्याय में सामाजिक न्याय के बारे में बताया गया है। न्याय का सरोकार समाज में हमारे जीवन और सार्वजनिक जीवन को व्यवस्थित करने के नियमों और तरीकों सेहोता है, जिनके द्वारा समाज के विभिन्न सदस्यों के बीच सामाजिक लाभ और सामाजिक कर्त्तव्यों का बंटवारा किया जाता है। चीन के दर्शनिक 'कनफ्यूशियस' ने कहा कि गलत करने वालों को दंडित कर और भले लोगों को पुरस्कृत कर राजा को न्याय कायम रखना चाहिए। प्लेटो ने अपनी पुस्तक 'द रिपब्लिक' में कहा कि न्याय में सभी लोगों का हित निहित रहता है। प्लेटों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को उसका प्राप्य मिल जाये यही न्याय है। इमैनुअल काण्ट के न्याय सम्बन्धी विचारों की व्याख्या की गई है। मुक्त बाजार व्यवस्था जिसके अनुसार प्रत्येक को योग्यता और प्रतिभा के अनुसार प्रतिफल मिलेगा। मुक्त बाजार उचित और न्यायपूर्ण समाज का आधार होता है, क्योंकि उसका सरोकार प्रतिभा और कौशल सेहोता है। आधुनिक अमेरिकी राजनीतिक विचारक जान रॉल्स ने अपनी प्रसिद्ध 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' में अज्ञानता के आवरण का सिद्धान्त दिया। न्यायपूर्ण समाज को लोगों के लिए बुनियादी स्थिति जरूर मुहैया करवानी चाहिए ताकि वे स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जीने में सक्षम हो सके। समाज में अपनी प्रतिभा का विकास कर सके तथा समान अवसरों के माध्यम से अपने चुने हुए लक्ष्य की ओर बढ़ सके। आवास शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, शिक्षा एवं न्यूनतम मजदूरी इन बुनियादी स्थितियों के महत्वपूर्ण हिस्से है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. 'द रिपब्लिक' पुस्तक के लेखक का नाम बताओ –
   (अ) प्लेटो (ब) अरस्तु
   (स) लॉक (द) थॉमस एक्वीनास ( )
2. सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए किस भारतीय दार्शनिक का योगदान सर्वोपरि रहा?
   (अ) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक (ब) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
   (स) गोपालकृष्ण गोखले (द) अरविन्द घोष ( )
3. 'अज्ञानता के आवरण' का सिद्धान्त किसने दिया ?
   (अ) प्लेटो (ब) जान रॉल्स

(स) लेक्ज्मबर्ग (द) विल्फ्रैड पैरेटो ( )

4. न्याय पर लिखी गई प्लेटो की पुस्तक का नाम है–

(अ) पॉलिटिक्स (ब) रिपब्लिक

(स) सामाजिक समझौता (द) न्याय का सिद्धान्त ( )

5: 'न्याय का सिद्धान्त' पुस्तक के लेखक है–

(अ) डायसी (ब) आस्टिन

(स) जॉन रॉल्स (द) प्लेटो ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (20 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

6. सामाजिक न्याय से क्या अभिप्राय है ?
7. प्लेटो के अनुसार न्याय क्या है ?
8. मुक्त बाजार से क्या अभिप्राय है ?
9. न्याय के सम्बन्ध में चीन के दार्शनिक कन्फ्यूशियस का क्या तर्क था ?
10. न्यूनतम आवश्यकताओं की अवधारणा किस पंचवर्षीय योजना में लाई गई ?
11. सही मिलान कीजिए–

(अ) प्लेटो — 1. भारतीय संविधान के जनक

(ब) डॉ. भीमराव अम्बेडकर — 2. द रिपब्लिक का लेखक

(स) मुक्त बाजार नीति — 3. सुप्रसिद्ध राजनीतिक दार्शनिक

(द) जॉन रॉल्स — 4. राज्य के हस्तक्षेप का विरोधी

लघूत्तरात्मक प्रश्न (40 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

12. मुक्त बाजार व्यवस्था के समर्थन में तीन तर्क दीजिए।
13. सामाजिक न्याय के प्रमुख लक्षणों का उल्लेख कीजिए।
14. न्याय के सम्बन्ध में जर्मन दार्शनिक इमानुएल कांट के विचार लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न (100 शब्दों में उत्तर दीजिए)–

15. मुक्त बाजार व्यवस्था के समर्थन में तर्क दीजिए।

अध्याय – 5

'अधिकार'

पाठ का सार :

अधिकार का आशय राज्य द्वारा व्यक्ति को प्रदान की जाने वाली उन सुविधाओं से है, जिनका प्रयोग कर व्यक्ति अपनी शारीरिक मानसिकता एवं नैतिक शक्तियों का विकास करता है। अधिकारों के बिना मानव जीवन के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए वर्तमान में प्रत्येक राज्य अपने नागरिकों को अधिकाधिक अधिकार प्रदान करता है। अधिकार मूल रूप से व्यक्ति का ऐसा दाग है, जिसका औचित्य सिद्ध हो तथा शेष समाज ऐसे वैध दावें के रूप में स्वीकार करें, जिसका अनुमोदन अनिवार्य है।

17वी व 18वीं शताब्दी में प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धान्त प्रचलन था। प्राकृतिक अधिकार के अनुसार अधिकार प्रकृति या ईश्वर प्रदत्त है। तीन प्राकृतिक अधिकार बताये गये– (1) जीवन का अधिकार, (2) स्वतंत्रता का अधिकार, (3) संपत्ति का अधिकार। वर्तमान समय में मानवाधिकार सम्बन्धी अवधारणा प्रचलित है। मानव अधिकारों के पीछे मूल मान्यचता यह है कि सभी लोग मनुष्य होने के नाते कुछ चीजों को पाने के अधिकारी है, जैसे उन्हें स्वतंत्र रहने तथा समान अवसर दिये जाने का अधिकार है।

इस अध्याय में अधिकारों के विभिन्न प्रकारों के बारे में बताया गया है। अधिकारों के प्रकार निम्नलिखित है–

(1) **राजनीतिक अधिकार** : इनमें मत देने, प्रतिनिधि चुनने, चुनाव लड़ने, राजनैतिक दल बनाने या उनमें शामिल होने जैसे अधिकार शामिल है।

(2) **आर्थिक अधिकार** –भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा, बेरोजगारी भत्ता आदि।

(3) **सांस्कृतिक अधिकार** –

(4) **बुनियादी अधिकार** : जीवन का अधिकार स्वतन्त्रता का अधिकार, समान व्यवहार का अधिकार आदि।

10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभ्पाा ने मानवाधिकारों की सामान्य सभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकार किया और लागू किया।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. विश्व मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?

   (अ) 10 दिसम्बर (ब) 12 दिसम्बर

   (स) 20 दिसम्बर (द) 10 नवम्बर ( )

2. मत देने का अधिकार है –

   (अ) राजनीतिक अधिकार (ब) आर्थिक अधिकार

   (स) सामाजिक अधिकार (द) सांस्कृतिक अधिकार ( )

3. 'न्यूनतम भत्ता' प्राप्त करना किस प्रकार का अधिकार है ?

   (अ) आर्थिक अधिकार (ब) सांस्कृतिक अधिकार

   (स) राजनीतिक अधिकार (द) सामाजिक अधिकार ( )

4. अधिकार वह माँग है जिसे समाज स्वीकार करता है तथा राज्य लागू करता है। यह कथन किसका है ?

   (अ) लास्की (ब) ग्रीन

   (स) बोसांके (द) वाइल्ड ( )

5. व्यक्ति के उच्चतम विकास हेतु परमावश्यक है–

   (अ) अधिकार (ब) सम्पत्ति

   (स) न्याय व्यवस्था (द) कानून ( )

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

6. भारत में संविधान में वर्णित अधिकारों को क्या कहा जाता है ?
7. अधिकार किसकी सत्ता को सीमित करते है ?
8. व्यक्तिकोकौन–कौनसे आर्थिक अधिकार प्राप्त होते हैं ?
9. वयस्क मताधिकार से क्या अभिप्राय है ?
10. अधिकार क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

(अ) आर्थिक अधिकार	–	मत देने का अधिकार
(ब) नागरिक अधिकार / सामाजिक अधिकार	–	स्वतंत्रता का अधिकार
(स) राजनीति अधिकार	–	न्यूनतम भत्ता
(द) सांस्कृतिक अधिकार	–	मातृभाषा में शिक्षा पाने का अधिकार

12. अधिकार क्यों महत्वपूर्ण है ?
13. प्राकृतिक अधिकारों की अवधारणा क्या है ?

निबंधात्मक प्रश्न

14. प्राकृतिक अधिकारों तथा मौलिक अधिकारों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
15. अधिकारों के चार प्रमुख लक्षण लिखिए।

अध्याय – 6

'नागरिकता'

पाठ का सार :

नागरिकता से अभिप्राय है एक राजनीतिक समुदाय की पूर्ण और समान सदस्यता जिसमें कोई भेदभाव नहीं होता। राष्ट्रों ने अपने सदस्यों को एक सामूहिक राजनीतिक पहचान के साथ ही कुछ अधिकार भी दिए है। इसलिए हम संबद्ध राष्ट्र के आधार पर अपने आपको भारतीय, जापानी या जर्मन मानते है। अधिकतर लोकतांत्रिक देशों में नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार, मतदान या आस्था की स्वतंत्रता, न्यूनतम मजदूरी या शिक्षा पाने का अधिकार शामिल है। नागरिक आज जिन अधिकारों का प्रयोग करते है उन्हें उन्होंने एक लम्बे संघर्ष के बाद प्राप्त किया है। जैसे 1789 की फ्रांसीसी क्रांति, दक्षिण अफ्रीका में समान नागरिकता प्राप्त करने के लिए लम्बा संघर्ष नागरिकों को देश के सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों का उत्तराधिकारी और न्यासी भी माना जाता है।

प्रसिद्ध विचारक टी. एच. मार्शल ने नागरिकता के 4 प्रकार बताये। मार्शने अपनी पुस्तक 'नागरिकता और सामाजिक वर्ग' में नागरिकता का विस्तृत विवेचन किया। भारत सरकार द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 में बनाया गया। भारत के संविधान में नागरिकता की लोकतांत्रिक और समावेशी धारणा को अपनाया गया है। यहां जन्म, वंश–परम्परा, पंजीकरण, देशीकरण या किसी भू–क्षेत्र के राज क्षेत्र में शामिल होने से नागरिकता हासिल की जा सकती है। संविधान में नागरिकों के दायित्व एवं अधिकार दर्ज है। नागरिकों के साथ भेदभाव नहींकिया जाता। इस अध्याय में शरणार्थी समस्या एवं विश्व नागरिकता का अध्ययन किया गया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. फ्रांस की क्रांति कब हुई ?

   (अ) 1889 (ब) 1789

   (स) 1787 (द) 1790 ( )

2. 'दलित पैथर्स' किस प्रकार का आंदोलन है ?

   (अ) पर्यावरणीय आंदोलन (ब) सांस्कृतिक आंदोलन

   (स) जातिगत आंदोलन (द) राष्ट्रीय आंदोलन ( )

3. 'जीवन का अधिकार' संविधान के किस अनुच्छेद में है ?

(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 22

(स) अनुच्छेद 10 (द) अनुच्छेद 21 ( )

4. टी.एच. मार्शल नागरिकता में कितने प्रकार के अधिकारों को शामिल मानते है–

(अ) चार (ब) तीन

(स) दो (द) पाँच

5. भारतीय नागरिकता अधिनियम कब मनाया गया ?

(अ) 1995 में (ब) 1951 में

(स) 1954 में (द) 1952 में

6. 'नागरिकता और सामाजिक वर्ग' के लेखक है–

(अ) टी.एच. मार्शल (ब) डेविड हेल्ड

(स) रिची (द) जॉन लॉक

रिक्त स्थानों की पूति करें–

7. शरणार्थी और .... प्रवासियों को कोई राष्ट्रपूर्ण सदस्यता देने के लिए तैयार नहीं है। (वैध/अवैध)

8. भारत में .... नागरिकता है। (दोहरी/इकहरी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

9. नागरिकता से क्या तात्पर्य है ?

10. राजनीतिक अधिकारों में किन अधिकारों को सम्मिलित किया जाता है ?

11. 'मुंबई मुंबईकर के लिए' नारे का क्या अर्थ है ?

12. रंगभेद की नीति से क्या अभिप्राय है ?

13. नागरिकता प्राप्त करने के दो तरीके बताइए।

14. नागरिक अधिकारों को प्राप्त करने के लिए हुए किसी एक संघर्ष का नाम लिखो।

15. भारतीय संविधान में नागरिकता की कौनसी धारणा को अपनाया गया है ?

16. एक देश में भ्रमण हेतु आया हुआ अन्य देश का नागरिक कहलाता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

17. भारत में नागरिकता किस प्रकार हासिल की जा सकती है ?
18. नागरिकता के प्रमुख राजनीतिक अधिकार कौन–कौनसे है ?
19. एक आदर्श नागरिक लोकतंत्र को किस प्रकार मजबूती प्रदान कर सकता है ?
20. एक आदर्श नागरिक के गुणों का संक्षिप्त में विवेचन कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

21. सार्वभौमिक नागरिकता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

अध्याय – 7

'राष्ट्रवाद'

पाठ का सार :–

इस अध्याय में राष्ट्रवाद के बारे में अध्ययन किया गया है। राष्ट्रवाद एक विचारधारा है जो किसी राष्ट्र या राष्ट्र राज्य के प्रति निष्ठा, भक्ति पर जोर देती है और यह मानती है कि ऐसे दायित्व अन्य व्यक्ति या समूह के हितों से अधिक है। राष्ट्रवाद के प्रमुख गुण है– (1) राष्ट्रवाद लोगों में विश्वास तथा नया जोश जगाता है। (2) देशभक्ति (3) यह राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए लोगों को प्रेरित करता है। (4) यह राष्ट्र के चहुंमुखी विकास हेतु लोगों को कठिन परिश्रम के लिए प्रेरित करता है। (5) राष्ट्रवाद के कारण नये राज्यों का उदय होता है। (6) राष्ट्रीय एकता, शक्ति और सुदृढ़ीकरण (7) राजनीतिक स्थायित्व आदि राष्ट्रवाद के प्रमुख अवगुण निम्नलिखित है :– (1) राष्ट्रवाद जल्द ही उग्र राष्ट्रवाद में बदल जाता है। (2) राष्ट्रवाद बड़े राष्ट्रों को छोटे राष्ट्रों में तोड़ने के लिए प्रेरित करता है। (3) राष्ट्रीय एकता पर दुष्प्रभाव (4) व्यक्ति के अधिकारों व स्वतंत्रता पर प्रतिबन्ध (5) साम्राज्यवाद को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रवाद, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय नागरिकता, स्वतंत्रता दिवस आदि राष्ट्रवाद के प्रतीक है। नेशनेलिटी शब्द लैटिन भाषा के नेट्स से बना है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. रविन्द्रनाथ ठाकुर का सम्बन्ध किस देश से है ?

   (अ) भारत (ब) पाकिस्तान

   (स) श्रीलंका (द) भूटान ( )

2. भारत को स्वतंत्रता कब मिली ?

   (अ) 15 अगस्त 1947 (ब) 15 अगस्त 1948

   (स) 15 अगस्त 1950 (द) 15 अगस्त 1946 ( )

3. जन गण मन के रचयिता कौन थे ?

   (अ) रविन्द्रनाथ टैगोर (ब) अरविन्द घोष

   (स) राजा राममोहन राय (द) बकिंमचन्द्र चटर्जी ( )

4. नेशनेलिटी शब्द किस लैटिन भाषी शब्द से उत्पन्न हुआ है–

(अ) नेट्स (ब) नेलि

(स) नेसट (द) नेशन ( )

5. राष्ट्र निर्माण के लिए साझे राजनैतिक आदर्श है–

(अ) लोकतंत्र (ब) धर्मनिरपेक्षता

(स) उदारवाद (द) उपर्युक्त सभी ( )

रिक्त स्थनों की पूर्ति करो–

6. दुनिया में .... आज भी एक प्रभावी शक्ति है। (राष्ट्रवाद / जातिवाद)

7. 'डिस्कवरी ऑफ इण्डिया' पुस्तक के लेखक .... है। (जवाहर लाल नेहरू / महात्मा गाँधी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

8. राष्ट्रवाद के किन्हीं चार प्रतीकों के नाम लिखिए।

9. विभिन्न राष्ट्र अपनी गृहभूमि को क्या नाम देते है ?

10. 'एक संस्कृति–एक राज्य' का सिद्धान्त का क्या अर्थ है ?

11. दिल्ली गणतन्त्र दिवस की परेड भारतीय राष्ट्रवाद का बेजोड प्रतीक क्यों है ?

12. राष्ट्रीयता के विकास में बाधक तत्वों में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

13. राष्ट्रवाद निर्माण के किन्हीं दो तत्वों के नाम लिखिये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

14. वर्तमान विश्व के किन्हीं चार पृथकतावादी आन्दोलनों का उल्लेख कीजिये।

15. राष्ट्रवाद के मार्ग में आने वाली कठिनाइयां कौन–कौनसी है ?

16. राज्य एवं राष्ट्र में तीन अन्तर लिखिये।

निबंधात्मक प्रश्न

17. राष्ट्रवाद के प्रमुख तत्वों को स्पष्ट करो।

18. राष्ट्रवाद के प्रमुख गुण कौन–कौनसे है ? बताओ।

अध्याय – 8

'धर्मनिरपेक्षता'

पाठ का सार :

धर्म निरपेक्षता का अर्थ है राज्य राजनीति या किसी गैर–धार्मिक मामले से धर्म को दूर रखें तथा सरकार धर्म के आधार पर किसी से भी कोई भेदभाव न करे। इसमें राज्य किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करता। धर्म निरपेक्ष राज्य धार्मिक भेदभाव को रोकने के लिए आपसी जागरूकता, शिक्षा, साझेदारी, पारस्परिक सहायता, भलाई की भावना का विकास आदि रास्तों को अपनाया जा सकता है। इस अध्याय में धर्म निरपेक्षता के यूरोपीय मॉडल एवं भारतीय मॉडल का वर्णन किया गया है। दोनों मॉडल की अलग–अलग विशेषताएं होती है। पंड़ित जवाहर लाल नेहरू को धर्मनिरपेक्षता थी– सभी धर्मों को राज्य द्वारा संरक्षण।

धर्मतांत्रिक राज्य वह राज्य होता है जिसमें किसी धर्म विशेष को राज्य का धर्म घोषित कर उसे संरक्षण दिया जाता है। भारत में धर्मतांत्रिक राज्य के विपरीत किसी भी धर्म को संरक्षण नहीं देता यहां धर्म निरपेक्षता का विकास शांतिपूर्ण एवं अस्तित्व को ध्यान में रखकर किया गया। धर्म के अन्दर वर्चस्व का अर्थ है धर्म अन्दर वर्चस्व।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

1. सिख धर्म के दंगे कब हुए थे ?

   (अ) 1985   (ब) 1986

   (स) 1987   (द) 1984   ( )

2. अनुच्छेद 25 से 28 किसके लिए बनाया गया है।

   (अ) आर्थिक अधिकार के लिए   (ब) धार्मिक अधिकार के लिए

   (स) राजनीति अधिकार के लिए   (द) समानता के अधिकार के लिए   ( )

3. गुड फ्राइडे क्रिसमस का सम्बन्ध किस धर्म से है ?

   (अ) जैन धर्म   (ब) हिन्दु धर्म

   (स) ईसाई धर्म   (द) बौद्ध धर्म   ( )

4. धर्म निरपेक्षता बढ़ावा देती है–

   (अ) धर्मों में समानता को   (ब) धर्मतांत्रिक राज्य को

   (स) अस्पृश्यता को   (द) इनमें से कोई नहीं   ( )

5. धर्म निरपेक्षता विरोध करती है–

(अ) स्वतन्त्रता का (ब) समानता का

(स) धार्मिक वर्चस्व का (द) राज्य सत्ता का ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

6. भारत में धर्मनिरपेक्षता का विचार .... वाद विवादों और परिचर्चाओं में सदैव मौजूद रहा है। (सार्वजनिक / निजी)

7. धर्म और राज्य सत्ता के बीच सम्बन्ध .... राज्य सत्ता के लिए जरूरी है। (धर्म सापेक्ष / धर्म निरपेक्ष)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

8. भारत में निपेक्षता का विकास किस बात को ध्यान में रखकर हुआ है ?

9. भारतीय संविधान में पंथ निरपेक्ष शब्द कब जोड़ा गया ?

10. धर्मतांत्रिक राज्य किसे कहा जाता है ?

11. धर्म निरपेक्षता किस बात को बढ़ावा देती है ?

12. जवाहर लाल नेहरू की धर्म निरपेक्षता का स्वरूप कैसा था ?

13. अन्तः धार्मिक वर्चस्व से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

14. धर्म निरपेक्षता क्या है ?

15. धार्मिक भेदभाव रोकने के कोई तीन व्यक्तिगत रास्ते बताइये।

16. धर्म के अन्दर वर्चस्व (अन्तः धार्मिक वर्चस्व) से क्या आशय है ?

निबंधात्मक प्रश्न

17. धर्म निरपेक्ष राज्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

18. धर्म निरपेक्षता के बारे में नेहरू के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : लोकप्रशासन

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा2023–24

कक्षा–11वीं

विषय – लोक प्रशासन

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	100	100

इकाई–1 **लोक प्रशासन : एक परिचय** 12

लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, नव लोक प्रशासन, नव लोक प्रबन्धन, लोक प्रशासन का महत्व एवं निजी प्रशासन से सम्बन्ध।

इकाई–2 **लोक प्रशासन एवं अन्य सामाजिक विज्ञान** 08

लोक प्रशासन एवं उसका राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र से सम्बन्ध, समाज शास्त्र से सम्बन्ध, लोक प्रशासन का विधि का सम्बन्ध।

इकाई–3 **संगठन : अर्थ एवं सिद्धान्त** 12

संगठन : अर्थ, आधार एवं क्षेत्र, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, समन्वय।

इकाई–4 **संगठन के अन्य सिद्धान्त** 12

सूत्र एवं स्टॉफ, केन्द्रीकरण बनाम विकेन्द्रीकरण प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण।

इकाई–5 **संघीय कार्यपालिका** 12

राष्ट्रपति शक्तियाँ एवं भूमिका, राष्ट्रपति– प्रधानमंत्री सम्बन्ध, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री–मंत्रिपरिषद्, केन्द्रीय सचिवालय, लोक प्रशासन पर कार्यपालिका का नियंत्रण।

इकाई–6 **राज्य कार्यपालिका** 08

राज्यपाल : भूमिका एवं शक्तियां, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् संरचना एवं शक्तियाँ एवं शक्तियाँ एवं भूमिका राज्य सचिवालय : संगठन एवं कार्य।

इकाई–7 **व्यवस्थापिका एवं लोक प्रशासन** 08

केन्द्रीय व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका, राज्य व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका, लोक प्रशासन पर व्यवस्थापिका का नियंत्रण।

इकाई–8 **न्यायपालिका एवं लोक प्रशासन** 10

उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, जिला स्तरीय एवं अधीनस्थ न्यायालय, प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण।

इकाई–9 **संभाग एवं जिला प्रशासन** 10

सम्भागीय आयुक्त : कार्य एवं भूमिका, जिला कलेक्टर : कार्य एवं भूमिका, उपखण्ड एवं तहसील प्रशासन, पटवारी एवं ग्रामसेवक।

इकाई–10 **स्थानीय प्रशासन** 08

राजस्थान में नगरीय प्रशासन एवं पंचायतीराज।

निर्धारित पुस्तक –लोक प्रशासन–माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।

नमूने का प्रश्न पत्र2023–24
कक्षा – 11
विषय – लोक प्रशासन

समय : 4 घंटे 15 मिनट — पूर्णांक : 100

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–
1. प्रश्न संख्या 1 में (i) से (xv) तक कुल 15 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
2. प्रश्न संख्या 2 में (i) से (v) तक कुल 5 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
3. प्रश्न संख्या 3 से 11 तक कुल 9 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 2 अंक काहै।
4. प्रश्न संख्या 12 से 19 तक कुल 8 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।
5.प्रश्न संख्या 20 से 24 तक कुल 5 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।
6. प्रश्न संख 25 से 27 तक कुल 3 प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :– (1 x 15 = 15)

(i) राज्य, सत्ता, शासन, अधिकार किस सामाजिक विज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र है?

(अ) लोक प्रशासन — (ब) राजनीति विज्ञान

(स) विधि शास्त्र — (द) समाजशास्त्र ( )

(ii) संगठन के चार आधारों को चार P (Four Ps) कहा है–

(अ) अरस्तु ने — (ब) हॉल्डेन कमेटी ने

(स) गुलिक ने — (द) उर्विक ने ( )

(iii) प्रत्यायोजन का तत्व है–

(अ) सत्ता — (ब) कार्य

(स) उत्तरदायित्व — (द) उपर्युक्त सभी ( )

(iv) योजना आयोग प्रतीक था–

(अ) केन्द्रीकरण — (ब) विकेन्द्रीकरण

(स) प्रत्यायोजन — (द) उपर्युक्त सभी ( )

(v) आधुनिक प्रशासनिक संगठनों में पाया जाता है–

(अ) पूर्ण केन्द्रीकरण — (ब) पूर्ण विकेन्द्रीकरण

(स) केन्द्रीकरण तथा विकेन्द्रीकरण — (द) उपयुक्त में कोई नहीं ( )

(vi) केन्द्रीय सचिवालय को स्वतंत्रता से पूर्व किस नाम से जाना जाता था?

(अ) मंत्रिमण्डल सचिवालय (ब) इम्पिरियल सचिवालय

(स) केन्द्रीय सचिवालय (द) सर्वोच्च सचिवालय ( )

(vii) केन्द्रीय सचिवालय में केन्द्रीय भर्ती योजना कब लागू की गई?

(अ) 1947 (ब) 1967

(स) 1957 (द) 1977 ( )

(viii) प्रशासन पर कार्यपालिका नियंत्रण का सबसे कम प्रभावी साधन है–

(अ) कार्यपालिका व्यवस्थापन (ब) बजट की व्यवस्था

(स) अध्यादेश (द) लोकमत से अपील ( )

(ix) मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) राज्यपाल (द) मुख्य न्यायाधीश ( )

(x) व्यवस्थापिका द्वारा प्रशासन पर नियंत्रण रखा जाता है?

(अ) प्रश्न पूछकर (ब) अविश्वास प्रस्ताव द्वारा

(स) वित्तीय नियंत्रण द्वारा (द) उपर्युक्त सभी ( )

(xi) व्यवस्थापिका में कौन–कौन होते है?

(अ) राज्यसभा सदस्य (ब) लोकसभा सदस्य

(स) दोनों के सदस्य (द) दोनों ही नहीं ( )

(xii) परमादेश का शाब्दिक अर्थ है–

(अ) प्रवेश देना (ब) आज्ञा देना

(स) मना करना (द) जारी रखना ( )

(xiii)पटवारी के प्रशिक्षण की अवधि कितनी होती है?

(अ) 6 माह (ब) 1 वर्ष

(स) 8 माह (द) 9 माह ( )

(xiv)वर्तमान में राजस्थान में कितनी पंचायत समितियाँ है?

(अ) 236 (ब) 235

(स) 237 (द) 232 ( )

(xv) ग्राम पंचायत की परिषद के मुखिया को किस नाम से जाना जाता है?

(अ) प्रधान (ब) सरपंच

(स) ग्राम प्रमुख (द) ग्राम सेवक ( )

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– (1 x 5 =5)

(i) लोक प्रशासन .... के अधीन कार्य करता है। (कानून / अर्थशास्त्र)

(ii) विकेन्द्रीकरण .... रूपों में किया जाता है। (तीन / चार)

(iii) राज्यपाल की नियुक्ति हेतु .... आयु आवश्यकहै। (35 वर्ष / 45 वर्ष)

(iv) राजस्व मण्डल में कम से कम .... सदस्य होते है। (7 / 5)

(v) फौजदारी मामलों की सुनवायी के लिए .... का न्यायालय जिले में सबसे बड़ा न्यायालय होता है। (सैशन जज / उच्च न्यायालय का न्यायाधीश)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–1 (2 x 9 = 18)

3. लोक प्रशासन को परिभाषित कीजिए।
4. लोक प्रशासन का जन्म किस विषय से हुआ है?
5. संगठन से क्या तात्पर्य है?
6. तनाव सिद्धान्त किसने दिया?
7. प्रत्यायोजन को परिभाषित कीजिए।
8. सकारात्मक पर्यवेक्षण को स्पष्ट कीजिए।
9. राज्यपाल को कितने प्रकार की शक्तियाँ प्राप्त है?
10. राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन है?
11. अनुभाग अधिकारी किन सेवाओं के माध्यम से पद ग्रहण करता है?

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–2 (3 x 8 = 24)

12. मंत्रिपरिषद में कितने प्रकार के मंत्री होते है?
13. राज्यसभा की ऐसी दो शक्तियाँ बताइये जो लोकसभा को प्राप्त नहीं है ?
14. वर्तमान समय में भारत के किन–किन राज्यों में द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका है?
15. न्यायपालिका के दो महत्व लिखो।
16. उच्च न्यायालय के न्यायाधीधों की नियुक्ति के संदर्भ में राज्यपाल की क्या भूमिका है?

17. संभागीय आयुक्त का प्रमुख कार्य बताइये।

18. अंग्रेजी के शब्द 'कलेक्ट' का क्या तात्पर्य है?

19. उपखण्ड अधिकारी लोकसभा चुनाव में किस पदाधिकारी के रूप में कार्य करता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न– (4 x 5 = 20)

20. लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में व्याप्त प्रमुख असमानताएँ बताइये।

21. ''समाज प्रशासन का दर्पण होता है'' टिप्पणी लिखिए।

22. व्यक्ति के आधार पर निर्मित संगठन के गुण बताइये।

22. व्यक्ति के आधार पर निर्मित संगठन के गुण बताइये।

23. आदेश की एकता की प्रमुख विशेषता का उल्लेख कीजिए।

24. स्टाफ अभिकरणों के कार्यों का वर्णन कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न– (3 x 6 = 18)

25. नवीन लोक प्रशासन पर एक टिप्पणी लिखिए।

अथवा

लोक प्रशासन की परिभाषा दीजिए, इसके क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

26. राष्ट्रपति की शक्तियों का विवेचन कीजिए।

27. राजस्थान में नगर निगम के संगठन व कार्यों को समझाइये।

अथवा

राजस्थान राज्य के संदर्भ में नगर परिषद की संरचना व कार्यों पर एक निबंध लिखिए।

विषयसूची

विषय : लोकप्रशासन

अध्याय 1 : लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
अध्याय 2 : लोक प्रशासन का महत्व एवं निजी प्रशासन
अध्याय 3 : लोक प्रशासन एवं अन्य सामाजिक विज्ञान
अध्याय 4 : संगठन –अर्थ, आधार एवं रूप
अध्याय 5 : संगठन के सिद्धान्त
अध्याय 6 : संगठन के अन्य सिद्धान्त
अध्याय 7 : संघीय कार्यपालिका
अध्याय 8 : प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद
अध्याय 9 : केन्द्रीय सचिवालय
अध्याय 10 : प्रशासन पर कार्यपालिका नियन्त्रण
अध्याय 11 : राज्यपाल : शक्तियां एवं भूमिका
अध्याय 12 : मुख्यमंत्री–मंत्रिपरिषद : रचना एवं भूमिका
अध्याय 13 : राज्य सचिवालय : संगठन एवं कार्य
अध्याय 14 : केन्द्रीय व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका
अध्याय 15 : राज्य व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका
अध्याय 16 : लोक प्रशासन पर व्यवस्थापिका का नियन्त्रण
अध्याय 17 : उच्चतम न्यायालय
अध्याय 18 : उच्च न्यायालय
अध्याय 19 : जिला स्तरीय एवं अधीनस्थ न्यायालय
अध्याय 20 : प्रशासन पर न्यायिक नियन्त्रण
अध्याय 21 : सम्भागीय आयुक्त एवं जिला प्रशासन पर पर्यवेक्षण
अध्याय 22 : जिला कलेक्टर
अध्याय 23 : उपखण्ड एवं तहसील प्रशासन तंत्र
अध्याय 24 : पटवारी एवं ग्रामसेवक
अध्याय 25 : राजस्थान में नगरीय प्रशासन
अध्याय 26 : राजस्थान में पंचायती राज

अध्याय–1

लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र

पाठ का सारांश :–

इस पाठ में हम लोक प्रशासन का अर्थ, परिभाषाएं एवं इनकी वर्गीकरण, एकीकृत एवं प्रबन्धात्मक दृष्टिकोण, लोक प्रशासन की प्रकृति. व क्षेत्र, राजनीति व प्रशासन में घनिष्ठ सम्बन्ध, नव लोक प्रशासन, नव लोक प्रबन्ध आदि का अध्ययन करेंगे।

अर्थ :– लोक प्रशासन का अर्थ प्रशासन की वह भाग जो सामान्य जनता के लाभ के लिए लोक प्रशासन कहलाता है। इसका सम्बंध सामान्य अथवा सार्वजनिक नीतियों से होता है।

लोक प्रशासन का एकीकृत दृष्टिकोण व प्रबन्धात्मक दोनो दृष्टिकोणों से अध्ययन किया जाता है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: लोक प्रशासन का जनक कहा जाता है –

(अ) एल.डी. व्हाईट (ब) वुड्रो विल्सन

(स) एम.पी. शर्मा (द) साइमन ( )

प्रश्न 2: लोक प्रशासन का प्रारम्भ माना जाता है –

(अ) सन् 1887 (ब) सन् 1888

(स) सन् 1987 (द) सन् 1988 ( )

प्रश्न 3: POSDCORB सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया ?

(अ) डॉ. एल.डी. व्हाईट (ब) डॉ. हर्बट साइमन

(स) ई.एल. ग्लैडन (द) लूथर गुलिक ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4. .... सिद्धान्त का तीव्रतम आलोचक था। (लेविस मेरियम / जॉन एम. फिफनर)

प्रश्न 5. लोक प्रशासन का क्षेत्र बहुत .... है। (व्यापक / सीमित)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6: प्रशासन से आपका क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 7: लोक प्रशासन को किस विचारक ने कलाओं में सर्वश्रेष्ठ माना है ?

प्रश्न 8: उस विचारक का नाम बताइये जो राजनीति और प्रशासन दोनों को पृथक–पृथक मानते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9: लोक प्रशासन के क्षेत्र के सम्बन्ध में पोस्डकॉर्ब दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिये।

प्रश्न 10: लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन में प्रमुख अन्तर बताइये।

प्रश्न 11: लोक प्रशासन की परिभाषा दीजिये। इसके क्षेत्र की व्याख्या कीजिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12: नवीन लोक प्रशासन पर एक टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 13. लोक प्रशासन की परिभाषा दीजिए। इसके क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

अध्याय–2

लोक प्रशासन का महत्व एवं निजी प्रशासन

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ मे लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य सम्बन्धों को समझाया गया है। लोक प्रशासन सरकारी कार्यकलापों एवं गतिविधियों से संबधित है जो लोक कल्याण की भावना से किये जाते हैं तथा व्यक्ति या व्याक्ति समूहों द्वारा लाभ की प्राप्ति हेतु संचालित किया जाने वाला प्रशासन निजी प्रशासन कहलाता है तथा लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन में कई समानताएं एवं असमानताएँ होती है। दोनो प्रशासनों के मध्य अन्तर केवल मात्रात्मक है, गुणात्मक एवं प्रकारात्मक नही है। दोनों की सत्ता एक ही है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1ः निम्नलिखित में से कौनसा विचारक लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन की समानता का प्रबल समर्थक ?

(अ) हर्बट साइमन (ब) पॉल एपीलबी

(स) हेनरी फेयोल (द) सर जोसिया स्टाम्प ( )

प्रश्न 2ः इनमें से कौनसी विशेषता निजी प्रशासन की नहीं है ?

(अ) गोपनीयता (ब) लोक उत्तरदायीतव

(स) लाभ (द) अराजनीतिक स्वरूप ( )

प्रश्न 3ः लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में अन्तर करने वाले विद्वान हैं ?

(अ) साइमन (ब) एपीलबी

(स) सर जोसिया स्टाम्प (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 4ः लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में प्रमुख अन्तर है ?

(अ) लाभ प्राप्ति (ब) साधनों का प्रयोग

(स) कार्यक्रम व योजनाएं (द) क्षेत्र व स्वरूप ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 5: पिछली शताब्दी तक राज्य का कार्य स्वरूप .... था। (पुलिस राज्य / कल्याणकारी राज्य)

प्रश्न 6: यदि हमारी सभ्यता असफल होती है तो ऐसा मुख्यतः प्रशासन के पतन के कारण होगा यह कथन .... का है। (साइमन / डॉनहम)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में अन्तर करने वाले प्रमुख विद्वान बताइये ?

प्रश्न 8: लोक प्रशासन को परिभाषित कीजिये।

प्रश्न 9: ''हमारी सभ्यता असफल होती है तो ऐसा प्रशासन के पतन के कारण होगा''। यह कथन किस विद्वान का है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में व्याप्त प्रमुख असमानताएं बताइये।

प्रश्न 11: लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में कोई पाँच समानताएं लिखिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12: वर्तमान में लोक प्रशासन के महत्व की व्याख्या कीजिये।

प्रश्न 13: लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य समानताओ व असमानताओं का उल्लेख कीजिए।

अध्याय–3

लोक प्रशासन एवं अन्य सामाजिक विज्ञान

पाठ का सारांश :

इस अध्याय मे हम लोक प्रशासन व अन्य सामाजिक विज्ञान से सम्बन्धों पर चर्चा करेंगे, जिसमे लोकप्रशासन व राजनीतिक विज्ञान के घनिष्ठ सम्बन्ध, लोक प्रशासन व अर्थशास्त्र के मध्य सम्बन्धों को तथा लोक प्रशासन एवं समाजशास्त्र, लोक प्रशासन एवं विधि आदि विज्ञानों के मध्य सम्बंधों का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

लोक प्रशासन के अध्ययन को सारगर्भित बनाने के लिए लोक प्रशासन व अन्य सामाजिक विज्ञानों के मध्य सम्बन्धों को जानना आवश्यक है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1ः राज्य, सत्ता, शासन, अधिकार किस सामाजिक विज्ञान का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र हैं ?

(अ) लोक प्रशासन (ब) राजनीति विज्ञान

(स) विधि शास्त्र (द) समाजशास्त्र ( )

प्रश्न 2ः कर बजट, आदि विषय किस सामाजिक विज्ञान से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है ?

(अ) समाजशास्त्र (ब) विधि

(स) अर्थशास्त्र (द) राजनीति विज्ञान ( )

प्रश्न 3ः संविधान सर्वोच्च कानून है, इस आधार पर लोक प्रशासन का किस सामाजिक विज्ञान से घनिष्ठ सम्बन्ध है ?

(अ) अर्थशास्त्र (ब) लोक प्रशासन

(स) समाजशास्त्र (द) विधि ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

प्रश्न 4. लोक प्रशासन .... के अधीन काय करता है। (कानून/अर्थशास्त्र)

प्रश्न 5ः अध्ययन विषय के रूप मे लोक प्रशासन का जन्म .... विषय से हुआ है। (समाजशास्त्र/राजनीति विज्ञान)

प्रश्न 6. लोक प्रशासन को मर्यादित रखने व निरकुश होने से .... रोकता है। (विधि/ मनोविज्ञान)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: लोक प्रशासन का जन्म किस विषय से हुआ है ?

प्रश्न 8: ''राजनीति विज्ञान का प्रारम्भ व अन्त राज्य के साथ ही होता है।'' यह कथन किस विद्वान का है ?

प्रश्न 9: उस विद्वान का नाम बताइये जो यह कहता है कि ''नीति का निर्माण ही लोक प्रशासन है।''

प्रश्न 10: लोक प्रशासन व समाजशास्त्र के मध्य सम्बन्धों की व्याख्या करने वाले दो मुख्य बिन्दु बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 11: लोक प्रशासन व राजनीति विज्ञान के मध्य सम्बन्धों की संक्षेप में व्याख्या कीजिये।

प्रश्न 12: ''समाज प्रशासन का दर्पण होता है।'' टिप्पणी लिखिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: लोक प्रशासन एवं राजनीति विज्ञान के मध्य अन्तर घटता जा रहा है। विस्तृत वर्णन कीजिये।

अध्याय–4

संगठन –अर्थ, आधार एवं रूप

पाढ का सारांश :–

प्रस्तुत पाठ में संगठन का अर्थ, दृष्टिकोण, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन व संगठन के आधार, प्रयोजन, प्रक्रिया एवं क्षेत्र के बारे मे विस्तार से बताया है। संगठन मानव सामग्री, साधन, स्थान तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं को क्रमबद्ध तथा प्रभावशाली ढंग से जुटाने को कहते है, जिससे वांछित लक्ष्य प्राप्त हो सके।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: औपचारिरक संगठन में –

(अ) संगठन का ढांचा स्पष्ठतः परिभाषित रहता है।

(ब) संगठन पदसोपान एवं कार्य विभाजन के सिद्धान्तों पर आधारित रहता है।

(स) संगठन का परम्परागत स्वरूप

(द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 2: अनौपचारिक संगठन सम्बन्धी विचारधाराएं हैं –

(अ) नौकरशाही विचारधारा (ब) मानव सम्बन्ध विचारधारा

(स) वैज्ञानिक प्रबन्ध विचाराधारा (द) प्रशासकीय प्रबन्ध विचाराधारा ( )

प्रश्न 3: संगठन के चार आधारों को चार P (four Ps) कहा है –

(अ) अरस्तु ने (ब) हॉल्डेन कमेटी

(स) गुलिक ने (द) उर्विक ने ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: मनुष्य का अधिकांश समय किसी ना किसी ....मे व्यतीत होता है। (संगठन / प्रशासन)

प्रश्न 5: प्रयोजन के आधार पर संगठन का .... किया जाता है। (निर्माण / समापन)

प्रश्न 6ः अरस्तु ने संगठन के .... आधार बताए है। (2/3)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7ः संगठन से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 8ः अरस्तु ने संगठन के कौनसे दो आधार बताए हैं ?

प्रश्न 9ः लूथर गुलिक के चार P (four Ps) क्या हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10ः औपचारिक व अनौपचारिक संगठन के मध्य अन्तर संक्षेप में बताइये।

प्रश्न 11ः विभागीकरण के आधार से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 12ः व्यक्ति के आधार पर निर्मित संगठन के गुण बताइये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13ः गुलिक द्वारा प्रस्तावित विभागीय संगठन के आधारों के गुण–दोष संक्षेप में बताइये।

अध्याय–5

संगठन के सिद्धान्त

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत औपचारिक संगठन के सिद्धान्तों में पदसोपान, आदेश की सकता, नियंत्रक की क्षेत्र, समन्वय, पर्यवेक्षण, विकेन्द्रीकरण, प्रत्यायोजन एवं सूत्र एवं स्टॉफ का सिद्धान्तो का विस्तृत वर्णन है। इसके हेनरी फेयोल गैक प्लांक अथवा पूल व्यवस्था का भी वर्णन है।

साथ ही संगठन में परस्पर संघर्ष को दूर करने, कर्मचारियों मे संगठन मे सहयोग पूर्ण भावनाओ का विकास आदि के भी नियम है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: पदसोपान में विभाजन होता है –

(अ) पदों का (ब) स्तरों का

(स) सत्ता का (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 2: आदेश की एकता का आशय है –

(अ) एक अधिकारी केवल अधीनस्थ को आदेश दे।

(ब) एक अधीनस्थ – एक उच्चाधिकारी।

(स) प्रतिस्थिति के अनुरूप सत्ता का विभाजन।

(द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 3: समन्वय तथा सहयोग में अन्तर है –

(अ) स्वेच्छा का (ब) तारतम्यता का

(स) व्यवस्थीकरण का (द) उपरोक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

प्रश्न 4: समन्वय स्थापित करने हेतु ....के साधन प्रयोग में लाये जाते है। (दो प्रकार / तीन प्रकार)

प्रश्न 5: संगठन का .... सिद्धान्त पदसोपान माना जाता है। (चतुर्थ / प्रथम)

प्रश्न 6: कर्मचारियो के मध्य होने वाला समन्वय .... समन्वय है। (बहस/आन्तरिक)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: पदसोपान का शाब्दिक अर्थ बताइये।

प्रश्न 8: समन्वय से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 9: तनाव सिद्धान्त किसने दिया ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: पदसोपान सिद्धान्त की प्रमुख विशेषता बताइये।

प्रश्न 11: पदसोपान की प्रमुख प्रणालियों का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 12: आदेश की एकता की प्रमुख विशेषता का उल्लेख कीजिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: नियन्त्रण का क्षेत्र क्या है ? उसे प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण कीजिये।

अध्याय–6

संगठन के अन्य सिद्धान्त

पाठ का सारांश –

इस पाठ में संगठन के चार अन्य प्रमुख सिद्धातों का उल्लेख किया जा रहा है। ये है (1) सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण, (2) केन्द्रीयकरण तथा विकेन्द्रीकरण, (3) प्रत्यायोजन, (4) पर्यवेक्षण नीति निर्माण हेतु सहायता के लिए मंत्रणा देने वाला कार्य सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण कहलाता है, जिससे मंत्रीगण नीति निर्माण कर पाते है। स्टाफ अभिकरण मे मुख्य कार्यकारी को सहायता, परामर्श तथा सूचना उपलब्ध करवाने वाले कर्मचारी आते है।

केन्द्रीकरण तथा विकेन्द्रीकरण में नीति निर्धारण और निर्णय लेने की शक्तियों को विभाजन से है।
प्रत्यायोजन के अन्तर्गत उसके समस्त कार्यो और दायित्वों को हस्तांतरित किये जाते है।
पर्यवेक्षण के अन्तर्गत देखने की श्रेष्ठ दृष्टि अथवा अधिदर्शन है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: प्रत्यायोजन का तत्व है –

(अ) सत्ता (ब) कार्य

(स) उत्तरदायित्व (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 2: योजना आयोग प्रतीक था ?

(अ) केन्द्रीकरण (ब) विकेन्द्रीकरण

(स) प्रत्यायोजन (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 3: आधुनिक प्रशासनिक संगठनों में पाया जाता है –

(अ) पूर्ण केन्द्रीकरण (ब) पूर्ण विकेन्द्रीकरण

(स) केन्द्रीकरण तथा विकेन्द्रीकरण (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: विकेन्द्रीकरण ....रूपों में किया जाता है। (तीन / चार)

प्रश्न 5: पर्यवेक्षण .... क्रिया है (एक मार्गी / द्विमार्गी)

प्रश्न 6ः एक सांगठनिक इकाई द्वारा दूसरी इकाई को कर्त्तव्यों, उत्तरदायित्व एवं सत्ता का हस्तान्तरण .... कहलाता है। (प्रत्यायोजन / केन्द्रीकरण)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7ः प्रत्यायोजन को परिभाषित कीजिये।

प्रश्न 8ः सकारात्मक पर्यवेक्षण को स्पष्ट कीजिये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9ः प्रत्यायोजन की विशेषताओं को वर्णित कीजिये।

प्रश्न 10ः सूत्र अभिकरणों की विशेषता बताइये।

प्रश्न 11ः स्टाफ अभिकरणों के कार्यों का वर्णन कीजिय।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12ः केन्द्रीकरण तथा विकेन्द्रीकरण से आप क्या समझते हैं ? दोनों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 13ः पर्यवेक्षण का अर्थ, प्रकार तथा तकनीक की व्याख्या कीजिये।

अध्याय–7

संघीय कार्यपालिका

पाठ का सारांश :–

इस अध्याय मे संघीय कार्यपालिका राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के बारे मे विवेचना की गई है। भारतीय संसदीय प्रणाली मे राष्ट्रपति औपचारिक प्रधान है। राष्ट्रपति अपनी शक्तियों का प्रयोग स्वयं या अपने अधिनस्थ अधिकारियों द्वारा करता है। इस पाठ में राष्ट्रपति का निर्वाचन, वेतन, भत्ते व अन्य सुविधाएँ, राष्ट्रपति की सामान्य व विधायी शक्तियाँ, वित्तीय शक्तियाँ, न्याय तथा आपातकालीन शक्तियों का उल्लेख है। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के मध्य संम्बन्ध के साथ ही उपराष्ट्रपति के पद का भी उल्लेख है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल के सदस्य निम्नलिखित हैं –

(अ) संसद के सभी सदस्य

(ब) लोकसभा के निर्वाचित सदस्य

(स) विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य

(द) संसद एवं राज्य विधानसभाओं के सदस्य ( )

प्रश्न 2: राज्यसभा का सभापति होता है –

(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री

(स) उपराष्ट्रपति (द) नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक ( )

प्रश्न 3: राष्ट्रपति का मासिक वेतन कितना है ?

(अ) 25000 (ब) 150000

(स) 35000 (द) 30000 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: .... भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद / डा. अम्बेडकर)

प्रश्न 5: भारत का राष्ट्रपति बनने के लिए न्यूनतम आयु ....वर्ष है। (30 / 35)

प्रश्न 6ः अनुच्छेद .... के अन्तर्गत राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जा सकती है।

(356 / 352)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7ः राष्ट्रपति के निर्वाचन पद्धति में न्यूनतम मतों का कोटा निर्धारित करने का सूत्र क्या है ?

प्रश्न 8ः उपराष्ट्रपति शपथ कैसे लेता है ?

प्रश्न 9ः राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियों के नाम लिखिए –

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10ः राष्ट्रपति को पद से हटाने की प्रक्रिया समझाइए।

प्रश्न 11ः राष्ट्रपति के वेतन भत्ते और अन्य सुविधाओं का वर्णन कीजिये।

प्रश्न 12ः वित्तीय आपात पर टिप्पणी लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13ः राष्ट्रपति की शक्तियों का विवेचन कीजिये।

अध्याय–8

प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय में भारतीय संसदीय प्रणाली की धूरी प्रधानमंत्री व उसको परामर्श एवं सहायता देने हेतु मन्त्रिपरिषद की स्थिति की विस्तृत चर्चा की गई है। इस अध्याय मे प्रधानमंत्री की नियुक्ति, उसके कार्य एवं शक्तियों, प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के मध्य सम्बन्ध, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के मध्य सम्बन्ध, प्रधानमंत्री और संसद प्रधानमंत्री और दल अध्यक्ष की भूमिका पर व्याख्यान्न दिया है।

मंत्रिपरिषद के सम्बन्ध मे मंत्रिपरिषद का गठन, मंत्रियों के प्रकार, वेतन–भत्ते, कार्यप्रणाली मंत्रिपरिषद व मन्त्रिमण्डल मे भेद व उनके मध्य कार्यप्रणाली सम्बन्धि अन्तर पर चर्चा की गई है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: संविधान में राष्ट्रपति को परामर्श एवं सहायता देने के लिए व्यवस्था की गई है –

(अ) प्रधानमंत्री (ब) मन्त्री परिषद

(स) केबिनेट (द) किचन केबिनेट ( )

प्रश्न 2: प्रधानमंत्री की नियुक्ति की जाती है –

(अ) राष्ट्रपति द्वारा (ब) मंत्री परिषद द्वारा

(स) मुख्य न्यायाधीश द्वारा (द) संसद द्वारा ( )

प्रश्न 3: मंत्री परिषद में शामिल करने के लिए सदस्यों का चयन करने का विशेषाधिकार किसे प्राप्त है ?

(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्य न्यायाधीश

(स) प्रधानमंत्री (द) राज्यपाल ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति की जिया

प्रश्न 4: प्रधानमंत्री .... कार्यपालिका है। (वास्तविक/अवास्तविक)

प्रश्न 5: मंत्रिपरिषद में सामान्यतः .... स्तर के मंत्री होते है। (दो/तीन)

प्रश्न 6: लोकसभा में बहुत प्राप्त दल या समूह के नेता को राष्ट्रपति द्वारा .... नियुक्त किया जाता है। (मन्त्री/प्रधानमंत्री)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: किस प्रधानमंत्री को केन्द्र में तीन बार साझा दलों की सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला ?

प्रश्न 8: मंत्री परिषद का निर्माण किसके द्वारा किया जाता है ?

प्रश्न 9: प्रधनमंत्री के चयन के मुख्य आधार बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: मंत्री परिषद में कितने प्रकार के मंत्री होते हैं ?

प्रश्न 11: भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री का नाम लिखिये।

प्रश्न 12: भारत में मंत्री मण्डल के कितने स्तर होते हैं ? इनमें अन्तर स्पष्ट कीजिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: भारत के प्रधानमंत्री की शक्तियों एवं स्थिति का परीक्षण कीजिये।

अध्याय–9

केन्द्रीय सचिवालय

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय में केन्द्रीय सचिवालय जिसमे भारत सरकार के सभी मंत्रालय एवं विभागों को समाविष्ट किया जाता है के बारे मे वर्णन किया है। इसमें मंत्रालय/विभागों की संरचना, सचिवालय का संगठन, जिसमे उनके पदसोपान की व्यवस्था, उनके अवधी प्रणाली (Tenure system) का भी उल्लेख है साथ मे केन्द्रीय सचिवालय की आवश्यकता एवं महत्व, प्रकृति व कार्य के साथ ही उसकी वर्तमान में प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सुझावों पर भी चर्चा की गई है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: केन्द्रीय सचिवालय को स्वतन्त्रता से पूर्व किस नाम से जाना जाता था ?

(अ) मन्त्री मण्डल सचिवालय (ब) इम्पीरियल सचिवालय

(स) केन्द्रीय सचिवालय (द) सर्वोच्च सचिवालय ( )

प्रश्न 2: निम्न में से किसे शाबा अधिकारी कहा जाता है ?

(अ) अवर सचिव (ब) संयुक्त सचिव

(स) सहायक सचिव (द) सचिव ( )

प्रश्न 3: केन्द्रीय सचिवालय में केन्द्रीय भर्ती योजना कब लागू की गई ?

(अ) 1947 (ब) 1967

(स) 1957 (द) 1977 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: ''केन्द्रीय स्टाफिंग योजना'' .... में आरम्भ की गई। (1957/1959)

प्रश्न 5: लार्ड कर्जन के शासनकाल मे .... प्रणाली आरम्भ की गई थी। (स्टाफिंग योजना/अवधि प्रणाली)

प्रश्न 6: केन्द्रीय सचिवालय .... के रूप में कार्य करता है। (थिंक टैंक/डेस्क)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: केन्द्रीय स्थापना मण्डल का अध्यक्ष कौन होता है ?

प्रश्न 8: केन्द्रीय सचिवालय को प्रभावी बनाने के दो सुझाव दीजिये।

प्रश्न 9: केन्द्रीय सचिवालय की प्रकृति कैसी है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: अवधि प्रणाली से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 11: डेस्क ऑफिसर सिटम क्या है ?

प्रश्न 12: केन्द्रीय सचिवालय का अर्थ बताइये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: केन्द्रीय सचिवालय की आवश्यकता बताते हुए इसकी कमियां और उनमें सुधार हेतु सुझाव दीजिये।

अध्याय–10

प्रशासन पर कार्यपालिका नियन्त्रण

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे प्रशासन पर कार्यपालिका नियंत्रण से तात्पर्य राजनैतिक कार्यपालिका द्वारा नौकरशाही अर्थात स्थायी कार्यपालिका, लोकसेवकों के कार्यों पर नियंत्रण से है। साथ ही इस नियंत्रण हेतु साधन– (1) राजनैतिक निर्देश (नीति निर्माण), (2) बजट प्रणाली द्वारा नियंत्रण, (3) नियुक्ति और निष्कासन के द्वारा नियंत्रण, (4) प्रत्यायोजित विधान, (5) अध्यादेशों द्वारा नियंत्रण, (6) लोक सेवा आचार संहिता द्वारा नियंत्रण का वर्णन है।

और अंत में प्रशासन पर कार्यपालिका के नियंत्रण की समस्याओं को भी इंगित किया गया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1ः निम्न में से कौनसा साधन कार्यपालिका के नियन्त्रण के अन्तर्गत नहीं आता है ?

(अ) नियुक्ति एवं पदच्युति (ब) लोकसेवा संहिता

(स) योजनाएं (द) प्रश्नकाल ( )

प्रश्न 2ः निम्नलिखित में से कौनसा एक तरीका प्रशासन पर कार्यपालिका नियन्त्रण का नहीं है ?

(अ) सेवा नियम बनाना (ब) अधिकारियों को सजा देना

(स) शिकायतें सुनना (द) संसद में प्रशासन को बचाना( )

प्रश्न 3ः प्रशासन पर कार्यपालिका नियन्त्रण का सबसे कम प्रभावी साधन है–

(अ) कार्यपालिका व्यवस्थापन (ब) बजट की व्यवस्था

(स) अध्यादेश (द) लोकमत से अपील ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4ः अखिल भारतीय सेवाएँ (आचरण) नियम .... में बना था। (1954 / 1956)

प्रश्न 5ः प्रशासनिक कार्यपालिका अपने किये गये कृत्यों के लिए .... के प्रति प्रत्यक्षतः उत्तरदायी नहीं है। (संसद / विधानसभा)

प्रश्न 6ः मंत्रियों का चयन का आधार ....होता है। (प्रशासनिक / राजनीतिक)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: राजनैतिक कार्यपालिका से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 8: स्थायी कार्यपालिका से क्या आशय है ?

प्रश्न 9: अध्यादेश कब व कौन जारी करता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: कार्यपालिका नियन्त्रण के चार तरीके बताइये।

प्रश्न 11: वित्त मंत्रालय प्रशासन पर किस प्रकार नियन्त्रण करता है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12: प्रशासन पर कार्यपालिका के नियन्त्रण के साधन एवं सीमाओं का विवेचन कीजिये।

अध्याय–11

राज्यपाल : शक्तियां एवं भूमिका

पाठ का सारांश :–

भारत में संघीय व्यवस्था अपनाई गई है, जिसके अनुरूप दो स्तरों पर शासन का संचालन किया जाता है। केन्द्रीय स्तर पर तथा राज्य स्तर पर। केन्द्र मे राष्ट्रपति तथा मन्त्रिपरिषद सहित प्रधानमंत्री कार्य पालिका के मुख्य भाग है। राज्य स्तर पर राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद सहित मुख्यमंत्री मिलकर कार्यपालिका का गठन करते है। प्रस्तुत अध्याय मे राज्यपाल की स्थिति, नियुक्ति, कार्यकाल व पदमुक्ति, योग्यताएं शपथ, वेतन व अन्य सुविधाएँ, शक्तियाँ व कार्य, जिसमे कार्यपालिका शक्तियाँ, विधायी शक्तियाँ, वित्तीय शक्तियाँ, न्यायिक शक्तियाँ, विवेकाधिकार शक्तियाँ, मुख्यमंत्री की नियुक्ति व विमुक्ति, आदि है।

विधानसभा की बैठक का आहवान, सत्रावसान व भंग करना, राज्यपाल का संबोधन, किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ रोकना, विधेयक पर हस्ताक्षर, सूचनाएँ प्राप्त करना आदि कार्य राज्यपाल द्वारा सम्पादित किये जाते है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: राज्यपाल की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) मुख्यमंत्री (द) निर्वाचन द्वारा ( )

प्रश्न 2: राज्यपाल का कार्यकाल कितने वर्ष का है ?

(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष

(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष ( )

प्रश्न 3: देश की प्रथम महिला राज्यपाल कौन थी ?

(अ) श्रीमती सरोजनी नायडू (ब) श्रीमती पदमजा नायडू

(स) श्रीमती एनी बीसेन्ट (द) श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

प्रश्न 4: विधानसभा की बैठक का आह्वान .... किया जाता है। (राज्यपाल / राष्ट्रपति)

प्रश्न 5: राज्य में मुख्यमंत्री की नियुक्ति....................... द्वारा की जाती है। (मुख्यमंत्री / प्रधानमंत्री)

प्रश्न 6: राज्यपाल की नियुक्ति हेतु .... आयु आवश्यक है। (35 वर्ष / 45 वर्ष)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: राज्यपाल को कितने प्रकार की शक्तियां प्राप्त हैं ?

प्रश्न 8: राज्यपाल पद के लिए आवश्यक योग्यताएं क्या हैं ?

प्रश्न 9: राजस्थान के वर्तमान राज्यपाल का नाम बताइये ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: ''राज्यपाल सोने के पिंजरे में बंद चिड़िया के समान है'' अपना दृष्टिकोण व्यक्त कीजिये।

प्रश्न 11: राज्यपाल की विधायी शक्तियों का परीक्षण कीजिये।

प्रश्न 12: क्या आप मानते हैं कि राज्यपालों द्वारा अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग किया गया ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: राज्यपाल की शक्तियों व कर्त्तव्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

अध्याय–12

मुख्यमंत्री–मंत्रिपरिषद : रचना एवं भूमिका

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे राज्य कार्यपालिका के मुखिया मुख्यमंत्री के बारे मे वर्णन है। केन्द्र में जो स्थान प्रधानमंत्री का है वही स्थान राज्य मे मुख्यमंत्री का है। इसमें मुख्यमंत्री की नियुक्ति, पदमुक्ति, भूमिका एवं कार्य इत्यादि का विस्तृत वर्णन है।

साथ ही मन्त्रिपरिषद के संगठन व कार्य, गठन, मुख्यमंत्री व मन्त्रिपरिषद व मंत्रिमण्डल, में अन्तर, मंत्रियो की योग्यता, नियुक्ति, शपथ ग्रहण, आकार, विभागों का वितरण, कार्यकाल, शक्तियाँ एवं कार्यों का भी वर्णन है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) राज्यपाल (द) मुख्य न्यायाधीश ( )

प्रश्न 2: राजस्थान के किस मुख्यमंत्री का कार्यकाल सबसे लम्बा रहा ?

(अ) मोहन लाल सुखाड़िया (ब) भैंरो सिंह शेखावत

(स) शिव चरण माथुर (द) अशोक गहलोत ( )

प्रश्न 3: देश की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थी ?

(अ) सुचेता कृपलानी (ब) सरोजनी नायडू

(स) विजयलक्ष्मी पण्डित (द) नन्दिनी सत्पथी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति की कीजिए–

प्रश्न 4: मन्त्रिपरिषद में मंत्रियों की ....श्रेणियाँ होती है (तीन / चार)

प्रश्न 5: विधानसभा के सदस्यों की संख्या के.................... प्रतिशत ही मन्त्री बनाये जा सकते है। (15 / 20)

प्रश्न 6: सामान्यतः मुख्यमंत्री का कार्यकाल .... वर्ष का होता है। (6 / 5)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7ः राज्यपाल द्वारा किस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है ?

प्रश्न 8ः राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थी ?

प्रश्न 9ः मुख्यमंत्री के कोई पाँच कार्य बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10ः मुख्यमंत्री पद के लिए आवश्यक योग्यताएं क्या हैं ?

प्रश्न 11ः मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद का गठन करते समय किन बातों का ध्यान रखता है ?

प्रश्न 12ः मुख्यमंत्री की सफलता के लिए कौनसे आवश्यक गुण होने चाहिए ?

अध्याय–13

राज्य सचिवालय : संगठन एवं कार्य

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय में राज्य सचिवालय का संगठन, सचिवालय के विभाग, शासन सचिवालय की भूमिका जिसमे (1) नीति निर्माण, (2) सूचना संग्रहण, (3) समन्वय, (4) नियम–निर्माण व नियंत्रण, (5) वियायी दायित्व, (6) कार्मिक प्रशासन इत्यादि पर प्रकाश डाला है। साथ ही सचिवालय की आन्तरिक कार्यप्रणाली व आलोचना का भी वर्णन हैं।

सचिवालय तथा प्रशासनिक सुधार पर भी प्रकाश डाला गया है। राजस्थान शासन सचिवालय की कमियों को दूर करने तथा सम्पूर्ण कार्यप्रणाली को अधिक कुशलता व तथा दक्षता प्रदान करने हेतु समय–समय पर प्रशासनिक सुधार समितियो का गठन किया जाता है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: राज्य सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कौन होता है ?

(अ) मुख्यमंत्री (ब) मुख्य सचिव

(स) विभागीय सचिव (द) विशिष्ट सचिव ()

प्रश्न 2: मुख्य सचिव निम्नलिखित में से किस सेवा का अधिकारी होता है ?

(अ) भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (ब) राजस्थान प्रशासनिक सेवाएं

(स) राजस्थान सचिवालय सेवाएं (द) अन्य विशिष्ट सेवाएं ( )

प्रश्न 3: बजट–निर्माण का कार्य करता है ?

(अ) वित्त मंत्रालय (ब) मुख्य सचिव

(स) मुख्यमंत्री (द) विशिष्ट सचिव ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: 1955 मे ....अनुभाग की रचना हुई। (संगठन तथा पद्धति/प्रशासनिक सुधार आयोग

प्रश्न 5: केबीनेट या राज्यमंत्री प्रत्येक विभाग का .... प्रमुख होता है। (राजनैतिक/प्रशासनिक)

प्रश्न 6: ''राजस्थान प्रशासनिक समिति'' का गठन .... मे किया गया। (1968 / 1963)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: शासन सचिवालय के राजनैतिक प्रमुख तथा प्रशासनिक प्रमुख कौन होते हैं ?

प्रश्न 8: अनुभाग अधिकारी किन सेवाओं के माध्यम से पद ग्रहण करता हैं ?

प्रश्न 9: राज्य सचिवालय किस प्रकार विधायी भूमिका निभाते हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: सचिवालय के संगठन का वर्णन कीजिये।

प्रश्न 11: सचिवालय स्टाफ क्या होता है ? लिखिये

प्रश्न 12: मुख्य सचिव के कार्यों का वर्णन कीजिये।

अध्याय–14

केन्द्रीय व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे भारतीय संघ स्तर पर संघीय व्यवस्थापिका का वर्णन किया है। भारतीय संसद राष्ट्रपति और लोकसभा व राज्यसभा मिलकर कहलाती है। इसमें राज्यसभा की संरचना के संगठन, निर्वाचन, सदस्यों की योग्यताएं, कार्यकाल, गणपूर्ति, पदाधिकारी उनके अधिकार, कार्य व शक्तियों का वर्णन है।

लोकसभा की संरचना, निर्वाचन, सदस्यता हेतु अर्हता, कार्यकाल, सत्र, सत्रावसान, विघटन, गणपूर्ति आदि के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष के कार्य एवं शक्तियाँ, लोकसभा की शक्तियाँ व कार्यों का वर्णन भी है।

संसद के दोनों सदनों की तुलनात्मक स्थिति, विधि निर्माण की प्रक्रिया, धन विधेयक व बजट निर्माण की प्रक्रिया को भी वर्णित किया गया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1ः संसद के दोनों सदनों में संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता जिसके द्वारा की जाती है, वह है ?

(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री

(स) उपराष्ट्रपति (द) राष्ट्रपति ( )

प्रश्न 2ः राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल होता है –

(अ) 5 वर्ष (ब) 6 वर्ष

(स) 4 वर्ष (द) अनिश्चित कार्यकाल ( )

प्रश्न 3ः राजस्थान राज्य से लोकसभा के सदस्य निर्वाचित होकर जाते हैं –

(अ) 30 सदस्य (ब) 54 सदस्य

(स) 25 सदस्य (द) 15 सदस्य ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: लोकसभा का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु .... वर्ष है। (25 / 35)

प्रश्न 5: राज्य सभा का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु .... वर्ष है (25 / 30)

प्रश्न 6: आपातकाल की घोषणा की स्वीकृति संसद के ....सदन की होना आवश्यक है। (एक / दोनों)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: राज्यसभा का सदस्य बनने हेतु न्यूनतम आयु है –

प्रश्न 8: लोकसभा में किस राज्य से सर्वाधिक सदस्य निर्वाचित होकर आते हैं एवं कितने आते हैं?

प्रश्न 9: देश की जनसंख्या में वृद्धि होते हुए भी लोकसभा की सदस्य संख्या में आगामी कौनसी जनगणना तक वृद्धि नहीं हो सकेगी –

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: राज्यसभा की ऐसी दो शक्तियां बताइये जो लोकसभा को प्राप्त नहीं है।

प्रश्न 11: लोकसभा अध्यक्ष के प्रमुख पाँच कार्य बताइये।

प्रश्न 12: लोकसभा सदस्यों की निर्वाचन प्रणाली की व्याख्या कीजिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: संघीय व्यवस्थापिक (संसद) की शक्तियों और कार्यों की विवेचना कीजिये।

अध्याय–15

राज्य व्यवस्थापिका : संरचना एवं भूमिका

पाठ का सारांश :–

केन्द्र की भाँति ही प्रत्येक राज्य के लिए एक विधानमण्डल की व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। जिसमे विधानसभा प्रमुख है। कुछ राज्यों में द्विसदनात्मक है व अधिकतर राज्यों में एक सदनीय विधानमण्डल है। इस अध्याय मे विधानसभा की संरचना एवं संगठन, निर्वाचन एवं सदस्यों की योग्यताएँ है, कार्यकाल, अधिवेशन आदि का वर्णन है। विधानसभा के पदाधिकारियों मे अध्यक्ष, अध्यक्ष के अधिकार तथा कार्य, विधानसभा की शक्तियाँ व कार्य आदि का वर्णन है।

विधानपरिषद का गठन एवं संरचना, सदस्यो का चुनाव, योग्यताएँ, अवधि, गणपूर्ति, पदाधिकारि, अधिकार व शक्तियों की भी विवेचना की गई है। अंत मे धन विधेयक की भी चर्चा की गई है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: राज्य में विधानमण्डल के उच्च सदन को कहा जाता है –

(अ) राज्यसभा (ब) विधानसभा

(स) विधान परिषद (द) लोकसभा ( )

प्रश्न 2: किसी भारतीय नागरिक को विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए कितनी न्यूनतम आयु पूर्ण करना आवश्यक है ?

(अ) 18 वर्ष (ब) 21 वर्ष

(स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष ( )

प्रश्न 3: भारत में वयस्क मताधिकार की आयु सीमा है –

(अ) 21 वर्ष (ब) 18 वर्ष

(स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष ( )

प्रश्न 4: विधानसभा का सदस्य बनने हेतु किसी व्यक्ति की न्यूनतम आयु सीमा है –

(अ) 30 वर्ष (ब) 25 वर्ष

(स) 21 वर्ष (द) 35 वर्ष ( )

रिक्त स्थानों की पूर्वि कीजिए–

प्रश्न 5: राज्य विधानसभा मे न्यूनतम .... तथा अधिकतम ....सदस्य हो सकते हैं। (60, 500 / 40, 400)

प्रश्न 6: दिल्ली विधानसभा की सदस्य संख्या .... है। (100 / 70)

प्रश्न 7: राजस्थान विधानसभा में की सदस्य संख्या .... है। (200 / 400)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 8: वर्तमान समय में भारत के किन–किन राज्यों में द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका है ?

प्रश्न 9: विधानसभा और विधान परिषद के कार्यकाल सम्बन्धी एक प्रमुख अन्तर बताइये।

प्रश्न 10: राजस्थान राज्य की विधानसभा सदस्यों की कुल संख्या कितनी है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 11: विधान परिषद के सदस्यों का निर्वाचन किस प्रकार किया जाता है ?

प्रश्न 12: विधान परिषद का सदस्य बनने हेतु क्या–क्या योग्यताएं होनी चाहिए ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

सप्रश्न 13: राज्य विधान सभाओं का गठन किस प्रकार होता है ? उसकी शक्तियां एवं कार्य बताइये।

अध्याय–16

लोक प्रशासन पर व्यवस्थापिका का नियन्त्रण

पाठ का सारांश :–

संघीय व्यवस्थापिका (संसद) संघ प्रशासन पर पूरा नियंत्रण रखती है। इस हेतु वह निम्न प्रकार के तरीके अपनाती है।

(1) प्रश्न पूछकर, (2) कामरोको प्रस्ताव एवं स्थगन प्रस्ताव, (3) राष्ट्रपति के भाषण पर वाद–विवाद, (4) बजट पर बाद विवाद, (5) वित्तीय नियंत्रण (6) जन महत्त्व के आवश्यक मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करना, (7) आधे घण्टे की चर्चा, (8) अविश्वास प्रस्ताव इत्यादि।

प्रस्तुत अध्याय मे उपरोक्त का वर्णन किया गया है। साथ ही व्यवस्थापिका के नियंत्रण की सीमाएं भी वर्णित की गई है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: व्यवस्थापिका द्वारा प्रशासन पर नियन्त्रण रखा जाता है –

(अ) प्रश्न पूछ कर (ब) अविश्वास प्रस्ताव द्वारा

(स) वित्तीय नियन्त्रण द्वारा (द) उपरोक्त सभी ( )

प्रश्न 2: वित्तीय नियन्त्रण करने वाली समिति है –

(अ) लोक लेखा समिति (ब) लोक प्रकल्लन समिति

(स) सरकारी सेवा उपक्रम सम्बन्धी समिति (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 3: व्यवस्थापिका में कौन–कौन होते हैं ?

(अ) राज्यसभा सदस्य (ब) लोकसभा सदस्य

(स) दोनों के सदस्य (द) दोनों ही नहीं ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: लोकसभा की प्रथम बैठक मे .... अपना अभिभाषण देता है। (प्रधानमंत्री / राष्ट्रपति)

प्रश्न 5: लोक लेखा समिति मे .... के दोनों सदनों के सदस्य होते है। (संसद / लोकसभा)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6: संसद में पूछे जाने वाले प्रश्नों को किन दो भागों में विभक्त किया गया है ?

प्रश्न 7: लोकसभा की प्राक्कलन समिति को किस दूसरे नाम से जाना जाता है ?

प्रश्न 8: मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव संसद के किस सदन द्वारा नहीं लाया जा सकता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9: लोकसभा की प्राक्कलन समिति के विषय में संक्षेप में बताइये।

प्रश्न 10: लोकसभा समिति के प्रमुख कार्य बताइये।

प्रश्न 11: जन महत्व के आवश्यक मामलों की ओर व्यवस्थापिका का ध्यान कैसे आकर्षित करते हैं?

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12: संघीय व्यवस्थापिका द्वारा कार्यपालिका पर नियन्त्रण किन–किन माध्यमों से रखा जाता है ? स्पष्ट कीजिये।

अध्याय–17

उच्चतम न्यायालय

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत पाठ मे न्याय की महत्ता को बताया गया है। इसमें न्यायपालिका के कार्यों का विस्तृत वर्णन है। न्यायपालिका का महत्व, भारतीय न्याय प्रणाली का पदसोपान, उच्चतम न्यायालय का संगठन, न्यायाधीशों की नियुक्ति, न्यायाधीशों की संख्या, न्यायाधीशों की योग्यताएँ, कार्यकाल, पदच्यूति व महाभियोग, वेतन तथा भते, कार्यवाही एवं गणपूर्ति, इत्यादि की चर्चा की गई है।

साथ ही सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ और अधिकार क्षेत्र– (1) प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार, (2) अपीलीय क्षेत्राधिकार, (3) परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार, (4) अभिलेख न्यायालय, (5) संविधान का रक्षक एवं मूल अधिकारों का प्रहरी, (6) अपील की विशेष आज्ञा, (7) अपमान के लिए दण्डित करने का अधिकार आदि का भी वर्णन किया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति किसके द्वार की जाती है ?

(अ) विधि मंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) संसद (द) प्रधानमंत्री ( )

प्रश्न 2: यदि राजस्थान व गुजरात के बीच कोई कानूनी विवाद खड़ा हो जाये तो उसकी सुनवायी कौनसा न्यायालय करेगा ?

(अ) राजस्थन उच्च न्यायालय (ब) गुजरात उच्च न्यायालय

(स) उच्चतम न्यायालय (द) तीसरे राज्य का न्यायालय ( )

प्रश्न 3: उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा निवृत्ति की आयु है –

(अ) 60 वर्ष (ब) 65 वर्ष

(स) 62 वर्ष (द) 58 वर्ष ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: कौटिल्य ने लिखा है कि प्रजा सोती है और ....जागता है। (न्याय / दण्ड)

प्रश्न 5: संविधान की सुरक्षा करने का कार्य .... द्वारा किया जाता है।

(न्यायपालिका / संसद)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6: भारत में एकीकृत न्याय व्यवस्था से क्या अर्थ है ?

प्रश्न 7: भारत का उच्चतम न्यायालय कहाँ स्थित है ?

प्रश्न 8: कम से कम कितने वर्ष तक उच्चतम न्यायालय के वकील रहने के बाद भारतीय नागरिक उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश चुना जा सकता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9: उच्चतम न्यायालय को एक अभिलेख न्यायालय क्यों कहा जाता है ?

प्रश्न 10: न्यायापालिका के दो महत्व लिखो।

प्रश्न 11: न्यायालय की अवमानना से क्या तात्पग्र है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

सप्रश्न 12: उच्चतम न्यायालय के संगठन, क्षेत्राधिकार एवं शक्तियों की व्याख्या कीजिये।

अध्याय–18

उच्च न्यायालय

पाठ का सारांश :–

भारतीय संविधान मे राज्य न्यायपालिका का भी उल्लेख किया गया है। प्रस्तुत अध्याय में उच्च न्यायालय का गठन, न्यायाधीशों की योग्यताएँ, कार्यकाल तथा पदच्युति, वेतन–भत्ते, क्षेत्राधिकार जिसमे– (1) प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार, (2) अपीलीय क्षेत्राधिकार, (3) अभिलेख न्यायालय, (4) अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण का अधिकारों का वर्णन किया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: राजस्थान उच्च न्यायालय का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?

(अ) जयपुर (ब) जोधपुर

(स) सवाईमाधोपुर (द) उदयपुर ( )

प्रश्न 2: राजस्थान उच्च न्यायालय की शाखा कहाँ स्थित है ?

(अ) बीकानेर (ब) जोधपुर

(स) जयपुर (द) अलवर ( )

प्रश्न 3: राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना कब की गई थी ?

(अ) 1949 (ब) 1950

(स) 1947 (द) 1960 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: संविधान के अनुच्छेद .... तक राज्य न्यायपालिका से सम्बन्धित है। (214 से 237 / 220 से 225)

प्रश्न 5: उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति .... के द्वारा की जाती है। (प्रधानमंत्री / राष्ट्रपति)

प्रश्न 6: उच्च न्यायालय के न्यायाधीश .... वर्ष की आयु तक अपने पद पर बने रह सकते है। (62 / 65)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में राज्यपाल की क्या भूमिका है ?

प्रश्न 8: उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीशों की संख्या कितनी हो सकती है ?

प्रश्न 9: उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को वेतन कहाँ से दिया जाता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में राज्यपाल की क्या भूमिका है ?

प्रश्न 11: राष्ट्रपति किसको उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बना सकता है ?

प्रश्न 12: उच्च न्यायालय में नियुक्ति के बारे में उच्चतम न्यायालय की क्या भूमिका है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: उच्च न्यायालय के कार्य एवं क्षेत्राधिकार का वर्णन कीजिये।

अध्याय–19

जिला स्तरीय एवं अधीनस्थ न्यायालय

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे हर जिले मे जिला स्तरीय एवं अधीनस्थ न्यायालयों की स्थापना की गई है। इस अध्याय मे इन्ही पर विस्तृत प्रकाश डाला है। साथ ही विभिन्न मुकदमों का वर्गीकरण किया है जो क्रमशः है– (1) दीवानी मुकदमें, (2) फौजदारी मुकदमे। जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय– (1) जिला न्यायालय (दीवानी न्यायालय), (2) सत्र न्यायालय या फौजदारी न्यायालय, (3) मालगुजारी न्यायालय/राजस्व न्यायालय।

उपरोक्त सभी का वर्णन प्रस्तुत अध्याय में किया गया है। जिला न्यायालय को दस हजार रुपये से अधिक का विवाद सुनने का क्षेत्राधिकार प्राप्त है। जिला न्यायालय के निर्णयों के विरुद्ध उच्च न्यायालय मे अपील की जा सकती है

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: जिला स्तरीय न्यायालय की स्थापना की जाती है ?

(अ) जिले में (ब) तहसील में

(स) ग्राम पंचायत में (द) ग्राम में ( )

प्रश्न 2: विवाह सम्बन्धी मुकदमे सुने जाते हैं –

(अ) जिला न्यायालय में (ब) सत्र न्यायालय में

(स) राजस्व मण्डल में (द) उच्चतम न्यायालय में ( )

प्रश्न 3: राजस्थान में राजस्व मण्डल की स्थापना कब की गई थी ?

(अ) 1956 (ब) 1960

(स) 1947 (द) 1950 ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

प्रश्न 4: राजस्व मण्डल में कम से कम .... सदस्ये होते है। (7/5)

प्रश्न 5: फौजदारी मामलों की सुनवाई के लिए ....का न्यायालय जिले में सबसे बड़ा

न्यायालय होता है। (सेशन जज/उच्च न्यायालय का न्यायाधीश)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6ः जिला न्यायालय किसे कहते हैं ?

प्रश्न 7ः सत्र न्यायालय में कौनसे मुकदमे सुने जाते हैं ?

प्रश्न 8ः भूमिकर सम्बन्धी मामेल सुने जाते हैं –

प्रश्न 9ः राजस्थान राजस्व मण्डल कहाँ स्थित है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10ः दीवानी मुकदमे किसे कहते हैं ?

प्रश्न 11ः फौजदारी मुकदमों की सुनवायी कहाँ की जाती है ?

निबन्धात्मक प्रश्न :

सप्रश्न 12ः जिला न्यायालय का गठन एवं शक्तियों का वर्णन कीजिये।

अध्याय–20

प्रशासन पर न्यायिक नियन्त्रण

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण का वर्णन किया गया है। न्यायपालिका सरकार का तीसरा एवं महत्त्वपूर्ण अंग है। इसके न्यायिक नियंत्रण के अवसर, न्यायिक नियंत्रण के साधन या प्रणालियों का वर्णन है तथा आवश्यकता पड़ने पर असाधारण उपचारों का भी प्रयोग किया जा सकता है, जनहित याचिका, न्यायिक सक्रियता का उद्‌भव एवं विकास, उसके विकास के चरण तथा न्यायिक सक्रियता की आलोचना को भी रेखांकित किया गया है। साथ ही न्यायिक नियंत्रण की सीमाओं को भी बताया है।

सारतः यह कहा जा सकता है कि लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना हेतु प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण अत्यधिक आवश्यक है

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: प्रशासन के कार्यों के अवैध घोषित करने का अधिकार है –

(अ) न्यायपालिका (ब) कार्यपालिका

(स) व्यवस्थापिका (द) राष्ट्रपति ( )

प्रश्न 2: यदि किसी को बन्दी बनाया गया हो तो न्यायालय कौनसा उपचार करता है ?

(अ) परमादेश (ब) निषेध

(स) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (द) उत्प्रेषण लेख ( )

प्रश्न 3: परमादेश का शाब्दिक अर्थ है –

(अ) प्रवेश देना (ब) आज्ञा देना

(स) मना करना (द) जारी रखना ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण ....एवं महत्त्वपूर्ण है। (अनावश्यक/आवश्यक)

प्रश्न 5: न्यायिक सक्रियता का प्रारम्भ .... से माना जाता है। (1978/1968)

प्रश्न 6: .... याचिका मे शिकायतकर्त्ता साधारण कागज पर सूचना लिखकर भेज सकता है। (जनहित / सिविल)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: न्यायिक नियन्त्रण क्यों आवश्यक है ?

प्रश्न 8: अधिकार क्षेत्र के अभाव से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 9: अधिकार पृच्छा का प्रयोग कब किया जाता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: बन्दी प्रत्यक्षीकरण का प्रयोग कब किया जाता है ?

प्रश्न 11: प्रतिषेध लेख का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

प्रश्न 12: जनहित याचिका का अर्थ स्पष्ट करें।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: न्यायिक सक्रियता का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

अध्याय–21

सम्भागीय आयुक्त एवं जिला प्रशासन पर पर्यवेक्षण

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत पाठ मे जिला प्रशासन का अर्थ, विकास एवं महत्त्व, लक्षण तथा जिला प्रशासन के संगठन का विस्तृत विवरण दिया है। जिसमे कानून व्यवस्था, राजस्व प्रशासन, विकास, प्रशासन इत्यादि का वर्णन है।

संभागीय आयुक्त संभाग स्तर का सर्वोच्च अधिकारी होता है। प्रत्येक संभाग मे कुछ जिले सम्मिलित किये जाते है। राजस्थान मे सात संभागों का विवरण है।

संभागीय आयक्त कार्यालय का संगठन, कार्य और विवेचना व मूल्यांकन किया गया है, जिसमे दोनों ही वर्गो मे मतभेद रहे।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: वर्तमान में राजस्थान में कितने जिले हैं ?

(अ) 28 (ब) 25

(स) 30 (द) 33 ( )

प्रश्न 2: राजस्थान में कितने संभाग बनाये गये हैं ?

(अ) 5 (ब) 4

(स) 7 (द) 3 ( )

प्रश्न 3: संभागीय आयुक्त निम्न में से कौनसा कार्य करने के लिए उत्तरदायी होता है –

(अ) राजस्व सम्बन्धी (ब) नियन्त्रण सम्बन्धी

(स) पर्यवेक्षण सम्बन्धी (द) उपर्युक्त सभी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: वैदिक काल मे .... गावों के ऊपर एक प्रशासनिक इकाई थी जो आज के जिलों के समकक्ष थी। (50 / 100)

प्रश्न 5: राजस्थान मे 25 वर्षों तक .... का पद समाप्त रहा। (कलेक्टर / संभागीय आयुक्त)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6: भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में ''जिला'' शब्द का प्रयोग किया गया है ?

प्रश्न 7: वर्तमान में राजस्थान में सृजित सात संभागों के नाम बताइये।

प्रश्न 8: संभागीय आयुक्त का प्रमुख कार्य बताइये।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9: जिला प्रशासन के महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10: संभागीय आयुक्त कार्यालय के संगठन को संक्षेप में बताइये।

प्रश्न 11: जिला प्रशासन की प्रमुख विशेषताएं बताइये।

अध्याय–22

जिला कलेक्टर

पाठ का सारांश :–

जिला कलेक्टर का पद 200 वर्षो से अधिक समय पहले बनाया गया था। जिसे 1988 तक जिलाधीश कहा जाता था। प्रस्तुत पाठ मे जिला कलेक्टर पद का विकास का वर्णन है जिसमे प्राचीनकाल, मुगलकाल, ब्रिटिशकाल व स्वतन्त्रता पश्चात के काल मुख्य है। जिला कलेक्टर की नियुक्ति, भूमिका, कार्यो आदि पर प्रकाश डाला है।

अंत मे जिला कलेक्टर की भूमिका की समीक्षा की गई है, जिसमे कार्यकाल की अनिश्चितता, राजनीतिक हस्तक्षेप, प्रोटोकोल, कार्यभार की अधिकता, न्यायिक कार्यों की पृथकता प्रमुख है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: जिला पुलिस प्रशासन का मुखिया होता है –

(अ) पुलिस अधीक्षक (ब) पुलिस निरीक्षक

(स) पुलिस महानिदेशक (द) पुलिस निदेशक ()

प्रश्न 2: चाणक्य द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रन्थ का नाम है –

(अ) चाणक्य शास्त्र (ब) अर्थशास्त्र

(स) मौर्य शास्त्र (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 3: जिला स्तर पर सरकार की भूमि का स्वामी होता है –

(अ) जिला प्रमुख (ब) अतिरिक्त जिला प्रमुख

(स) जिला कलेक्टर (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: जिला कलेक्टर का पद .... वर्षों से अधिक समय पुराना है। (100 / 200)

प्रश्न 5: जिला कलेक्टर को .... भी कहा जाता है। (जिला मजिस्ट्रेट / जिला जज)

प्रश्न 6: मुगलकाल मे जिला प्रशासन को .... कहा जाता था। (बादशाह / सरकार)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: ब्रिटिश काल में जिला कलेक्टर को किस नाम से जाना जाता था ?

प्रश्न 8: जिला कलेक्टर पद पर नियुक्त अधिकारी किस प्रशासनिक सेवा वर्ग से समबन्धित होता है?

प्रश्न 9: अंग्रेजी के शब्द 'कलेक्ट' का क्या तात्पर्य है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: जिला कलेक्टर की नियुक्ति सम्बन्धी प्रावधानों को बताइये।

प्रश्न 11: जिला कलेक्टर की जिला प्रशासन में भूमिका को संक्षेप में बताइये।

प्रश्न 12: एक दण्डनायक के रूप में जिला कलेक्टर किन शक्तियों का प्रयोग करता है ? स्पष्ट करें।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 13: जिला प्रशासन में जिला कलेक्टर की भूमिका व कार्यों का वर्णन कीजिये।

अध्याय–23

उपखण्ड एवं तहसील प्रशासन तंत्र

पाठ का सारांश :–

जिले के नियामकीय कार्य करने हेतु उपखण्ड, तहसील एवं पटवार क्षेत्र बनाए जाते है। उपखण्ड प्रशासन हेतु एक उपखण्ड अधिकारी नियुक्त किया जाता है। इस पाठ मे उपखण्ड आधिकारी की नियुक्ति, कार्यो, आदि का वर्णन है। तहसीलदार का पद भूमिका, कार्यो का भी वर्णन इस पाठ में किया गया है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: उपखण्ड अधिकारी की किस शक्ति के कारण उसे एस.डी.एम. कहा जाता है ?

(अ) न्यायिक शक्ति (ब) दण्डनायक की शक्ति

(स) प्रशासनिक शक्ति (द) उपर्युक्त सभी ()

प्रश्न 2: तहसील स्तर के समानान्तर किस स्तर की स्थापना की गई है ?

(अ) पटवार क्षेत्र (ब) विकास खण्ड

(स) उपखण्ड (द) उपर्युक्त सभी ( )

प्रश्न 3: तहसीलदार पद पर प्रत्यक्ष भर्ती पद्धति से कितने प्रतिशत पद भरे जाते हैं ?

(अ) 66 प्रतिशत (ब) 34 प्रतिशत

(स) 67 प्रतिशत (द) 36 प्रतिशत ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: तहसील कार्यालय का मुखिया ....कहलाता है। (तहसीलदार / हवलदार)

प्रश्न 5: एस.डी.ओ को व्यवस्था कायम करने के लिए .... शक्तियाँ भी दी जाती है। (लोक नायक / दण्डनायक)

प्रश्न 6: तहसील स्तर पर प्रमुख प्रशासकीय अधिकारी .... होता है। (एस.डी.ओ / तहसीलदार)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 7: भर्ती व प्रशिक्षण की दृष्टि से उपखण्ड अधिकारी किस प्रकृति का पद है ?

प्रश्न 8: किसी एक कानून का नाम बताइये जिसके अन्तर्गत तहसीलदार विभिन्न मुकदमों को सूनने का अधिकार रखता है ?

प्रश्न 9: उपखण्ड अधिकारी लोकसभा चुनाव में किस पदाधिकारी के रूप में कार्य करता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 10: उपखण्ड प्रशासन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 11: उपखण्ड अधिकारी के न्यायिक कार्यों को बताइये।

प्रश्न 12: तहसीलदार पद पर नियुक्ति सम्बन्धी प्रावधानों को बताइये।

अध्याय–24

पटवारी एवं ग्रामसेवक

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे पटवारी एवं ग्रामसेवक के पदों का विवरण दिया है। इसमें पटवारी के कार्य– (1) भू अभिलेख संबंधि कार्य, (2) राजस्व संग्रहण, (3) राजस्व अभियानों का संचालन, (4) भूमि सुधार, (5) समग्र ग्रामीण विकास, (6) आपातकालीन सहायता (7) सांख्यिकी सम्बन्धी कार्य आदि वर्णित है।

ग्राम सेवक की नियुक्ति, एवं कार्यो का वर्णन है जैसे– (1) अधिनियम की धारा 78(2) मे वर्णित कर्त्तव्य, (2) बैठकों के नोटिस, एजेन्डा व अनुपालना, (3) करो व फीस संबधित कार्यवाही, (4) अचल संपत्ति संबधी कार्यवाही, (5) निर्माण कार्यों संबधित कार्यवाही, (6) बजट एवं लेखा संबंधी कार्य इत्यादि का वर्णन है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: पटवारी के प्रशिक्षण की अवधि कितनी होती है ?

(अ) 6 माह (ब) 1 वर्ष

(स) 8 माह (द) 9 माह ()

प्रश्न 2: ग्राम सेवक को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) पंचायत सचिव (ब) सहायक सचिव

(स) पंचायत अधिकारी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

प्रश्न 3: पटवारी नाम पद कौनसे शासकों की देन है ?

(अ) मुस्लिम (ब) ब्रिटिश

(स) मौर्य (द) गुप्त ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: जिला स्तरीय राजस्व प्रशासन में .... सर्वाधिक महत्वपूर्ण कर्मचारी होता है।

(ग्रामसेवक / परवारी)

प्रश्न 5ः पटवारी मुख्य रूप से ....का कार्य करता है। (भू–अभिलेख संधारण व संरक्षण ⁄निर्माण कार्यों संबधि कार्य)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6ः सरकार की आय का प्रमुख स्त्रोत बताइये।

प्रश्न 7ः पटवारी के प्रशिक्षण देने वाले केन्द्रों के नाम बताइये।

प्रश्न 8ः पटवारी के स्थानान्तरण की शक्तियां किसके पास हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9ः ग्राम सेवकों की नियुक्ति सम्बन्धी प्रावधानों को बताइये।

प्रश्न 10ः पटवारी के भू–अभिलेख सम्बन्धी कार्यों को संक्षेप में समझाइए।

प्रश्न 11ः अचल सम्पत्ति सम्बन्धी कार्यवाही के संदर्भ में ग्राम सेवक की भूमिका पर टिप्पणी लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12ः ग्राम सेवक के कार्यों की विवेचना कीजिये।

अध्याय–25

राजस्थान में नगरीय प्रशासन

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे स्थानीय स्वशासन एवं स्थानीय प्रशासन मे अन्तर बताया है। स्थानीय शासन का महत्व बताते हुए भारत मे स्थानीय शासन का विकास, स्वतंत्र भारत मे स्थानीय शासन तथा साथ में राजस्थान मे नगरीय प्रशासन के बारे मे वर्णन किया गया है। नगरीय प्रशासन हेतु गठित सवैधानिक संस्थायें– नगर निगम, नगर निगम की एक परिषद, मेयर / महापौर, उपमहापौर या उप–मेयर, नगर आयुक्त, समितियों आदि का वर्णन है। नगर निगम के कार्य जिसमे अनिवार्य कार्य, ऐच्छिक कार्य, विशेष कार्य आदि का उल्लेख है। नगर परिषद / नगरपालिका बोर्ड की संरचना, कार्य, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष आयुक्त या अधिशाषी अधिकारी, समितियों का उल्लेख करते हुए उनके कार्यों का भी उल्लेख है जो नगर निगम के समान है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: भारत में स्थानीय शासन का जनक माना जाता है ?

(अ) लार्ड मेयो (ब) लार्ड कार्नवालिस

(स) लार्ड रिपन (द) लार्ड हेस्टिंग्स ( )

प्रश्न 2: नगरीय प्रशासन की सर्वोच्च इकाई है –

(अ) नगर परिषद (ब) नगर पालिका

(स) नगर निगम (द) नगर पालिका बोर्ड ( )

प्रश्न 3: नगरपालिका बोर्ड के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी को कहा जाता है ?

(अ) आयुक्त (ब) मुख्य पर्यवेक्षक

(स) अधिशाषी अधिकारी (द) कार्यकारी अधिकारी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

प्रश्न 4: भारत मे स्थानीय शासन का जनक .... को माना जाता है। (लार्ड रिपन / लार्ड मेयो)

प्रश्न 5: नगर पालिका बोर्ड के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी .... कहलाता है। (अधिशाषी अधिकारी / विकास अधिकारी)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6: स्थानीय शासन से सम्बन्धित लार्ड रिपन के प्रस्ताव को कहा जाता है ?

प्रश्न 7: नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता किसके द्वारा की जाती है ?

प्रश्न 8: नगर निगम में कितने प्रकार की समितियां होती हैं ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9: स्थानीय शासन के अर्थ को बताइये।

प्रश्न 10: स्थानीय शासन व स्थानीय स्वशासन में अन्तर बताइये।

प्रश्न 11: छावनी मण्डल क्या है ? समझाइये।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 12. राजस्थान में नगर निगम के संगठन व कार्यों को समझाइये।

प्रश्न 13. राजस्थान राज्य के संदर्भ में नगर परिषद की संरचना व कार्यों पर एक निबंध लिखिए।

अध्याय–26

राजस्थान में पंचायती राज

पाठ का सारांश :–

प्रस्तुत अध्याय मे राजस्थान मे पंचायती राज के बारे मे वर्णन किया है। यह 73वें संविधान संशोधन द्वारा त्रिस्तरीय व्यवस्था के आधार पर नवीन पंचायतीराज अधिनियम 1994 बनाया गया जिसमे चार संस्थाओं का वर्णन किया गया है– (1) जिला परिषद, (2) पंचायत समिति, (3) ग्राम पंचायत, (4) ग्राम सभा। इसमें जिला प्रमुख की शक्तियां एवं कार्य, बैठके, गणपूर्ति एवं प्रक्रिया, समितियां, आन्तरिक प्रशासन। पंचायत समिति की संरचना, परिषद, सदस्यो, समितियों व आंतरिक ग्राम पंचायत के प्रमुख सरपंच, उसकी शक्तियां एव कार्यो आदि का वर्णन है।

बहुचयनात्मक प्रश्न :

प्रश्न 1: बलवन्त राय मेहता समिति ने अपना प्रतिवेदन किस वर्ष प्रस्तुत किया था ?

(अ) 1950 (ब) 1952

(स) 1958 (द) 1962 ( )

प्रश्न 2: वर्तमान में राजस्थान में कितनी पंचायत समितियां हैं –

(अ) 236 (ब) 235

(स) 237 (द) 232 ( )

प्रश्न 3: ग्राम पंचायत की परिषद के मुखिया को किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) प्रधान (ब) सरपंच

(स) ग्राम प्रमुख (द) ग्राम सेवक ( )

रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 4: ग्राम सभा की बैठके वर्ष में .... बार आयोजित की जाती है। (2/4)

प्रश्न 5: अनुच्छेद .... में ग्राम पंचायतों के गठन का निर्देश है। (30/40)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 6ः सर्वप्रथम किस राज्य ने पंचायती राज व्यवस्था को अपनाया ?

प्रश्न 7ः जिला परिषद के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी को किस नाम से जाना जाता है ?

प्रश्न 8ः ग्राम सभा की वर्ष में कितनी बार बैठकें होने का प्रावधान है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न :

प्रश्न 9ः 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को संक्षेप में बताइये।

प्रश्न 10ः ग्राम सभा की भूमिका का मूल्यांकन संक्षेप में कीजिये।

प्रश्न 11ः पंचायत समिति में विकास अधिकारी की भूमिका पर टिप्पणी कीजिये।

निबन्धात्मक प्रश्न :

प्रश्न 12ः ग्राम पंचायत के संगठन व कार्यों का विश्लेषण कीजिये।

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर एवं **CWSN** प्रथम वर्ग)

परीक्षा– 2023–24

पाठ्यक्रम,मॉडल प्रश्न पत्र एवं प्रश्न बैंक

कक्षा–11

विषय : समाजशास्त्र

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा प्रकाशित अधिकृत प्रश्न बैंक

2023–24

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर

पाठ्यक्रम 2023–24
कक्षा–11
विषय समाजशास्त्र

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–			
प्रश्न पत्र	समय (घंटे)	प्रश्न पत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	4:15	100	100

भाग–I समाजशास्त्र : परिचय

अध्याय संख्या	**अध्याय का नाम**	**अंक**
अध्याय–1	समाजशास्त्र एवं समाज	10
अध्याय–2	समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली,संकल्पनाएँ एवं उनका उपयोग	10
अध्याय–3	सामाजिक संस्थाओं को समझना	10
अध्याय–4	संस्कृति तथा समाजीकरण	10
अध्याय–5	समाजशास्त्र–अनुसंधान पद्धतियाँ	10

भाग–IIसमाजशास्त्र का बोध

अध्याय–6	समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रियाएँ	10
अध्याय–7	ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था	10
अध्याय–8	पर्यावरण और समाज	10
अध्याय–9	पाश्चात्य समाजशास्त्री–एक परिचय	10
अध्याय–10	भारतीय समाजशास्त्री	10
योग		**100**

भाग–I समाजशास्त्र : परिचय

अध्याय–1 समाजशास्त्र एवं समाज 10

समाजशास्त्रीय कल्पनाएँ: व्यक्तिगत समस्याएँ एवं जनहित के मुद्दे, समाजों में बहुलताएँ एवं असमानताएँ, समाजशास्त्र का परिचय, समाजशास्त्र और सामान्य बौद्धिक ज्ञान, बौद्धिक विचार जिनकी समाजशास्त्र की रचना में भूमिका है, भौतिक मुद्दे जिनकी समाजशास्त्र की रचना में भूमिका है, हमें यूरोप में समाजशास्त्र के आरंभ और विकास को क्यों पढ़ना चाहिए? भारत में समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र का विषय क्षेत्र एव अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध, समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र एवं इतिहास, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान, समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानव विज्ञान के साथ।

अध्याय–2 समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली संकल्पनाएँ एवं उनका उपयोग 10

सामाजिक समूह एवं समाज, समूहों के प्रकार, प्राथमिक और द्वितीयक सामाजिक समूह, समुदाय एवं संघ, अंतः समूह एवं बाह्य समूह, संदर्भ समूह, समवयस्क समूह, सामाजिक स्तरीकरण, जाति, वर्ग, प्रास्थिति और भूमिका, समाज व सामाजिक नियंत्रण।

अध्याय–3 सामाजिक संस्थाओं को समझना

10

परिवार, विवाह और नातेदारी, परिवार के स्वरूपों में परिवर्तन, परिवार किस तरह लिंगवादी है, विवाह संस्था, विवाह के रूप, अन्तर्विवाह और बहिर्विवाह, कार्य और आर्थिक जीवन, कार्य के आधुनिक रूप और श्रम विभाजन, कार्य रूपांतरण, राजनीति, राज्यविहीन समाज, राज्य की संकल्पना, धर्म, शिक्षा।

अध्याय–4 संस्कृति तथा समाजीकरण 10

विविध परिवेश, विभिन्न संस्कृतियाँ, संस्कृति की परिभाषा, संस्कृति के आयाम, संस्कृति के संज्ञानात्मक पक्ष, संस्कृति के मानवीय पक्ष, संस्कृति के भैतिक पक्ष,संस्कृति तथा पहचान, नृजातिकेन्द्रवाद, सांस्कृतिक परिवर्तन, समाजीकरण, समाजीकरण के अभिकरण।

अध्याय–5 समाजशास्त्र–अनुसंधान पद्धतियाँ 10

कुछ पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे, समाजशास्त्र में वस्तुनिष्ठता तथा व्यक्तिपरकता, बहुविधि पद्धतियाँ तथा पद्धतियों का चयन, सामाजिक मानवविज्ञान मे क्षेत्रीय कार्य, समाज शास्त्र मे क्षेत्रीय कार्य, सर्वेक्षण, साक्षात्कार।

भाग–IIसमाजशास्त्र का बोध

अध्याय–1 समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रिया 10

सामाजिक संरचना तथा सामाजिक स्तरीकरण, समाजशास्त्र में सामाजिक प्रक्रियाओं को समझने के दो तरीके सहयोग तथा श्रम विभाजन, प्रतिस्पर्धा–अवधारणा एवं व्यवहार के रूप में संघर्ष तथा सहयोग।

अध्याय–2 ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था 10

सामाजिक परिवर्तन, पर्यावरण, तकनीक तथा अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था, प्रभाव, सत्ता तथा कानून, विवाद (संघर्ष), अपराध तथा हिंसा, गांव, कस्बों और नगरों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, नगरीय क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन।

अध्याय–3 पर्यावरण और समाज 10

पारिस्थितिकी, सामाजिक पर्यावरण, सामाजिक संगठन, सामाजिक मूल्य व प्रतिमान, पर्यावरण तथा समाज के संबंधों को कई भिन्न परिप्रेक्ष्यों में देखा जा सकता है, पर्यावरण की प्रमुख समस्याएँ और जोखिम, सतत् विकास।

अध्याय–4 पाश्चात्य समाजशास्त्री–एक परिचय 10

समाजशास्त्र का संदर्भ, ज्ञानोदय, फ्रांसिसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, वर्ग संघर्ष,दुर्खाइम की समाजशास्त्रीय दृष्टि, समाज में श्रम–विभाजन, मैक्स वेबर और व्याख्यात्मक समाजशास्त्र,नौकरशाही।

अध्याय–5 भारतीय समाजशास्त्री 10

जाति तथा प्रजाति पर घूर्ये के विचार, परंपरा एवं परिवर्तन पर डी.पी. मुखर्जी के विचार, राज्य पर ए.आर. देसाई के विचार , एम.एन. श्रीनिवास के गाँव संबंधी विचार।

निर्धारित पुस्तक – 1. समाज का बोध – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

2. समाज शास्त्र परिचय – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

अनुक्रमणिका

भाग–I समाजशास्त्र : परिचय

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम
अध्याय–1	समाजशास्त्र एवं समाज
अध्याय–2	समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली,संकल्पनाएँ एवं उनका उपयोग
अध्याय–3	सामाजिक संस्थाओं को समझना
अध्याय–4	संस्कृति तथा समाजीकरण
अध्याय–5	समाजशास्त्र–अनुसंधान पद्धतियाँ

भाग–IIसमाजशास्त्र का बोध

अध्याय–6	समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रियाएँ
अध्याय–7	ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था
अध्याय–8	पर्यावरण और समाज
अध्याय–9	पाश्चात्य समाजशास्त्री–एक परिचय
अध्याय–10	भारतीय समाजशास्त्री

मॉडल प्रश्न पत्र 2023–24
कक्षा–11
विषय–समाजशास्त्र

समय :– 4:15 घण्टे पूर्णांकः–100

परीक्षार्थियो के लिए सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांकन अनिवार्यतः लिखे।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखे।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड(विकल्पात्मक)है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखे।

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
अ	I–X	1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
ब	1–15	2	10 शब्द
स	16–23	3	20 शब्द
द	24–27	4	40 शब्द
य	28–31	5	100 शब्द

खण्ड(अ)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–1X10=10 अंक

{ i} समाजशास्त्र का संस्थापक समझा जाता है–
(अ) ऑगस्ट कॉम्टे (ब) एमिल दुर्खीम
(स) कार्ल मार्क्स (द) मैक्सवेबर ( )

{ ii } समाजशास्त्र की प्रकृति है–
(अ) वैज्ञानिक (ब) अवैज्ञानिक
(स) अमानवीय (द) असामाजिक ( )

{ iii } द्वितीयक समूह का उदाहरण है–
(अ) परिवार (ब) ग्राम
(स) मित्र–मण्डली (द) सरकारी कार्यालय ( )

{ iv } प्राचीन काल में भारत में बालक शिक्षा प्राप्त करता था–
(अ) विश्वविद्यालय में (ब) महाविद्यालय में
(स) विद्यालय में (द) गुरुकुल में ( )

{ v } सामाजीकरण की प्रक्रिया में कौनसी प्राथमिक संस्था सबसे महत्वपूर्ण है–
(अ) समाज (ब) परिवार
(द) मित्र–मण्डली (द) पड़ौस ( )

{ vi } वह सिद्धान्त अथवा चितन जो समूह के स्थान पर व्यक्तियों की स्वायतता को महत्व देता है,कहलाता है –

(अ) समाजवाद (ब) साम्यवाद
(स) व्यक्तिवाद (द)समूहवाद ( )

{ vii } मानव निर्मित पर्यावरण विनाश का उदाहरण है–

(अ) 1984 की भोपाल गैस रिसाव आपदा (ब) भूकम्प
(स) ज्वालामुखी (द) मरुस्थलीकरण ( )

{ viii } सामाजिक तथ्यों की अवधारणा को प्रदिपादित किया –

(अ) दुर्खीम ने (ब) वेबर ने
(स) मार्क्स ने (द) स्पेंसर ने ( )

{ ix } लालफीताशाही शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता है–

(अ) आधुनिकीकरण (ब) नौकरशाही
(स) उदारीकरण (द) नगरीकरण ( )

{ x } 'कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया' पुस्तक के लेखक है–

(अ) शरतचन्द रॉय (ब) जी. एस. धुर्ये
(स) एम. एन. श्रीनिवास (द) डी.पी. मुकर्जी ( )

खण्ड(ब)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–2X15=30अंक

प्रश्न 1. भारत में सर्वप्रथम समाजशास्त्र का अध्यापन कब और कहाँ प्रारम्भ हुआ?
प्रश्न 2. समाजशास्त्र में आनुभविक अन्वेषण से क्या आशय है ?
प्रश्न 3. सामाजिक नियंत्रण के दो रुप लिखिए।
प्रश्न 4. प्राथमिक समूह से क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न 5. परिवार किसे कहते है ?
प्रश्न 6. किन्हीं दो औपचारिक सामाजिक संस्थाओं के नाम लिखिए ?
प्रश्न 7. सांस्कृतिक विकासवाद क्या है ?
प्रश्न 8. संस्कृति की दो विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न 9. सहभागी प्रेक्षण क्या है ?
प्रश्न 10. सामाजिक संरचना से क्या आशय है ?
प्रश्न 11. सामाजिक स्तरीकरण से क्या अभिप्राय है ?
प्रश्न 12.सामाजिक परिवर्तन किसे कहते है ?
प्रश्न 13. पारिस्थितिकी से क्या अभिप्राय है ?
प्रश्न 14. सामाजिक तथ्य क्या है ?
प्रश्न 15. समायोजन से क्या आशय है ?

खण्ड(स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-I)3X8=24अंक

प्रश्न 16. समाजशास्त्र और मनोविज्ञान मे अन्तर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 17. संख्या के आधार पर परिवार का वर्गीकरण कीजिए ?

प्रश्न 18. संयुक्त परिवार से क्या आशय है ?
प्रश्न 19. श्रम–विभाजन को स्पष्ट कीजिए ?
प्रश्न 20. भारतीय ग्रामीण समाज की विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न 21. सामाजिक पर्यावरण का उद्‌भव कैसे होता है ?
प्रश्न 22. समाजशास्त्र के क्षेत्र में डी.पी. मुकर्जी का योगदान लिखिए।
प्रश्न 23. जीवन परम्परा से क्या तात्पर्य है ?

खण्ड(द)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (SA-II)4X4=16अंक

प्रश्न 24. समाजशास्त्र के विषय क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 25. सहभागी प्रेक्षण (अवलोकन) का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 26. यांत्रिक एकता को समझाइये।
प्रश्न 27. वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड(य)

निबन्धात्मक प्रश्न–5X4=20 अंक

प्रश्न 28. सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता (महत्व) पर प्रकाश डालिए।

अथवा

औपचारिक तथा अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण के बीच अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 29. संस्कृति का अर्थ एवं परिभाषा लिखते हुए इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

सांस्कृतिक परिवर्तन से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 30. सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

ग्रामीण तथा नगरीय समाज का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

प्रश्न 31. यांत्रिक एकता और सावयवी एकता में क्या अन्तर है ?

अथवा

मैक्सवेबर द्वारा प्रदत आदर्श प्रारूप की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

भाग–I समाजशास्त्र : परिचय

अध्याय–1 समाजशास्त्र एवं समाज

व्यक्ति और समाज एक दूसरे से घनिष्ठ रुप से सम्बंधित है।समाजशास्त्रीय संकल्पना हमें इतिहास और जीवन कथा को समझने एवं समाज में इन दोनों के सम्बंध को समझाने में सहायता करती है। समाजशास्त्र मानव समाज का एक अन्तः सम्बन्धित समग्र के रूप में अध्ययन करता है। समाजशास्त्रीय अध्ययन का विषय–क्षेत्र काफी व्यापक है। वर्तमान में अनेक परिवर्तनों ने समाजशास्त्र और सामाजिक मानव–विज्ञान की प्रकृति को पुनः परिभाषित किया है। समाजशास्त्र सामाजिक विज्ञानों के समूह काएक हिस्सा है जिसमें मानव–विज्ञान अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं इतिहास शामिल है ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. समाजशास्त्रीय दृष्टि से समकालीन गरीबी का कारण है–
   (अ) वर्ग–समाज में असमानता की संरचना का होना ।
   (ब) काम से जी चुराना।
   (स) परिवार का उचित बजट बनाने में अयोग्य होना।
   (द) कार्य के लिए स्थानान्तरण से डरना। ( )
2. समाजशास्त्र का संस्थापक समझा जाता है–
   (अ) ऑगस्ट कॉम्टे को (ब) एमिल दुर्खीम को
   (स) कार्ल मार्क्स को (द) मैक्सवेबर को ( )
3. भारत में समाजशास्त्र की वास्तविक शुरुआत कब से मानी जाती है ?
   (अ) सन् 1890 (ब) सन् 2000
   (स) सन् 1919 (द) सन् 1900 ( )
4. समाजशास्त्र की प्रकृति है –
   (अ) वैज्ञानिक (ब) अवैज्ञानिक
   (स) अमानवीय (द) असामाजिक ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. समाजशास्त्रीय कल्पना का मुख्य कार्य क्या है ?

प्रश्न 2. गिडिंग्स ने समाजशास्त्र की क्या परिभाषा दी है ?

प्रश्न 3. अमर्त्य सेन ने भारतीय समाज में व्याप्त किन–किन असमानताओं का उल्लेख किया है ?

प्रश्न 4. समाजशास्त्र का मुख्य सरोकार किस चीज से है?

प्रश्न 5. भारत में सर्वप्रथम समाजशास्त्र का अध्यापन कब और कहाँ प्रारम्भ हुआ?

प्रश्न 6. सी.राइट मिल्स समाजशास्त्रीय कल्पनाओं पर अपनी दृष्टि किस बात पर टिकाते है?

प्रश्न 7. समाजशास्त्र में आनुभविक अन्वेषण से क्या आशय है?

प्रश्न 8. भारत के किन तीन विश्वविद्यालय में समाजशास्त्रियों की प्रथम पीढ़ी तैयार हुई?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 9. भारत में समाजशास्त्र के विकास में पाश्चात्य समाजशास्त्र से भिन्नता के दो तथ्य बताइये।

प्रश्न 10. नारीवादी सिद्धान्त से क्या आशय है?

प्रश्न 11. समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र में क्या अन्तर है?लिखिए।

प्रश्न 12. मनोविज्ञान से क्या आशय है?

प्रश्न 13. समाजशास्त्र और इतिहास का सम्बन्ध लिखिए।

प्रश्न 14. समाजशास्त्र और मनोविज्ञान में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. स्पष्ट कीजिए कि समाजशास्त्र समाज का विधिवत अध्ययन है?

प्रश्न 16. समाजशास्त्र के विषय क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. समाजशास्त्रीय उपागम से क्या आशय है?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 18. समाजशास्त्र का अर्थ एवं परिप्रेक्ष्य बताते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अध्याय–2 समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली संकल्पनाएॅ एवं उनका उपयोग

समाजशास्त्र में हम संकल्पनाओं और वर्गीकरण का प्रयोग करते हैं और साथ–साथ इनको निरन्तर जाँचते भी हैं। एक ही सामाजिक वस्तु के बारे में विभिन्न संकल्पनाएॅ हो सकती है,जैसे संघर्षवादी सिद्धान्त बनाम प्रकार्यवादी सिद्धान्त। उपागमो की यह बहुलता समाजशास्त्र की विशेषता है क्योंकि समाज स्वयं विविध रूपों में हैं। समाजशास्त्र मानव के सामाजिक जीवन का अध्ययन है और मानव अपने सामाजिक जीवन में परस्पर अन्तः क्रिया करते है। संवाद करता है और सामाजिक सामूहिकता को बनाता है। सामाजिक समूह, समुदाय, प्रस्थिति एवं भूमिका समाजशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र के प्रमुख बिन्दु हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. व्यक्ति के साथ आरम्भ होने वाली संकल्पना है–
   (अ) प्रस्थिति और भूमिका (ब) सामाजिक स्तरीकरण ( )
   (स) सामाजिक नियंत्रण (द) सामाजिक परिवर्तन
2. निम्न में से कौनसा अर्द्ध–समूह का उदाहरण नहीं है–
   (अ) भीड़ (ब) परिवार ( )
   (स) प्रस्थिति समूह(द) आयु एवं लिंग समूह
3. द्वितीयक समूह का उदाहरण है–
   (अ) परिवार (ब) ग्राम ( )
   (स) मित्र–मण्डली (द) सरकारी कार्यालय
4. निम्ननलिखित में से कौनसा औपचारिक सामाजिक नियंत्रण का साधन है–
   (अ) परिवार (ब) जनरीतियाँ ( )
   (स) कानून (द) धर्म

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. एक सामाजिक समूह से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 2. समुदाय के आवश्यक तत्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3. प्राथमिक समूह से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 4. संदर्भ समूह कौनसे होते है?

प्रश्न 5. भूमिका–पालन या भूमिका निभाना क्या है?

प्रश्न 6. सामाजिक नियंत्रण के दो स्वरुप लिखिए।

प्रश्न 7. जनरीतियाँ क्या है ?

प्रश्न 8. विचलन से क्या आशय है ?

प्रश्न 9. अनौपचारिक नियंत्रण के साधन कौनसे है ?

प्रश्न 10. अर्द्ध समूह से क्या तात्पर्य है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. प्रकार्यवादी सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. सामाजिक नियंत्रण का अर्थ समझाइये।

प्रश्न 13. प्राथमिक समूह की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 14. समुदाय और समाज में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. जाति की विशेष्ताएँ लिखिए।

प्रश्न 16. सामाजिक नियंत्रण के संघर्षवादी सिद्धान्त को समझाइये।

प्रश्न 17. द्वितीयक समूह की विशेषताएँ लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 18. सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता (महत्व) पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 19. औपचारिक तथा अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–3 सामाजिक संस्थाओं को समझना

एक प्रकार्यवादी दृष्टिकोणसामाजिक संस्थाओं को मानको आस्थाओं, मूल्यों और समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्मित संबंधों की भूमिका के जटिल ताने–बाने के रूप में देखता है। अतः सामाजिक संस्थाएँ सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विद्यमान होती है। इस प्रकार समाज में औपचारिक और अनौपचारिक सामाजिक संस्थाएँ देखने को मिलती है। परिवार और धर्म अनौपचारिक संस्थाएँ है जबकि कानून और शिक्षा औपचारिक सामाजिक संस्थाएँ है। शिक्षा जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें सीखने की औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की संस्थाएँ शामिल है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. आधुनिक समय में कौनसे प्रकार के विवाह का चलन सर्वाधिक पाया जाता है–

   (अ) एक विवाह (ब) बहुपति विवाह ( )

   (स) समूह विवाह (द) बहुपत्नि विवाह

2. ऐसे परिवार जिनमें परिवार की सत्ता पुरुषों में निहित होती है,कहलाते है–

   (अ) मातृसत्तात्मक (ब) मातृवंशीय

   (स) पितृसत्तात्मक (द) मातृमार्गीय ( )

3. जब कोई व्यक्ति अपने समूह से बाहर विवाह करता है तो इसे कहा जाता है–

   (अ) अन्तर्विवाह (ब) बहिर्विवाह ( )

   (स) जाति–विवाह (द) समूह विवाह

4. प्राचीन काल में भारत में बालक शिक्षा प्राप्त करता था –

   (अ) विश्वविद्यालयमें (ब) महाविद्यालय में

   (स) विद्यालयों में (द) गुरुकुल में ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. परिवार किसे कहते है ?

प्रश्न 2. किन्ही दो अनौपचारिक सामाजिक संस्थाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 3. विवाह को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 4. मातृस्थानिक परिवार से क्या आशय है ?

प्रश्न 5. बहिर्विवाह से क्या आशय है ?

प्रश्न 6. सत्ता क्या है ?

प्रश्न 7. शिक्षा से क्या आशय है ?

प्रश्न 8. संस्था किसे कहते है ?

प्रश्न 9. राज्य विहिन समाज से क्या आशय है ?

प्रश्न 10. किन्ही दो औपचारिक सामाजिक संस्थाओं के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. परिवार के कोई दो कार्य लिखिए।

प्रश्न 12. संख्या के आधार पर परिवार का वर्गीकरण कीजिए।

प्रश्न 13. संयुक्त परिवार से क्या आशय है ?

प्रश्न 14. समाजशास्त्र के राजनीतिक क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. शिक्षा के प्रकार्यवादी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 16. परिवार की पाँच विशेषताएँ लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. विवाह से आप क्या समझते है ? इसके उद्देश्य बताइये।

प्रश्न 18. परिवार को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं को लिखिए।

अध्याय–4 संस्कृति तथा समाजीकरण

संस्कृति एक सामान्य समझ है जिसको समाज में अन्य व्यक्तियों के साथ सामाजिक अन्तःक्रिया के माध्यम से सीखा और विकसित किया जाता है। यह सामान्य समझ किसी भी समूह को दूसरे समूह से अलग करती है। संस्कृति सदा परिवर्तनशील तथा विकसित होती रहती है। सामान्यतः संस्कृति शब्द का प्रयोग शास्त्रीय संगीत, नृत्य तथा चित्रकला में परिष्कृत रूचि का ज्ञान प्राप्त करने के संदर्भ मे किया जाता है। यह परिष्कृत रूचि लोगों को 'असांस्कृतिक' आम लोगो से अलग करने के लिए रखी गई थी। समाजशास्त्री संस्कृति को जीवन जीने का एक तरीका मानते है जिसमें समाज के सभी सदस्य भाग लेते है। प्रत्येक सामाजिक संस्था अपनी स्वयं की संस्कृति का विकास करती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भौतिक संस्कृति में गुण होता है–
   (अ) स्थिरता का (ब) अमूर्तता
   (स) जटिलता का (द) परिवर्तनशीलता का ( )
2. सांस्कृतिक पर्यावरण निर्मित है–
   (अ) प्राकृतिक दशाओं द्वारा (ब) अलौकिक शक्तियों द्वारा
   (स) मनुष्य द्वारा (द) धार्मिक विश्वासों द्वारा ( )
3. समाजीकरण की प्रक्रिया में कौनसी प्राथमिक संस्था सबसे महत्वपूर्ण है–
   (अ) समाज (ब) परिवार
   (स) मित्र–मण्डली (द) पड़ौस ( )
4. संस्कृति के मानवीय पक्ष से सम्बन्धित है–
   (अ) प्रथाएँ तथा कानून (ब) यातायात के साधन
   (स) औजार तथा तकनीक (द) यंत्र एवं भवन ( )
5. निम्न में से जो समाजीकरण की प्राथमिक संस्था है,वह है–
   (अ) शिक्षण संस्था (ब) मित्र–समूह
   (स) व्यावसायिक समूह (द) सांस्कृतिक संस्थाएँ ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. सामान्य बोलचाल में संस्कृति से आप क्या आशय है ?
प्रश्न 2. सांस्कृतिक विकासवाद क्या है ?
प्रश्न 3. उप संस्कृति से क्या आशय है ?
प्रश्न 4. संस्कृति के तीन प्रचलित आयामों के नाम लिखिए।
प्रश्न 5. सांस्कृतिक परिवर्तन क्या है ?
प्रश्न 6. संस्कृति की दो विशेषताएँ लिखिए।
प्रश्न 7. समाजीकरण का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
प्रश्न 8. भौतिक एवं अभौतिक संस्कृति के कोई दो–दो उदाहरण लिखिए।
प्रश्न 9. समाजीकरण के किन्ही चार अभिकरणों के नाम लिखिए।
प्रश्न 10. संस्कृति के मानकीय पक्ष में किन्हें शामिल किया जाता है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. भौतिक संस्कृति से क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न 12. संस्कृति की चार विशेष्ताएँ लिखिए।

प्रश्न 13. संस्कृति के संज्ञानात्मक आयाम से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 14. भौतिक एवं अभौतिक संस्कृति में अन्तर बताइये।

प्रश्न 15. समाजीकरण की प्रकिया का अर्थ बताइये।

प्रश्न 16. "समाजीकरण की प्रकिया जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रकिया है।" कैसे? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. संस्कृति के तीन मुख्य आयाम बताइये।

प्रश्न 18. संस्कृति के दो मुख्य भाग कौन–से है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 19. संस्कृति का अर्थ एवं परिभाषा लिखते हुए इसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 20. सांस्कृतिक परिवर्तन से आप क्या समझते है ? इसके प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

अध्याय–5 समाजशास्त्र–अनुसंधान पद्धतियाँ

समाजशास्त्र की लोगों के जीवन अनुभवों में गहरी रूचि है। समाजशास्त्री सिर्फ प्रेक्षणीय लोगों का प्रेक्षण ही नहीं करते बल्कि इसमें शामिल लोगों की भावनाओं तथा विचारों को भी जानने का प्रयत्न करते है। वे विश्वको उनकी आँखो से देखना चाहते है। समाजशास्त्र में अध्ययन पद्धतियों को विशेष महत्व दिया जाता है क्योंकि इसमें अध्ययन में शामिल लोगों तथा अध्ययन में शामिल नहीं लोगो के विचारो को समझने की आवश्यकता होती है। पद्धति शास्त्र शब्द का आशय अध्ययन की पद्धति से है। इसमें उन तरीकों को भी सम्मिलित किया जाता है जिसमें समाजशास्त्री को वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त होता है। समाजशास्त्र में अनेक पद्धतियाँ है। प्रत्येक पद्धति का अपना महत्व एवं सीमाएँ है।

व्स्तुनिष्ठ प्रश्न

1. तथ्य संकलन की वह प्रविधि जिसमें व्यक्तिगत सम्पर्क नहीं होता है,वह है–
   (अ) प्रश्नावली (ब) साक्षात्कार
   (स) अनुसूची (द) अवलोकन ( )
2. निम्न में जो सहभागी अवलोकन का गुण है,वह है–
   (अ) अत्यधिक खर्चीली प्रणाली (ब) प्रत्यक्ष तथा सरल अध्ययन
   (स) वस्तुनिष्ठता संभव नही (द) समूह के व्यवहार में परिवर्तन का अध्ययन ( )
3. 'द गोल्डन बाग' पुस्तक के लेखक है–
   (अ) एमिल दुर्खीम (ब) जेम्स फ्रेजर
   (स) ब्रोनिलस्लाव मैलिनोवस्की (द) इवांस प्रिचाई ( ).
4. सर्वेक्षण है–
   (अ) एक सिद्धान्त (ब) एक पद्धति
   (स) एक प्रविधि (द) उपर्युक्त सभी ( )
5. जब अनुसंधानकर्ता स्वयं अध्ययन समूह का एक भाग बन जाता है तो इस पद्धति को कहा जाता है–
   (अ) अवलोकन (ब) सहभागी अवलोकन ( )
   (स) असहभागी अवलोकन (द) नियंत्रित अवलोकन

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. वस्तुनिष्ठता से क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न 2. समाजशास्त्रीय अध्ययन हेतु व्यष्टि पद्धति से क्या आशय है ?
प्रश्न 3. पद्धति का चयन किस आधार पर किया जाता है?
प्रश्न 4. सहभागी प्रेक्षण क्या है ?
प्रश्न 5. जनगणना सर्वेक्षण का एक उदाहरण दीजिए।
प्रश्न 6. भारत में प्रतिदर्श सर्वेक्षण क्या कार्य करता है ?
प्रश्न 7. सामाजिक सर्वेक्षण पद्धति का मुख्य लाभ क्या है ?
प्रश्न 8. साक्षात्कार क्या है ?
प्रश्न 9. साक्षात्कार लेने की शैलियों को बताइये।
प्रश्न 10. सांख्यिकीय स्तरीकरण क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. स्व– वाचक तकनीक किसे कहते है ?

प्रश्न 12. वैज्ञानिक पद्धति के प्रमुख चरण बताइये।

प्रश्न 13. निदर्शन सर्वेक्षण से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 14. सहभागी प्रेक्षण (अवलोकन) का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. आत्मावाचकता का व्यावहारिक पहलू क्या है ?

प्रश्न 16. एक सामाजिक मानवविज्ञानी क्षेत्रीय कार्य करते समय क्या कार्य करता है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. सामाजिक सर्वेक्षण क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 18. तथ्य संकलन की साक्षात्कार विधि के दोष या सीमाएँ लिखिए।

भाग–II समाजशास्त्र का बोध

अध्याय–6 समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रकियाएँ

प्रत्येक व्यक्ति कई समूहों,जैसे–परिवार,मित्र–मण्डली,नातेदारी,वर्ग तथा लिंग अपने देश तथा प्रदेश आदि से जुड़ा होता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति का सामाजिक संरचना तथा स्तरीकरण में एक विशेष स्थान होता है। सामाजिक संरचना के संदर्भ में सामाजिक स्तरीकरण व्यक्ति को कार्य करने हेतु बाध्य करता है।समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का एक मुख्य उद्देश्य व्यक्ति तथा समाज के द्वन्द्वात्मक सम्बन्धों को समझना है और इन सम्बन्धों को समझने के लिए सामाजिक संरचना,सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक प्रक्रियाओं को समझना आवश्यक है।सामाजिक संरचना शब्द इस तथ्य को दर्शाता है कि समाज संरचनात्मक है अपने विशिष्ट अर्थ में वह क्रमवार तथा नियमित है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वह सिद्धान्त अथवा चिंतन जो समूह के स्थान पर व्यक्तियों की स्वायतता को महत्व देता है, कहलाता है –
   (अ) समाजवाद (ब) साम्यवाद ( )
   (स) व्यक्तिवाद (द) समूहवाद
2. "सामाजिक बाध्यता सामाजिक तथ्य का एक विशिष्ट लक्षण है।" यह कथन किसने कहा है –
   (अ) कार्ल मार्क्स (ब) मैक्स वेबर ( )
   (स) पारसन्स (द) एमिल दुर्खीम का
3. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता यांत्रिक एकता की नहीं है ?
   (अ) इसमें परम्परागत संस्कृति में सरल श्रम विभाजन पाया जाता है।
   (ब) इसमें समाज के अधिकांश सदस्य एक जैसा जीवन जीते है। ( )
   स) इसमें समाज के सदस्य परस्पर अपनी मान्यताओं से जुड़े हैं।
   (द) समाज व्यक्ति की आर्थिक निर्भरता तथा अन्य कार्यो से बंधा होता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. सामाजिक संरचना से क्या आशय है ?
प्रश्न 2. समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का एक उद्देश्य लिखिए।
प्रश्न 3. मार्क्स के अनुसार इतिहास का निर्माण किस प्रकार होता है ?
प्रश्न 4. सामाजिक स्तरीकरण से क्या अभिप्राय है ?
प्रश्न 5. परहितवाद से क्या आशय है ?
प्रश्न 7. उदारवाद क्या है ?
प्रश्न 8. एमिल दुर्खीम सामाजिक संरचना की किस विशेषता पर बल देते है ?
प्रश्न 9. प्रतियोगिता की संकल्पना के कोई दो लाभ लिखिए।
प्रश्न 10. व्यक्तिवाद क्या है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. श्रम–विभाजन को स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न 12. अलगाव से क्या आशय है ?
प्रश्न 13. यांत्रिक एकता का समझाइये।

प्रश्न 14. दुर्खीम की सावयवी एकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. सामाजिक स्तरीकरण से क्या आशय है ? इसके प्रमुख आधारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 16. किस हद तक व्यक्ति सामाजिक संरचना से बाध्य होता है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. कृषि तथा उधोग के सदंर्भ में सहयोग के विभिन्न कार्यो की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 18. सामाजिक संरचना तथा सामाजिक स्तरीकरण व्यक्ति की कार्यप्रणाली को किस प्रकार प्रभावित करते है ?

अध्याय–7 ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से सामाजिक परिवर्तन से आशय उन परिवर्तनों से है जो महत्वपूर्ण है–अर्थात, वे परिवर्तन जो किसी वस्तु अथवा परिस्थिति की मूलाधार संरचना को समयावधि में बदल दे। इस प्रकार परिवर्तन में मात्र वे बड़े परिवर्तन सम्मिलित किये जाते है जो वस्तुओं को बुनियादी तौर पर बदल देते है। सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक व्यवस्था के साथ ही समझा जा सकता है जहाँ सुस्थापित सामाजिक प्रणालियाँ परिवर्तन का प्रतिरोध तथा उसे विनियमित करती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वह परिवर्तन जो काफी लम्बे समय तक धीरे–धीरे होता है, कहलाता है –
   (अ) प्रगति (ब) औद्योगिक क्रान्ति
   (स) संचार क्रान्ति (द) उद्‌विकास ( )
2. एक कस्बे तथा नगर के अन्तर का प्रमुख आधार है –
   (अ) व्यवसाय (ब) घनत्व
   (स) आकार (द) विविधता ( )
3. 'प्रभावी जातियों' की अवधारणा प्रतिपादित की है –
   (अ) एम.एन. श्रीनिवास ने (ब) योगेन्द्र सिंह ने
   (स) एन्थनी गिडेन्स (द) कार्ल मार्क्स ने ( )
4. निम्नलिखित में कौन सी नगरीय समाज की विशेषता नहीं है –
   (अ) उच्च घनत्व(ब) प्राथमिक सम्बन्धो की प्रधानता
   (स) गैर कृषि आर्थिक क्रियायें (द) तीव्र परिवर्तन ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. एक विषय के रूप में समाजशास्त्र का उद्‌भव कब, कहाँ और किस प्रकार हुआ ?
प्रश्न 2. सामाजिक परिवर्तन किसे कहते हैं।
प्रश्न 3. किन्हीं चार क्रान्तियों के नाम लिखिए ?
प्रश्न 4. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा की चार विशेषताएँ लिखिए ?
प्रश्न 5. सत्ता क्या है ?
प्रश्न 6. महानगर से क्या आशय है ?
प्रश्न 7. क्रान्ति को परिभाषित कीजिए ?
प्रश्न 8. प्रभुत्व जातियों से क्या आशय है ?
प्रश्न 9. किन्हीं चार ऐसी प्राकृतिक विपदाओं के नाम लिखिए जो समाज को परिवर्तित करने की क्षमता रखती है ?
प्रश्न 10. संरक्षित समुदाय से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. उद्‌विकास से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 12. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. शक्ति से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 14. अपराध से क्या आशय है ?

प्रश्न 15. भारतीय ग्रामीण समाज की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 16. किस हद तक व्यक्ति सामाजिक संरचना से बाध्य होता है ?

प्रश्न 17. सामाजिक व्यवस्था से क्या आशय है ?

प्रश्न 18. हिंसा से क्या आशय है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 19. समाजिक परिवर्तन के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 20. ग्रामीण तथा नगरीय समाज का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

अध्याय–8 पर्यावरण और समाज

पारिस्थितिकी प्रत्येक समाज का आधार होती है। पारिस्थितिकी, शब्द से अभिप्राय एक ऐसे जाल से है जहाँ भौतिक और जैविक व्यवस्थाएँ तथा प्रक्रियाएँ घटित होती है और मनुष्य भी इसका एक अंग होता है। पर्वत तथा नदियाँ मैदान तथा सागर और जीव–जन्तु ये सब पारिस्थितिकी के अंग है।

जिस प्रकार से प्रकृति समाज को आकार देती है ठीक उसी तरह से समाज भी प्रकृति को आकार देता है । पर्यावरण में अपशिष्ट पदार्थो के मेल से पर्यावरण दूषित हो जाता है जिसे पर्यावरण प्रदूषण कहते है। यह अनेक प्रकार का होता है जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनी प्रदूषण, रेडियो धर्मी प्रदूषण आदि। सामाजिक पर्यावरण की समस्यायें सामाजिक असमानताओं को बढ़ा देती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में किसका संसाधनों की क्षीणता से सम्बन्ध नहीं है–
   (अ) पेट्रोलियम का (ब) पानी का
   (स) प्रदूषण का (द) भूमी की ऊपरी परत का ( )
2. मानवीय हस्तक्षेप के कारण निम्न में से किस प्राकृतिक कारक की उत्पति नहीं हुई है –
   (अ) बंजर (ब) बाढ़ की स्थिति ( )
   (स) विश्वव्यापी तापमान में वृद्धि (द) पहाड़ो का निर्माण
3. मानव – निर्मित पर्यावरण विनाश का उदाहरण है –
   (अ) 1984 की भोपाल गैस रिसाव आपदा (ब) भूकम्प
   (स) ज्वालामुखी (द) मरूस्थलीकरण ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. पारिस्थितिकी से क्या अभिप्राय है ?
प्रश्न 2. सामाजिक पर्यावरण का उद्भव कैसे होता है ?
प्रश्न 3. पर्यावरण से क्या तात्पर्य है?
प्रश्न 4. नगरीय पारिस्थितिकी का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 5. सामाजिक पर्यावरण दो तरफा प्रक्रिया है। स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 6. ग्रीन हाउस से क्या आशय है ?
प्रश्न 7. मनुष्य की क्रियाओं द्वारा पारिस्थितिकी में आने वाले किन्हीं दो परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए
प्रश्न 8. सामाजिक पारिस्थितिकी से क्या आशय है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 9. सामाजिक पर्यावरण का उद्भव कैसे होता है ?

प्रश्न 10. किसी स्थान की पारिस्थितिकी पर वहाँ के भूगोल तथा जलमण्डल की क्रियाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है ? उदाहरण सहित समझाइये।

प्रश्न 11. पर्यावरण तथा समाज के सम्बन्धों को साम्राज्यवाद ने किस प्रकार प्रभावित किया है ?

प्रश्न 12. वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रभावो को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. वायु प्रदूषण की हानियों को लिखिए।

प्रश्न 14. पर्यावरण प्रबंधन एक कठिन कार्य क्यों है ?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 15. पारिस्थितिकी से क्या आशय है ? पारिस्थितिकी को प्रभावित करने वाले तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–9 पाश्चात्य समाजशास्त्री– एक परिचय

समाजशास्त्र के अभ्युदय में तीन क्रान्तिकारी परिवर्तनों का महत्वपूर्ण हाथ है ये है – 1. वैज्ञानिक क्रान्ति 2. फ्रांसीसी क्रान्ति 3. औद्योगिक क्रान्ति । समाजशास्त्र के विकास के लिए अनेक समाजशास्त्रीयों ने अपने विचार प्रकट किये जिनमें कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम, मैक्सवेबर आदि प्रमुख है। कार्ल मार्क्स का वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त सामाजिक ढाँचे का स्वरूप प्रस्तुत करता है। दुर्खीम का यांत्रिक एकता का सिद्धान्त कठोर दण्ड का समर्थन करता है। मैक्सवेबर की आदर्श प्रारूप की अवधारणा महत्वपूर्ण है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. दुर्खीम के अनुसार आदिम समाजों में निम्नलिखित में से किस प्रकार की एकता पायी जाती है –
   (अ) सावयवी एकता (ब) जैविकीय एकता ( )
   (स) यांत्रिक एकता (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. सामाजिक तथ्य की अवधारणा को प्रतिपादित किया –
   (अ) दुर्खीम ने (ब) वेबर ने
   (स) मार्क्स ने (द) स्पेंसर ने ( )
3. मैक्सवेबर का जन्म किस देश में हुआ –
   (अ) जर्मनी(ब) फ्रांस
   (स) इंग्लैण्ड (द) संयुक्त राज्य अमेरिका ( )
4. लालफीताशाही शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता है–
   (अ) आधुनिकीकरण (ब) नौकरशाही
   (स) उदारीकरण (द) नगरीकरण ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. सामाजिक तथ्य क्या है ?
प्रश्न 2. श्रम–विभाजन के प्रकार्य बताइये।
प्रश्न 3. यांत्रिक एकता से क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न 4. प्रतिकारी कानून किन समाजों में प्रचलित है ?
प्रश्न 5. अलगाव को परिभाषित कीजिए।
प्रश्न 6. मार्क्स अनुसार दो मुख्य वर्ग कौनसे है?
प्रश्न 7. सर्वहारा वर्ग से क्या आशय है ?
प्रश्न 8. अतिरिक्त मूल्य किसे कहते है ?
प्रश्न 9. दुर्खीम की कोई दो प्रसिद्ध कृतियों के नाम लिखिए।
प्रश्न 10. वर्ग चेतना को परिभाषित कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. मार्क्स ने समाज के विकास–क्रम में कितने चरणों का उल्लेख किया है?

प्रश्न 12. दुर्खीम का नैतिक तथ्य से क्या आशय है ?

प्रश्न 13. मार्क्स ने अत्याचार और शोषण को समाप्त करने के लिए क्या किया ?

प्रश्न 14. फ्रांसीसी क्रान्ति के किन्ही चार प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 15. मार्क्स के वर्ग संघर्ष के सिद्धान्त को संक्षेप में लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 16. यांत्रिक एकता और सावयवी एकता में क्या अन्तर है?

प्रश्न 17. मैक्सवेबर द्वारा प्रदत'आदर्श प्रारुप' की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

अध्याय–10 भारतीय समाजशास्त्री

भारतीय विश्वविद्यालयों में समाजशास्त्र की औपचारिक शिक्षा 1919 ई. में बम्बई विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हुई। सन् 1920 में दो अन्य विश्वविद्यालयों कलकता तथा लखनऊ ने भी समाजशास्त्र तथा मानव विज्ञान मे शिक्षण तथा शोधकार्य प्रारम्भ किया। भारत में एल. के. अनन्तकृष्ण अय्यर, शरतचन्द्र रॉय, जी, एस. धुर्ये, डी.पी. मुखर्जी, ए. आर. देसाई तथा एम.एन. श्री निवास ने समाजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा समाजशास्त्र को विज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत के अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय संगठन के प्रथम अध्यक्ष थे–
   (अ) राधाकमल मुकर्जी (ब) जी. एस. धुर्ये
   (स) एम.एन. श्रीनिवास (द) डी.पी.मुकर्जी ( )
2. भारतीय परम्पराओं के अध्ययन पर किस समाजशास्त्री ने बल दिया–
   (अ) डी.पी.मुकर्जी (ब) आर. के.मुकर्जी
   (स) एम.एन. श्रीनिवास (द) जी. एस. धुर्ये ( )
3. 'कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया' के पुस्तक के लेखक है–
   (अ) शरतचन्द्र रॉय (ब) जी. एस. धुर्ये
   (स) एम.एन. श्रीनिवास (द) डी.पी.मुकर्जी ( )
4. "कल्याणकारी राज्य की सोच एक भ्रम है।"यह निष्कर्ष निकाला है–
   (अ) आई.पी.देसाई ने(ब) डी.पी.मुकर्जी ने
   (स) ए.आर.देसाई ने (द) एम.एन. श्रीनिवास ने ( )

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. भारत के किन तीन विश्वविद्यालयों में सर्वप्रथम समाज शास्त्र में विषय में शिक्षण शोध कार्य प्रारम्भ हुआ ?
प्रश्न 2. डॉ. डी. पी. मुकर्जी के अनुसार परम्परा का अर्थ लिखिए।
प्रश्न 3. कौनसे भारतीय समाजशास्त्रीय सीधे तौर पर राजनीतिक दल से जुड़े थे ?
प्रश्न 4. श्रीनिवास ने किन विषयों पर महत्वपूर्ण कार्य किये ?
प्रश्न 5. समायोजन से क्या आशय है ?
प्रश्न 6. परम्परा की दो विशेषताएँ बताइये।
प्रश्न 7. धुर्ये के अनुसार जाति व्यवस्था के लक्षण बताइये।
प्रश्न 8. समाजशास्त्र के क्षेत्र में डी. पी. मुकर्जी का योगदान लिखिए।
प्रश्न 9. भारतीय नृजाति के क्षेत्र में शरतचन्द्र रॉय के द्वारा किये गये कार्यो को लिखिए।
प्रश्न 10. जाति तथा नातेदारी के विषय में जी.एस. धुर्ये के विचार लिखिए।
प्रश्न 11. भारतीय परम्पराओं में परिवर्तन के तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. आधुनिक पूँजीवादी कल्याणकारी राज्य की ए.आर.देसाई ने कौनसी तीन विशेषताएँ बताई है ?

प्रश्न 13. जीवन परम्परा से क्या तात्पर्य है?

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 14. भारत में प्रजाति तथा जाति के सम्बंध में हर्बट रिजले तथा जी.एस.धुर्ये के विचारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 15. प्रो.गोन्विद सहाय धुर्ये के समाजशास्त्रीय योगदान का विश्लेषण कीजिए।

————————